TSHAD MA RNAM HGREL GYI HGREL PA

(Tshad - Ma - Grub - Pai - Leui - Hgrel - Pa) Pramana - Vartikka - Virtti (part)

Sakyamati's own Commentary to the Second Chapter of His Pramana - Vartikka

By ACHARYA SAKYAMATI

Published By:

Gouncil of Cultural and Religious Affairs of
His Holiness the Dalai Lama
"Gangchen Kyishong"
Session Road,
DHARAMSALA, H. P.

Printed at:

Tibetan Cultural Printing Press, Kashmir House, DHARAMSALA (H.P.)

गरिमहण संस्था....1.68.00... प्रथालय. केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षाः संस्थान, सारमान्न, बाराणसी



पन्नेमःचन्द्रं देन्द्रभःक्षेत्रं मेश्रमःचन्द्रं चा पन्नेमःचन्द्रं देन्द्रभःक्षेत्रं स्वाधः भ्रान्यः मान्यः स्वधः स्व हेन्द्रं स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्व हेन्द्रं स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्व हेन्द्रं स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्व हेन्द्रं स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्व हेन्द्रं स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्व हेन्द्रं स्वाधः स्वाधः स्व हेन्द्रं स्वाधः स्वाधः स्व हेन्द्रं स्वाधः स्व हेन्द्रं स्वाधः स्व हेन्द्रं स्व ह

्ञा । । रहारे दे त्या धाया वर्ष व्यूट्सा क्रसा ग्री खेटा सर प्येत सुवा वर्षा व्यूसा मैर्नम्बस्य पर्ते मैं नमर प्रां लें दे रसेट. क्र्मिंश वश होन होंने. में नमर तथा · सद्ध मुंस मुः वकुरं व रेड वॅं के दूर। दे दे रेवें रेट्ने रेड्र मुं वर्षे दे परे क्विरंदर प्रकश य मेर में क्ष्मा मार्स मार् प्रकेश के दारे क्ष्म भागा । ୂଁ ଏ . ଗ.ସିଧା**ଶ**. ୍ଞ୍ . ହୁଏ, ପ୍ରିମ. ଟ୍ର ଲି. . ସିଧାଶ. ପଞ୍ଜି . ପ. ର୍ଷିଟ. ପଟ୍ଟ . ଯାହାଶ. ହୁଥି . . हुर. तरु विश्व भुर. त रेट. । ित. वरु. हुट्स. श्रे. मैज. वर्हे र्थेर. लट. चेश छ. वरु. র্বর্ষ্ট্রিরেল্ল র বর্ষর্বর্মশাস্ত্রী শর্ম ব্রামান স্বর্ধ সামান ব্রামান করি বিদ্যালয় প্র **ସ୪** ବ ଫୁଁ ଅ ଫ୍ରି ଅନି 'ଫୁଁର୍' ଦୁ ' କିଷ' ଅନ୍ତର୍ଗ ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର୍ଗ ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର୍ଗ ଅନ୍ତର୍ଗ ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର୍ଗ ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ मिश्र मुवः हे क्षेर हिन् मु 'न्र ' त्यन्यार प्राये 'ख्रियः नु स्येत्र ति दुर प्रुवः प्रेतः रे इमराम्बि हेर पु नुसारे रदारी ग्रै हार से पि स्वीतायते वितारे स्वीतायमा त्र पर्वे द्वार्यः वार्मे के क्रिक्ष प्रमाना क्षेत्र मी से क्षा क्षेत्र प्रमाना นรู . ฮุร . ฮุร . ฏิ. พฐ. รูพ . ซูล . นี . ปุ พร. เชลุ ร. นพี่ะพ. ฐช. เกษ . ซู้น... नाकेर मिरानी 'र्स्चिन'र्द्धन दुस्सार द्रयम्याचेर् सम्मान द्रमान द्रमान द्रमान द्रमान द्रमान द्रमान द्रमान द्रमा हिन वर्ष मुक्त मुक्त निमान दर्ग वर्ष र वर्ष कर कार्य वर्ष स्था निमान नार १ यचेवशः सहर व प्येश

स्त्र : देश : ह्या : तर : विद्य हिंद्य दि : तर : पर : वश्च : वर्ष : वर्

|क्र-भः इस निर्मेशः में तर्मेशः चत्र-पर पर पर पर वह निर्मेशः निर्मेशः पा 130 म्यान्यन्दरात्वर् वस्त्रं प्रते वर्षे वर्ष र्सेन द्वें क नीस नियम प्राप्त मार्थ मार्थ मार्थ है। दे ता नाय है। ষ্ট্রবি বের্বর ক্রমান্ত্রী বাবারার বেরী বর্ধর বের্বর ক্রেন্ডর ক্রমান্তর করে বার্ধর বর্ यतरायर वर्षेराय केंद्र यहारे हेर्'यतर्भर यर मुख्य केंद्र न्दः संदिन्दः मोका हेका हा न्यमा थये अळन केन सका यर माल्मा या अहन हेका च व व वन्य वर्गा श्चित्र द्वेत मीश क्रिम क्रिम क्रिम क्रिम क्रिम क्रिम यन्द्रस्ते विश्व व व श्रास्त्रास्य व के वदिते त्यक भेक हो। वदि र ह्येंच द्येंक वै:र्सुन्कःगु ब्राटः स्पेशः सरः ५**र्द**्देशे देवे तस्य वर्षे सम्प्राप्त देवे । देवे तस्य वर्षे सम्प्राप्त देवीरः य १९ भेर यदे क्षेर दें। देवे परे में क्षेंच दवेंद मीदें। यह व वहेंद्र मार मीद्रा मदेव शुमान्दाहेश शुन्यवा यदे क्रिन मामकेंव वर होता मा दे दे क्रिन मरे मक्द १९ में पहर पर्कारी कराम गुरायस पर्स पालेश मुनवर्ता हा हेनास मुन टबा ८ क्रूंश में ट के में बा यह ही न चार है में में है से मो है या मी है या मी है या में है या मी है या में है वहूंसा हो। श्रीवार्वार मी लाद है लो का कर सदा मक्र हर मी वर्षे वर्षे मिट क्रियायस लेका न पारे मितायर में पर्यो हिंत प्रेंग प स्रें च र्रेन स्रेंन की क्रिकार अस्य हैन की महिरावर साम रेव र्रे हैं असामालिय यम नुस पर करमारी मर्कर हैन गु राष्ट्र राजेंस ऑर मेंन गु ह्वें व नर्थे ही स क्रुबार्स्स र नक्ष व नाक ना हुस स्मा हेते हर मी है मां ने द पद समाम प्रति नामकाचार्या शास्त्रेणक होर के स्रीप्तकारमा अस हिर्म्यर राजनिर्मा है। क्यायर चन्द्र पर्ता देवे के हें संश्रुत्यन पर्ता देवर के देवर

र्वे संभित्या इसाधर त्रेन यदै सहद हैर उर है यन् न या भेद हैं। WE हेस सु द्वना य हैद प्येद है इस वर हेन य दह वर स य हैद ही खुर री। दे नमा व मनमा सु नुर न है द है है र दे है द द में द मान प्रतिन पा पव वे। न्य दे ह्यून द्र्येन सुन्य गु ह्या र्येश हैश सु द्यम यत सह के दे सह पर दे र हे ब अर मुस धर दस पर न्यानिश वस दस धर चलना प हे हे व ही व अर पर क्र म क्रम त्म्रोय मी वितु दर येर क्र म गाव प्रका चरुका म भेद वी मत रदामी देव मी हेल सु द्वा ना मारे खेतु हें दाद लार महत महे ही दस देव मी इस यर प्रति देश। दे त्य हैत हैर रेस य यस प्रतिय देश सहि हैस न नदे हिन् यादरे था देवे कुर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व व व संन्धा व क्षेत्र है वस्तं वहेंस मार मी सुर में दर मिसस दर ही अर्ट्ड अर्टेंड यर है द य है है अर्ट्ड हैं तु नक्ष्य पहेंब सें। से पह्यु पा १९५ मी खेर दि सामार दे स्वर सा मद्दे हैं गु वहदे वहूं आर लेव तथ दी क्रिय अवदे हैं गु वहदे वर्ष है। सम्सन्त्रमण्डीवर्गन लेस न वर्ष दें हों। देवे वर्गन यर मु के कर सद महत के मु वहा वह स्व मन् वद मुदी। श्रेंव दर्भ मुं अदः ने प्रेर व कर अदे अदे हैं दे मुं नहरं नहरं नर्देश न्ये परे मुं अदः ने प्रेर ... इंश शु.र्वज. यस द लेश नु य दे यस दहेंद यमें। दे ना ले ना इस श र्मना पर्देश पर हैर क्रिंस मागुर सस महस मते स्ट मी दें भी हैं वर्षा द्वना यदे खेतु वे हे वर्ष सु द्वना यदें। ने अद्भादानामा स्र- हें स स्र न्या पा पा रहे व वस पहें स स्व प्र स मी पान् में मास या न्या स्व य प्रेंब में विषय में के मार्थ में मार्थ में

े अत्रुत्त्वाया के द्वारा मालका भेका के शिका हा का सामा का के प्राप्त कर के स्व ्ची ट्र्वे.मु.हुस.श्री रेतवा.घटु.जुटेर.क्षेत्र.चर.खु.च.ट्र.चत्र.च.च.च्र.च गीव.जन्म.चर्रेश. यदै रदः मी देव मी हेस हा द्वापा यदै खेतु दे है द हेंद दव लव वहव यदै ही वस र्म. क्षेत्र चर चन्तर म. केर लेब वा क्र स. लेक. च. च. प स्मां स र स. लेब. च. यावे क्रिकायक्षाक्षेत्र व्याप्तेशायालेश नायात्रात्रात्यात्र स्त्रा देशायम् य सहर च यर्ना हेर गु क्रेन्स सु यहर यदे यन् य य सहर हैर। यते.सं.व.प्रस्तित्व.तप्र.र्व.र्वे. यक्षान् कंद्रास्य मुद्रायवी। देखान् कंद्रासदेना पर देना धारस्या प्रस्ता व्।। अट्रें शुमान्दाहेशा शुन्यमा या वै क्रियो भी भी वा या दे यह स मुरादायर्केमा स्वतादिया देवी राटा वलेदा उदाया प्रदेश या वा दे । सूर् नु वहेंदा रे दार्य मन्दायर प्रत्यम के लिया नाया के किया नाया के कर स्राप्त मान कर स्र य'डद'प्रेद'दें 'बेश'नु'नदें 'देंब' हों। नात्र'हें 'क्लेंब' यदे 'ब्लेंबस' त्रसं मुन्य' य'है. मासेदाया क्यायर सार्देना या विद्याया सेदायत प्रेम्सा की यदना हैदा उदा प्रेम शु पतुनासाया हित्र भेर वाहे पर पर पर नासाया भारतहे वासा है लिया पु ले वा त्य दर्गोदमान्त्रम प्रहेद् यद क्षेत्र हो। विश्व नुष्य के माल्य द्या मी ध्येय की पर्दर माया हे मर्डेस स्वाप्त्र के है स्मर् नु प्राप्त प्राप्त सदी सदी सदी सदी कर सदी सह धेव यादे स्ट्रास्य मुन्त्राचा साध्येव ही। दे तस व स्ट्राह्म होत्यदे

कंद्रमम् द्वेर महित्य भेद दें लेस न प्रति के मेन्स प्रति दें। माञ्चा मेन उत विसादा लेक नुष्य के मेन्या व उर हेन न्दा विकाद हैन मर्क नालि हिसासु प्रमुक्तका क्रिक क्रिक केरा के मक्ष्य क्रिक प्रमा क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक <u>ने श्र</u>ेदे अळ्ब के दे प्रकास ने का प्रकास का मही स्वर हो दे तथा का मही सामित का साम र्भेन्स प्र दे विक् पर हिर्देश कर स क्षु सेर कर लेश हा यह देस ही मेर यन्त्रेश-व न पर्वेच पर के प्रमुद्ध है। अबाया अहा के प्रसु पर ऑर्प या हैन गु.बुर.स्या देव.बुर.जेब.व.श्रॅब.व.वेब ब्या दे हैर.वर्बर.वह.बुर. **য়৾৾৾ঀয়ৣ৾৾৾৽৽ৼ৾৽৸৻৾ড়৻য়৾য়ৢ৾ঀঽৼ৽**ঀয়৽ঀৼৢঀ৾৽৻ড়য়৾ঀৢ৽য়য়৾ঀয়ৼ৽ৣ৾য়ৼ৾ৢ৾৾৸ में नह्यु न दे अद खुव के क्य दि लेख नु न र दे दि हुर दें। नि में के त्रर त्युर हो व र्वे व्येट्य ही वहर वस वहना म लेश सु म हों स है। है रैनास सर दर्भा नार्रेस गुरेस प्रेस सु न उर् नर न व हे नर नु रे ॥ सर्दे र सुस **बैं इस'यर'र्देश**'य'**सेद**'य'क्दैर'ग्रै'क्दैर'देश'य'स'श्रेद'सेद'ग्रे'देव'ग्रद'रेर'ड्राद''' वराश्चेश्वाचारमाध्येत विशेष हेर्सा ह्या द्वाना या दे हिरा या हेदास ध्येद विशेष ने सिंदि क्षिम हेना या सेद प्रसाह त्या सेना सामा यदेव या दिन हिन या देश पर दिनेद यर से व्यापके र में प्रेर है कर रे स्थार्द्द स्टिंश वहद व्याप हुना है व नहेंद्र थ मद्दे श्रम में देव कर में पहन या वे इस या नाई साहे दरा थें है दरा रा म्बिश मा छत्र वी। द अ में स्थाय दा दा स्थाय ना मिदा दी ता विव दु में स्थाय वस्यान करें ही कर्र के शिक हैंसा ना के हा है। ना सहके दी में सका सारी के साम सिहिता वित्रमु सर्द्धा स्टब्स स्टब्स हिन गुर्का व्यट्स ही वहन दस ही वाद्या दि है है सुर **- ਗੋਣ.ਖਰ੍. ਸ਼੍ਰੇਅ.ਖਰੈਂਟ** ਚਰ੍ਹ.हੁਆ.ਖ.ਸ਼੍ਰੋਟ.ਖਣ.ਤੁਟ.ਖਰੂ.ਸ਼੍ਰੇਣ ਹੁ.ਯ.ਸ਼੍ਰੇਅ.ਧੋ.ਖਵੇਜੀ.ਜਨ..

चेन दें दें सुर ने भारत कृत ग्राह्म स्थापर हेन प्रदे सुर सुर किन सामहना या भारत हें साथ सिन् या उदा भीदाय दे ये दे दे दे प्रारं सा यउदा दसा देसा मारेशायरायल्याय माध्येदार्वे। द्रार्थे केराके पहिनायाम् ध्येदायारे ฒ.लट.मैं.सक्ष.हब्र.घर.चिडट.घ.मुट.घ.४८.घ.४<u>.५.भू.भू.भू.चेश.पहि</u>यो.तर... निन्द्री नाया है रहे द्र द्रें स्ट्रिस ही परन देश है साम प्रे प्रे हैं प्रे रहे लेखा रेदे दस मर हो सम्पर्ध सरे स्निर् पृष्ठ मिर्ग्स से लेस छ न माता हे हो कें मानी क्षे तमा पहना या प्रवाद है हम हें ना य 445-38-511 वसायहणायर विमुराय रे केर हेनाय होंव नु महेंद्र यां उदास भव वें। ਫ਼ੑਸ਼੶ਖ਼੶ਖ਼ੑਫ਼ੑਗ਼੶ਜ਼ਸ਼੶ਖ਼ੑਖ਼੶ਜ਼੶ਜ਼੶ਫ਼ੑਖ਼੶ਜ਼੶ਖ਼੶ਫ਼ੑਖ਼ਜ਼ਖ਼੶ਜ਼੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੑਖ਼੶ਫ਼ੑਖ਼੶ਜ਼੶ਖ਼ਜ਼੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ੑੑਖ਼ੑਜ਼੶ਜ਼੶੶੶੶੶ माकेश क्षेत्र हो। व्हेंना च ता क्षर हैं के दे ता वा के हैं सा अ वा दे हैं न मेर पर देश व हैर मिं र पर हैं। दे पर दें। दे पर दें हैर है है है है है है है है य माट प्रेंब दा दे के देना या होंब दु र्वेट या उब प्रेंब यर विहेमा देव द्रमा यहेंद्र दे । म्तान् देशाय हेन् गी क्षे वसायहमा यर नी दायर तमुराय हे सर्दर प्रे व र्द्रे के के कि मान संग्राम मानि वा समाय मान वहना सर में दे मान मान मान विमुक्त हे हे द्वा सक्ष के देर सामक विमु का सम्मान विमु न विमान स्थान स् कदाम ॲर्पानम योग ने॥ में निश्चान खुयानी केंस दे मर्क की र प्रांचा डक लिया के क' है ' हुर ' वर्देर 'पते ' दें के ' हु ' यु के हें वे ते लेश यु मा क्रेंस है।

ंबुर:दें वें निट नीस रें न नु ना हेर निर्देश से ता से नास था है है हिर निर्देश पर है। निर्मा में व्यक्त मान्य विकास व व में मान्य प्रते प्रमुख में में मान्य प्रति प्रमुख मान्य प्रति प्रमुख प्रति प्रमुख प्रति प्रमुख दे लेका वार्षेक लाट लेका वास का है हमर वर्षेत्र सदी देव हैं। देवी दे सु सुदी ही में केदेदे दे दे वे केदादे में वार्ये मध्ये दें वे केदिन वे केदिन वे केदिन के विकास मालना में या र्शेन वरे रें में रहा में नुषा या वर्षे न वा नह वरें ना या र्श्वेन वा या सुवा या सुवा या र वुंश्रामान्नेदर्श दिवे मुवाया के देश मा हे देश दें कर हा सुवे दें वें राह्म समाय होंग **ढेस** न प्रदे दे दे विश्व प्रदे मूच य अह त ह स न उ ह से य उ द से त नरें हुर रें। १८ नरं नु हिंसान उदास भेद नरें अट देने रेनासं उद हेंद्र सेंदर नर **ब्रायम्बर्धाः स्ट्रायम् स्थायम् म्यायत् । वेश्वायत् क्रिंस्य स्** मह्यायान देश यामा है आहे। दास दर्द समिदि यर दर्द यास प्येद या नद सद्दे यर पर्र मानार के राज दे मिं कि मने राज दे के जिया न वा कर की का मार्डे का है देते विसं अन्तरे देव भीते । ।दे सु चुर मुद्र य वेस अन्य दे दे वे मार मीस र्न 35 मर नुष म हे देवे हें में लक्ष 3 मरे र्न ५ ही हे सूर मानका सदे मक्र १ . १ में भारत के . खेस . में . यह साम में . हें ४ . हें में . हे सा खे . देव ने . यह . र्देशमुः रदानी हर्षे वेर स्परकाक्षामा यहदायदे । सुराले मानाया वेर हुने वे वहमायाया । । पहलाय केर की खेर दें। अर्दे वर पर पर दें प्रते हैं के मार केर हैं खेरा ब्रायह्ना पर्।। मे नह्यु न नि तार दि दि स्वर यर ने दि सके न रदानी दे ते स्पर्धाय दे अर्ड अर्ड अर्ड वर्षा अद्वर्श श्रम दे है साश्चर

यर वर्देद यदे १८८ ख्रद यर छेद थ र वर्दे छैर हो। दें दें दें होना थ वर्ष स्विम पर्या देवे हेर च व क्षेत्र चर्या देवे मावस य वे हे नाय य म्भे मिम्रस गु र् द म्रू कें न्या य केर गु सेर मा हुस.च.७ स.चे.च.प.स्वेश.चश.५%८.चर.चेट.च.ण। १५८.स.हे.सट्य. श्रमः दृद्धः शुः द्यमः यः दमः मेशः अदिशः शुः देशः यदेः दृदः से ः सः सम्रासः यद्। रश्चानम् । १ वर्षे १ वर्षे १ वर्षे व म्, पशुची, त.रेट पे भूरे, त.ज. स्वीस. तपु. वें स.त. बुंश. ये. वें. भु. देशस. दर. पश्ची. मान्दावर्द्धेरायायार्थवासायवे वृषायासे दाया दे स्वाप्ता विदायर वाह्याया स्वेता है दे दे विर मुर य हैर स है तहना य अव समा हर भेव वि त.पा.श्चीश.तपु.लीपा.वर्.मी. ७४१.मी.प.दु. ट्रॅ. रपु. रुमी.पपु.लीपा.पा.पीश.मी.प्या मर नेमार दे पर्या केर कर में पहिमा पर्या क्षेत्र मान स्थान देश है या पर्टा म्बर्दा याया स्वाका सह तीया छव स्वानी विकासर विकास प्रिना या निहमा या निहर है। पहनायादे दे दि द्यां सर्दे दाश्च सामी से पह्यू पा क्षेत्र देश से स्मान्य से पहलू प्रमान नह मुं १५ के नद होर में नहीं न के ने नि सर. तर. वे अ. तर् । हे. लट. ज्या वस वहू गे. तर. प्यीर. रू । इ.स. स. ल्ये.य.चेल.टे.स्रेश.मे.प्टे.अप्.पहेब.त.केट.क्र.ची.भु.चर्यी.व.ल्ये.तर.पचीर.. **, ୶ୖଽଂ୴୲୷୕ଌ୕ୣଽ୕୴ୖ୬ୣ୵ୖ୴୶୕ୣ୴ୖୣଽ**୕ୢୡ୕୕ଽ୕୶୕ଌ୕ୣ**ଽ୕୶୕୷୴୶**୕ଌ୕ୣଽ୕୳ୣ୕ଌୖ୕ୣଽ୷ୢୖୣଌ୕ୣଌ୕ୣୄଽ୷ **୯୬**୯.୭୯ ଅଟୁଏ.ଶିକ.କ୍ରି.୯୫୬.ଘ.ଶକମ.୧୯.୯.ଘ.ସିମ.ସି.୧୯.୯.୯୫୬.୯ माध्येत्रे दे वात्यर मी नाम दीदाय श्रीदाय दे स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् मर्द्र केर तरे अर विवासर वेर पास अर सर त्युर री। वार वेया वे

ਛੇ ਵਿੱਚ ਕੀ ਟੇਰਜੇ ਰਹੁੰਦ ਦੇ ਸ਼ਹੀ ਹੈ ਦੇ ਜ਼ਹੂਰ ਦੇ ਸ਼ਹੂਰ ਜ਼ਹੂਰ ਜ਼ਹੂਰ ਦੇ ਜ਼ਹੂਰ ਜ਼ਹੂਰ ਦੇ ਜ਼ਹੂਰ ਜ਼ਹੂਰ ਜ਼ਹੂਰ ਜ਼ਹੂਰ ਜ਼ਹੂਰ १९ क्रिंसदे से नहीं न सत्त्रित स्त्रे सेर् मी रूप मी र विनामी के हिस से निकान सुमान वृद्दान उद मी नहनाय अद्दर्दा के सद्दे श्रुस मी से वहा न अद्दे । मायाने मारानी नावस स्राप्ता हेन प्रका नेसा हा हेर से हेन प्रा लेखा न प्रा स्चित्र य स्रिया या । इसाया सर्वे द्रसाया या स्चित्र या या विता यो सा हेसा वि.च.धु.रशाचाभव्यदमातान्त्री दे.पाशाचिश वामार्त्ताभव्यदमान्द्री स्विम् सदी सुरा व दे दिए वड दिर्देश वर्ष दे र क्रें वर्षे वर्ष वा ना वट दें। दे देर के है पर के ही नहां में के निवास समा वेर नु रे सुर के भिक् विश्व मार मी कें अर्थेट या शासनास या से दाय दे ही र तिसुधा यर तिसुधा में विवितात्तर्भे अक्षरं वस्तावर से विसादार्ट हीस मी करासदे पहनाय ता हेंदा यासेद्रायर देवे त्रवस्य वर मुर पर्वे द्राय सर्वेट व दे देस सर वस क्षाप मी... कें में देश सर हित्र सर देवें कें हिंस सुर्व मार्थ तहना मार्थ दूर में दे मर्दे श्रम मीस में प्रश्ना न भेर हैं। देवे में मर्दे श्रम क पहना पर नेर मानेदासाधिक मि देव गुराहेश शुर्मामा नेदा केदा भेदा वी। से नहीं मानेदी मानेदी मु अद्भव के दे दे सार के अद्भार के अप कर कर कर के प्रतान के प्रतान के प्रतान के प्रतान के प्रतान के प्रतान के न्यामद्रम् श्रमः मुक्षावहद वान्दे त्य भदायह्नि मावदे कुं र्लेद् वदे हुँद न्याकः " देश या हैन होन या साधित क्या ने खरा के विदेश के क्या वर्जेर पका खुका बदी कु यतं देश तर् रेट्स स्ट्या है वर्चे हैर है से सम्बंध व कर है से दिसा मद्रे मुं भंदर्शी ले उ पद्र ही स प हे हेर के दे में सिका य नासवाब. वृत्य व द्वर मु अद्वे शिक विधिता वर्षे मैं सिंद्र व द्वर भी वर विधिर है। कर्ष क्र मुन्द महिनास सु मुस पाय संनास पाय देना दूर देने दस सर्द्ध सा मिंश्राय प्रसाद भीसं प्रसामहित पर्द्र मुस्त द्रम प्रमापन प्रमेत प्रमापन प्रमापन व्यक्ष क्षेत्र मद् नु नद् निर्मर मार क्षेत्र य र के द्व वर्तेर नश क्षेत्र मर वुका यासाध्यक्ती देखराव स्थापत्रीरायसास्याय करे द्वा १ द्वा दे य श्रुव यर विषुर मार वा रे लिन रे छेर वे माप्य हे की मेर मार वर छेर नु वियायते सुरार्थी दे न्दायन यह साम्बे ने सेते न हार्यके सामिन या वसाक्षे चाया दे वर्षां चाया है स्ट्रां चाया है स्ट्रां चाया स्ट्रां चाया साम विद्या वाके दे वह वह विश्व हो। दे वह वास प्रकृत वास हे वह वास हुए के के दे दह दे मा अव यदे हैं वे उद के प्रमा अव दे दिया है देश हैं देश में देश में देश में विकास में विमुर्ग्सा रिप्यश्मे त्यश्मे त्यश्मे विद्या यसःश्रुवः परः से वुद्यः यत्राःश्रुवः यः पेषः व वे दः हेदः से प्येवः परः वश्रुदः यः दे स्टरः ब निवित्य य रेपेर या स क्षेत्रे। रे स्मर 5 स्मर माम स पर ही ये स सम सर्वे नार्द्ध मानी हरू नुर्व ए खुना दश प्रशा नाथ हे वन् हैं वे से दे। । दे वस दे न प्रति । दे वह में के प्रति वह में। दे वह वह में नुस्ता नुस्ता नुस्तर् मुःसदःसया। प्रदूर्व मुःसद्भा लिम चन्द्र के हो। विद्यम् भट में सम चन्द्र च विनविन्यस्तिसाया देन्त्रीस्य महेसन्यनायस् । हिर्देशहे मिवर देशका मा नहूर भेटी। न्या का केट जाता है वर विचीर है का विभिन्न या भेष वी है है मार्म क्षेत्र है भागी कर मार्म है न पर है न पर है न क्रद्रम क्रिद्र क्षेत्र यादे यहित दुर्देश शुर्द्रय ना या अदा क्षेत्र यादे यहा क्षेत्र ना सेद्र यदे किर हैं से शु द्यम पद्म वादेश यं भेंद्र या सामित हैं ले ही क्षेर सद्दर श्रम हेर जा लेश म वाजा स्वीस या र्सेस हे रदा वे सहदर श्रम में हेंदर देवै दें दें के दें विश्व के दें अमिर वार्षे दें विदे वि के देवे देव हों। र्दिन्ती र्द्रानेत यदे खुवान्डर ती कंद्र सर्वे। विश्व के अपने केंद्र विद्या देवे देव मुक्त देव मेर पार अया कर कर वार ने वा में हिर नर में पार पर में यहूँ स य स्थेया यर हो द्रा हिस सु द्राना यर हा व के देना य हे द ता स्वास य देते दर वलेंद्र द्वास माराय व्यंद्र यादे की देवे रदावलेंद्र दे हे सुसाय हेराया स्वास पर्दे द्वास सम द्वस नु नु र व स नि र व स नि र वेश पर्दे मु प्येव वे 'लेशन व व' रहे दि ह्यर हो। हे हे बर बुर खर रहें रहें में द य लेशन माने रहा मलेगा मुरामा दहा। वास सुरामुर मुर मारे पहास में दहा मुका नर लेखानु मदी दें। दे वशाय हेखा खु न्यन या वै महा के न गुरेश कराया केदानु इस धर यलकारा प्येत यादी हैर मुना या सेदाया साम्येत वी। र्मार् क लेखान न के मह्द श्रमाय मा व सेर्वि केर हिर वर देश व सेर व लेक है। वर्ष केर व केर है पह ज यर नेद यद निवस अर निवर हो। देवे हे हे हैं म मेम गुह नहन पर निर्दा में समाय भरा गुर हिर पर देश पर महिर व पर दे हैं से गी कर मद्भाव विक्षा वात्र महिन सुझ भटा वर्षेश वास भेव के लेख देव की खान वर वर वर विचार हैं। मार्थ है सुंख ग्रें कर सदै वहना पर दर में दे से महा मार

प्रदायर देवा पर न पर्याद करें देवा साय साह देवा है। है दे दे दे हें पहनाचर होर य केर स प्येष हे प्या य केर के खेर रें। यदेव हे पहना यर होत् या केत् की देवे की नेवे कर मा केत की मा के सा सा सेवा या के सा ष्पेश मुी विंद गुष्ट रहेद अस देश यादे या देश दे दे ने मां उद केद मुी सदेंद क्षुस्र मीस नस्या नदे है इन न्वा न द्रा में नहीं न दर हैर दे हैं है से सह दें हैं हैं जो हैं। हे क्षेत्र गु सदेद श्वर भार वेस च न म संग्रस यस वुन य सेद यर देन्स य लेब हे हे हे हर के महिंद श्रम हा म दि हिंद यर मेर य ले बे वे दर्श च ताय हमा या सामेर पर में र्हें सात्र या है। है सूर मेदी भेश या दर त्रं भे भेर वर अट वहन वर हे कें भ न दर हैन रहेन वर वह सेन वर वह सेन वर वह सेन वर्ष मञ् नेश्व राज्य हे हैं त्यम दि वर्ष स्तर हो से दार हो ना स दि द हेंद साथ से तर् नेश्वाता ही वात्र हे भेरावा मा देश मुन्दर ही के हे हे का अट म् नहीं न मोविश नहें सामर प्रीर न दे जाला माविश हें साम के में मान मेर स व्यवन्त्री हे.के.चेश्वन्यायन्त्रविषाक्षात्रम्यात्रीत्रम्यात्रक्षित्रम्भावर्त्त्रवर् र्स् अर.रे. मिं ब. चलेब. रे. प्रचीर हो। रे. अर.रे. आर. मोलंब वे भाषाव मिंश. है हिर दिर दें दे भीस म हैन। दे से नहीं का नहें से ननीर था। दे केर.भु.चर्से हुर गुरु गीरा।। भ्राचर्स च.लट.चर् ज.चर.चे॥ वाज.हे बायम कर के दे से के दे के के दे के की। दे के वि दे खेर रहिस के वा। मु नार मीस व र म नु स्टा । विस सुर्ध सी। माध्येद'हे 'बेश मु'मा व्यार्थनाया या व्यव प्रदे तथा पर मुदे पर या वाहे मा हैंस.च.च.चे रूर हित्य दित्यहोग याय स्निस या हैत यादम मी

य के दिरंश हो मेद याया अटा पहना मेंद्र गी पश्चेना याय संनास यह इटा वा के मे-दे हैं दे हैं से सेद्राया विश्व नुप्ता कार्यन्स मार्स्स स्त्री वशुर र् दे वै दिस्स से वे देव हव हैंद अव पर पर छैर रे लेख न व वे वर्षेना य दा परेंद माय स्वास मह देरे होर यह खाय कर ही केस म ही न हेवाँ। भ्र.पर्शि. व. च्र. ब. लूब. वे. चे. चे. चे. चे. चीर. तर्. प्रधेत. तर. चेर. त. तथा. मीट..... तिहमा नद्र हे हेर अट्व पर पर्टे पत्र दें की शायर वर्गीर पर बें का अपूर्ण भार दे क्षेद्र क्षर **मा** भेष मी प्रविकास मा भेष के विषय न प्रति নমু ন উন্ ঐব ন। यः इट विहेद् या भारत्निका सर्वे देव मी कु केर प्येव मिये खेर स्रो नाट प्येव या हे हैं द वर्ष्ण्यो.त.रेट.वेष्ट्ररे.त.ज.सूर्याश.त.दुरे.त.रेट.के.येट.जूब.स.इ.ब्रेर.स्थित.रेट.चर्येट. रह्मात् व द्व वेद धर वेस पत्र मक्ष वः वः स्वाबार्यः हो ५ दे। क्रेर्क्षक्रम् हेर् हेर ही मार्थ हे हैं तथा मार्थ हे हैं तथा पर हे हैं दे प्रत्र दे व क्वांतर, मध्या श्रेयमा ब.लट. रेट्सा स्था देश निया नहीं मिल रे हैं से टेर्सा माया दे के व्यम मु ने साम कर समा द्यार में ले या पर्दर मा हैर मुंद से र में मायाने त्रं व ह स्र व र दर मा मा भव पर प्रति हे व ति विकास प्रिव वे हिमा सह । वस्त्रातमा.स्। देव होर द्व होर तर वेश तंत्र तिया वर मी भट्य समान विविता नहुः में भक्षानु त्र होता करा होता होता होता है है । मुद्रा साम होता साम हिंदा श्व.चवर.च.लूच.चू। इ.केर.लूट्श.शे.चवर.च.चधर.टे.ट्.ज.ट्रश.च श्रीर.नड. **डोर्'य'रे**'क्रर'ब्'रूट'केर ग्रैस'ळर्'स'ओक् य'रेवे'छेर'युन्य'य'सेद'य'स प्येकर्ले

दर में दे से दर हर झर नदे के पा अर में साम से दे मा दर मा है है स्कृत्ग्रीस नाइट नुः बेद गुद्दादानु यदे नुः सर्वद्राप्ते पदे नु र देस पा होत् पद वसाम सेर्पार् प्रसाद। दे त्यासुका गुः स्राम पहना प्रसाद राम हर् नु दस यर पवना यारे हिर के मावक यश कर स भेक हो। हे अद मास या अरे हैंद म्बाया वास्त्र वें वा वार्य है है स्था के हैं है है है है है है स्थार के विदेश हैं यश व पर क्रिंसिट्सिश्चमाने रहार्द माल्यामा कर्रास ध्येतामा हेशासु रहामा हा वंरा हेर् यस भेव वे लेस नुनर बद्ध से ।। पाय हे सूर महा पते दें सुस लक्ष ड च ता से देश य वे अद्वार के वा स हिद ता यहे व वस में या य से व दें। स से व हे ब्रामाना स्त्रीमान्यायमाना निर्मित्राच्यान्या निर्मित्राचाना हें बार्स राये 'क् हेर प्रेय राये 'क्रेर प्रेम 'देन हम रेव प्रम क्रम के मा पुर्देस धर छेर कुट.रेप्ट्रे.इस.श्री.पर्येटस.वस.ट्रे.डेर.क्स.तर.पेड्र्सी.य.लुब.ट्री क्टे.कप्ट. इसायर वर्हेणाय के माझूद उक् हेदार्भक यह सुर रे विकायम् राया वार्षि क्रम म मि क्री रेना नी रेने रम पर खिल य रेने व लेन ला में हैं ह से र वनि वर्षे શું. સુડ. ૧.૧૧. જુવ. તું. વે. દું. લેંદ્ર. વ. દુેશ . છું. હુશ . ઘે. ઘ. છે. તું જે ના તા. કું સાતા તા. ਫ਼ੑੑੑ੶ਸ਼੶ਸ਼ੵ੶ਸ਼ਫ਼<u>ੵ੶</u>ਖ਼ੑਜ਼੶ਸ਼<u>ੑ</u>ੑਫ਼ੑ੶ਸ਼ਖ਼ੑ੶ਜ਼ਫ਼ੑ੶ਜ਼ੑੑਫ਼ੑ੶ਫ਼ੑੑਜ਼੶ਜ਼ੑੑ੶ਜ਼ਫ਼ੑ੶ਜ਼ਲ਼ੑ੶ਸ਼ਲ਼ੑ੶ਸ਼ਫ਼ੑ੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਫ਼ੑ੶ਫ਼ੑ੶੶ भ. ब्रे. भर्. लेज. ज. में क्रेट. लुब. तह. ब्रेट. र्.। में अट. तर. उर्च मा. व्रे. मूट. वर. वर्च मा. व्रे. मा. वर्च मा. वर . लाट अ.श्र. कें. कें अंट च.कर केंट्र. ये वा चव खेर हो। हे लाट ब्रेश चि.च. व द्धरामा खे मद्री देव पुष्य उत्र हेर प्येत व देश मु न व व कर मार्थ मद्री लिया वर् हुर लुब बू खुब हु पर पर पर महा पर्यंत्र ने जाला में है। पर्यंत्र ने जाला में है। पर यन्त्राक्ष यत्र क्षेत्र हो। नाय ने त्व गुष्ट क्ष क्ष क्ष य हमा यर नेर यक्ष

ਫ਼ੑੑੑੑ੶ਸ਼੶ਸ਼ੑ੶ਸ਼੶ਫ਼ੑ੶ਫ਼ੑੑ੶ੑਸ਼੶ਖ਼ੑੑੑੑੑੑਸ਼੶ਖ਼ੑਫ਼ੑਜ਼ੑ੶ਸ਼ਫ਼ੑੑ੶ਫ਼ੑੑ<mark>ੑ੶ਸ਼੶ਖ਼ੑਖ਼੶ਜ਼</mark>ੑ੶ਲ਼ੑੑਸ਼੶ਖ਼ੑਖ਼ मेंद्र पर देवे हिं में नेद्र पर वुष प्रमा भेव वा। नार्वे वु म ज्येद-मी.क्ट.भ.वध्यक्ष.४८.४८.३८.मीश. क्ट.भ.३८.५ ४.चडिए.५.लूब हैन वृषाया से दाव है। वालक में चेदायर से वृषार्थ वेषा है। सदाय विदाया है। रेव. ब्रें. इ. यम. १. ब्रें म. चे. च. वर. श्रॅं म. दे. चीर. च. म. ह. बर्गा **พรู.ผิด.พูะ.กะ.จุะ.พ.สู.พรู.ผิด.พู.ชูะ**ไล.รุ.นพ.ล.ซีะ.เอฐส รู นี้อ... মর দ্বীম দি বি বি বাই প্রমান্তর শ্রী বিষা ব্রারামর ছেম সেন ই।। र्गे हैन क्रनम भेरते र्व हेन प्रते खुय वर मी प्रमाश है। महे महे मुर मीर पर र्वे दे ने अपाया अदा अपाय हो दे अदा दिश में दे अप वन है द अदा दे हैं र र्रे दे सं मा भीवावादी दे दिर्देश में मेदायी छात्रा उदा भवावादी हु सुरा मुराये " नेसायाञ्चे सर्वे मुद्द हेदाद से प्रमुद्द दें। दे हेदाई दे सम दें रहेदाया स **८६म.तर्. क्षेत्र हो।** जिस्त नियान विस्त ने त्राचे स म हैंद जब है। दि में दे ने भ म हे दूर हेद महे खु म ह र मी ने भ म खें सदे मु १ १ भेद नरे हु र रे विश्व न नरे रे र रे । वरेश वे वरे स्मिर रे रवे स्मिर बु.रह.मी.मी.रेबा.जम श्रीम दा.ये क्रेर.भड़ रह.यंबुष वर् १३८.रे श्री.यर.ठबीर है। र्ट्याम् वे क सेर्प स क्वाक्रिप्येक पार्वे श्रीमार्से व्वामार विवासा मु सक्दे ल्यूरे बे हु हा या दश मेविशे जहा हूरे कर मुद्दे कि हैं शे तर विधिर हो। मामाने दे दे दे मी दे र ने दे र पर स्थाप कर मी कर से माने माने के र र में र पर स न **ลี:พ.ชุ2.พ.พูช.**ฟ ซู.ช.ชุ.ชุ.ช.สะ.ปู.พูช.สะ.ฮี.ชุ2.ชุ2.พชู. **द्धाः** यर यत्ना यः है 'सुर 'भेर 'ले 'ता रेते.सेर.वार.ची.से रूप.मे रेव.सेर.

न. ७४. चे न.ज. सूर्याश्वास झूर्श त.ज क्टे अस. लूट्स. श्वे. नक्टे तपु. हूर्य मु. लेव. उद र्देर होत्र यहेर्म दाख्या हो वर विचुर या नार खेदाय दा दे किर समार्येटमा ह्य चडद च दे दे नी खु य प्येव वें। वरे र प्यट दुन च दे र यह व प्येव वें। हे. बु. क्टे. मा ही. भावार. लुब. तट . क्टे. भा ही. भा हे वु. की. लुब. तट. खुब. त. ही. . . . भद्रे.भ्र.चक्षा.च.भ्र.१.भ्रे.५५.भ्री.५५.मीच.घ.भ्रेर.तपु. होर.स्री **५स**.तर.जु. चर्या.च.च. चु.चन.कु.ला.भूट.**ट्...ंब्र.च.**च.कु.च.कु. **च.ज.ला.ला.ला.स्य..** यर मल गाया है भीनासा यस सम्माना नाया चर है र प्येत पर में र में। नाया કે. કું.કૂંમ.૮૯.ઝૂંન.તું મ.તા.જમ.મે.૧ હેના.નું.ક્. તે≜ના.ત.ફ્રેન.જ.જુ. नश्च पर प्रचीर न लाट भारत वे वे भारत है . पंत्रा वे दे . लाट क्टे . सर . संत्रा पर . वनुरारें ले का मान्यू ने निर्देश के निर्मान का मान्य का में का निर्माण का मान्य का म देश य लेश मु य के परेंद्र यदे र्भ द्राय्य प्रमुद्र य के द्रा के साम के देव म प्रेब मी विव मुद्द न प्रेंद पा केद दिहास है दिहास के से की की की विदेश मार्थित की wr:ख्रायाध्याकी हैन विश्व दनामीशवर्दि याद्राख्य वाकेदाहे * मुं व'वर के'वर्व देश या भेदायर वर्त केंद्र सामा नाय हे ही सामुद्री यते देव प्येव य के त्र हो। दे खु क अद्दर्श क्रिंग स स प्येव क्रां ले व प्रदेश न लूर न व ल हुंश नि न मा श्रुच्या मा श्रुव्य मा मा श्रुव्य में मा व स्था कर है।

म्बास.वेर.चर्.की.भर.व.बुश.व.च.च्ट्र.वंश.रवैट.ट.। वि.क्ट्र्य.वी जुंश. ताला श्र्माकार देना ता के मोनाश हेर पड़ में अर पर अर खर पर अर है। न्य ने पर्दे पर्दे दे पर स्वरं म के नह्या न प्येत लेट ने प्यट कर मा हिर प्येत न त्रिन के दे दे स्र कर मायस घरर या कर सक्त प्रकार प्रकार मार्ट कर स श्रमश्राच्द्राय दे भेंद्र यामाध्येत यादे स्वर व इस यर माल्या य विवास मेद या उद भेष वें 'ले' व 'ने दे के 'स्ट 'सर 'सर 'तर वुष' य कर मा हेर भेष मी 'लेष म न सें क 'हे। र लट.ज.जर.उट्टे.च.३८.ज.म्.चर्से.चत्रे.नचन.वी.मु रस प्रायर.वीर.बुर. ल. तस हे ते. अक्व हेर क्रेस विवास हो। हिर से वश्चा वाक्र वा हेर है नन्द्रमा भवाव। देवे वुषाया विषा न्या नन्द्रम हे हर वात्र नन्दे केस मामेदा हे वा देशे श्रुम जुम या दे केदा वद्या मानसुन लेब.चर.बुंब.चे.च.झूंब. ट्रे.म्.चर्री.चर्ड.चें.कुंट.लुब चर्ड होर.म्.चर्डी.च.लुब चर. नहेंद्रात्री व्याप्त है हिर बर्ष है जुर न न न कराय है से नहीं र प्रेंब है बिस नन् हे द से वहा वर होर पर है र वर वेस वर के के वर के के वर है र में हैं हुर मिं चे उना नेश हर न न र या है ने वी। है रेश ही रेन या है कर शर देश पर विश्व वस नाय हे लेश व य श्रेन्थ य श्रेंश व या है रहर ने लेख व न ने में नहा न ने ही पर वुर न म र्येर न म रे हे दें म के दें र न मु वे ने दे प्रमा के न न ने अस मुद्र पर अकर के मु के पर पर मे पर पर में नेदे वन्न केन दे सामित हे रह में हैं के निन्य के केन हैं। दे सब कुट . व अदः अ भी व दे दे व के दे पर अदः अदः पर के विश्व के वि व अप्तमानुदान कर्मा भेरामा भेरा वे ले व। वर्षेत्र माने माने माने माने

लका कुट क कर्न का नावन को है है का शार्य नाय है खेर हो। ल्र्न क्षा महार महे विश्व मान्दर सुश्व गुन क्षा महार महे विश्व में केन्द्र सामिन भार देव में हेर लूब नव जिर में लट कर भा बुक वार्ट हो। विव म अर्पार दे दे मा भेदार्द विक नु पाय स्मा स्वाप्त प्रदे विकासर है दे दि नस द निर्देश के नहेंद्र पर पर्देर् पति सुरा के कर मा के द द न निर्देश नावादे प्रतिकाता प्रमानीवर पहूर्तातर पर्ट्र तमा मिनावर महूर ता रूर् तम प्रमी मिन इन क अर दे दर दे वहूर पर वर्देर या कर है का यह ही देवा का हिन यर स्ट्रिं हिन प्यत्रात्री दे प्यतः द्वा भी भी निष्या वा से निष्या व व्येव या देश यहेंद्र यर वहेंद्र यदे विदायर दिए विदायर देश या सेता या है देश वहेंद्र यर पर देरे पर हैं दे हें से शुर्पनायर प्रमुद्ध हैं। विकास दे हैं से पर हुंची.त.इ.चेश.च.७श.वेश.चे.चइ,चेश.तपु.चेश.त.देश.चर.<u>हूंचा.त.चट</u>.चटश. यायस नेस प्रमायत्। महत् केर विविध राजी व वे बिस न राजी हैं म ह्यु मेर उन भीस या लेस न नंते हुते सक्त हैर है विवास करे हैं हैन व इट वरुषा पर्वे विषाय में मुन्य रहे कि इन्याद के महाम्बा सं मुद्र से परि मुन रें। दिन्दर व मालक अर से वमुर रें। परेनास य लेस न य से मास वदि श्रम के इंदर मान्द्र देश मान हो नाया स्वामा मानाहर हो। मानिया वह माने होसा विकास हर से हैर स कि पद पद पूर्व हो। है हर हिने के इस बर पूर्व प नारक तर विर तर निम विर तर रे . उस तर वि हें के क मीडिट निर्देश त हैर या निर्देश व लेश नहीं निर्देश निर्देश निर्देश निर्देश

त्र प्राप्त के दे के से अपने प्राप्त के निष्य के प्राप्त के प्राप् त.व.चेहुन.कु स.न.च.रट.। चूँनश.चलिव.रशुचाश.त.व.चहुश.लु श.ने.च.ज. श्चीस । १ दर होर नी खिनाश हो काया वहेश दश ही स वदे । दर्श वर्ध नी हर वाया । । । । वर्ने नाम व वेमः वहेंदे व म क्षे वरः व गुर हैं। दे वम व वुम व दिस् नाकुर्ता स्वाय नानु अला वय में निया वा श्रम्य कर महिटा का वहिर पादे हैं रागा क्द संसामिद वी। दरेश दे दरे अर रू। कद संसु मेद रूद नेय प्रदेश:पर्ने द्वा भेदा वा देश प्रदेश के द स्तर्भायायाकी विकास स्वरंगिरास्तर मारे दे करामा स्वरंगित के साम स्वरं के रार्च प्रमा न्ते के प्रमा के अपा व्यर्भाया अर्थ के विश्व नियम के अपा 호신 전. 첫. मुर्देश्चर विश्वास विश्वास वर्ष मञ्चर हेर्ना था से साचा श्रीहरा या विश्वास विद्यास है ... ल साक हे हुए हुंद लक्ष से त जा स्वाय पर हु पर में नहीं नहीं नहीं नहीं श्रीका विते हैं के वित्त वित्त के ताम **64:3:4:3:44:4:4:4:4:** क्षा ता लोब हा दर हर हर सक्त हैर हर प्राप्त हो। केर पा मेर पा लेश है न द्वारा करे के इस कार में जिस न भीर में में में में के हैं रहे कर कार में दे हैं रहे र न माल्या छ देनासारा हु छत्। दे अद् हु पर छ लक्ष वहेंद हे नदेंब क्षेत्र वर वित्र व के छर पर लेक्षाया देश हिंद भरे छर छर पर कर बी। कर क्र अद्देशमान्त्र में व वर मान्य छ दें नाब वर विचार है कर कर वर प्राप्त है हैं ने बार प्राप्त हैं ने बार प्राप्त हैं हैं ने बार प्राप्त हैं हैं ने बार प्राप्त हैं ने बार

र्रा १रे तार्कर् पत्र व्यव तु वेष प्रमान्तर तर नु पत्र देव वेष वेश वेश र्श्रेन्स पते क्षेत्र के देव निर वर्ग नर कर दिर दे निर ने निर के ति के कि दे 'ऑर्' य'रु म'मुहेस'बिस'चु' व'दे दवट'यें'व'स्मास'य ऑर्'य'रु म'वर्देस'याहे के यते खुवा उद मी देवाया प्रश्ति दे प्रश्ना दे ব্র'বহ'বর্শহা হাঁ। ই'ব্রহ'হ**নাম'**ঘ'বর্ণি**র'ব্র'র্থিম'ব্র ব'র্ব**'রুহ'বহার বা इट दें र वर चु वर्देर वद्। चश्रमश्च वर् दे दे दि दे चुद् क्रमा दे से ध्येव विश दे निश्च वर्ष दे निश्च मा केन तहमा पदी मु प्येव मु निवद हो वर स्वासातायामा स्वासाता वर्षा वर्षा निर्माता स्वासाता देवा ग्राम् तहना सम् नेत्राया निया सम्माना वर्षेत्र हे दे त्राका सम्माना वर्षे नु न्युर थ रहे । अर म्बिर य दे दे हें देश श्रम गुद्ध व उद्दे है। मत् स्वमायमा भे ना कर में खेर हैं। दे नमा कर के के दि स्व यदे लब तन स लेक हैं।। हर अस सह र यह देव हैं लुव डक हे दब हैं देते खुन उद द्वा प्येद वा देवस द देव स ह्वा प्य केंद्र के हेवा स मामा १९ जिटामाले पठ छेर दटार दे तेश मारे १९ दर माले हेर हे पहिना यर छेर परि अव प्रमा हैर परि यो परि छेर रहे अ हैं नार हैर से छैद बहे हिराना देश वार्षे वे लेश उपाय र्श्वमान यादे लेश उपाय देश पर न हैन हैं। पर के क्रिं पि दे के मान प्रिन के प्रदे के केर पि के क्रिके

क्षा ने व्याप्त के व्याप्त का वार्ष ने प्राप्त के विकास के व्याप्त के विकास के व्याप्त के विकास के व्याप्त के विकास के व्याप्त के विकास के मुक्तिमा मूर्या जालिया रटा मरा नाड़ेर जाया नावर रे.स.ररे. तालूर ता मालूय हो। व्यक्षात्व वर् वेष ने व व ते स्वाम वर्षा दे मेर् व भर स्वाम विना मी क लिया न के नहीं न के नहीं न के नियम क विष्युं के देशी हैं निष्युं के स्वास निर्देश केंद्र या सेद या देशी क्रेर मेंबर मानर्स्य मान्ने वाक्या त्रिया स्ट. पर्रे. य. हर पर्रेश से क्रा पर प्रविधा सही है अध्ये हो। वहर प्रते लेख न न ता श्वास प्रश हों दे च पर ने नि विद्या के के विकास के वा का स्मान वा क्या पर होना पर होता दे वा विका अका ही पर है... द्रभागाने अद्वासर माराजवर्ग। मानाजवर्ग। मानाजवर्गन व व अर्थ द्रभार । म्माय प. भूष के बिका के बिका के बिका के बिका के प्राप्त में हैं। द्वी पर ही देश पर नियं मुन्य स्वी नियं के मुन्य विश्व मुन्य मुन्य विश्व मुन्य मुन्य मुन्य विश्व मुन्य मुन्य मुन्य विश्व मुन्य द्रिवास्य विकासी माल्य में अध्य स्था के र माल्य के र माल्य में स्था माल्य में स्था माल्य में स्था में स्था माल्य में स्था मे स्था में स ब्रिंग्य देख में मुक्क मुक मुक्क मुक स्क्रीकृष्क् लेड्डिकेटस्टर्सिक्स्प्रदेश देरे देश ने नागरा नेर्दे के अधार हिएका. अस रवित्यक वर्षा। दे.क.चाक हेर्र खेना बीच वर्ष सीव्यक सवैदाव नुद्धित्वे ने ने स्थान देश यम देश पान पुन पान पान पान स्थान पान स्थान भी त्र वृद्धाः देति के अदः ददः केदायसाळदास केदा स्रोक दे विकास हिंदा साक के दिका !!

चत्रमञ्जी च लेश पहेंद्र चर अप क्षेम ५ प्राम्य प्राप्ता दे ता माय हे भ्र मुन पार्भे वर्ष वह र पार्भेद पारे हैं कें कर सदे मु मलद सम हो व हाट पार्भेद ... है। वर्मा हैर के रहा वेश हैं वे हैर त्या कर स है वर वहर चते हैर री नेश व क्षेश पर कर सद मदि पद्म के द द मुंद पर मुंद स्थित के कि स क्षेत्र पर स लिन न लेस महन महे हो । है . निन है न स ले हे लेंसे छ न स स्यासारा श्रिमारे हीसारा राज्य श्रिमारा लेखा छ यह नावसा स्रवसार्या ता लेखा छ । य वै वर्ष यते केंग महेश भर्ता। अर अर र र हर हर वर्ष केंदिर नुसाव हिन पर देश पर निहट य सेन दे लेख है यह नेसस य हेन या लेख है. • यर. पुरासर विर्, ट्र. अर. रे. यहूर मार्थ्या मिर. खुरा वे. व. व. वे. ब्रूट व. यशास्त्रा T यस्व पड्स वे स्ट्रा प प्रत्म पर पर प्रताम हेश्र या व कर् सह लाय उव मी स्ट श या व्यर् या के व व । रह हैर सर्व केर में द्वा देश कर मासर्हें के स्वर मु स केर के से स्वर में से से केर के स केर. मिश्र. चेट्य. तर प्रचीर ही। ह. च. देश ब्रा. चे. त. श्राम प्रथा रे. केर. हेर्न हे अळन हैर बेर य प्येन न देश व य यरे रहा हुर री। हैरे हैर केर केर डे के हैं चे हे हैं अर्द्ध है र महर्र महें महर् महर्म मा मा महर्म में महर्म महर्म मा मा महर्म महर्म महर्म महर्म उ च के दे हिन मिन सेन म क नाल र एक केंद्र कर हैंगा चर शया चरे हिन हो। ल्या पत्र देव उर हैन भी में भेर यह गाँव वहा नहेंव पहा लेश में प्र म स्वास मत् देव का केर की की व परर कनाम रहा ल कि हार व मेनिया पर्

द्वा से द पर गुर दस वहर हिट वहिंद पर्सा दे सर दे विवास व के द के . हो। श्रेस.य.ट्ना.ज.इम.तर.वायम। श्रेम.येम.येम.पट्र.ट्ना.ये.स्वा.ये.स्व. क्ष हेर रे. प्रमायर मित लेंब लें। रेना मेर हें मा मेर में मा मेंबा रे दे बुर पर दे दे दे दर या भेद लेखा पहेंद पा भेद दें। है हो हो सा प्रसा प्रसा धेर वे लेस पर्देश वे वें केंद्र सर अट दे स प्याप्त माय दे मिकें मा सूच पर दे के हो द या स ध्येक के लि के दें कि के के मालक द से प्रवर्ग में हिन गीर क्र म हिर भेर हे हिर छना नी नाल र दू में प्रमर ध भट दें ने स में पर भेर यते कुर मलक तमा कर मा है र प्रकार प्रमुद्द र मिल प्रमुद्द में यर प्रश्नुर व र्श्वेर याय रहारेना या अह में पर्देर हों। हे प्यान्तिहर य हैर वि भीत् सिंद की लेखान व दे कदान के दिये । विश्वास का मेद मा केद की हीर रदः देना धर द्वार व व । वस्य उद्गी वद्य १ १८ द्वार व व र व चत्रे द्वार्गा व्यापात्रम् वित्र प्राप्ता वित्र प्र भवे माध्येव विशा दे नमा व दे नमा महें व श्रम के केंद्र मा केंद्र मा भेद कें। क्रें मह , बुराववैदाव. १४ के. एकात हैरे नव , बुर मह्य , खेश ह ना हिट नव , ईश. संद्रना व्यक्त मार्रेद क्यें देशी देन गुर नहार नदी देन थार्न वा लेख हा न्या. स्वास नका दे हेर स्र्राय विष्य मार्था नाम हे नाहार वर स्रह्म य प्रेर द ननाय हिना ता हरा नदे मु अह है हिना के द है द अहि द न ता हिन सर है द अहर लेखान नाम संमाया में साही । र्विन्तामा है मार्वि साहिता मार्वित साही कुरे.ह् ।। न्यूमक च दे.लट.टेट.लट.टे.मह्ट. नर्जा श्रेचक.हे.चेदक. भ्रम्य हा। श्रम्थ वर्ष म्र देर्र व्युक्ष च मेर् यदे हें नावर हे न रूट देर पर्सि परि सुभ दर दुस थ सँनास र महर र ।। महार प्रीस दे कर भ.३८१ पहेचा व.जम.र्जर.बुम.चे.चर.हूचम.तर वेप्। तर.रच त्तरं विशापते के तर अर्हे वार वेरायर मुरापते हें सा केंद्र पते सहते के र कर मी पर्देश, पर्द्र्श, पर्द्रा, बुंदा वे ब.ब. लाट रेवी. तर्द्र, में ब. तर्द्र है. वर अपूर्व तर, वेरे. यर वित्य स्वरे क्ष मार के पारे के दारे के स्वरं मारे मार्क के के मार के पारे के पारे के पारे के पारे मार के पारे के पा यहर्भावादाकाः भेद् वालेशा वायम क्रिवा क्ष्मा यम ख्रिम यम ख्रिम यम । यह विष यदे हे बर बर्टें र यर वेदायर आर द्वा या क्षेत्र है स सेवा यदे रूस दे हे दे पर्दा इन स दे हा स द द पर्दा के स र व द मा पर य कुर रट लेश व व व संस्थाय य वर भर दा अर दा अर मर रट के श कर समय। इ.चिश्वास ब्रे.स्य मानाश्वा । व्हर् सह सह रे हर यथर स हो । । रे मूर्स त.रेच थु.भु.पुझ.श्. (बुझ.श्रिंस.श्रु)। भ.पुंश रूरे कु.चश्रण.टुर कि. च च त स स मारा ता। माल्य मह्दे हेर माहिस य लेस च च के तहे में हैं दे मु नहेर् पर नुर परा पर् के नाहेमा भेदाय। दर है नाल्य हम य नाहेस प्रेश मिया केर केर हैं। मालन महन केर केर महिर पायर हर किर पायर वनुरार्थे। वर्षकृत् नुस ह्यामकृषाय मुन्य यक्त मुंस हुरार्थे। दे अत् पर् है हैंदि सक्त हिर पहिंच म भी दें विश पहन पर प्रमुद्दरी। शे मेकायते द्रम्भा वसा व पत दमायर प्रमेषाय के द्रारा व दे दे वि द केद

क्रीर्टी हैंदिर हे लेस मुन के में नेस परे हैंद नासवा वर मेंद सकर हैद क्रम्मी वर म हेर र्रा माया हे से प्रेम सर मामया वर होर स लेश ह वरे र स मु द्रमा सद् द्रम मु सुर है लिया मु लेख। द्रम र्स्स र लेख मु म स्था में निस्तान दे निसानु न के जान मानेसान वा स्वासान दे। दे सामिन ना ने क्षेत्र देश व ता त्र व ते र्वे वे रेव वे रेव क्षाया क्षेत्र व व व व व व व व व व व व व यात्रञ्जयामर वानवे र्देश वेर मामाभी भारते होना मवे खाला कर हिर्देश वामाने मद्वत् खुला क्व मुर्जा द्व नुद्व वस गुः वस दे में विस सरे द्व मु ल्प्रियान्दर सेर्पया कर्ति वास्त्राचर नेर्पया देश से से साम देश वास मा . यर छेर सदे मुद्द पर पर पर पर पर वर्षा विषा छ न पर पर पर पर सर्द शुम नैस मानुहान १५५ में हुं लेख नु न दे हुं च पर् वसार दें। मुभम त. प्रति व देश हम शु हिंद प्रति । दे दिर दे तथ मिन पर दे विश्व व व वंदेश मु देव दुर्वाश कर था त्रीय ता वंशश कर का जूना ना हेव है। हु किर लूटश श्च. अहूर चर विरायर में लिया दे हेर बुंश में या वा बा आहूर लीश है हैर म्हिस्स् श्राचकर् निर्मा मक्त १५ मी खुकाउन १५ दे। दे १ १ महर्न पर नेद्रायके के हिंदा के के के के के के के कि का मानिद्रा है। मिला विद्यात्मा गिट.स ट्रेंगमा ता हुंस.चे.च पा सूर्य मा गा हुंस.सा। हिंदू रह चहुंब. के बे देना मा हैत हे अपने वाता पर अपने दे लेगा में केंबा कर कर वे खें में में देंगाया बर न न में के के विकास मान न न न के कि न मान कि न म दे कर के मेरे कर विकेश का शहर पासे द पर से है ना व के न गुट महित्य भेव र् के में ने सम्बं म्री हमायात्र समायात हिमाया वर्ष समाया यह से यह मा प्रविता मन्दर दे के निक निक्त सामा स्थान समा सामा स्थान व के त्येतु इदर्श है मालक होता व दर्शित मही स्मवस सुर्हे। माता है कह मी मक्ष हैर महिं साय विद्याय नार भेषाय है कर्म पर्दे यह दे विदे हैं। देव वैदायर में कुमाच मेदाय नार भेदायर धुवा कर मी मे दमेनामा मादे के हर मा हिन्सा स्वर पर प्रया पर प्रमुद है। सेन प्रये प्रया उन हिन सेन रस न र मी सहव के दास है निया च है निया पासे दाय से दाय के दा मी खेर हैं। भट वेश मु:न व: श्रेम्शाचश वन तरे प्रश्नाचर मुंद दे तरे तरे तरे के के दे हैं वेश च वर्ते द्वार द्वार क्षा क्षर र दानी सहका के दास है नास या से दिसे नास वस हैं नास स ही दिने नहां ही दे ता ही प्रेस प्रेस हैं की ख़िया उद है दे प्रेस हों। रूट नी सर्दर कृरमिं दासे राम केर पुलिस मान थाना से नास मारे केर नास मान मे हैर है। अस य'य'र्सेन्स'च र्देर हो द्रायर तुस्य य'द्रानानायर हा य'से द्रार हे द्रार्टेन्स यदेः इंदर्सायर से दसेनास या अदार मी सक्दर हैद मी हेद उद हैद भेर र लेर न न में प्राप्त कर के प्रमान कर के प त्र केर पर्मा के केर पर्मा साम समासाय देश द्वेद यदे देश वु व य स्वित्र वस स स मिद्र व स्दूर है। বুষাবাম र्सेन्स यन्नाना यर नु य दे स द्वर हिट नु य दर्गि दे दे अथा उद है हुँ न्राया अंत्राक्षा देश द्वेश यदे दे वे अ तुमाया अंत्राक्षाय द्वाना यर मु च देश द्वेश यर दें रें रें रें रें। अंतिश वर दें के माश्राम मिं बर रद नी मळव के दे भी खाल हम के दे अब के ॥

्ञा ।इर.भ.क्स.पर्त्रोज.सी.पर्त्रोज.पत्री पत्र.स्. मं देश मा माट रे रेस अमित का सूर्यास तर स्था तर मा हर साथ लेश मा ना स्यास.तरु.स्रिस.चर्या.त.स्यास.व.रम.चर.वार्ट्र.त चित्र.हू.। वश्य.भावदु. मैंस हैंट त बुंध में न हैं। विश्व मिन्द्र निर्मा में निर्मा में निर्मा में निर्मा में देते दशायर देना यरे हैं हेर हेश नु य दे दस सम्र से र रे लिख दश सम्र स **५मैनाश प**दे **क्रा**यर हेनाश ह्वे नार अका यारे के र हे का अव हे हुँ रूप ही रहे हा चॅ ते कुं हर सामेरा चारे हेर दे पहुंचा चर छ च हेर प्रेर पर खेर र्रे । हेरासा यं. त्रा है अ.वेर र्रे प में वा वर वे य बेश वे य वे पत्र मार यह परे र य वे वे संस्थाकेराही। में वरावरायरावेशावानके के केरावाकारी केरावाकारी र्ट रुस र्ट रट पढ़ेश में देश य से उट परे सेर में। मट में स सुर धर होर य **बेस.च.च.म श्रृः म.म.इस.इ.इ.इ.च.मर पर्चीर.इ.ख्रा.च.च.च,४.मुर.४.७४०च.** चर.वरं.चर.वर्शे क्रें.भ.हेर.की.श्चें वर्राचेंद्र.वा.होद.वा.होव.हा.स्वा.मा.वह्सा.रंब. **८८मः**मटःम्रीसः वरः ५४.२ च.च.च.च.च.च.च.छसः चेर्] व्दाः मः हेरः गुः श्चितः चरः वुर्तायायात्वर्तावरावनुरार्गा रामविश्नम्भानात्वर्ताकास्यावेसानात्वर् **ৼ৾৾৻ৣয়ৢয়৾য়য়য়৾ঀ৾ৢৼয়ড়ড়৽ঢ়য়৽ৢ৾ড়ৼঢ়য়ৼ৾ঢ়ৢয়৽ৼয়ঢ়৾য়য়য়য়ড়ৢৼৼ** उदायाहेबासुप्रवानायरानुपरा केर्पायेदायदे सुरायदे दिरायदे दे राया विद्याना द **लग्ने उटा म केट्र होश शुन्म पर्रे छैर में।** हे क्षर पुर्व केर्म र रेजेश प्रमा हिंसां शुर्मेना । हिंसां शुर्मेना । दिन् नाविता से मे नर्स्य होर। दिने देर निषेत प्रतान नर्से हें हें साम प्रतान कें के हो। वर्डेम'स् १'वन्स'ण्ट'र्क्र'भाकेन'णे स्त्रुवासर वेनाय हो र हे मार्थेग्यर वन्रान्त नु

महर् या छत् भेता वे विशाना पर्छमा स्वाप्त पत्मा त्राप्त नुमहर् या हेरा हुल,तर.चेर.तपु.क्र.क्र.क्र.क्र.तपुर.चंरेर.चंरेर.क्र.क्र.क.चं.क्र्य.च.चंट.क्र.चंटि लेव.ब्रा श्रीव.तर.वुर.त वव.२४.२.वुर.त.श्रीर.त.व.ब.चाट.लुंब.त.र.वु. त्रकातुः वेदा या अदा श्रीदाया लका गुष्य र गुष्य में दायर हे वका लेवा के बुका गा सूर्-मी क्रान्न,हेर-रे.चर्डश.म.र्च्यश.मर.दु.भु.वेश.सू॥ हैं?.पट्र. ૹ૾ૺૹ<mark>૽૽ઽ૽ઽ૽</mark>ઽ૽૽૽ઽ૽૾૱ઌઽ૽ૹ૽ૢૺૹ૽૽ઌૢ૽૱૽ૺ*ૡૹ૽૽ઌ૽૽ઽ૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૢઽ૽*ઌ૽ૢ૿૽ૹ૽ૣૢઌ૽ઌઽઌ૽ૢ૽ઽ૽ઌૡ૱૱૱ૢૼ૽ विताय वर्षेत्र य के स्मी। विकाय हो स्वतात में विताय के ताय हो से स्वतात में हो ताय के ताय हो से स्वतात में स्व यामानद्याचन मी कदा सार्येदाचा सार्थेदार्थी देवे में स्टास हैद में स ह्मुवायर विश्वाखेशकामार्येनायादशहरानुमहित्य वश्रेष्ठायानारामेदायादे " हैं नि ने क्या नी। वर्डें में इब पर्मा प्येष ने । दे हैं द की वर्षे द व है वर्ष सर नुर पर इंद या यदे निविष हुँय। । यम् वाय सद पर पहेंद वा सुन र्वे दिर। मिमस दर ही महेद या संन्या पर्दे दिर्श र्वे वहास उद ग्री रहा ५८: ह्वेषे अळ १७ ५ छै : वे सन ४५५ - व इस या घर्म ४ उ५ र ६५ अरा वे प्रस्तु न । । । उन्दर्भ ने दे दर विषय वासे दाने के तर सहित पर हैं के पर कि अ हैर मु ह्यु व पर हेर य कर हक रूप अहर य प्र व का कर मुर य हैर मु र य ह ইম স্তা ব্যলা লী । মার্টর্ প্রাম বু মামার্টর যেম ক্রম যা বলম তব এবি মা न्दा से वनायान केंद्र या से होन ने लेख हास स्ता : E सन ने प्राप्त हुश.श.प्रचट.पश.थं। हु.व्य बुचा.यु.टूर्चमा.तर.वेश बुधा.चयर वाल्येय खा। हिस्तर्भुः स्ट्रेस्ट इत् हित्रे के स्वास्त्र करा । दे स्वर्धा से दे स्वर्धा स लुबा विश्व. पकर. चर. प्रमीर. त्रा वश भाषते य. शुन्ध च. प्रिय चर. त् अह्ट पत्र लिय लट लूर ताम लुर हु । लेश व पर हिर रू । रेश चीट नी कें ले क निर्देश से दे हि व रहेन सन्हा लिया वस सेन सदी नाइस स्नान गी लेश-वु-व-श्रेंश-दे। द्रंश-चे-लेश-वु-वर्श-श्र-वर-भ्र-वर-भ्रवश-द्र-। बिनावशासेन् पदे नावसास्मित्रामी विभाना पदे दे ने नि वुर्विश्वानु वादेशे प्राप्त देशे प्राप्त विश्व के के हमा वा के दार्ग माल्य अप पर्दे दाया है द मुन्यर नु य दर मुन्यर होत् य दे हेश सु निर्मे पते देश प्रे के लेश नु य ता । रदःचलेदःमी मान्द्रं केंग्रासे लेखानु च वा मेखायासे ह्नाया हेद्र हे से ह्नायदे लील कुट क्षा मी में कर कुट लार तर हीर हो। विषा पर होर मर प्रीर य लेखान के के सम्यविकाने न पर प्रमुक्त पर हो न के के के कि का मानिकार के कि के कि के कि के कि कि कि कि कि कि कि व्यायादे के लेश वाच के सब पर्वायायर विदाय से द पर्वा दें। दे दिन के सक निर्माश्रामर नि.च.भारतेश प्रमुख्य प्रमुख्य क्षेत्र नु मु नर रे न्या या साम्येश हे लिखा वि.चर श्वर हो। व श्वर ने व है स्वर व है के वर मुक्त व ले व दे हे दर इक व १८.में. लेखा में वाहीं का है सब नार नाका चर में चर्चा चर्चा कर ना हैर में । मासुस व परे हैं हे हे सुर मुर संस्व के दे ते ता हुर व प्येव हों। मालव पन प लमायनाव लेमान्य लेकान्य व के द्वीर क्षां महान द्वार स्थाप्त सामाध्यक व हा सुर्वे रे दिन्द्रम् य केर् नु म क्ष्र नु न पर रे नाय यक्षेत्र स्य नारनाय यर नु न दर्। स्थापर्त्वाका सरामिता प्राप्ता है सामिता सामिथा था से प्राप्ता सामिया

मर हिर्य में रमिन्य या भेव वि वि वि वि स्थापित मामा भेराधका वार्कत् स सेदाया उर्वा है। देने दिस्स में देन स सेदाया ठक के दिया यार वे के दिया या से रहा विक मी से मूंवा तहमा यदे हिर लेख मु न त स्मास प्रश्नित सुन सुन पर में पर हिर पर से से मासुस्र देनोर् सर होर री। स्मानी रवद में ता सेनास य दूस मालक रू हुर्-वसाय होन र्।। अशाबु र सम वव ग्री एस ह्या नवस वै:ब्रॅर्-ग्री:यहेबादेबादेबादी। विरायकै:रवदायें वेति सुमानुः वुदायदार स्व म हे हैं न ने देव हा है नहा है सामर वुरा पर हैं मार से पर की मार के की मार के की मार की म स्यान् नुष्यान्य में उद्यो भेषात्री। असान्य मार्थिस य नाद दना वा दे हिंद दु र सेंद्र य व्यवस्था दे वा दे अप के साम दे हैं । लार द्वार के के कार्य के के कि स्थान के कि स्थान ्या नारे ता नहें सावसाय होना हे बामी लेस या ना नुनाय प्येव वें। सामा निमान ्राक्स-रट. मुर्-त-र्वा क्रा-रहेवा हेव प्रमक्ष छर वहास पर सुर प्रमक्ष रूर सुर शु नुस्र य है द प्रदेश देश देश द निष्य व निष्य में स्व निष्य है द के देश हैं द के देश है द के देश हैं द के देश हैं द के देश हैं द के देश हैं द के देश है द के देश हैं द के देश हैं देश हैं द के देश हैं देश ह ्रयेर प्रमुर ले व मार व र्येन पर हेंग य अंद य द्या व अव वे लेंब छ य ह्यें ह्मी १९ %८. रे. अथम छ्ट. हुसम खे. विमान दु. मा. लेव. सी। पुंब,ग्रीट. अता नु वुदाय नदाक्र पर में कर मी भ्रुमा व्रमा में मान मन पर दे हैं ने में च केन नावन मीश स हे नास थ ने हेन खें नास ख ना या भेते थ। हेते थ स्र्थासामा नेवाला हा स्रीतान वित्यहा स्रीता वर हिन वर्ष हुन हिन के मुन

दे.र्च. ह्येचारा श्राचिश वारा भारत र तुं लेश सिंही रे.रच. सैंचा स्राचर हेरे.च. मिल्र.रेच.कुश.चे च.बू.रेचट.सैंच.सैंच.तर.चेंट.च.रेच.हो। मोट.हुशस. मेर्यारे के हुं का वु रहा हूं रहा स्कारा हूँ के रु के हा हुंदु य स्वासाम वृद्। यस दृ वेदा यस स्वासाम अट सेस्स मेर मःभुरे हुं हुंश न न.इ.ज्.व.ज.सूर्यश चट्ट.स्। ৭ইই.ন.মীব.ঘধশ.. **बेस**.चे.चट्र.सर्र पर्.च तर.च हे.मेच.च.ल सैंच च.बेस.चे.च.क्रस.स्। मी कें देनाम हेरावास्त्रीयायदे हिरायरावा वर्षेषाय सेर या हीसामुखान हीसा हुक् मुक्ता मह्मवस्य मार्थिक दुर्के दे ना स्वर् मार्थिक मार्य मार्थिक मार्थिक मार्य मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मा . च.ज.स्रीय.त.ज्य.चें. ट्रे.हेर.य.र.ज्य.यंचेर.तथ.वेश.चे.य.ज.स.स्याथ.त. र्श्चिय'हे 'श्रेमश' उर् 'श्रमश' उर् 'ग्री' लेश 'ने 'च' वे 'स्थार 'दा नार्थ दा ने 'दा 'व' श्रेनाश' त.रेबे.चे.खें अ.चे.व.ज.चर्ड्स.त.रेट.शुश्चर्यां तर्रु.चेरे.तर. म.चर्ड्स.वंश.पंग्रेज्ञ... . य. दे. देवे. य. भूषे. ब्र्या अस. देट. वेषे स. प्र. में स्थान स् बुंशाची,च.पंट्रां तर प्रचींच वर्त होर बुंश ची.चरं कूची जा वर्त्र शास श्रेमश्चर्रान्मश्चर्णे,सिश्चर्ट्याचेश्चर्टः नुर्द्याचीटः छुर् न्याय प्येव वें। अद्भावन प्रमुच प्रशेष्ट्रीन दे लिखानु वरी दे हैं। श्रमश्.वेशश्.विर.वर. मी कें सर देन पर्म में केर नु केर मासेर पाया पहेन दसा यहना पारे के कें दर्स रेट.कुर्.त.हेर.ज.वहेर त.बु.वबैर.तश.श्रा श्रेभश.त.खुं तु.सक्र.

मर्का हैद कर क्रींस क्रा। दयद युवा दु सहेंद यर वर्देद यर देंद यर वर्देद यर वर्देद यर वर्देद यर वर्देद यर वर्देद ता. देव, त्यर. पद्चीश. च र. देद. च. दे, जा. च हेश. च. में दे पत्नी हैं श. वे. सुवा. 5ुमुद्राच छेद तु मुक्त स्रोद्राच छेद की सुक्त हमा सा छेद दि मा के बो बो बो सा के दान दिसा म्यान्य नाल्य ता चर्नेस च से च के दे क्रींय स्था। माय दे म्याँचास नाल्य ता चर्नेस या मेर्-या क्रेश वु द्वायत हैं भाविश महिम यह महाया रहें तु दु संदाय उद है दाव हु या वु थेक्क विश्व न विश्व दि कि विश्व के समुद्र के सम्बद्ध विश्व दि के समुद्र के सम्बद्ध विश्व के समुद्र के सम्बद्ध विश्व के समुद्र के सम्बद्ध विश्व के सम्बद्ध के सम्बद्ध के सम्बद्ध विश्व के सम्बद्ध के सम्य के सम्बद्ध के सम्व के सम्बद्ध के सम्बद के सम्य यर मु रश हूं दे व हे स मु व दे व यद व य यह हों। दे हु सुर मुर प्य लेश व य वार्श्नाशायहारी है दस्यायहार वेदे यह हे देश हैं। मीर सह भी मारी सार्व मारी प्राप्त के तर्मी मारी में निर्मा मारी में निर्मा मे ता क्रिक की पहिंचा या कार्रेट यह स्रीर देश है नि स्र्रे क्र पहिंचा थ यक्द.र्।। दे.यबुक्-रे.चाविजालका भार जा ख्रांचाका स मीयाना व हे.के.येर. मीर तर भी स वेश नि मीस प्रमाय वार देवर मीस स लेश में बेस ने वर हीर. र्ने । विर्मेश के हिर व वर अवे द्वे वहुव वर नु वस हिर ध है र वयर दी । ्रे.के.वर.मीर.तर्.भीश.वेश.वेश.वेश.वर्षःयस्य राज सूर्यशायाः क्रा.व.व.व.व.व. WE'स-भेद'र्दे वेश मु:वर'सूर-मा वर्देश दे सूर'वामसुसः धरे 'द्ये व सूव यर मु तका र्वेट य केट य पर द्रा है है है है है के है अ मु मालक में पक वर्द्वाश व ता वर्षेश य सेद य क्षेश विके क्षे क्षे के के विके व वर हेर जी स देये स म्बन्धा नहीं देखा है है की से में है मान मिन सम्में हैं दे हैं कर में

ठ४.३८ मुँ १ इसस्य ४८.२ विस न व व स्वत्स व र्झिश हे वसस्य ४८. दे खेते कार् े दे निका के क्रिका दी बादुवा ची हों. ह्यूब दे ह्यूह च देव के देशा শুনাধানে দার্যা के खे के स वार् भ के पर खें र प केर पर न केर म्राच यः भेव व । सम्बद्धिना के नार्ड विं हेर प्रेक् हेर हेर रवह सुना नु दब्ध र वर वर्देर दें।। के पर हिंद्र प.रेसे ज.लह. खुर ये. व. हिंदा है। येदश श्रेवश ने विद्र हिंद मानोनामानु नर से बुकाया क्षाप्तमा कर है नाहें र्च हैर प्रेर प्रेर प्रेर से हैर री। दे **३८:नामान: ये.**पड, क्रिंट वसमा १८. ट्रे ज. ३. पर ब्रिंट प. १. व. व. व. व. व. म. . चार्झ्सानी त्रासानु ने तिनु विष्य है । वर हिंद है वर हिंद वर्ष ने अहे । मर हिंर न वर्षा देश स्थाप कर में ही साम हेर हैर गी सा देश मान हु देवट बियानामा हा। हु हिर दे देवट विया ग्रीट हुर दे से शिमा स्वीधा म.पंटियो.सर.गुरे.वर्त्रा श्र्याका.सर्ग्र में का कु.गुरे.स.पंटा योवका.ल्ट्रा सी. मिंडिट.ट्र.। ट्रे.के.वेट्र.क्स.त.वर श्रेश.वे.चोलर.चोश.वेर.चेश.वर्च्चयश.त. **बेस:मु:च:के:र:गुँद:गुँस स**म्देश:य:भेद:बॅ|| के:कें:दे:य:Wद:ुैद:मुँस: **ढ़्रॅनसः पः सं ५६८ ४ द्वेष मुँश ह्रॅनसः पः र्येनारः और पर देस सः देश या सामित्रो।** दे.ज.लट.वेर.ग्रेश.क्र्य.त.त्.त्नेवर्गेटश.जुर.र.वेय.त.श्रट.तर.व म.वर.प्यीर. र्रो भेरे कर रे वैचा क्रिं अस पड्ना रहे छैर रे विश न नहे नहें के स माटेशायाकेरानु सम्पर्देशनेरायर तुमायवे खेरालेशन वानि माटेशाया हुर लुर र जुरा चर्न कर तर किर बीचाता शर राष्ट्र सिंद स्तर या हुर हुए सिर रा ट्रे. के. वेद्रु क्यात कर में. श्रेश वेश वेद. मेंस प्रेंच के दरद वेता स्था... र्ट्य. मु. चे. च. चेर.त. कु.म. लव.ब्र. बुझ. चे.चह चारव. कुचाब. उडे .लट.... ...

रट.केट. ग्रीश. भ ट्रंश. च भ. तुर्वे हुं। त्र प्र. नहना नर हुट. त. क्रिंगित्य. लुक् ब्राचि त.ज. श्वेम व ज.रेचर ब्रैचे वह व हेचा. वे वहना व. हैन स्पेब वें। दे नश करे स नात्व केंनाश यह न सं हैन स्पेर स स लेर.तर्. क्रेर.चार. चाझ.र.भ हश.भ.लेर श्रेश.रे. चस्रश्र. तर्हा। पर्यक्ष.वे वसका करे.जा. बुका वे वाजा रूभ वबुका है है है । या क्षे के राष्ट्रा क्षेत्र वर मिन लेव.च.ब.च.बच्चा.कर.वर्चश्च.चे.श्चेर चर.जवीर.स्र्। वाषाने.स्वी.चर.र्जं मीम मेर्रा मार्केर व्यव न पर हे स्र न्यार ले व केश या नाल र तरेर वार्य हो। रह पड़ेब अम्मस पर हैर र लिस गुप्त है बस्स उर र दें ग्रेर प्राप्त से मेर हैं । म्ट्रिंग में हे क्रिका सर दिया रही। मिलन अद लेक ने में का का का मा हुर-वंश-वंहित्र व.ज.ह्यूमश-वंद्र-सिर्वे कुत्रांश संगीव व लुबे हुं। विवयः श्रेन्यदे क्षेत्र मारेश व केन्युट प्राय क्षेत्र प्राय के विश्वेत पर विषय श्रुव पर नेस ने दम पायम कर नुमारेस पर पहन ने । क्षें मार ने क्षे दे ने ना म् । देय विदाय मामर्थेट दे विदायित के वाट वीमामिट विवट ता स्वर्म थ रे. हेर. त. भ भहर त. लट. हू.।। बट जम रू.ज शून म.न.रेच ज.रे.के.वेर. इस मार का मी परीवका व्यद् या मायेकाया देवे हिर सामाया या हेत व्यव हों। े दे अर् रे. हूर क्ष.प्रधिताताल. श्र्मेश त रेच जालात यहूरे तर वर्ष खेंश वे या थे. के पर पर हिंद दश पहना य दर देव हो द सर वुश य ही हिंद द से प उठ हैं बद्रान ने वर्ता व केन् नाव ने खुक न्दर होन् या वा स्वाक या नुना वा स्वेन वर सुर वर हेर वर्गुर है। मार सर सेर य स से बेरें। है वर्ग वर्ग्य मा

बुर्स.चे.च. बु.चर्ग्रेट.त.ज. श्र्वास.च. बुर्स.चे.च वक्टर.तर.वर्ग्येर.च.रट.सैर.ट्रा र्मेनसम्म विरं तर त्यासंग्रस्य संग्रस्य व वर्षः व त्यालेस मु नव दे संग्रस ये सूर् दश प्रहेना च र्ट हुंद नेट तर वेश च वाबिट हूं।। हश हूर च व व विट तर. वे.रे.वर्ता चार.च्र.व.झ.णश.झे.वड्.क्र्.ट्.ज.चावव.रट.वेव.स्ट्रम जूब. मस विव न मेरे पर से दे दिन निव के के मेरे में में में हैं है मेरिन यंचित भूषे त. दे. भहेची. यहीदे. चर. मुदे. ही। इ. ही. लार. एका. मैं. च. ता. ह्यूचीश. नक्षात्मात्मात्मात्मात्मात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्यो। वस्त वहनान वास्त्रम् सर्वे निर्पर हेतु वास्त्र वादनावा अदः अवाद दे दे दे रे च्.ण.श्र्यांश.त.रेबो.फ.लाट लूट् च.थ.लुब ब्. खंश.चे.चर.झेंर.ट्रा 24. 64.3.4.45.442.0. 4. E. NOV. BN. 34. 02. 5. 64. 3.4. 784.4.1 माल हे ही मार्थ क्रमां शे निश्चाताल मिर तर मार्थ हे ने मार्थ होर हे हे वन्ध मैं रेट अर्थिया हुंस में अप हुर लेश में। वाम हे में मार में में क्रिन्निक क्रिन्स भेर दरे के सु ता लर् या मा भेर हे न वह ही क्रि न विर भेर यत द्वरार्गा श्वे.चारवे.कुर्याम.लाव.वे. खुरा.चे.च.वे.चेचेवरा ज.स्वाम.त. दम्भाष्यद्वत्त्रा विर्वत्त्रम्भात्रव्यम्भाष्यद्वत्त्वे मानावात्रम्भवत्त्रा रहे. ਗੈ. ਕਿਟ. ਰਾਵ ਗ੍ਰੰ. ਹੈ. ਬੋਜ. ਗ੍ਰੰ । ਤੁਜਨਾ ਗ੍ਰੰ. ਬੁੰ. ਰਾਭਾ: ਰਾਭਾ ਕੁਣ ਕੁਣ ਕਿਲ ਹੈ. ਰਾਭਾ मुन्शासार्द्रावर् नेराद्रालेसानु पायास्न्यापर्वा वाया केरानु खेराने पा पद मी मुदे वहर पर पु प केर मी देर री। दे प्रमास कर मी मा मी व का केर इटासाटेकाचाकेदारु लेकानु वादेशिषुरायर वाहकाळेहाधेका सामुवायादा हुँ प्रेका वं स. हुस त. हुर देशी श्रर सि. पा स्र्रेट की लेस ने नव स्र्रेट नव सेंस हु वियानात. वाहिट हो। श्रेमस सेर् श्रेर लेश मु वर्ष स्रेर वर्ष स्रोस है वर्ष माला सेवास : य वे बट में केर स से व से से दे हैं र दें कि स मु न महिट हैं। हैं रह दे स स स्वाक्ष राष्ट्र क्रिंश तक के के रेवा रा हिन ता स्वाक्ष राष्ट्र मान्द्र क्रिया साम स्वाक्ष रा मेर्-यायास्त्रस्य धरे वसूत यर वु वदे र्यु रया भेर हें लेस वु वर कुर हैं। द्येर ह्यें द्रायदे वायासँगक्षाया है की द्वाप हैंद गुँ सुर द्रा। रट. जियात हेर. में . कुर . शुभ श . शर्र . या रट. यट. में हिर . स. त्यूर हे . चडियाश . स्वास. य प्रतिवर्ति। अद्भानि क्षे दे दे अप्यामालक दे क्षेत्र में दे निहास मान र्श्वश्राय भ्रेर अट लेश म न प्रदेश अट में भ्रु रेश माना विश्नु भ्रुर म है से स्था रट. जब त.लट. बुझ.चे.च.पर.रट. श्रेर ह्या विश्वे सेचान वसन उर्ट चरीन वि वर्षः वर्षः मार्वः क्रूबाबः गुः सुरः लेबा द्यः वर्षः त्रमः भीटा द्वमधः श्रेमध द्रहः स्वरं परः मह्मूय यर मु म नार भेर म र अद र मुर य भेर दें लेश मु म के दमा मा दें हैं। परे हिर सदश मुका व स्वाहा था ले का मु न दे 'द्वा' मे का माइक दुः पहेना य क्व मिश वहिना पा प्रका मिरा मेर मार हेर ग्री मेर मेर् व पर वर्दे पवे के द्वापवे दें विष पु न वा यंदी और न्या पदे दें दे वे या दश के की वुक या वस मी। प्रविद मी सामित सर पर्टे न के अंदर मुंब सर मह्द प्रदेश प्रदेश के के में मूर के हैं।

च व व द र ने व सहव भर वर्ष व व से हम प्रवे के हम प्रवे के व महार व व महिला मान मुन्य क्षेत्र हैं। मल्य मुक्ष सहस्य पर दर्द यामश मुह्य य' वे नद्न हैर वासम्बाद्या के देवा प्रतः हैं। मान्य हैं वनाताविद्रतर रे.ह्नाराह्य क्र.इना.क्र्र.रे.वनीर.र्.ख्र.व । ववशाविद्राम्थ्र यद्र लेश व न क्या व महिंद्र हो। है के म मून वर्षे हैं र र लेश व न वे नायाने मारका उन मोका गुर नु पहनाका या है र गी में हमा या है र गी हिर पर रहा। हैव उद में ही मुन पर प्रमुद है। दिर व ही रा पुरा पार्या प्रवास भव वर्रे-द्रना ने नुस्राय हिर हैं नाइवर हैंनास शु वनुर वर ए नुर्रो। वर्रेर हैं माराया न हैर स मीय पर हिर निर यहा रहे हैं र कर में ही मीय पर वर्गीर। दे: भर कर म इस यर देश च यश के स वर प्रवर विवर विवर दे यहा द क्र महमानर देश व महा विंद र क्रिं पर विंद विक्र व वर हिंत ही। त. थु. चुट. देशश. ज. बुश. चे. च. जा. श्रुचश. च. हींश. हे। चूट. देशश. ज. बुश. मु न म सम्मान नाम द्वाना पर महत्र हैर उन मु दक्षे मंदे सम्मुन पर भेद दें। मुव क अर सेम्बर या अर मूच पर मुक पर ने कि यर ने कि कि हैं। न्यादे प्रश्नेश्वर्था व द्या केट प्रके क त्या पर पर्दे पर प्रवे व दे त्या प्रति द्वारा वार्यद्वायम् व लेव नके वर्षे मुल्य मुन्य व स्वार्मिय व सूर्य स्वा w. वहना व भट लेंब नु न वे न अस य सन्बर्ग य अस य लेंबर न न में

क्ष्याचारी ता अंश्रम्भार्भिताया लेखाया वर्षे मियाया मुवाया सामिता है विह्नेताय ता " मर्बेर-य-डर-मु-ढर्-स्रासेर-यदे-सुर-र्मा द्रोय-य-डर्-स-र्-र्-देन ଶ୍ରିଷ'ବିଷ'ପ୍ର'ଦ'ଶ୍ୱ 'ଶ୍ରି'ଖୁର୍'ପ୍ରଷ'ଧ'ଖିଟ୍'ମ୍ୟ'ନ୍ତ୍ର' ପ୍ରୟ'ପର୍ବ 'ପ୍ରୟ'ପର୍ବ 'ପର୍ବ 'ପର 'ପର୍ବ 'ପର୍ବ 'ପର 'ପର୍ବ 'ପର୍ବ 'ପର 'ପର୍ବ 'ପର୍ବ 'ପର୍ବ 'ପର 'ପର୍ବ 'ପର୍ବ 'ପର୍ବ 'ପର୍ବ 'ପର 'ପର୍ବ 'ପର୍ବ 'ପର 'ପର୍ବ 'ପର୍ବ 'ପର୍ବ 'ପର 'ପର୍ବ 'ପର୍ବ 'ପର୍ବ 'ପର 'ପର୍ବ 'ପର 'ପର ' पर्टर् या क्षेत्र लेट्रा वका सम्प्रे क्षेत्र क्षेत्र का संवास या लेस नु ये दे सुर बु.स्ट्स.स्र.मीर.सपु.संस.त.स्र क्यातर.स्रु.त.स्यामास.भुर.त.कुर.ता. स्त्रासा च.चिंडिट.हू.। विश्व.सूचेश.झैंच.चुंट.कृश.चै.चट्ट.सूचेश.च.झूंश.तश.चूं. र्वेन्सः च द्रावरुसः च केदायः स्निसः च ना विष्टः देशः । विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः बै'डे'इन्।यदे'द्र्य देदे हर बै'इस'व'न् केस'ने र्स्यन्य दर'यद्य दर'दुंसः र्ट. वश्र. भाष्य . खुश्र ये. च व. वश्रम वर . चे. चर्ते. चर्ते। स.ज स्त्रं स.च. व. इससा उदार वर्षों वासाधिक पर्वो। देवे हदा हिना ने देवे नाट धेकाय देवे सिश दर त्रा द्री दर्भ द्री सर्द्र सर्द्र पर दर्दे सर स्त्रे स्त्र सिक ता लेश नि न हो न चु'द्र-'ढ्रंद्,'ल,ड्रे-ट्रंब,'ल,भ.चींच,च,बु,भ.लुब,ब्र्, बुक,चे,चर-ड्रीर-ट्र्या उदानी मुदे दें दें ने मा निवे अद्ये केर उदान हें रामर तरें राम नार के दारे अम्मून यासाधिकाने वहेंद्रायमावदेंद्रायाकृद्राधिकार्वेष देरकृदाके विकास विकास य.ज. स्वास.त. ह्या. प्रांज रवा.चे. वु. ह्येंच.वर. छेट.व. हेट लुव ब्र. वुल बेंश चर. ट्ये च चर्किर देश सिर हो। जबाज र प्रेच मैच चर ये च च मूच व चर्म विच चर्णा ल परियात दशामीश लियार होता भी र दिए जिया मा भारत है हो मा हार वस्तर्नुदः ।। मादाया अदः देव विद्या च उदः अव केट ह्या विद्या स से हैं स क्वाध्येवाले व विकास कार्याका वार्ड्स है। हिस्सू है

मिर्निक केना स स्पेन के । मार्निक केना स दि नाके भ गु देन गु द में देश प्र विक र् तेने नर सेर रम हेश न न या स्वाध या हैं र सी न या न सि में से ता से न स तरु वहर् तर व व. हेर वीचेश्व वहर्त तर वहर् व व अल्य व विश्व व व. रेवांशाशास्त्राचरक्रा पर्देराचानाम् भेतायादे द्वार के मानाश य हेदा गु दहेवर गु 82.42. 98.82.42.2.84.45.54 ज.4.95 ज. य. अंच व व में पड़े व व में विनुरार्थे। दे द्वा के व यह ता संग्राम या वह द वर व व के दे हर है वस निवस ਹੈ. 82. ਹਵ ਹੈ। अस. बिर. तर. टे. विस. रा. पड्टर. तर उट्टर. त स क्षेत्र. था। हे. वहर. यर वर्द्र य भेद द वे देव के दिव के दिव के दिव के में के दें। य अह की देवा सम लेख न न के देनास च दर चरे ही चर मिल में र भर ने च न न र्रो। है? महेर् यर पर्रे म प्येव न वे रेव प्रमिय य सर् यर प्रमिय रेग लन्म् नामानमा प्राप्त न न नेद नी खेर लेख न न ने नामा दे न ला हैर न मान में हैं जि में देव की विश्व वर्ती वर्ट लग या दार वहीं मान वहीं वर वर्दे या दे हैं के लट मेंबास तस रेस.वर वेश.व हेर. में. होर. वर्मे.व.रंट जब.व.रंट वर्गुल.व. वंद्वर वंश्वर न वर निर्मे केरे में वापहना व व पर देहें रेन्स र न वर पर र्ट ब्राट में केंद्र देनाश म विवाद श भेद दें। वर्षों वर्श दे व मट देश ने.चर् वहूरे.च.ज.लट.रच.रे.चीचंश्व.त.हेर क्री.च.लट ज.च.लट.च ही.चंश्व.चर्. क्रेर्स्या देवले न मार्य के दे मु अर अने नी देश ने मु निह्नियम् सेर्प्या वर्षा नहेर्यमः वर्षे प्रति से अध्या वर्षे

वै'वर्मो'च द्रा समाय द्रा वर्षे सम्बंध मर्वे। वृह्य पर नेद्रा व दे द्रा सेदा पर ने न्माताथा पर प्रमानवि खेर हो। देव दे पर पर दे दे प ल.श्र्येश.च.ज । वर्चे.च.ल.श्र्येश.चर्ड.ट्रंश.चर्ड्ट्.तर.वर्ड्ट्र.चस.च.जट. कुर् या श्राम्य राज में श्रीर वर हिर् पत्र त्री। विस्तार सेर्प र उद प्रवेदन लट. बुंश.चे.च.चुं। चोल. े. चोचश. तश. हश. स. केंद. कुं. खें. उधि म. ता. हुंद. या उदा धिदायादे स्वादा दे त्या ह्या है वा निवाह है निका साथि वी। व के अब ले वा र्ने के दे के दे वर्षे व निष्य में प्राप्त में प्राप्त में में के के के दे के दे के व व्या १ ने भटाविष्य च केंबानी केंबानिया केंबानिया से मिन् यद ब्रिस्स् । दे पद वद इस्य य है य यह है व स्वस्य पर्ये। त्र प्रे लेश मु क के क्रों क ता श्रेम्श धरे रे व वहेंद यर करेंद्र स अदे । नाम ने न अह नह ब्राट वें देवे क्षे नमा अन्य कार नह ब्राट वें दे मह नमा में वर्षों न नह लम् यान्दर वर्षे वानते हिन यर क्षान्ना वान्द्र याने वे के ब्रान्त वर्षे ने है विविधा था से दाय है है र में वर हो दाये मार्ज हैं नास है दास है दार है। त्वीं व द्रायमा ध द्रायवेषाय रमामान्य देनामा भेदाय देवे ही दे वे हुसानु सा WE ऑर् म हैर की खेर । प्राची की मार्क व की शार व र की की मारा जाला विकायर प्रचीर न दे किर व से ला प्रचिकात क्षेत्र के ले व हिर पर वर्दर्भवर विश्व मुन्य अन्य राम् अन्ति । वर्मे मार्थ वर्ष मुन् चिन देन के दे हुन पर पर्दे में छर पर के मा भने हैं। मदर्भिती हित्र मळव १९५ हो रा नु ता व्यक्ति हो । लट मी में रट बिट रू पूर्व हैं है हैं अ वि.ज.लूर न श.लूब हूं।

र्व पर्केश ने प्राच तार वा संग्रह्म यह में पर्देश प्राच में प्राच प्राचित ने प्राच ता वि र्श्वास पर खेम है । या प्रमें वाय स्वार पर ही प्रमें पर छेर है। वित्रात्ति वर्षात्ति वर पर्ति या प्रात्ता दे व पाल्य पार पर्ति या । व्यविक्र देवे कु उन के देवे व्यवहना या व्यवस्थान करे के दे है है है है कर विकास त्मुरलेव। देवल्यन्य न य र्श्वामा न स्टर्ट म्बारिस दे स न्नाके वर्त्ता व ता र्राग्य पदे हुँवे मु मक्द उट व म प्येर सर् द्रमिट्रश्च न न ते हैं के ता अपका या केर न ते खेर है अर र हर है। क् इ.इ.अर.रे.वहर्व कटाचालटा का श्र्यां शाया है। देव हर्न तर हेर तर हेर तर माना श वर त्युर व संभित्त्। देवे सुर भुरा यु ता स्निस य माल्य या भुरे हरा शु पर्मे व प्राट से व दे दे दे हैं श शु प्रमुट न से द प्रेट प्रमु से प्रमु प्रमु प्रमु से प्रमु प्रमु से प्रमु से प्रमु प्रमु से प्रम दे अर् नु छद् वस्ता हु द्व द्र वर स्व वर मून्सा है हुर रव ं नु ह्यूर-नु होते निहानीस समय उद् ता तहना चर वृद्या व साथे । वादे चार्ये हैं किस प्रमृत पर विषुर हैं। वार में हैं दबर खुन हेर प चेर वर्दे वा सामार्वेद वादी किन मान वर्षेत्र या दे वे कुर प्रदर्श वे बार वाद मी क्रिके याची भाषेत्र के जिल्ला के पार के पर महत्य पर महत्य पर महत्य पर क्र-मेन्यक्रिन्सिन्सायाल्स.मु.न्द्र.मेन्य र्यास्त्राच्यात्राच्याः मिना कर्म हैं जिस विक्व हैं जिस दे र दे । हेन्द्र वर ने ने पार्च हैन संयोग वर प्रमुक्त है। हिन पर ने पर्दा विकासर मेर्पय विकास केर पान केर पान हैं पान हैं दे विकासर मेर्पा मार मेन्सिन साम

नमात्रा पहिंची के के हैं के बाबा बार महिंद या छ । मी बंद का के द या और यह अही नर्वित्। कर्पतियन् गुरंपते स्मान् गुरं वर्ष असे सर्व पर्गा अर्ध्व पालेशन्त्र व ने अर्ड र वर्षा न में भेर व वर्षाः स्केर या के स्वारा प्रकार है। दे अहार ना मा केर गु हैं र दवह सुना स र्लिद्यामाध्येषायाचे खूमार्ख्य वायामेद्र याक्षेत्रां भी वश्चमार्थमा वे वर्षेत्रां हिसासु दर्गी व क्म केर क्म के प्रमान प्राप्त विदे रहें से वर र विदे र विदे । न्द्राचे त लेश न न त त र्मा रा र्में श ने । दे ता न्द्र श च न न प्राप्त प्राप्त । वनाकु त दे हर द वे केंबर द तनुर लिट विन विन विन विन के ति वा विन दें।। इ.धू.स्य.मीह. लेश. ये.च.ल. श्चीश. तं. श्रेंश. हे। देतु र.ध.दास वेर.सह्ये यर वर्दर यह र व ता स्वीस य वदि के से दह कि ता स्वास सह के य वदि के.व.व.लूर.र.लूर.वर.पवीर.व.रंटा। शह्र शिंश के रधुनाम त्रं प्रविर.ट्रा लार लिया तथा रेश रे हेराला क्रिंग यारे वामा नाविश्मे ता म्रिंग यानार अदास्टाया वश्रमान्य व वश्रमान्य दे विश्वाम् विश्व विद्यः वृत्त व रेश व रेश द रे के व राष्ट्र दे के व राष्ट्र व स्रेर्व हे नम्म वायानामा स्रेव या दे होत् व स्रेद्र यर त्युर या वे देने व्यक्त व स्रेव ब् . बुक् . ट्रेस तर तमिर रा। ट्रेस मार्थ व बर्ग में अंब के के क्षेर कु बेर क सेर पर त्युर विदेश कर केर हैं र का देशा अर्थाम राष्ट्र रेट्स स्ट्रिया हुर में अर्थ हे . खेश है वर हे . खेंस अर्थर अर्थेटस.त.कुर्जू सक्षेत्राच्या मेद्रस्थ। दे मेद्राम वश्चारं व केत्रमा च केत्रमा क्ष्रेची, टें व जा सूर्वा व तार कु मुक्ति वर क्वी करें।

र्स्यमायान्यां मेन् पर्दे केंद्रा किं केंद्र दिन केंद्र पर्दे के सुवायर । नेन्यदे हिसा श्रु दर्मा च न्दर स्वा चरे हिस श्रु नेन्य मुन च सेन्य न निम न मुं दर वर्ष वर् दर्श र्व दे श्रुव वर हिर व अर दे अद व हिंश शु वर्गे व दर र्म्नाय क्षेत्र यस लेश ने य है। वर में यह यह । में रिट तर में यह पर्।। में रिट तर में वैद्य र् तु व व व व केर. के मैं व वर. वेर. त. लट. वर्डर के रट व व व व व व व व व र्ष वे सुव पर ने ने पर न पर दे।। दे से म भेव व न में व व न न न न श्चर वर नेर पर्मा वर्ष दर ये मेर वर वर्षुर हैं। माय हे साथ सेंन्साय र्नाः वृदः च को केर् चर्रे मान्याः भ्रायसः वेषः च च ता स्नि सः य वै । हेन् अकृदासाधेदायर देसायर मुसारसायम्या वियायर्गायर मेदाया प्रिय र्श्वेर नाम साटेस मार्फ र वें 'लेस मान दी । नाम लेगा नहस माम मी हिर नर मुद्दान ने में मुद्दा पर नावस स्रम्य राज्य प्रित्य र वर्ष मी रह नविष ने मीर. वर्ष निवर सेमार वैदान लर् वामाले वारे के रेट वेर वार् म लेक हे लेक नि.च.च.स्वास.तस हिंद्र.च.चन्द्रत बाट.लूब.च.ट्र.च.घ.ट्य.च.लूब हो स. शुर्वित्र्वे न्यावस स्रित्स तास्य मार्स्यास च वित्यर उद्गी र विवे दि वय व שׁמִיקַ אַ שַרי פֿר מִים 'אָרִיקַ אַפֿרִים בּ' אַבּרים בּ' אַ מִיבֹאים בּ' אַ מִיבֹאים בּ' אַ מִיבֹאים בּ' אַ ल्याद्रे विकासिता स्वाकातका सर् चेंद्रां व्याने साथ संग्रं पास्य र पुराय से सर्वेद पर द मुंदर व .पर्। श.ज.श्वम.त.टे.जुन्थ.वश.वश.व.च्य.व.च.ज.स्वम.च.चा विट.

चर.शुर्-४.लट.उटे.च.न(७४.८ट.न(७४.शु.चम्र.प्रिंग,चप्र. हुर.ट्रम.तर.म विम. याल्येय मारे वर्षा व वर्षा सुदे क्षेत्र व्याहेश शु दर्मन थ प्याप व दे दे व यहा वदे द्र ले द्र । हे क्र लेश मु नाया स्नास प्रमा आर सारे नाये : र्नास यावसुन के दे दे स नाव दे हैं है सूर अह स या सेना स या निर्देश कर निर्देश ला भूची.ज.मूचीश.त. जुचीश.तर विश.त.१.६म चर.पुंश.वर् .वि. तर अस्ट. मति क्षेत्र दे द्वदाश हेन के राम दे स्वापटा रेम्स माल्य महेर् मर वायरे हेन् के.चर.रच्यर.त.लुर.स्या हेक्रेर.स्य.स्य.स्य.स्य.स्य.स्य.स्य.ख्य.विस.च.च.त. र्सिन्स'य'र्स्स्स य'प्रेब्रिंस व व व्यक्त यर क्रिन्य रे वि व वि व वि व वि व ल्युन्द्रवा वसाया ल्युन्द्राया हर हेते छेर हीर हीर होत् वर मे हेत् हरा बु.शू.हु.दे.राषु.वोदश् श्रेयश्च.व लट.र्जद रा.वृषु.सुर.सुर.सुर.रश्च.नुरा हे हुन्यरे सम्बेशन न में स्वाय हुन्यर्ग की ने स्वाय हुन यंदरान्तरास्तराद्धरावदे त्यसासस्य वास्त्रायास्य वास्त्रायाः मुद्रायर नुद्रायदे त्यस दे हिंद हैंदे से नुद्र हैंद से निश्चाताला त्रीं क्षेत्र विरायर मेर्ता रेत्र के क्षेत्र हुचीताम क्षेत्र त्रां वाप्रायावसः श्रेयस के.लाट.पास बुधु-खुर झु.चुरे। वाम.टे.पास.प्रे.ची.पड़ां तहार ताम.स्वासादा देवे के मेर चरे हैर रे ले ना देवे कु लेश उपाय में राय हों माने वसादेवें तस्यानु त्यदस्य पालेक नु पार्थिक नु प्राप्ति नित्यम माटामी द्या मा सा होटा द्रा . ह्यें में श्री तर्में तर हो वर विचे र हो। र्मनाय पत्र ह्यें में व पतर हें या वार्ष वार्मन सिविद्राह्मी विकार हर देरिया हैर तथा की मिलसर पाता स्वीस सिकास

कुन्यायर निक्स क्षेत्रभाव आट. श. दर् . त. शर्र . यह . यह र विभागु कड़ी। विषे कराक्ष्रामाय में राही का माना विष्य में विष्य में विषय में वि सद्भानाद किना र्रे नाम या र र र द वले र पु ना पर स्पेर पर में पर पर हो र य र है र द्दिसर्व 'में द्रानाकु प्येद दें लेखाय वर् पारे प्यक्षा वर्त्ते न परे महत्र हैर हन। देवह विकाल स्वेशाय नेश्या भेषस में मेर मिर सर जालह हा। पर हेर **द्धाः भेर में श्रीया वर में दे ता भेर लिंग में लिंग में प्राप्त में में विश्व में प्रवश्ना मार के श** क्रिका कर में वा वार विश्व दे विवस दे अर्थ ना स लेक ना वर दे दे दे हैं। महाल दे महादाल व उद् द्रा विच पर हिर पर प्राप्त पर में नास पर हिस अवाह देरे ह्यून धर छेर ब वक नक ने छेर ना पर रामा देरे ह्यून पर छेर ना केन गुरु हिन व केन गुं हैर ने निर वन्य न हिन पर हिन पर सेन पर हिन है वक्षेत्रेर हो। बेड्रेग.फ.उबाज.च देर.डेथ कुर्च नथश.चर.धण.च.कु उबाज च. मैं बहु शक्र हैं दे हो हो है ने ने ने ने सार वार कर कर के ने में वार ना कर में क्रेम् कुर्य संद्रात्वर वेस्। जुरा ने शासिसारा ता विया पर प्राप्तेस देह्न इत् नहीं हुर रस्य वर ११६ है वर १६५ ही खा अप कर हो हो नेस नह है। मुर हर मा केर कार कर मानट से वा है है से श्रीसम पर हर मार्ग्य है केर मार्ग्य है दिस्क्रमान्युर वालेशका वायर् भागर्तर पासक्ति मी व्यत्याप मालेशायामि कार्या क्रिमा वर्षे वर्षा वर्षे हेरे व्यास्थाय समारा वर्षे वर्षे पर्वे स्था वर्षे

मान्य क्रुबाश सामुवायर वस्त्रायर वर्तेर यहा देश वत्र हेश वाय वस्ताय स्विकाराः श्रीकार्या हिन्या वार्यका श्रीका नुवे हिन देव देव हैं नुवे न के परेव पा यविवेशि देशमहिन्याचन्द्रविमानुयाने। नन्द्रन्तुन्त्रायदेन्द्रमाहिन्या उर्दे में संचित्र हो। जलक में लेश मु न देश हुर पायर सर्वे मिं में दे दे तर मेर्-च-वेश श्रम मे वेश वेश रे स्ट्र हुर चरे वेश च केंग चर मे हेर्रो क्युं के दक्षेन्र स्वरे हे राज्य के नार मे राज्य न्या का का नार में राज्य के जिल्ला के नार के विकास के नार के देने खिल, १४ की ज़ेश स. कूल, चन स्वी. स.ची. कुट ला बे सार ही र स्था नायान्त्रेराना करानी है। सामिता में प्राप्त कराने कराने हैं। पर्निज, खे. चर्च, बट्च, देट, हुम, श्री. भर्ते थे. पार्टी। हुरे, पार्टी, चीट पत्रा. लेश-वु-प-त्रे-प्रकर्-प-प्र-प्याम्-प्रशास्त्रा देवे-खुत्र-क्र-कु-प्रे-पेश-लेश-चे.च.बु. श्रेच.चर्राच वंच वंच श्र.चीर.तर् लेज.वर्च हो। डे.लट.लूर. याद्भारी तद्वातर तित लूब मी। भुषाती स्र्राह्म राषा द्वामा त्वापा के मालव है। सः १९ में भी सः माल्वः न्या पुः हुने सः स्व दे । द्वा सः तः दिना सः व ्यःल्येरम्भे नह्युयःसर नु न न कद् स व दे स ले द है। दे ह्यु ह्यु न सर ने दे स्वर् ्रुक्ष'क' सेव'र्नु' सेवे'यदे खेर र्सा मह्मूप'ठ'ठ'चुरु'यदे 'से सेक'र्ठित्' क्व.स.ल्य.च.व्र.स.ल्य.व्रा व्याप्त व्यापत व्यापत

स्रिशं भिन्ने मा वि व व मारामा हेरा भिन्ने हैं भाषा व वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा क वर् रमाम पर नु न ने रमा नहत् न माहेश स प्येश में पर देर ने दम्रेय म सहर.तथा धन्न.वर.पचीर.घठ.वीर.वर्चेत.कुरे.यूपे.यूपे. बंदे.हीब.मीटश.बु.ल्ट्स.मिंद्रि.स.एक्स.ची.चंड्र.तकर.त.व। रमाचदर. . तर हिंद् न वाट हुना हिंचा नहीय नाट नी स हु स. ये. प र वास या है स हो। हिंचो. यक्षाद्रारमार्ने विषयाकाक्षियामान्य मिन्नामान्य मिन्नामान्य स्त्रीतामान्य स्त्रीतामान् 'बेस'न व दे वस्त्र न राम के मा मा हिमा के न राम के न राम मि व उदास प्रेत यदे भे नेस दे स भेद दे दिस मुन्द दे ना है स यदे । र द यदे द मी ना नि क्रिन्स स् 'लेस मु'न है। देने 'ले मने 'सनस सु मुर सने 'ले ' नेस क्रियान क्रेन दे ने दे हैं में नह या नी सान निष्य या द सार मार दे हो या न कर के ने से से पार ही र र्हें। विश्व हे बर अवि व हर्म वेब पर रे वेब है वह मध्य पर है वह मध्य पर ल्ये बुंश.चे.च. बु.चर्सेंच.तर.चे.च.चाकेश च.ल्ये. टु.टु.ल.चर्ड्स व. टुडू.लील.क्ये. च प्येक् वा दे दर वन्या व पर के चर अमि व कक अप्येक य के द प्येक के ্ৰিম : ব্ৰ: ব. বু. বিব: ব. ম. হু ব. ম. ব. বা ম. ব. ব. ম. ব. न्यू देश य लेश मु न ला र्रे मु न है दे हैं दे हैं दे हैं दे हैं न है न स्मार्थ सह दे स लेश नु न परेश स्वाप्त म्हार में परेश मानिया निया मानिया । 💮 वनशान्त नवसाय हैना ं यर महर् य लेख न न मर्बेस है गुर न नुष्यी महेद य ने स्थान महर्दि। म्बन्धर्दर स्र न्द्रम् न्द्र नेश्वरः। द्रु नेर्द्रा द्रु नेर्दरः। द्रु

सर विश्वाय है। वर्ष अपने मुक्त मिर पर मिर के हिन वर्ष में पर के मिर के ने हैं द कुर कुर म के गुक प्र कुर में परेक पर्देश म नहीं से र के खेर म प्र गुक प्रवृत्तनी परे व पर ना शुरुका कें। दे पति दे निव केंद्र द्भी पर अहर पा लेखा वु पा पर्नेश ने वर्षेषा परे रा नेश या पश्वारे। त्मीना यदे यदे क्या भटा दर्दे कन्स वा स्नीस यदे हें के स्ट्रा या स्ट्रा सदे। वन्यान्तान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान् नर्भ हो। वस मी नर्भ ना प्रमान प्राप्त होस्य पर हेर्च साम्य प्रमान प्राप्त स चेद्रचवे प्ये वेस स्वा देवे स्व चर होद्र य र्थेद्र नु है । कुर के सह चरे हैं ल्ना वशायक्षेत्र पर मुल्रा मार्दर प उव उद बर मुट प्रदे प मार्भेत विश यु न न में द्वर ये त्यस व्रमाय मार्च या क्र से दा से से मार्डिंद यर नु वरे केन देश नु वर वे ह्या वर नु वर केन प्येत वें। 55 वर्ग पे न्द्रमाश्रास्त्रात्म विक्रान्य विक्रान्य विक्रामाद्रम् । विक्रिमाद्रम् विक्रामाद्रम् । विक्रामाद्रम् । ्रमाश्रमा रेटाचेंर अर्थेट यद्यार्थेश प्रयो। हिम्शानेर के आम्यादम् अर्थे। च निर्मेर भ्रिमा प्रमान के के पर मार्स के पार दे के प्रमान के मार्ग प्रमान के र्श्याश दार्या ता. ब्रेश चि. वर्षा है. क्षेत्र विषय शि. क्षेर प्राप्त है. क्षेत्र विषय है. ल् मुंद पर महर पते हेंद्रा मंग्र पते मुस दे में से पह प्राप्त मार्सिय म'इस यर'वहूर्न'नर'सह्रेर्न देवी,लल्ली सेनाम हंस.लट.कु.बुना,मबेर. क्षं वत्रा मार पत्रा क्राय नार मी भाषा परेदे रूर यविष्रं रहेष्ट्रा यह ना सर प्रमुद्द ले वा स्वर् यह नह स्वर् यह स्वर् स स्वर स स्वर वर्षेश व सेर्-व-उन्लेश-व-त क्रिंग्रेश-है। यन् नार्नाश्य विश्व व निर्मा क्रिंग्रे

स्त्रीश पर मुख्य व मान्य पर दिए म स्वाया दे स्वर वन्त्रास वर्षे स्वर दे। दे वा पर्वेश या सेदाय दे खराव दे नक्षेत्र<u>नग्रस्य</u> स्था स्था नाह्य स्था अर देश नुः है। से सस उर् मी दें दें हैं दें वेद या दावहण यर द मूर् दें लेश मु नदे दें दें।। अहं न न दर द्या में द्या भा हेश हु क्या स दर विह मिन्नी मान्या निम्ना निम्ना निम्ना निर्मा नि 'ठव' **घमस' ठ**र्' ते हुँ मस पर्या प्रदेश है 'धु म हे व प्रवेश है ने न स्वर परे सुर विवाधा हे के द्वारा निवाद ।। इसाया प्राप्त में देव विवाद स्वीत विवाद विवाद स्वीत 'मेर'रे लेश से न जारा में शाम में है। हे ला में ही नहें क्रा कर है र भेर यदे हिर ने ब नु हुन वर्ष्य निर्मा वर्ष्य निर्मा न निर्मा 'सेर'य'रे' त्थ'रे' सर 'डेस' मुट्टा हे 'हेर' रे' हैर' में स्था थ' प्येर हे 'हेर ्रव माळन्यायायस समालेस लेस नु नाया स्वाहा ना र्ह्स है। प्रव १५ न ्रनाः स्वादः विनां कनासः यसः ने स्वरः सरः हेर प्रते हिरः रे ने स्वरं प्रायः वर्षः क्रियाद्रायम् विष्युराम् विष्युराम् विष्युराम् विष्युराम् विष्युराम् विष्युराम् विष्युराम् विष्युराम् · भेदे वरं रुक् वा दुस्य विदे थ दे वस द। विदे व के विदे व के विदे व के विदे व हैं अ वहना पर तम्मर हैं। असम उन में विर्यर अस लेश विर्यर की पर्वक्रमे हिर्यारायसासे। प्रवार विवार विवार वासावार प्रकार पर्वार विवार मिल्नावर में स्वाप्त वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर्या वर्षा व मुंद मी हूं नश दे नावद विश न न भारति हा हा है। है म्बार्भभाषा कथे. मी विदार्थिय श्रमशारेतत देवा मीश मेरेटा दे हैं हैं दा है ता हुश तर ब्रिंग् पर्देश के प्रतिक्षेत् यायसासस लेसानु या ते हैं है हिना मौस देशायर स

श्चिर मार्ट हे ने लार नाविन ही र्नुन मायह्मान इसस रहा हेना मानेश प्राप्त हैं महोत्यायसारे विवादिक स्वाद्या महना परेदे स समा विमान वै दे देन नेश मेर या तथा महीदाय यह मा अव मेर मेर ही। विव गुर यहना हिन ने हिमाहे पर्ने या भी राजें। ये निकास कमार या स्वरा लेखा साम दिन लक्ष वदे लाहिर यर वे स्रेंर हे व। यहेंद यर वि है। देर वे स्रेंद न्त्र भेत में लेश नेश वहा पहुनाय भेत भा वरेर ने प्रमा स या महें ग्रीका हैताहे म्सिका सर प्रिक्ष क्या की क्या ग्रामा । अहर ख्रीका के क्ये मानदी मधर द्विष पर्ता नाम हे ह्वे 'वे सहेष द्वेर' देश प्राच ताम संग्रा मस्य वहेना हे ब कु म्यदा स्वेनिस हा स वर्गेन् यर मेन् र्गा मा हेना दे र्ह्च त्युद्र च त्यक्ष देव प्रवाद देव मालक स येव यर दर्दे दें। देख यत्रा। र्द्राम्बरमार्भरपद् स्वाधायाया त्रुदाया केर् रव मु खुरा मु न न न के द द मुरा मारे वुरा या भेव वें। दे मूद द प्राय मारे के क् उन में नि हिट लेश छ न वे ने मिं व हेन प्येव मीय। ने ने ना स्थ रोमस वे स्या यदी तुमाय विवेद वे विश ह्याया मालुम मालुम मालुम मालुम मालुम हिन्दी है। खिराणी भेरिन्त भेरि याने इस वालेशन यस स्वास यस प्रत्राय यह हेन हीं। इस नहिन ने स्प्रेर ने र कर में सिंस द्या विश्व ने न स स में हैं न ने होत्य भेर ने। हिं दे मळर हेत् चर ही केश सम देश हा के पिर हिन है।

ने अत्र द्वार्टित्य लेख नु व दे नाय हे ह्वा दे युक्ष हे दे हैर। मामक या मान या मेद विसारे अर नुःवहर् यदे वहना देव कुट सर्मर् नते नुस क अदः त तुदः च क्सस नान र क्स दिना च उन ती क्षुर नकन च के पर्ने र्ने नुरःषरः ह्य वदे सुरः ५८ वि वदे सिषा से रसे नशायरा प्रयापरा वर्षा दारे """ हीर दि। दे ता लाद मुर च लाई च क नहां के का के देशहा के दे वस्तर प्रमुद्द ने हैं। दे व है हर पर्दे हे व। दे व गुद्द लेश-वि.च.ण. स्वाश च.र्झेश च.ज.वि.चच अभश देवन करे हुटे कुश वि.च.वे. भट्रे. दर माराय वरे सेस्सा य उद १५८ हो। प्रमाय वरे के प्रसा हेश न वर्षे नुना न्दरमर्के क्राया से नुसाय ये मुलास सी । से देव यर म्साया यास ध्येव **पत्रे : खेन्नस्य : उ**त्र केस : तु : व : के : व स्या : पत्रे : से स्या : पत्रे : के दि दि । तर्क्व, यपु मार्था श्रेत्रा पाका क्ष्माता मार्थि । ये विकाय कुरा है हिरासा नर्गा लट.मुर्ड, इ.व. चर्बर, रे. जुंश, चे.च. म. स्वासामस दे. परेस ची. कुर कुर के किर में कर पर हिंद पर छेद हो। कुर हे हे प पहेद दें विस चि.च बु श्रुभश्च.चोट चुंश हुंश श्रु.शरीय:तर शर तर मुंथ.चोट.लुय.चर्।। रव.री.सर.तपु.मुरे.रो.तर्थाताचाहेस.रो मैं रटामी.श.लोर.तर्च. मोनास हेर यं सेर्प कर मी वुस्य य कर वें। हा नदे क्रेंद्र खब्द'द्रद'। श्रेमक चाड्य लेखा नु चाद्रे मार्च द्रमाया निहें का निहारनी स्मान निहें वर्षे **ଋୖ୶୴ୖ୬**ୣ୕୵**୕୕ୣୠ**୲୕ଵ୕ଽ୕୕ୠ୕ୢୢୠ୷ୠୖଽ୷ୣୠ୷ୠ୷୷ୡ୕ୣ୷ निट्रना वा निर्मेश्रिक्ष के निर्मेश के निर्मेश मही **ୖୖୣୖ୵୷୕ୠ୕୵ୠୖ୶୶୶୷୰୕ଌୣ୵ୢ୕ୠ୶ୖୣଽ୕ୡ**୵ୣ୕୵୰ୖୣଌ୕୶ୖୡ୵ଢ଼୕ୡ୶ୄୡ୕ୢ୷ୢୢୢୢ୷୵୷୵୷ୄୢୢୠ୷୷୷୵୷ୄୣ୷

यु नदे शे सस गु नेंद्र महेस नम दे प्रत्य सु सु मु न म वि न मि ระเฐานา**ม**ัสเพาสารุสาณาชิ หราชาตัมพานะ เมินานพานรุพามิพานผู้ เ<mark>พิราา</mark> सर.रेट केर. यर. पेचीर.रे। किर.चीर. यह. चीरका श्रेचश श्रे. म्यांश्र राष्ट्र पिडे. य र्टा मुं ल र्याया पर्यं सामित्र ने सामित्र में सामित्र य.रट. मरे. त.रेब. ची. परें स.चें श. तपु. हिंस. शे. पर्चे च. में. मैट चर. तारे च. हे वेंस्। मिरे.तर.रे.बुल चे.च.बु पक्र चयु.रेंब.बेस्रा डे केर.बुल चे.च बु.स्रांशका याम्रेन्यद्री नेप्वेषानु मान्य स स्टालेशानु न वे सदस नुसामा साम्या ह्ना । पर्नेश्वास्त्रेन्यदुःश्चेश्वान्तः पहिनानः वः विनयः यः विश्वानः व दी नुसामालक नुःसेससान्दा सेससा सामा नुदानि ग्रा नुः हुई । यदी दानि । या ठ३ नी । क्यातर्ह्यात्में विराधरायर के तर् के का सेरायर के के समाम प्राप्त हो। देखा बियासारा ता श्रीस्था मीदा करें ना हेर लिंदा ना हो हो। महि मी स मून सदे न्यं नम्बद्धार्यते 'सुर । विनास 'सर माकेन 'विनाय' त्रास्त्रं नाय स्था अनस । के.येत् . बुकायी. च.श्रूकाश्री

ब्रिट् स**.र्थ.त**र्जेज.मु.ठच्चेज.च.चंटी चस.च्.चड्ड.क्. - SO | माशुमाना दे स माने पाने हा है लेग है न है मान है है क्रिं रूप নত্ত মত্ত্ব হুট্ট ব্লুহ 'स'ব ব্লুহ'ব'বা'ম ম'বইই'গ্রী। ব্রেমার্থ ଵୖ୕ୄ୶୳ୣ୵ୖୢଞ୕ଽୢୢୖୣ୕୕୕ୖୡ୕୵ଵୖଽଵୢୣ୵ୡ୕ଵ୲୰ୖଵଽୢୢୢୄ୕୴୴ୢୖଈ୕୵ୖୠଽୄଊଊଊୖ୶୶୳ଽ୕୶୷ୡୄ୴ୢଽ र्ने । हे ब त्यों ग य हे त्या वहा यह पर प्रमुद्द र्गे। अंत्र प्रव द्वा ं तर्म त रूट वुष य म रूप य में निया मासुरा द सूर्व या यस स्वें निया माद या है वे ... वर्मिनाया वर्षे वर्षा वर्षा देवाना वर्षे वर्षा वरम वर्षा वर् र्श्निश्च मार्चा हैन हैं से सह हैन हो। है चर्श व व **५५ मा सेरायते छैराहे बाइटायहेबायरे ५**०० से दे हें नामाय ऑराया संकारी। दे वै क्षेत्रक केट ता दे केट या लेक व या क्षेत्र है। क्रिक्ट यहि व न्द्राच के घर्न्य या यह इ या छक छेन् यो प्यते खेराहा। दे यह क े देव येगाना तत स्थित स्था स्था भारती राजनाय र ये पास होता हो। प्रवाणी र स्था स्था वर्तुक च वर्ते स प्रके के लेख वर्ष चर्ष चर वर्ता मार्व कर वर मार्व कर वर मि सम्मालेश च न दे। सम हेर न दूर नदे न न न है। वस्या उद्देशिव अने पालिये यदमा ने द उद ने द भी र यदे केर देश केर यदमा हैदाख्यानु चुदायाहैदाबुकायाध्येकार्वे विकासहकायते सुर। मालका ला बेस में न का सम्म न हैं से ने क्र में से पर ने दें दें ने क्र में से पर ने दें दें ने क्र में से पर ने दें दें पा ला लेश च.व है। र्रेच तर विश्वरश व दर वश कीर अहरे तर पर्दे पर

क्र कर है से क्र है में लूर र लाट वर्ष ये वर्षेत्र कर में वेश के वर्षेत्र के वसाय दे ते विद्याप्त में दे हैं हिन यह माल र श्रीत वन मी दे व द मा ने साय र नर्देर्-च-त्यवी देन्द्र-प्यद्र-प्रमुखाया है। जेरायर मालर हिंदा न द्यामीसामान्द्राय वायरमानुसाम्बर्गा दे अपत्तमु द्राप्ता सम्मानुसामान्द्राय श्चिर पर विद् लिख व व वे के प्रविद्यात ने के पर होने चहे हैं वे ल समस केर ही. दें के निम्नासे दें मा मुझ लेख मुन्न प्ये है। मु :पेव वम। के चर लेब चर्दे हें चेंबा मा भेब पारे खर है त्वा बबा हेंब पर वसुर ही। हिसा चि.च.टब्र्टिश श्री। वाता हे हे ले ते व ह हे हे र व श च्र ची वेश च हे श चे व रदाय भराय वा स्वाया यह के कर की व क्षर दे से वर्षे रहा है तश्र श्रिश पर्। ट्रेप अप बिश निय पर्मिश प्रम वेश रा व मिर् पर्मी क्षेत्र मिं बर प्यत्व चेर चेर चेर चेर पहेंद्र य मार प्येत प्र हे साम व नियम में में हैं । त्रिये व साम में मान मान में मान म न के शुःनु नक्केर नदे र दाविक नायया नर नेर परे क्षेर वियान वाती मु नहीद् पर विद्याय र पति के दे दे भेद मी नाव में के में भेद के विष्य पहें र मदे खेर न्या दे हे दाबाय न न न न में में हिल्द दि है न है न वुकाया भेक के लिका क्षेत्र है। हे हिन्द स यें परे वे वुकाया परे भेका ही जालक में वे स स्वव वे 'लेस वेस पर प्रचुर र्रा रे मेर रे मेर रे मेर ने पर ने र पर ्रदः यवुर् स्वा प्राह्मित पदे दे व नाट भेर य विद पर नाव र हिंद प्राहर हे दश भा बेंबा बड़ झे बे छूबा नहूरे ता लुब बुटा। बा चूब की झे लेट हिरे वर नाविश् में मूर्ट न कर विराधर प्रमाश कर दिए दु नहीं साम प्रमाश कर हैं साम

महर्मा प्रेराया करें र म में मार करें पर करें पर के में में कर में में मार पर पर के पर करें में में पनुरर्सा रेनासासपुर नदे मुं ३ भू देना साहा ससामह्य पदे द्वानास **र्मुट.व.र्टा** ्र्वाय:र्ट.रवट.त्र.ट.ह्य.्य.स्. रिवृदः व रदाः व वर्षाः व्रभावकृर क्षेत्र वे व व भार्शन्याय वे सुक प्रविक वर्षे चुराव हैरान् वहेर् वाहेर् च हैर की हिराव हैरान है विले वहाया नहें। विर तर राज्यम वर जारा देंदरा त रदा। अर व्याप भेर विराध भेर स्वाप भेर स्वाप भेर स्वाप भेर स्वाप भेर स्वाप भीर स्वाप स्व मी के मालका मिका सेका धर हो दार देशे कें। मिका है कर सर हा दें। य देवे के खुद व वुद य पर पहना य अ जे वा दे ते अ अर से य मालद े बे.के.चर खेब यदे कु पर्ये देन दे स्मवस सु र्हे ब पर प्रमुद हो। देनेर ब द केर.चर्.के.वे.बुक्त.वे.व.कु.रविश्वाकारवैट.व.रट.देव.व.ज.स्याश.व.वीक्.... ८८ दिन दर् मी स्वा कनास दमर मी र ना र ना सना तार मा हिर पहेंदे देश। पर्वेष. यहूर्य. यहरे. पश्चीर कुचे. य. य. त्रेत्र त्रे हेच्य. पर्वे ही प. नेत्यायम् हेटा देवेस्य परिकृत्यामार्द्यासदे ही नामुनासदे मेट । श्रेट अद्भम हिंद लेश नि.च. म स्वीस त हिंस सी वाट सेद. डिस-तु-व-दे-सुस-गु द्वस्य उद-र्रेद्-य-प्येत्-हे। यक्र-वर्त्र-य्याद्वस्य
 שַבְּרַבָּם נוֹלְבִי וֹ
 รุกะ นั่งระวัฐ รุกา กาม หามา เมงมานลิ สูารุกาที
 र वि: इसमा विद्या में निक्षेत्र में । पके न वा नुका हुका लेका छ न के हिंदि

न्वर वि ता स्वीस वर अन् रेवा स व स वे वर्ष व वे वर्ष ने स वे स टॅ वं भाषा विश्व नु न दे नि चर्ना केर क्षे न भाषा स्मर केना साम सम वर्षेत्र.त.रवेबोश.पवैट.देव.रेट.रेवट.त्.रेट.धॅ.रेशत.वे.भ.व्ट्रा.तपु.धे.वश... वहास यह रविवास प्रविद्धिय थ स्वास यह व्याप्त रही। वार हे रविवास वर्तिः देवाताः श्र्वासः तारे द्वानी व सार्भेर द नाट तास की दिः स्ता व स्त्री वर्षात्रः श्रः श्रेत्रः ताया कुः १८ द्याया वर्षा विवाय प्याप्तर ता १ १ १८ वर्षाया वर लट समान तारी कर दे किंदा विवासर मुद्दार तार बाजा चार मुनाहा तर्रा। वसुर वर के वर्द् व नाय हे वके वर्दे नुस क न व न सुन हुन का स्निस य है द म्युव'यर प्रमुद्ध रवादे प्रमुख मुन्यामानु मार्कदानामेन्यामान्यापामान्यापान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामा १९ गुर देवे के 'ब्रॅर्थ में कर यादे नका का मानुक के नका का मुवाय के के ले का देते छैर सम्युवाया अदास भेरते लेखानुवाया हो साने। सामा असा अस मारावा त्र भी त. त्र व. इश शरीर तर मी तर वर्ग तर वर्ग दे । त्र मिट हैं जूर मास भव ने अया नर प्रमुद पर दे हैं र र्रो। दे पर व र रेवाय समुद प केंद्र बैं हे 'यर' येव' य'हेर' गुः र्से वंशा रेन्स समुद्र सर्वे मु प्येव पर्वे मानव के र्श्यसं द्वर वे संबंधित या क्षेत्र या के दा प्रें कर दे । व के या दे भारत वर मा केट सक्सम हिर पत पुरा पार्ट वियो न प्येत पर के पर में है।

मारःम्रोसः र्ह्यः हमास्रासप्तुद यः स्तुद व्यः ग्रीदःग्री होसः देशः भीदःयाः भीदः व व ฿๚**ีราวรา**ยาสายาราสมสายาราชิการาชิการาชิการาชิการาชิกาสสมาชิการเกลา वेश.च.रेट.र्येत.च.सुरी हे.लट.व्सी.रश.स्था.यश.पर्देश.सर.वर्तीर.प्री मोडिट चर ये त. व. चीट कुर श्रिय त. बेंबा ये व प्या व चीडिट चर ये ये त. मेंब बश्च दं नडिट य है। अना भना है दर पर पु र व र वे र वे न पवेश तामशालेशायी व दुःश्रमायवेशाया मार्गा है.भावे पवेसायहा द्रेमा.तर्ता। ट्रे.ज. देश.चे.च. दे शपु. विश्व त. च वेश. च. च वर्ता। ह्रेम. क्षास नदः श्रॅम क्यां स त्येष य त्येष यदा सन्म हेन कर मी श नन र य हेन हेस न य है न कर्रे हे. जम्म चर्चे न नर्मा जमा मही प्रमम नाहर ही. र ट. पहुंद ही है मा सं र म. रमानु अन्दर्भ स्थि भारे हिर्म दे तथा मिल्या समा स्था से सका गु सहमा हेर वर किर मुन्दर में वर में रहेर में वर में रहे महित हैर हैं किय महित यह महित सिमान्द्रेर दे विरासने रह महीर बहाया लार्ट मही ता ह सर के सामित्री टे.जश. विर.तर. भरे.त. है। वश्वा करे. संग्रेश शी. ग्रीर. पर्य. रा. पर्वे र त्ये हैं। नदे हैं र हा। दे हैं है है स भेद है है स न व स स स स दे नून पदे नुक्तराम् केत्रसाथ स्वास माना भारत् मानाव के मिसा हित्स माने भारे ... अर. कुरा विश्वा अरे. परु. हीर खेश नि. वरु . सूचीश राष्ट्र . मैं श. कुमा हिर्मा कि . यर अरे या म्बद्धः द्रा ह्वं पर छेर हैं। देखर दर च या श्रम्भाया श्री शाम या श्रम्भाया है

क्षान देव हेट केट के का हेट कारें के किंद न मा लेव की विव ग्राट प्रमम् वर तार्श्वता कर्ता की की केर लॉर स लूब ह्याँ चाजा है है हैर हूं नहर हूं नहर सर तिवार हिंदा रहा तर रहा त्वार । हेम व व म व म म म म म म हे.जब.कुर पर्वीर खे.वे। किर पर भरे वे लाए खेंबा ने याज सूर्यां था. श्रुमायाया विरासरामेर् माल्या विष्यान्य माल्या माल् नहीं क्षेत्रां संकृष्ट नार ह्यून क्रमसंस्ट हर है र है र है र है र है र ल.ज. ५. सूचा क्यासालूर वर्ष होरा सूचा कर्याश रटा इव वर्षा हे चर वर्षीर मामक्रम्यामामान्त्रमान् के स्थानक्ष्य निवासक्ष्य मान्य निवासक्ष्य मान्य निवासक्ष्य मान्य निवासक्ष्य मान्य निवास टट खुल बन के खें खें या लेश मु नके क्राया में में नके कर के लिए के कि क्र व तरेर श्रेंब भागता श्रेंब मते वुषाम तरे प्रेंब वें वेंब व रह मरे है वुषा मालक हो। अध्यक्ष केराय भेरार विश्व महेर महेर संसक्ष में विश्व नि ल स्वास प हूँस है। हे हर सेमस हैर गु तत्र ह हर हर गुर स प्रें र है। श्रेम्बराद्वात्वत्राचन्त्राकृत्त्वत्कृत्य्येत्यत्रे सुराद्वी व द्वात्त्रा स्व म.ज.लट.मैं.टेट.पंत्रस.ये.इं.टेट्स.य्.मुट.पंड्र.वे.ट्री डे.केंट.यं.संभय. मु प्रवस्तु कुट बर् मुट प्रत्याम प्रविद्या प्रवस्ता में मासेसस्य त कर बर ग्रह तर स्पेर सका सेव वें। बर्र मेरे नेर नेर नेर नेर मेर मद्र विद्या मद्र राम्बेद मुर मुर परे दुष य भर् पर्। उद्दे विदा व द्रम्

मु लेंब ने न क स्वाबार वा संसम में वेंबार हेंब के महूर में द्वें मुद्द संसम हैंद वुकारा भेर तारे भार वर्तुर न क्षका है भेर वि। देवे के वर्तुर मादना माने लेखा मु न ता संन्या पान मुना पाने सम्बद्ध पाने हो। क्र्यामालवः ह्मॅट.चर्ट ह्म् बेश.बेश.चे.च हु.भ.चेश.च.हेर.पश ईश.तर.चक्ट.चर्ट ह्म बेश.ह्या । है ने मान के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त स्वापत स्वाप सर मु न केर केर सरे हिर रे लेश मु न है। पर हे हर सेसस केर है रहे रह नी मुन्दिर मी रहा हुनी तथा पर्ने पाता सूर्य सामद्वी हूर मूर मिष्टिर पर मिरान स्वी है । सामासन्बर्धान के दे हैं या के दे ता स्वाधान दे दें वर्ष मुद्दान वद दे हैं । श्चम. रे. होर. हो। हे. हेर. व. प्रहिर. व. रे. हा से से हर प्राप्त वर प्रमुद् ୖ୵୲୲୷ୖଽ୷ୡ୕ଢ଼୶ୠ୕୳ୠ୕ୡ୕ୢଌ୕ଽ୵ଽ୷୶ଡ଼ୣଌ୕୷୷ଽୠ୷ୢଌ୵୷ୡ୷୷ୡୄୖ୴୵ ब.रेट.त लुब.था वेश.त.रेट.वेश.त रेट.कंब.तप्.क्श.तर.ह्च.तस.बु. यर नम् है द हैं लेश मु पा है। अंदर है द वा दे थेद पा द के द लेश मु पा वै.र्वाचा चर वि. विश्व श्रूर चन्द्र च कि पुर के विश्व हिर हो। विश्व विश् चबिटार्ट्रा भटमायासम्बर्धान्य प्रमान्य केटा सर्वस्य हुर च क ने है ने पर् मदे हिर्देश दे कर दे महम्मद्रमा हिर क्षर द्राया कराया क्षेत्रज्ञा मर्वेद्रचा देनदा स्वामा के तमुद्रचा देन स्वामा ने निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्म

स्निस्यर त्युर व द र्थेर्। हे हर हर इस पर रहेन् यरे ही ही पर हैर लेब द्री। भ्रेन त्यामार्द्र या व लेब मुन्य त्या स्निमा यह मालव मी द्रामा र्थेय.वर.वेर.र्रा रे.लट.वे.ल.स्र्यं स.च.रट.वर्डेल.व.वर्यक्रिंस.रवट.स् ल.चार्ट्र.त.४.लट.७४ व.च.च.चे.लील.ची.झ्.४४.मेट.ट्.डे.चेपु भक्ष.३८.६४.ची.... म् विश्व निर्देश श्रु किन में में विश्व कर कर के किन में किन म मार्ट्राचात्मार्थेनास्याये सर्वत्र केर् क्रिये प्राप्ते स्थापारे स्थापार स्थापार प्राप्ति प्राप्ति स्थापार स्यापार स्थापार स्यापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्यापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्य यर. पर्ट्र. य. लुब. खुब. यहें १. यर. प्रचीर. रू. । हे. हेर. व. हिर. नवट व दे क्षायर के साथ हेर प्रचुर व ही लिट। हे साय हैर प्रशाहक पर हुंचा त. कुरे चे ट. च. ज. ज्यां का राष्ट्र अष्ट्र कुरे . क्ये . लु थे थे । हे . से. वेर. चेर. चपु.पचीर.पश.लूर.ग्रे.धु.पिश.ल.हेब.च.रूबाश.च.भ.लूब.हो धू.च.च.ज. पश्य. पर् द्रम. तर . जेश. पर् । स्वेष. ग्रे प्र हिंद र . प्र श्रा स्वा हेश. 5'न'के'के'नर'मर्डेंद'य'भेद वी। दे हर द'नवे हें-'व'न्ट ह्यूव'नर नु यते देश हिंदानर नुसादसासी। नाद इनाव सुराव देश है से हो में ने दे पारे दे इ.च.च.हेब.च.स लेब.हे। रेज्रं द.भूचा.ची दश.चर.जेश.च.डे.वेश्रं। हेस. मर ह्वा नहें वेश रा अट इ.च. १ मीर नहें हिश शे हेर माश करें है शेश में माश श्चिम्र प वहूर् पर मुत्रा है केर देवह मू लूर व लूर तर हिन हवे. े वे वे बाज न वे हैं व्यूर द्वर में द्र प्रकाश कर मी खार है दा भी दा मी ही से प्रें च'भेद'में। न्तर'चें मेर च'उद में अ रूप में य र्वेन में य र्वेन में य र्वेन में व

याद्रान्वस्थाया केद त्याद्रवरा व दश्य प्रति के मे क्या पाद्रान्य व त्या दे सामित १५'वे'स्वट'र्चे'ऑर्'सवै'टट'र्ख्य'स्व'क्रेर'नश्रव'यवै' यदः विश्व नु न व श्वर्य व श्वर्य है। केंद्र न से द प विश्व नु न के ति है। हिंग नःनीय अस विवादा उदानी अस जी ही दर दरानी द्वर में असम वर द्वीर "" . श्रुचायात्रत्रे.स्या. कु. भ्रुचा ता. श्रुचाया पार्ये असवा सर्ये में साक्ष्रः हर् उन् येन प्रमा लेखानु ना या यो मारा ने ने ने ने ने ने ति । श्रमा या ने हिमा या भेव वा। केर प्रमेद या वा र्यान्य परि दुसाव भार द्वर ये हि स्पर् व भार र्षेत्रश्चे संदाय भेव व विश्व मन्दर्श निव महेव सामार्वेद पति हैसा शु हिन मलेस व न न त्युर न क क्रायर वर्युर न हैर री। रे इर क हैर हैर मुवायाक्षेत्रे वर्त्ते वर्षाम् वर्षायाक्षेत्र वर्षात्रे वरत्रे वर्षात्रे वर्षात्रे वर्षात्रे वर्षात्रे वर्षात्रे वर्षात्रे वर्षात्रे वर्षात्रे वर् स्थ.य. थ. यम प्रा. थे. यपू. पिश.क. ध्रे. शु ही. य. प्रमा क्र. शूचा ता. श्र्चाश. य सेन यदे हीर लेश हे केंस अवर विश्वर हो। दे छैद है है है से से में दे लॅग-तु: अव गुट लेख न व व सँग्याय या श्रेंब स्था दे वे ने व भेव लेख न माने भेर गुर्म पर नेसाय दे ने र्पट व द्रम्म गु हेर भेर के लेस मु पर हुन न्तर युना ता स्निमान हो। में देश प्रति के प्रति हे से ता र्सन्स पाया हैं हुन पर है हैन दा के देन पर हैन दे पानि पर हैन दें। ने सूर त्युद्दाय देशक के हिंद के अध्येष है। न्यद में न्दा सक्क मान्द

्रवह सं सेर प द्व.मी.मध्याक्षात्र माडे.मा र्वा मीट से दह वह हिर है। वह विमान्तर में केर देव कर पिन य दे के देते हैं निर्म पान य हिंद है के बार में हैं पर हिर्धक प्रेके है। द्वेर क सेन के इ चरे इस यर विश्व प हु हुर्दे। है भिन् नु'वयन् मदे **हमायमाय्युटावाह्मस्या**ण्टाधिन्णुं ह्ये दे हेनानुं दशुंदायासा र्भक वि विभाग्न के सिन नर में देश विभाग न में निभाग न में निभाग निमान कि सिं निभाग निमान के सिं निभाग निमान के 'अट' स' भेर प' वेस न वे के से पार करें। के के से द पार कर हैं द भेर की देवा व लूर्यान प्राप्त त्या प्राप्त विष्या है वर लुक्त प्राप्त के प्राप्त प्राप्त विषय व ह्म या साधीय वे विश्व नु या दे वे मुखायर दिना वहा ह्मूय घर दिनु र दे। देव सुर हो किर हो विकेष वेश पर येश पर वह श पर सुर। हैश है। ं ह्य[ँ] ने नुव पर द्वार लेख नु प थ र्से न्**राय होंस**े ने 🎽 देश के ही देश के ही विश्व राष्ट्र शक्ष के दे न व कवारा वाट या लोद रा दिए। हिंदे हे के हिंदे ह निवेदार्से स्थानादायाय्येद्राचाद्रीत्यादेशभूत्रहेशानुद्री। हुर्देशानुद्रीत्या म.श्र्माम.ता ह्रींर.व.रट. त्. बु. क्र्य.वर्.ची मी.लुब.जा वार्डम. य.ल.च.च.च.च.ल.च.ल.च.च चे लच्चा चे मान्ति वहा ं चुं म ते 'त्र है मने 'नुस क्वा। यन दुंन हे स सु चुं न प कर प्रेन **वें 'लेस** मुं म ल.श्रम्थ.तश्री वरु.के.हे.रेयट.त्रू.रं.. पश्यातपु.जिग्रंटा वंग्यंतर. चेस्राया हे नाहेस है त्यत्र हित्र स चेत्र हत्य प्येत हे 'हेश हिंस सहेत्य प्यायस नास्टिस नदः क्रिस्या। देवसः क्रिक्रा देवलेन प्रति न प्रति न प्रति न हेश सुन्यम्य प्रमृद्यामा प्रमृद्या प्रमृद्या महित्य प्रमृद्या प्रमृद् ्रा-व्यायायम् वयुम्भेत्। वयायायास्य क्रिन्य्रित् यमास्य न्यून्त्रे

भ्राभ्यक्षक्षान्तरात् दे स्वेत्र गुर्शक्षित्र विनायायरे हेश शुर्माना पारा हे स्राक्षिता मीशामार्द्रियर त्यार ही। दे पश्चान कर्र सेर द्रा द्रमाया कर् १९८ त्रेय तर् हीर पर्यम्बर्य **१८४** वे १६८ घर मुर पास की स्थान से स खराया हेर सदे 'खुम द्वामीस लेख नु न के द्वार में द्वार पर कर सदे 'खुम'र रा इस नर मा इस पते हैं न्दर हैं न्दर है ना मु वा खेंनास द्वार में से स्री न्नानीस लेस न न के मार्देर य हेर् पर्ना भीस स्था रवट वे र्ट दस्य पर পু**ষ: ন.৴ে. ব৹ষ: ন.�**ঽ: ন্রী.পিশ.মী.পিয়.ঙ্গ বি. ব৴: শ্বী৴.খ্রা य. बुंश. ये. ये. मुंगश अधिव तर्य मैं . य. श्र्राश तर्य। डे.हे. श. लूब. व मैं सेर्या उदार् पुराविक विकातित विक्रिया विकास मिल्ली में रहे मा मेरे वा उदा लाका वर्षा में वि _ଽଖ.୰८ ଈ୕୕ଌ**୕ନ.୰ୖଌ୕୵, ୶**ୖ୕ୣ୕ୖ୕୕୕୕ୠୢ୵<u>ଡ଼</u>ୄ୶ୢୠୢୖ୲ୢଽ୶ୢଊୖ୵ୢୠ୵.ଋ୴.୷ୢ୶.ପ୰.ୠୢୖଽ୕୷୰ଅ୕୶.ପୖ ୖୣୖ मेर या छत्र हिन दु वसुर हो। सु मेर या छत् हिर धोत्र व रार दिया हिन दु वसुर यर क्षेर अस सम्बादा वाल प्राप्त का कर के साम के साम प्राप्त पर व्यापन ব্যুৎ ন্যা नाट.लट.स्वा.त.खंश चित्र वे.चे.चंबा.ल श्र्यंशत देवा.चंश. रुषायार्या र वा संवास पा वो रेस विषेष पुरेत परी पर र देवा उन पुरेत परी। निर्माने तरे अर रु दे लिया मालु र दे प्यार मेया सामा प्यान है। कर सादर लेश.यी.याची.पास.र्मायायलेका मुं ही पर प्रमीर थी। लेस.यी.यह. तिश्र त्रश्न विश्व दी.च. वे.चीट. त्रश त्र ट्रं स द्र द्र द व त्रव है। ଽ୰ୖୄଽୢୖୄୠ୕୰୰ୖଽଽ୵୰ୢଌୖୣ୵ଊୡ୵୰ୖୣ୵୲ଞୢୖ୵୵ୣୖୠ୲<u>ୖ</u>ୄୄୠ୰ଽ୵ୣ୵୕୵୰ୡୖ୵ଌ୕୶୲ୡ୵ୢୖ୴ଢ଼

व.च.बू.धू छ.रवट त् छ.कूवाश.ग्रीड्री कै.मह्ट.वह.कुर.बुर.बुर.व.च.व. म् द्रार्थरात् व क्रिकेशह दश्यायात् क्रियते निवशक्षण्याय क्रिकेट दे सर्वर है। श्रम्ब उद्दर् देवस मु:नर् दे सुरागुट देशमुन्य स स्वाय यस दक्र पर मुद्दर्शी नदेने वित्र न सुर मार्चे मार्च प्रकेषिय है । वित्र मार्च किया है । 환지 회 메드 स्रेर्य दे के खेंस गुरासेंद कें लिया मु न के लिया स्रेर हे का देय द्विर केट सद्यम स्ट्वेंट पर पट बुब य प्रेंब हे विश्व प्र य ह्वा स ह्र अट हेर सक्षम हिर पर विस प हेर रि हर में हैर है। दे क्वुं केद अव व नाय दे दे सुधा गुर र्षेद्र या अव व सेदे सुर से प्राप्ता माया हे हि सर्मा ही र पर वुद्या पा हित् है हिर प्येश वि वा क्षत्यास्त्रेराह् लेसायायार्श्वसाहे। स्रेसाग्राह्म यास्त्रासायाया मेर् य १९ द मुन परे सुर मुन वरे सम् र हा वरे माल्य ता मु सह र हरा गुर हिर मद्रै विश्व मु म व श्रेष्राय है प्रदे म म मु म व है। भ. प्रश्न-दाषु. ह्यु. ल. स्वास पते हें नास दे होन् य प्रेम ता रे के त सक्स संहित य से न य है। नदे अंभव गुर्दे स वन पुर्की न सेर पर्दा वन्य न द मेनिय न हर पर्देश य भवे व्या विक निया वे प्रकृति ये से सवा निव र दर हैट सक्षा शुर्र प स्रायम्यायासेर् हेर् केराण्या भन्यायाकेर्र र्राट्र स्वरे हेर ਰਜ਼ੈਰ:ਰਣ, ਦੇ.ਰ.ਟੇਟ ਐਰ.ਰਣ, ਉਟੇ.ਰ.ਟੇਜੇ.ਗ.ਉਆ.ਰੇ.ਚ.ਭੂ.ਰਜ਼ੈਰ.ਚਣ, ਦੇ ਹ.ਲੁਖ਼ਲਾ .चालक्र. बट्ट. क्रेट भक्षभभ हैं र व.रेट.। श्रीच. तर. चेर. त. प्रमाश. ୬ଟି.ଜାଧୁଁ। ଶୃଷ୍ଟ.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଞ୍ଚି.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଞ୍ଚି.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର

मी पर्में व त्र में मा लुब बंबा के अर अर्थ अर्थ ही र म दे मा लुब है । मुनियर मेर् रे मेर् रे लेस मुन्यरे स्था वर्ष सम्ब्रुप यन मुन्य केर जैन यह ।।। ब्रिना निर्मित तर वितान देश है। ब्रिनाय देश देश देश में भी श ्रह्रां भेर मुन पर भेर प्रेर प्रेर में अर विश्वेर र्जी अर व से में अर व से में से दश्य महीया सरामु: परे विश्व होता स्था प्रमाय प्रमाय महिना विश्व कर्मा सामि होता स्था सामि होता स्था सामि होता स भट विशामु ना हे झुका हे**ना** हो मानुसा चारी सर्वत हैना हका नटा। श्रूट्य हे मार्थ पद अर्द्ध हेर रहा है। र्मा न हमा न हमा स्थान हमा दे अदः लेश मुं पाने पाने पाने स्थान मा भद्रेन् सामु साम्या अक्षरमा हुँ र न से द पा दे खर का का से द न स्मेद्र स्ट्रा वद्ना त्य क्वास य द्र स्व या । सिसस उद नावद मीस यग्ने स्रेक्षा । । परे सूना रूर पर्ह्य पर्हेर पस न। । । । प्रमान परे मानस दे प्रस्स । श्रामेन। विश्वापकर सर विश्वापक श्रीत मानावन नुः हैयः . भक्षां श्रीं . च.क्षां श. तथा तथा तथा च. छे रे. लो १. चर च बंबे र चर व चीर हो। नर्मा लाक्ष्यायारी अदार्मा वर्षेकाय वार्ल्य वाकार्यकारा हे हुरावाक्षा है ्रमेन्स्य य प्र्राय केत्र प्राप्त व्या वर्ना पु कन्या य ता सेन्स्य य स्ट्राया म्यून द लेख हेते खुर नहेंद्र हेर्दा व दरे कुम नुमाल मुक्त रिम्ब न्द्र साम संभित्राया दिन् पु केदा सहस्र हो दे नदर हो द्यार न मुन प प्रेन दी। े दे नदर द मालह मुक्र किका सामिका सिद्धा विका सिद्धा विका सिद्धा न स्था न स्था

सम्मान्त्र क्रम्मु लेस न प्राप्त या ह्रांस या स्रेश या स्रेश वा मालक मी बिश मु न के न्यू न के माना मा भेक न न न के माना माना में मे द के द न में द याने के त्रव्या व साम्बेदाय केन गुरू हिय या प्रेदाय। ने द्राप्तवाया व के हुनु, पर्यक्ष, यी. हुन, क्षर, था विच. तर, मुर्च, प्राप्त प्राप्त, प्रमास, ता क्षय.वृश् चार. दे वु. खे ब.चे. च वु. चें दर. च म च छु। च च घ घ घ घ घ घ घ घ घ घ तर भुरे.च. अंश.चे.च. थी। स्यो चर्श्यातवु.व शु. चंड्रा श्रम श्रेर प्रमान् . कुर्ष. भुषाविद्रात्रके, वद्राभ्याय विद्रायमा **भू**रायमा भूगिरायमा भूगारा हुन। । कृर् लेब, चयु क्रिर रेट मैं रेट सेल, य. क्रेर मी. क्रीर बिंग प्रतर था से बेर से बेर याता. श्रुचीमा ता. श्रुमा हे में चले १ लेश व वा में देवटा सू वे स्मायर वेसा यायिवेदार्वे। वनुरायादे इस यायावदा नुमुराया हेरावि। हमसायादे ଜିମ୍ୟର୍ମ। ଦ୍ୱା - ଦ୍ୟୁ - ଦ୍ୟୁ - ଦ୍ୟୁ ଅଷ୍ଟ ଓ ଜିଷ ପ୍ର ଦ୍ୟୁ ଅଷ୍ଟ ପ୍ର ଦ୍ୟୁ । सशःगुट देश भेद। दे लेख 3 च के द्वार में के कें न्या गुद सदा से । शु व मेर वद में व पकर वर विर ही विश शेर वेश व शर हिर यदे द्र भेर हे जिट ने स्र हे लिख न पाय संग्रास स्र मा पा के हा। वर्षे न'अर'न'लस'सु नु'ल' सॅन्स'न मलेर वॅ 'लेस'न न'वे। रिनेर'द'मनुद्र

न यम् द्व इव देवा हेन्या हेन्या हेन्या हिन्या वित्रायर पर्देन्या व्यवस्था व ल्रेन म.लुबे.च.रेट.शुबे.व.शूबेश.च.चेट लट.रेट.च.३सश.व.जेश.च.सुरे.च.ट्रे. र्ट. पर्रुट्रा वेश भ्रेर वेश प्र स र दे हेर । वेश स स के पर् भूज म् रेजर.स्.चिवेबेश.ज.रेभूचेश त.क्ष.मी.क्ष.तर.पुंश.व.भुर.टर.वेश.... त. हुर टे. इस्था मी से ज. स्मेर त. ज.रेश्चांश त. वश्ची श्रेश त. से रा. से रा. से रा. से रा. तुसायाकेन वे साधी १ वें। दे नवें व दाया संवादा वा अहा रहा ने सुवा वयः मु: वेश पः मुद्दा पर द्वा पर देवा पर देवा वर वर्षा वर्षा वर्षा पर मुद्दा वर वर्षा सर् देसामा तरे केर के साम द्वार में इससा दुःस केर दु हैं ना वाद्य कर की इसावर नेश्य हेना यान्दावरुषाय हेन बस्रकार हो खुरा उन दार वा नुमान वा प्रेन हो। य दे खुर वा द्वर य निवह में निवह हैं निवह दें केद पर विशुर में। दे हेंद वे दे अदः निया के लेखा चारा स्वास यह स्वार र महिता दिया है। **ૐવાલાયાત્રાસાયાત્રાયા છે. વરાવર્ડ્ડા** રામાદાજુરા માટે વેટ કુરાવરદાર્શામાં કુમાર છે. विश्वाञ्ची वाक्षेत्र मेन्य प्रवानमा हेवान्य में विवास सुवा स्थाया ममस उर् गुः लेस न न म स्मार प रे हिर पहेर हे न परे हिन है । गुर्भसाक्षेत भरामशास्त्र न पुष्पे। दे भासाभित व द्वर व विहेना में द क अदा है वर से विश्वर दें किश दूर से स्था व मेर् प भेर दें लेख न व दे हैना ने इस पर नेस प स संवास पर्वा WJ.

मी देश तर केश त ह्वा.त.रट. पश्का. प. ट्रे लट. चट. मी. प्र. श्रमा. मी. रचट. त ह हू दश ही च देवे के । महन्या में ख्राय कर रहा। इ वरे द्राय दे ्र सिंद्रस से च दे च ते व दे च व दे च व व ही न य दे दिर है से सहुद पर के पर दें। दे नस द दिन में निवर से दें पाल दें से से दें मुरायर लेरा याम के वर्ष हुमार केममा मी देते में दर तर नर लेस े चे.च.बे.रेचट.च्.चु.चू.रेट.पर.चर.चू। ट.चश.व.चाश्रप्त.चर.कैट.च.ळुव. यरे खेराइसायर हॅम यहरायरसाय हेराइमध च धीर वे लेसा मुन दर्गेरसासी। मा क्षेत्र यदे खुवा द्वा क्षेत्र यदे खुवा द्वा यद्वा खुवा द्वा यद्वा यदेश व्या व्या विकास मद्री सुर्व दे सार्वपाय सेन्य पायहपारी प्रमानिक केन् गुर्दे मार्थर स्वास वाया वहूं साम सेर पाये रहे। हर् या या स्वसाय पर्द का प्राप्ति दते हुर हा। ज्येर ग्री क्या पर वेश वर्ष हे व केर वा श्रेमश र प्रवस्था व वाष्ट्रिय सरामुद्रायायायायाद्रभेनावायायायात्राची वेशसाद्रायायायायाया मध् हे.चर.जुर्मायहे.ह् रूशाय । ला दर वर्ष्ट्या पात वर्ष्ट्र वा ठर मी क्रिया करें र्वे। दिन्यका वर्ष्ट्रेना याचे केल जाना क्षा केल हिला देश ह्रेरं तर वर्षीर हा। भूट. रट. चंडियंश ग्री. बुंश. ये. व. ज. भूट. बुंश श्रम स. देट. श्रमभाष्यातमापुरावर्गे। पाइनामाने द्वारार्गे द्वारायक्यायके सुधार्मे। देश याच्यामाध्येयाचे वाच्याचे प्राप्त हेर्या व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्यापत परेश वे परे क्षिर द के न न व स य र स वे न न क स के न स

गुः देश या ध्येत हे हे से समुद्राय है सुँज्य या यहनाय से दाय दे हैं र दें। देश भागे देश मार्थे देश हैं से महिंद दे। देश मिल देश मार्थे में से महिंद से मिल देश में मिल से मिल में य वै.अश.रट.रेवट.स्.रेचा.ज.लट.ट्र.। ४८.पश.चिंबेबश.रट.चेल.च.पश. म्बन्य सेर पर है महिनास सेर पर निमस लेश मार रच र जान स पर्ते। देर मावियास ग्री तर्द्र क्वास द्रा स्यापर म्री पर त्यार हो। दे तस द मावियास इमायर वेसाय प्रिंप प्रें पार्थित वी। वनाय विनानी के मावत दे हा सुर मुर मद्रीममसरेद्रात्मभामावार्वा लेखान्नेरात्। देवे सुराद्ये माल्या के दे कर. थ. पर्. ज. त. वेश. वे. च. ज. स्वास. च. स्थारी चार्य क्रूचीश. पर. स. मीच. याध्ये द्वा विसानु यादे देश याद्दा द्वात हेना मान्सा प्रते विसानु याद्वादा प्रदे या मान्द्रक्रेम्बासाम्युवायाधीरार्दे विश्वानुवायायदि सूराद्वारार्यो यर्देदे यो। न'भेर मी दम'य'हे हिन 'अट उट व दे स' भेर दें। नवट ये व मुन नते से वसान्द्रमा खा प्येन हो से प्रमुख न व विका सर न स्व के के रही। दे इस सामान लेना नीय दे म्युक्त निर्मे हैर नु महत्त्वर पर पर्दे दे लेखा हेये वुरु पर पर पर प्रमास माने हैं । पर लेख न न का स्वीस पर पहें दे हैं । से पर पर पर त्रसः भ्रेस वदे र्ल्य १५४ वे सं वर्षः वर वर वर वर महम्म वर्षः वर्षः तर्रा। में तमा देश में चार है स्पर्ता परेश देश में चार है मार देश

ऑर १३९ सद पर्नेनास होर हेस हा नदे केनास सु प्रहर पदे क दिस सी। दे हैं तर्र मुंदि प्रमानिय प्रमानिय म्यानिय हर प्रमानिय कर मुंदि प्रमानिय हे प्राक्षिक हिना बहु : वारक क्या नार क्षेत्र प्रदुष्य वहार वारक है स्था मुद्देश स कुवा.भक्ष.कुर्.त.और.कुवा.भ.वाशिभ.त.पा.श्र्वीक.तर.ववीट.व.कश्.४भ। तर. ब मुते अत् उना सह स हिन्य अद्भार हैना स ना हैस यह प्रेंद्र य हैद दु प्रमा है पहर नार्थायके सहिर हेर् हरी इसायर हेना या वहिर नुराया रे विषा र्षः में रवा के वस्त रहें साम है र गुरे प्राप्त वसा पर वास्ट्र में कु प्रश्नार्कर मीत्रात्रका हे र्यटा हिंदा हुना त चुटा हो स्टा हुना हरे हुना हरे हो स्टा हो स्टा हो स विकासिक वर्षा विकासिक क्षास्त क्षा वर्षा क्षास हैन या नर सर.पर्वेट. च.कर.क्रेट.लूर.च । ब्रेचा.च.पत्र.श्चे.चर.वज.चर.पर्वें बुर री। दे वश्र व वर्षा अस्य स्त्र व पाय व व व श्री पर व व व र ने दे है वित्ति विश्व अर हिन सर्ट स्त में लू लूर में है जिस मा नहें सर मा वर्ष व लुब्यार, कुर, कुर कुंब के अ. खेबा चालस वर्ष व में चालक हो अर क्रमास दर संस्थानुस्य लेगाय हैन गु छैर से। देखर व कु र्योद या हैं बर्ड र्शेट च छब त त्वस नुते 'र्थे द च 'र्थे च र 'द चुर है। देशर ब बेच दश से द या सद् हिना सा नाहेश या भा इसायर वहेंना या व भारा से दे या है व दे व हिन या सह न्यस.बुम.चे.च ज.सूच्या.च.सूच्.चर.चुर.सूच्.चर.चुर.सूच्. मनुदानते दह कुम कर मी ऑर् म हिर दे बन्दा न है न ऑर् म म से मा लेख

इ वर्रे स्मवश्राद्ध सुरार्थे। मुवास वे त्वस व के ताम के तार्थे हिरार्थे। बिस अन के मु वसाहर वर्तुराव उक्के हिरा केर् राम हेरानु मुवायानरा। इक हैना त नुदान कर प्यार कु न्दा दुश सहस दु मुनान प्येद है। मुनाना स इत् हिन गुर नुर रेर्द्र या मा भेद हो। इन्द्र या दा प्र दि या मेद्र या मेद्र यह मुद्र निमा व लेखा नु न न भारते स्व स्व मुं वे य न्न मा से न स्व मुं र विभा क्रमा चेराया के प्राप्त निया के प्राप्त मिता के प्राप्त वि.च बु.कु.चर.ज़ब्र.च.भ्र.लुब्.चर.च्चैर.चर्ड.च्चैश.सब्.चेरचेश्व.तर.चे च.लट.खेश. **∄**'नदे दें कें कें के सक्त में नर्दे नाहर नाहर नाहिका मिना है कि है क्षेर के की पर्वे कि में हैं लेख मु परे पनु का नार भेक पा नहीं भेक की। अर्द परे सक कर हैन दरे. में. चरेंबे. च पा मैं. सक्रे में. चरेंबे पर चहेंबे. ता लुबे. स्री हैंब. नद्र. नेस. नद्र. मैं रू. कि. नश. लेस. चे. न. १. ने. में . नस. पर्. में ट्र. लेस. नहेश. न पर. लयू। रे.पश. बुश. चे. चर झे. चैंर. चहूरे. त. पश के व. चेट लुश च रे. चैं. स्तर्भा देशकुष्टिवसप्पर्पयक्तरम्भवर्षा स्तर् विदाय है लिया पहुंद यर प्रमुर है। प्रमुद लिया गुदास थेद हैं। इंद डैना त्युरं यं छत् हित् सं परे स्पर्न लेखा ग्रामदे मुं सहत्र मी महुन सं देश सर " मळ्दाकेर रु दमायर नहेंना वर होर यह छिर यह मेर् यह छिर हाँ। मस्य प्रति स्पर् व पर त्रुप्त दे विस्त म नरे हुँ र मामा भार हैना कर नहिना विवृत्य में भेषा विषा चार्य देश विदेश विश्व हैं। नदेश्चर नुं देश माना संस्थान हिंसा न प्रवासी दे हर दे प्रमुद्द क

ह्न हेन पर्वटाय हेर ग्रेश मुं रह प्रवस्त रहे हैं जिस्मित का यासेन्यर मुं न्दाय स्थाय दे दे विषेष्य की देश मासेन्य इटावन्नशानुके द्वेस व्याव विदेश की सुन की श्रमशायस विदायामा स्वाधाया से वित्रा तह वाया देवे हिर। नदा भालेश नु: नाया र्स्नाश पा श्रेश है। माराहित्य हेना हैन कु प्ये पा ने हैं हैन तर.चलवा.तपु की.र्टा प्रसेश यी रचा.वे.की.चावुचा.चीश.क्श.तर.चलचा.त.पचाता....े नरे हैंर रें। इस स वर्में नरे देश वर् रे र्टिंग वर्ग वर्ग के लेश हैं। नरे इ.सुर पर्वेट.चप्र भक्ष कुरे.वर.रच.वर्षा। वराण हुंश.च.च व्राप्टिचाः हेर्या र्षा वार्म मारा स्टापायो। मार्प हे पर्मा सामा समासाय समासायहा र्ह्म अस. पवर बुचा दश्वास. जा देश देर विसास प्रसा है वर है रिश्वास. यादेवे के वदेवे हेश सु वर्षे व देश पर व गुर वा क्राय वदे हो द म म्ब है। विममः उर्-रु-यन्ता हैर सेर यरे हैर हो। रूट हैर हैर हो। स्नि य के वि य वका द्युर लिट दे ता अह वरे क्र य शब्सका कर नु र्षे य स प्रवेश्यादे हिमावाना नीका हिंगाचा मर्जे । यह प्रमुद्दा है। हिमा हिमा स्वारादे । भ लेख नु न के न्व र मी के न्व ने स्थान के न्व के है. पी. यद्र . प्रेश . प्रै. चोयका श्लेय श्रा श्री स्था हो स् य वै वहर्ष प्रत्रेश घर्ष कर्ष विर शुर यस हे र स भेर मारे खुर लेस हैं ने यर वर्गा इंडम हैर ग्रे के बेस वाय के लेख हैं के महर यह करेर महिर के श्चाचाया श्वां शाचाया मुन्ते हो नाये ही राज्या माराहिया नाराही वह सामा

लुंब.त.बुंब.चे.च.च.सूर्यंत्र तरु.सूँर.च.ल। अ मीव.त.बुंब.चे.च वृ.वाट. लेना नाट मी प्रमुख नु स्थेद पारे के दे द प्रमुख न स स्थेद है। द्राय का स्थेद का स्थापन के स्थापन का स्थापन का स रविनास.पविद्यादिव च रदा.। रवदान्त्रार्थः स्त्रं पु तयसाविः स्वर्धः व्यसाविः सर हैंद्र मान पर मार के बारे स्पर्धा नार हैना नार नी हैं हर कर त. खुंश. ये. य. पा. श्वी श. य. पा. ची बरे. मीट . खुंचा. हुंश. ये. य वे. पर्यंश. ये हुंचे. तर्ये। निर्मायान्त्री कुर्येद्रायालेश चारावेष्य व्याप्तायां देवेष्यव्याचित्री। मादशायाव व्यामा वरामा विष्या विषय मात्रमान्यमान् मुर्गिकार्येत्यात्रमार्थेनायासेत् यास्यातुर्वे लेखानुपाना र्ष्युर्-पाद-र्ष्य्-पादमान्त्रमानाक्ष्यानाक्ष्य-पादेश्व-पादेशानु-पर-सुर-पर-नुर्दे॥ प्यापान, वृ.मी. मार्च १ मार्च मिलिर में निसंस मार द्वार वा नश्चा प्रश्चा प्रश्चा की मिलिर हिमा मिट में हैं। मुं रहेन य रहे लेंदे मारे हैं हैं है हैं हैं लेंद्र सर प्रमुद्ध हैं लेंद्र सर प्रमुद्ध हैं लेंद्र मार याःस्त्रीसायद्। दर् हे म्युवायायाः सङ्ख्यायाः भेषाद्वी हिसा वाया दरे दरा ह्युवा र्दा म्माय है है हर भेद लेदा महिंद मादे खुस दे लेस मुन्य थ स्वास व र्रेस स्वा नाइन हैं नास दे हैं द की से हैं न है। इस म

मारेशाय था देश म यह नार देना नार में कें मु केंन्य या उन प्रेश या दे हैं रे दे इ.स्र तर कर हे लेश वे व ज स्वेश रही। रेवेबेश एवेंट हैं व.मी. त्यसावि विषान् वात्रे वात्रदाहेशास्य वर्ते व नदाहिंगायादेशायाळेंदाय साम्येव ब्रिं विन्याकृरणी सद्र स्रायर्दे न्या प्रवर स्था देश न्या वे प्रहेगा हैवा मिटायशयवे अदेश यर वर्ते या है गु नश्र यस हैं। हे खर वर से प्रेर व ଂଭ୍ୟାନ୍ତ ହୁଣ୍ଡ ପ୍ରିୟନ୍ତ ନ୍ଧ୍ୟ ପ୍ରକ୍ର ନ୍ଧ୍ୟ ପ୍ରକ୍ର ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ वे.शुभल.मी.मी.हेर.रे.१४४.स्टर्श.च.८४४५ ४४४.स.४४४ मीट.शुभल हेर मी.... ন্তিব অব দ্বাধ বৰ ব্যাহ হা। । । दे नेत्र व स्ट्रेंग व स्ट्रेंग व स्ट्रेंग व स्ट्रेंग व स्ट्रेंग व स्ट्रेंग व स तर् है। इरे हैर हेर हेर हेर प्राचेश न स्वाधार हैं से सी। सूर् के सन्ररायन्त्रा में श्र सन्रश यदे विश्वरार्मी नाराने मुसाया वर्षे या निरा लेब'चर'त्रेर'च'रे'हेर'श्चेशशा<u>मी</u>'द्रवर'मीश वहमा'च'लेब मीश। वस्रायदे' रदानी दें वें के साम्भेक्ती दे के के दर से क्य हास हासामान सुरं दा कुर कु. हीर र्रा। वश्चेत्र व रहा लुके रहा हीर मारे केर कहार प्रवर हूं सारका त्मुर म दे हुर दान्दायम साहेस म हेद रेव। मुसार देर में हिंचे मार भेर मारे वे श्रेस्थ मु र्वर नेश पहुना च सामेर मारे हिराना देखा संसर्भार्श्वित्र प्राचित्र विषयान्त्र क्षेत्र मान्य स्त्री सम्बन्ध स्तर स्त्री सम्बन्ध स्तर स्त्री स्त्री स्त्र मःसःभेद द्वा द्वाप्तवर् नु सुर पदे सु न से पर्दे न सूर हेना सर **ब्र.चट्ट. शटबा,केब. नट्र.वेश.वट्ट.वंबिर.**दे.पवैट.च हेट. पत्त्रीच.टट.ट्र. च.थ.... भुष्यं हे अट वर् हूं ए पश्चिम न भूषे वी हे हें र व विश मद्रै रहा में हो हो तर महिंदा अस सामित। महा मीस न रहा में हो हो हो हो है रहा

मी है पर लेब पते मुरायश लेब यह रहे है । नुम परे रह में हैं ने तम् ताया सन् साय ते नवस स्रवस स्रवस स्वाद न दे विवद हिलायस वर्मे नवा ने हैं न वे परे व है। व में व र द व द व त त के मार्थ में मार्थ में के त के व लक्ष व.रर.त.भर.तर हिर.र्गा इत्.चे.र्.चू.वे.रे.च्य.वे.वर.लव वर्ष. क्रीव सम्भ लेखान विषय निष्य प्रताने हैं। विमान में विषय सम्भ उर पर्मी वि १८ व्राच्याच्याचर हिरायदे वयर हूंया है शा हिराय स स्वर है। दे त्यस र्ह्य-,लट,विश्वाद्र,र्यभूवोश,राष्ट्र, द्रीर,र्ता रविश्वाद्य,पविट,व,र्ट देव व,लह. स्रोमस केर वस र हे वस पार्थ र विशेष केर केर तुना स त कुर व र पार्थ र विशेष ५न'मे विश्व नु न' व र्श्वन्य प र्ह्स्य प भेद द्या तर्रेर्यं सेर्यं वात्रं लेखा ग्राम ଵୖୄ୵ୠ୕୴୶**୵ୠ୕**ଽ୕୰୵ଽ୕ୣଌ୕୷୷୵୶୷୕ୢ୷୶୵୷ୡ୵ୢଊ୕୕ୄ୵୷୵ୢଽ୵୵୷ୢୠ୵୷୶୵୷୶ लिमामीश के सेना य केन प्रति श्रीक हो। तमाय लिया मी के प्रति से केन प्रति हैं। **र्भेर माम्मेश कें** 'लेका नु नरे दें कें हो। हे 'हेर कें खेर रहा ने हें वं 'लेक च.चर.श्रूश स्रा। हिम.च.च है। चाट.हुम.श्रमश.मी.रेचट मुंश. र ट. मीट व वहनाय दिल्ला यादे के लेका दा मते हिंदा स्मानहर यह ही राही। **ल्रे.** तर रच.रे. में का दिश है. देश है. तर प्रहेश च कर ही हैं। प्रहेश र्वे य' वे वहना व 'पेब' हे 'हे हे दे व व 'श्वे र हो। हर 'यहना व हर प्रकाल व व बुस्तिन्ते, न्याने स्त्रित्तर प्रतानु मान्या सार दे मीस मान्या कर्ति सार्य कर् रेत्रे.क्.रेर.ज.ज.स्बेश.तर.रेवैबेश.उवैध.च.रेट.दैवे.च.जम.र्हर.सुमश.केर.ग्री.

तप्रकृतः ह्। दे क्रावाद्यवाल त्यू एव प्राया से दार स्थाप से स् माश्राय न हे न प्या मेर पर सुर। अंभश यर भी द के लेश पनि न प माः भेर यादे महामाना भेर की भारत प्रह्मा थाने प्रति है से है से है से है से से य'वे'क्य यम हेंना'य माहेश य'प्रकर'य'धेव'हे। हे'समाय हे'रे हमामीश बोबार विश्व नु न व के बिनार का क्षेत्र नहार न के बीन व **ৼ৾৽৴**ঀ৾৽য়ড়৻য়ঀ৾৻য়ঀ৻য়৻ড়য়৽ঀ৾য়৽ঀ৾৽য়৾৽৸৽৸ঢ়য়৽য়য়৻য়৻৴ঀৢয়য়য়৽য়ঢ়ঀৣ৽৽য়৽ प्टा इव यान्यस्य वर हेर्याय न सेर्पि सेर्य सेस्स हेर्सेर से बिसाम भूत सामार प्रकाश रहा। भूति में शुक्ष सार्मु मास मुद्दान प्राह्म मान्नागुराहेरे क्षेत्र सेत्राय अद् वायदे वायदे या तेत्र विद्या या स्ट्राय । Ê ॡर 'ঐ'বই'লার্ষ'শ্লবর'শূ'ঔ্ষ'ন্ত'ব'ম র্জার'বর'`[†]৽৽ৢর'রর'বর'বুই র্ডা हुश शि.पहेब सर हिर स. कुर की में वु श्रंस त के अर १ वे था है था है अर्थो त्येशयर वेद म वेश वः मार्दि देश दर प्रमेलाय वे। प्रेये पर वेदि म लेखानु न भेराजी हे क्षर दु तथे र र ने न मेरे भार है र मेरे भार है र मेरे ଯିଂ.<mark>ପଟ୍.ଶ୍</mark>ଷୟ.ଯି.ସି୬.ମି.ସିଷ.ଅଟ୍.ଥି**. ଟ**୍.ସଞ୍ଲ୍ୟ ଯଷ.ଧะ ଥିଷ.ଟ୍.ଅ୍ଟି.ସି.ଔଷ. ट्र.दंद.झेर्.कुमा.लुभस चोरश त.कूर.ब्री। ह्रिश.चर्नेर.चर.टचीर.ड्री चीटा. हे हिंदा व तार्शेष्ट प्लेश लेखा ड पार्शेष्ट पार्शेष्ट पार्शेष्ट पार्शेष्ट पार्शेष्ट पार्शेष्ट पार्शेष्ट पार्शेष्ट

माय हे हिंद नु य सँग्रा य दर मर्द्र सं दि स्न १ है है है न हैं रहे हा मी. मू र्स्ट.व.प. श्चाय. १५.७४.३.५ श्रूब.३। पी.चट्ट रेंश.य.वलक विट रेट. भप्तिस्यातास्त्र्यास तार्चा च्राकार्यकात सुरात्रात्यका वार्ट्य या चाराबुचा चारा . मु र्जुनस्य या ७३ र भेषाय हेश यु या या से नासा या रे हुँ र या या सामाया या प्रेश यर " . पर्देर् याले प्राप्त वाके मार लेगा नार मी के क्यू के नाम ध उन फोन व दे हैं है से हैं हैं ... तनाय लेना ने कें मु मा सदा न के दार हत ही हु ना तमुदान है বেদু, বিশ্ব, জ, হ, ১ মহা, বর্লী হ, ছুবি, বি, হ, হ, হ, জ, জ, প্রব্রহার বিদু, ইবা হা, 'मोट.चु.श.सू.चे.कचोश.चु च.४.टु.प्रट.३टे.जू.च.चर.पचीर.बुट.। ३४.च.सूच. . य प्यट'स्र अर पर'व्या र पर'रे में। हेस य प्रमुवा परे दें वें की में द से द म.ब.लाट.बुंश.चे.च.चुं। व्यटाल श्रृतंश नाय हेशन इसश.विवास च.सुंट. गु.ट्.च्.ही रट.चबुब.च.ज.ल्र्.च.बुश चे.चर.ष्ट्रच.ध्श चर.श्चर.ह्या हे. हे न र माल रन लुका पका वहना या उन्हेंन वा नेनाम हेन या मेन र विदास मा विनामास्त्रेमाने दे न्दात्मायाना के स्त्रेनाया स्त्रेमान हिन सराहेना माननायानान्मेनमानाया क्षेत्र क्षा केमसाने क्षेत्राचाने क्षा नामे व्याप विन्याने के से नाम के दें के हो। अर दिन मने हें मान के हो। बे.मूंट.रे.सूट.वंब.जू.वं.कुंश.चे.च.के.चे.ची परंब.श्चां वर्ष.साहचा.चंडू.सार्वे.स्. माम्यामा हैन नुष्या नुष्या है। से हे मार्च माम्या स्थाप स्थाप हुना सार्व है मु दिर्श्वापर मुर पाद अट में भेर पाद अट सुर पिट हुर विदान तमुर पादे " **होर 'न्दा मा**न्न' केनास में 'सर्वेश' चर्चे 'होंनास' स' नहमा दर्वे होर 'र्हा। वर्के.

वदे वादशः भवश व लटः रेशशः या स्वीशः यदे वा स्वानः विदायर से दिवारः वदे ।। क्षर बर केना या के हिए वर्गा देश में दे खेर वर्ग या हो देश केन के केर के नार विमानादासेद् वाभद से विमुद्दाय दे द्वाराव हिन्यर द्वाय हिन्यर द्वाय स्थानिहन क्रुंबाब.यु.श्र.श्र वेश.तप्त ह्येंचाब.ज.चंडिचा.च.जूर.च.था.क्षा.कुब.यु. खुबा.चर्चेश.तर् पचीर ह्या लार.पचीर वश पचीर.व. क्र्याच. क्रेटं.ज. चीक्र्.चे. श.लूच चतु. पचीर. याकेराक्ती विवादास्पेशको दे दिनावन्यायानाम्बर्धावराष्ट्रावाकेरायाचे स्वादा क विचायर विदाय त्रवाय वर्षमाश्च यद्। प्राप्त प्राप्त वर्षे प्राप्त वर्षे प्राप्त वर्षे प्राप्त वर्षे प्राप्त वर्षे ल्राच हेर र्षास्ता हे के लाय के न्यं हे का वास के प्रति ही हीर ला भ्रे य चन्ना मु त्रवारा विश्व मु निष्ठ है य य पर निष्ठ य केन प्रवेश व विश्व विश्व व नु मुर य द लेख सु न दे मार में कें के हे न न है न न रुषामालक रु र् श्रेन कवाषा नालक हेर रे नीय रायक र । हिर यर सेर यह स्थेर र्रे विश्व मुन्द के नाव राम्नद हेना साम्यायीका याञ्च ना के दार्ची मुन्ता विद्यान क्षराम् निव र पु मीर यात्यालट मिर् यर स्प्रेर या सामित की। 1

|ढंद'स'**दस' २**नोवानी दनोवान । निम्न र्ग निष् 20 यकः भ्र. चर्षे च । पर्वैटः चर्षुः च टः चर्षुषः स्र सः श्रेम्रशम्पारायाः अर्ग्नान् दे त्युदानदे रदान् विदार्य सामान्यायाः विदार्गाताः द्धवास्त्र वि दे केद मी के लिख न पर में ने नियं श्रेस मी नारम मानस दे केर के के लेख मान नहीं रेन रें। प्याय होना मी के आर म फेब जे। लेश.यु.च.ब्रे.च्यूर.ध.चल्डा.च.ल्या.ल.ट.च्यूर.च.श.ल्डा.च्या. भु. तथर. त रे पविदः यर, यरेवा हेर. में लेश ये. व ज स्वीश. व. ग्रेंश. रे। वविदः चतु. **चर्ना** के**र. म्री**. रट. चलु ब. लश्च श. प्रस्था चतु. प्रचीर. चतु. वित. चर. चाट. क्रिया च त्यकः याः सेदः याः प्यतः निष्याः याः साः प्येदः देश केशः याः देः प्रयतः विषाः इस्थात स्वीश राष्ट्र विवीर वर्ष मी विश्व हरे । विश्व क्षेत्र तरे नंदःहेशःशुः सर्वुनः पदेः नाकृतः यो विश्वेन या वुषः या दे दे रहे र्योदः व । पार्शि वः सेन्य स सेन्दे है। यन अर अर अस से सबुद य माल्द से वर्दे से कें दिर्दे क्षे.रूज,मी,र्ट्स म्,र्काश,मीटः खेश,ये.च.ध्रताती,ज. श्चील,च रक्ष मिटाट्री। पहुनीश.त.त.सूर्यश.तश.मैं कर श.ययत.त.प सूर्यश.त.भथ्दश.त.रेच पा.भट. हूं। देंदु, शूक्ष चुर नकर न जम क्रिय है न हे हे दे क्रिक्ष मेंडिय न वहरे. म.पाश. बुस. चे. प वु. येची. पष्ट. रहें. प्रात्ती हु हुर श्र्स. चुरे रा संस्र्य त हे. ब्रुर.रे.विश्व.प.रेबा.बुश विव.सर.पर्वीर.ज। पू.च.व.बाडिट.चर्ट. ह्यूचाश. हैन-न-निम् सुर-र्येन वसामावसायर म्यूर-रे लिस नु न वे हेस या प्येव वी। दे⁻ॐ८ बै.जिस.स.विव.तर.वे८ त.खेश.वे.च.च.स.स्योध.तस.तंकर.तर.वे८ ट्री।

८.डेर चिवर.लट. खुश चे.च.डु.रेश.श.लुर.चर.चेडट.च.लट.ट्.।। मीडिट.च.पश्ट.त.एश.योहेच.त्.ण ह्र्याश.राष्ट्र.श्चेंद.च.पश.मीट.टेश-श्च.पडिट.प.टे. इ.शिर.लट.पष्ट्र.भु.पचीर। चिट व.डुच.केट.डुब.चे व.डु.चट.जुब.ष्ट्र. बद्दार उदार्शी ट्रिंग प्रति प्रति प्रति स्थित हो साम्या वार मीसा &.বৈশ্ৰাপ্তা এখিছে এখিছা এখিছা ল.জ. ধ্ৰাপ বেখা শীৰ না. চ্ৰ্ৰা ল.খ ৰ্ট্ৰা ছেনাগ ग्री.विर.वर.पवैट टर पवीर र्। वाषारु.पक्ष्.वार्षु.पवीर.वाणावार्षेण.वा लेब ब्रु. . ब्रेश.चे.च.जा.चेश.श.लेब. तर विदान ब्रु. विदान नुम पदे विदान वहन त.लुब.व। विश्वासी.वबट च.बु चर्चिंग च हेर मु.चीर च चांबर जा.चांबर च. लट. लुके कुं। इ. चर्च व. म. महूट च जा चर्डे स. म. भुटे. त. इस स ग्रीट. ही. च. दर से हुं वर प्रचुर रें ले वा स भव हे दे है व चुर य से द्वार पर है है तमामान्यस्य पर मुरापित्य दे से उटा पर सुरा दे । विकास्य प्रति । विकास्य हैं। १९५४.६४.जम.१९५१.३.८८.वडु. होर.र म.बुम वे.च.ज.सूर्यांस.च.ज.९स. **५८** २६ ज् पर प्रमुद या रे केंस दे केंस उद्यास शहर ५५ पर स भारत्र वर प्रमुद्र मुद्र व नाया है श्र प्र प्रदेश की का **য়ঀয় उदाकृदानु केंसाउदाध्येद म दे** हरादारे विना केंसा उदानुराय देशाधीर देश कुश्च.क्र.भ.क्ष्म त.र्घभम् .क्ट. ?. कुंच. त.रट. कुं.स पवैट. त.लुक्.त ट्रे.केर.के.चीट... लश्च.वीर.त.ल्या चीर.लश.८८ म.हेट.री.वीर.तत्र. र राचलेय चीड्चा हिंसा ब्रि.पहेम.त रेटा। चार्या अवका सार्टा वार्याच विश्वीर तर देशातर.

दे.लट.ब.२२.च.लु.च.ट्.हेर.व.चट्चा.३२ टे.चीर. वटु. ड्रेट.लुब.ज। रदःचल्वेदःचाठ्येनःचाःहेसःसुः २हमा यासः १०३ व्याः विमायः विमायः भारतः स्वाः नुप्तह्वायाद्राह्मवायराचुरायदे केषावाकेषाका वाह्मायराद्रेम यदे सक्षा कु**र**-मुर-मुर-मासर्वेद-मदो-सस-स-प्रह्म-ध-स-स-प्रक-ध-द--द-द-- दे-५५: न'ने'के'मानस'य'क्सरा'गु"सेर'चने'व'र्न'गु"खुन्न'केर प्रेक र्वे। ळॅशच ५५ वा मेर् पा प्येत या दे खुर का प्या केंस कर नहि गानी सार दा नहित यस म.लुर.वट.च.लट.भ.लुर.ट्री लूट्स.सी चीर.तर्र.ट्रेर.क्स क्सस.बु.च.र्टर. य.ब.रेर.च.भुर.च.रे.क.भु.दिर.चपु.सुर.स्। पवैद.च.र्भभश.लश.ब.रेर.च. कव्दिःवर्षाम्यम् ग्राटःवर्द्यस्य स्थाः विष्युरः ह्याः विष्युर्वे सर्वे स्थाः नांशकायत्रा लें स.चे.च.चे.चीर.त.चीवर्यात्रात्र सह्यातर भु नांशकाय लें स.ची... नदे र्ने रेने । रे हिर ग्री के लेस मान है नर रना नेस मुस मदे से समुन भदे नीवंशःश्रेतकःवं त्याः ह्या चीरः तः नेहः नेवानः नेवानः वीरः य. थु.पैचैट. थेशका. शुष्ट्रका. यट्ट बे. यट. वीश्रण. य. २८. हुका. शे. अर्वेथ. यट. प्रचीर. रूरे। माश्राय-व.धु.श्रेश्वश्च.सूर्ता विर.तर.भुर.वर्ष.कुर.सू. लुश.वे.व.बु.सूर. मुर प्राम्विक दूर दे ते के रूप प्रविक सर्द्ध स्था के दे गुणे से र र मि

त्यां के संभाव दिन के ता के माल र केर प्येक के लेश चारा मार्क ग्रम श क्षेत्र हो ... व चुर न प्राय प्राय हों क केर हाना यर वनुर है। क्षा व दर या मर्थ येव यरे छेर ही। दे म् ब केर नालक र नाम न महाहै। दे केर ब कार र लेग के अरहर यहेंग पर्वे क्रिंग उर्र न्युन य' फेर्र पर 'द्युन य' फेर्र पर 'द्युन रें वे रा द्वीर दे दिए त्रे में च लेश नु न के श न न के र ल कि न न न के र ल कि न न न के ल कि न न न के ल कि न न न के ल कि न रटार्ट्रा वर्डानायम् क्यां क्षेत्रायम् हरास्या हीं वहा देवा दे ही वर वया वर हीर है। दे वहा दे दे लहा है नदे सर्व हेन वर् मुंदिन्नेया न सामेन नि। इते नर्ना हेर मुहासा भेर है वर्त्राचरे हिरासी है वर्षे पाउर हो र वाय है वर यो वर्षे त्युर:वशःमुवःयःभेदःय। दे:वर्गुर:व सेर:य:यर्देर:दह्रवाहा:य:दे:ह्रर: 🐰 व विवासर वेदास त्वास व रसेवास व ने व दे है व स व ह्या व विवास व हे खुक्ष हे चर वेदायर वर्देर यादे दे 🕉 खुका वृत्युराय के इ यर को क्षका वृत्युर 🚓 🚕 म् त्यीराश वर्षीराय दे प्रशाद अभाके पर एवं रामा भी के लिला प्रीप है। यर्ज्जेन्यर्वे। दे.लट.क्षेश्र वकर्यन्य प्रचीत्र हूं। वर्चेन्य कु. वर्दर वी स्थित स्वास तावगः भे नास सम्भित्त स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार नारे । नमाना ह्युंन मद्रे नच्युंन परा नु न सहित न प्रेम के लिया ने वे है र र्रेंग.प स्वेश.तश में : वुंश में य र्रेश में स्वेश में तस्य द्वेष न्त्रीय वस्त्र मा अरस्त्रीय पा ना विद हो। हे विद वे विवास वा विद्या सामा कि.ज.स्वास वर् उपीर व र पर्व मानार विवासि। बार हिवासिः

में स है निर वो इत्या भेदायर प्रयुक्त या से दायर दे प्रयुद्ध यर वु स म भेद हें " विश ह्वर व निवर तते वहु गयर नु व वरे वास देश व सर्ग व सं म्द्रियोसाद्भराक्ष्याक्ष्रं याद्वाणुदाके वरावेषु वराव्युर्काक्षा यास अ श्रुर राष्ट्र वर्षीर वर्ष मि शाला राष्ट्र राष्ट्र वार हुन वर्षीर वर्ष वार हुन वर्षीर. यश रुष्. हे. यर ज़ब्र ता भूष ह्यू. बुषा मि. यह मध्य नार मि या पर है. भूश स हु हूं . कू. ल श्चिमान दे हे चर चर्मेर लग्न माट्यामर त्यूर रे व्याप्त मार् वर जे र वर त्युर व सेर चर हे वर जेर पा हर मी व युर व अर व से ह्र मिर, हे. चर, जुर, तर् , प्रीर, प्रीर, प्रीश, खुरा ही. च. री हर्य मिरा नार. त्रमुर नशाना वेना त्रमुर न रे है रे दे है नर हो इन प्रें के लेश रूस नरशाया र्षेदर्शि मर्द्रिक्षेत्र चरके पर त्येदर्शन है वर लेदर्श कर्रम्या नी विष्यु र ना वर्देर् यथा ना तिषु र यथ ना लिन वसु र म दे के रे वे रे वे रे नर लेक म भे के दे देश दमा नक न र नर र हिंदी दे न से न से हिंदी या क्षेत्र इ. श्रें भ. रे. ट्यूटल रूपि डे.ज के जा श्रुप्त का क्षेत्र कुची हेर त बेला है. च'म'र्सेन्स ध'स'देस'ध'सेय वः 'तेर'ही। ऑ.स'सु'१मस'ध'दे'≡र'धदें। **दे अर** किंद शहर तार पर्टर नाया हुन र्लून नार हर कर है पार्ट हर है पार्ट कर है पार्ट है पार्ट कर है पार्ट है प वर्षीर वसावर्था वेर्. केर्राज्ये में भी राज्ये अद्यान्त्रे अक्षर केर्र वर्षा वरावर्षा वरावर्षा वरावर्षा वरावर्षा दे. बु. ट्रेट् हे. चर. मृत्र व. मृत्र रू. बुम. च च. ट्रे. इर. वर्श्वेय वर वि व स्पेत्र क्रि. दे. อีะ.มีะ.ปรู.รมี๊ะ.ป.ชิ.ภ. ชุปพ.บ.วิพ ก.พะ.พ.ติ.พ. ชุปพ.บ.พ.พู่เ.... मामाभवाता दे नहा दामा देश वामा भव दे विमामहदायर दिनुरा ही। मभः हे नदः विभावत्युर यशः यम् र विभानी क्रिक्त कर् या हे हे यह । येवाय स्रेतावा

हे.सं.ब.ब्री श्र.धना.के.य.लश.सं.पी प श्र्चेश.तर्र में केर प्र.केर त्र.केर प्र.च । में वे दे दवानी हे बर येव यस अहता दे सूर व मा दे साम है द के व वे वे वे हेरे हिर से वार्येन्स धर्मा में से हैं लेस मुन्यायार्येन्स में इंश मार हें लेब.चा.हेर.पह्तमन्नानर.नेर.न दे.कर.व। ट्रे.जन्न.के.चर.जुर.च.रण्डूर. मंत्र में बेश हे रेबा बंदारा वे मैं राष्ट्र वर वेराव लेव में रहूरा से बुरारा लेव बूर लेखा प्रस्थ सुमार लेगायमुर यादे से देवे हे वर येका या थे हें। लेखा स्थान्नद्भायर मु न प्रे व के प मार्भ्वेश्वाम्यार्थे, चोटालेची चोटाची. के.वनाजेशता काली शता हे प्रेरेटी वहेर्र सराची. ব'র<mark>ক্তিম'ন্ত্র'ব'রিম নু</mark>বি ক্রিম বুলিম'র বিজ্ঞান্তর বিজ্ঞান্ত বিজ্ঞান্ত বিজ্ঞান্ত বিজ্ঞান্ত বিজ্ঞান্ত বিজ্ঞান বিজ্ঞান্ত বিজ্ঞান বিজ্ঞান্ত বিজ্ঞান্ত বিজ্ঞান্ত বিজ্ঞান বিজ্ঞান্ত বিজ্ঞান বিজ स्येश त.स्थ्रान्। बारामायचीराचास्थ्रीरानपुरवेशाव स्त्राव वार्वशानिःचार्थः त्युः सरार्थे वर्षे हे तर देव यते कु उव सामे वर्षे वर्षे सामे वर देव यते कि उव सामे वर्षे सामे वर्षे सामे वर्षे वे दे त्यमुर म से मरे हे मर से र मदे मू मार स अर म बेस नरे र पर प्रमु वर.क्ट्र्य.र्थंत्र वर.हीर.ह्या इ.क्ट्रेर.यु.तिक.ग्री.मैं.वर.बुंश.ये.वर.पंकर.वंर. निर्दा रे कु दरनी रवस न में हिर व दे देस न या न दि समुद्रा यही ता. श्र्चास. तर्र. भूट. कर्र. भी. खेर. में स्ट्रा श्रेर. श्रद्भार्याः। वद्भावद्भार्याः श्रद्भाराः विद्यानाः विद्यानाः विद्यानाः विद्यानाः विद्यानाः विद्यानाः विद्यानाः त.पा. बुंक. वे. प. पा. सूर्याका तर प्रीक्ष क्री. यो पर का श्रीयका प्राप्त के प्रति कर प्राप्त कर प्राप्त कर प म्रस्य प्रमुद्ध व म्रिस व म्रिस व म्रिस व के ले म्राच प्राप्त प्रमुद्ध प्रम

र्शे सर देश यदे हिर हाई है ने नाइस प भेड़ हो। लेश ने घूर पर द नाइर र्दा भिन्दा बदबा मर्दे लु हैर छेष गुन के बुब रही वर्दा। बद्धाः सानु य केरारा संयुद्धाः यां साम्रा केना येराया भेदाय ये स्थित हो। 💎 रे प्रा स्थार કેગ'ના ૧મ'ર્સ'એ, રું **છે** છે વરાયે દ્વારાસ એક વલે 'કેર કે સાએક વાર્ વિકાર્યાસ इट सेसंस द्वा गुट लेश नु वदे दर्व हों। अस दट सेसस द्वा अट दे सूर हु लेस नु न के अक कि मानाका धर देश न मेर र्रा विकास के सुर-र्र 'बेश-व व'ल'स्वास'यस'व-११-३१ व १९-१७ सुर-र्॥ इटार्श्वे वास्त्रीयाचालेसामुन्य के प्यांकात्र इटार्श्वे इटारे द्वार्द्द सेंटा मुक्षायानाटा लार्सिर्'च' ने स' नु 'च' त्रु स्तु 'चे क्ष्र 'चे क्ष्र 'चे क्ष्र 'चे क्ष्र द्र नु सिर सि वर्ष । यंत्रे सूर्य है 'यम वहुद दें। व्यक्त मेर् मेर् नु मेर् सेर सुर रें लेस हु व है हैर यं न्राक्ष वरे हेर्न व व होन्य व दे नुन व केरने। जन्य निर्मा दन के निक्र में देव भेद पारे खेर रें किस म परे देव दें। दे के प्रदेश पर पर का ें बेस मु न मार्चेर प्रसाप्त प्रमाप्त में ने प्रमाण के साम में प्रमाण के साम में प्रमाण य दे अर कें स्वर यर मेदिय वन्यय प्रमेश्वर यो केंद्र यह दे दे का केंद्र दे लिसानु व ने माल र ने दिर्देश व मान यदे माने र अहें द यर व दे र या है न द व दे र या ध्यें राषा रेविंदा में दाद्दा प्रदेश में दाया अदा है रादा प्रचुदा है। 🗥 व्याप

ने विं व है स्र व कु श झुन दु होन है । वा ने प्या र मी कु यश है न येव मुंखियानु य र्स्सिन्। सुर्यमाने प्राप्ति य रेसे सुर देसे मुंकिर के व लेस'नर्हेर'छे। हैर'कुँ'न्हेंस'यॅस है'स फीर'हेरहेर'सेर'य'हैर'छै छैर हेर विश्व नरे दर्दे । देशनविश्वे द्वा प्रायाम देशमा प्रायाम हे समा प्रायाम है समा स्थाप है समा स्था स्थाप है सा स्थाप है समा स्थाप है समा स्थाप है समा स्थाप है समा स्थाप है सा स्थाप है स्थाप स्थाप स्थाप है समा स्थाप है सा स्थाप विवायाध्येत्राय दे दर विवाया व दे स्वेदाय हैदा ध्येत यादे स्वराता विवायर नुरावादमाय वार्मिनायावर्षाः स्पर् दर्भ हेदालः ह्वरावाद्वानाः य साध्येद द्या दे हैं। स्र दादे र हेंद्र दार्सेद्र या हैदारी हियायर दिसूर ले'वा यरेव हे'तेव'गुट'मल र'हेव'६८ यहेव'यते'ह के'ते' कें कें वस! पाने' इटामिले छत्रामी दूर्व संस्था होता यह मुदाय हमा यह स्थित स्थे स्थेत हिले वहा सामा रे भर र पहेर र्या माय हे मा के दे र पर या । मानस परे कु ने किराने । विधानु व पर्देश में नवर ने वसमाय रे म्निसाय न यु पर्देश हेते हेर दु सहेर धर वहेंद या लेश व न वा संम्राचा दस वहद यर हेद ही। हा स भ मीय य कुर हुर बुंश ये व व चार बुंग चार ल खर बर मीर से हुर य बुंश ... निय क सूर्यक्ष तथा चिष्टे कुर्यं का यं विदेश मार्टा ता विदेश मुख्या मु न देना र सेन स ने हेर सेन स रे हिंब र पन व वेन हेर नुं सुर स स पिर हे " ଜ୍ୟ 3.၁. ଞୂଁ - .ସ.ଖୁଁ ଅନ୍ୟ ଅନ୍ୟ ଅଟେ ମହ୍ନ ପ୍ରମ୍ୟ ଓ ଅଟି .ସ.ଖୁ . ଅଟି . हेन स्थाम बद्ध यरे कुर रे लियान रेन हो। हेन के माफेन हे लेखा नु न भ सम्बर्ध पार्वे मु व पर्वे सव द हुं न औव जी। मुद्दार पर्वे न द्वा कृत्राहेश 5'यादीमार्थायायाँ की रहायत्तेराकृतामहस्यायाध्येदाद्वी (वेस.यायरे त्त्री) र्नि। भूबानुन् राष्ट्रालेखानु नावे सर्ने । प्रेकान्यनुन्याके

मादेश याची यश माद्रशाय हैंदे शहर पर है ने विश्व प्रेय के लिया ने के पर हैं। हैंदे माल र नु मुक्त च नाल र नु नुस्र या लेख नु या से न नि देने वर्ते या तर र मी लेखान या के हे कार्द्र यर पर्दर यस यहे क वा मान कर यह र यहा मुख्य या माद धीवायारे देश्यरेकायार्टा रहेशाय वदाधिक मा वानी मार्था नेदायवे धिरार्गा देश दासर्थ पर पर्देश यह देश पर पर्देश यह विद्रायकिदार्हेन्स यास्यारेनास यास ध्येत्राते। नात्रश्रायराचेत् यादाः प्रदायरा मान्यायारम् मी मान्यायारे हेन् हेन्सम्मायायारे हुनारे विषानु वाला प्रयेरा व वंद्रशासर मुद्रायदे नाद्रशासर मुद्रायर महिंद्रायर दिंद्रायदे है राष्ट्रामायायाया । भेद हो यद २ दें र मेर् परे परे होर रें। दे परे र निर्मा मार्थ य उर ही नाद थ मति हेर हिर मुरामा मा भेर है। नारसामा कर मी सानरसा मर मुराम देश मुदाना रहा या खर अन् गुर नुस्राया सेंदादे। दे के नाइस्रायर नुदाय हेदा स्रा हुसाया के द भुकारा वा भर महिकार र ने उत्तर है विना नुकार मार में साद है है है दे मुरी है नसान्दे दि दि त ने य न देव न देव न देव न के ले के लें। के हे न देव में के न देव या खट विषा ग्राम हो दाया साम्ये रामी । येव ग्राम माने साम हो दा ग्री साम समा हो । नं भेदान दे दश्य । दे रे त्रेयाय उद्गान्य नर त्रेंद्र दें लेखा निया हे मानुक पर मुक्ष व अक लेक पुर व मार्केट या क्षेत्र है। यह मा य सेर् यम चया पर प्रमुर। विश्व मु न वे नात्र या चे के असं हिर प्रेक वा ने वर्षुदान इसका गुनिस्थायर द्वान प्रेंद करे के हना हु होन हैन प्रेंद हें। प्रमुद्दायम्बर्धादमाय हेर् कुँ खेर दी माय हेर् महस्य यर हेर् माध्येष मार्थ मार्

सेन्'यर'वनुर'रे। दे वे'नव्य'यर'नेन्'य'वनुद्याद्यस्य वेयान् र्सन्साम र्स्नुसामान्यामान्यामान्द्रीत्य विसाम्च वदै र्दिन्द्री। 💢 नान्सामान्द्रीतः म केर है निवस पर रेनर रे निया ये से की। हे सन पर लिस ह न है तुमायामार्थेन्थायरे इधारे केवानी र्देशाल्ये हुन ती नाम्यायर ने रायर पर्देर र्देश र्या की प्राप्त हिं यह सा ही वर र निय है है र विषय निय है है र विषय निवास यर नुर्ध भीर वर्ष त्रास्त्र में व अरेश्वर प्रमुर्ग हों देर हैं वर्ष न'यस हुस नरे र्षे १५१ है स हु सरे हुस र पहुँ सह पर पर हुन पर पर हुन रही। दे दिर दे परियोगास्य म हिर रुदिनायर नेर्पार दे दे दे हा स्वायर वसूर है।। तह्मश्र यराष्ट्रेरायराबुश्याभास्य भारते। विश्वासदीमु ववाके यावन र्द्ध में उहेग मर मिश लेंग यर खेर रो रे राश पहुंचा मरे क्रिं कर लेंग मुं य दी । यह मा य दे मुं य स व ह मा य दे मुं उदा है। माल ह मुं मास हिन्स क्साने अर रे. वहरे हो। रे हे बर बीर त रे. पहुंचा तप हे हैं है वि पर हुद्रायत्रीत्रहेगायते कुम्मद्राया 💛 । यदगार्भेद्र दहेना यदार्भे त्युद्रायाद्र इदा ব্যান্ত্র দেই ক্রুমান্ত লিনা দ্রান্ত্র ক্রিয়াসন মান্তর মের ক্রিয়া করা ক্রিয়া সমান্ত্র ক্রিয়া সাম दै नद्या वर नु वर कु यस स्था 🔻 पुर दे होत् दु वरा नु व दे तहेना वर्षे . मि हेर म. प्रम नप्र रेश शर्मा वहना तप्र रेड्स म् ह. क्स. हेर कुस. ने न बु.कु.टु.लक.खुका चे.च.कं.क टटा सेंट.चट चेड्रा। ह.चोरक सहुःमी.टु.लक.पहुची. मु दिरास्त्र गु वरा देव वहा संस्था सर पर्दे र सहित है के हिनार के दिस में के क्स. हेर ह्य. चर. वर्चीर. हा। डे. डे. ड्र. हुर. जुंश. ड्रेश चे. न ज. स्त्रीश तश प्रकर्त्त्यर चेर दें। प्रकर्ति स्व महित्य महित्य स्वर्त्ते का स्वर्त्त का स्वर्त्त का स्वर्त्त का स्वर्त्त का स

कुंशमिर्देर्पर मुन्दर से बुंशम हैर के खेर दें। इस याम बन हेर या व **ঀ৾য়:ব্র'ব'র এইবা'বার '**মহ'বল্লীর'অয়'মহ'বল্লীর'বালর ব্রীব'ব'রবর্তী পাল্রর' विसामु व के प्रहेग या से द प्रदेश के कि व दे दे हे हे हर व वे स मु म के प्रहेग याष्ट्रास्त्रेत्रा माभाने नहना यत्री रहा यक्षेत्र उत्र हे द्वस या नावत्र है दानु नाह्या यर मेर् परे परे परे दें ले दरम वलेर यस नेलर हेर स करेर स पर लेश मु व व **स्प्रांस.स.स्प्रां** सित्राचे बेरे देर.चे बेरे दे विदेश वर्ष कर मीत हेस. रदानी के तर से रायदे 'खुसा' सब खुस नावर नु प्रमुदा नदी हिंदा ন্ৰ ব'ৰী। उन दैस दे लेस मु नदे दें हों। दरेर नसूत्र यरे दें दे के व रे से न हें रे हेर नुरामा हैदार् मुरायस दार्स् राया संद्रायस हेदानी का स्तर् वि यर विमुदारी। म्बिराल्बरान्त्रात्राक्ष्याक्ष याद्याः याद्यां यदाक्षा वर्दे दि। विकास्त्र हा धीर यः हैर ग्रे खैरार्रे। शक्ते प्राचित्र वाराम्य वार्षे र ने र से र वर म्यु वार्षे। देव दरायहे व यदे दर्दे व वि व व द हे द व द द व द द व द द व द द व द द व द द व द द व द द व द द व द द व द द द द द हैशद्रावहेन यदे वद्न हैद कर मिन वर्षेद य दु य के वर्षेत मिन है हर क पर् वे पर्ने म् में वे कुर पर्ने र ने । मालक पर्या सुर पर्ने पर्ने पर्ने स्वा प्रध्या ता सुनासा तर पर्सेर वापरी वाबर मी वी वर्षा वा स्वासाया है। वर पर्रे ही। न लट.ची.चूट्.वि.कूर.लार.ची.र.ल.स्चाल.त.व.स.लार र् लेश.व व.व.र.माश ... इसः पर मल्ना प १९८ भी हो। व्या व्या विश्व पर पर मार्थ पर देश पर द **३.५.५.४.१.५.५.५.५.७.५.५.५.५.५.५.५.५.५** वर्षे त्रीता वर्षे राष्ट्र च विष्यं है. च विषयं दि से दि दे दे ते स्वास य है। ते विद ते सम्मायस है। पहेन यं सेर् पर श्रम पर त्युर री न्य र देन परे मैं जब नर्रे ड्रम ने न ज म म्या म नम मिर न पर हर न ने र में में होर हा। पर שישב קבמי בו באמיבי בי פּק־יחַמי תבחים אק ים פּק־ישׁמי פּבין पहुन, नपुंची पनप बुना नुझ पहुना नर पेनी र नप्स। ह्र म् हेर क्रीस हेनाच है। नाय है नालह यस दूर सान हैन व लेस न न तर सेना साम हिस ... र्शे । भ्रम्पर हेन्याय महिश यदी द्वा नु सर्दर यहा दूरिय र दे निवर श्रेद्र.तर.पह्रच.य.ला. हुंश.चे.च.ज. ख्र्चश.च.श्रेंश.च.ज। दे चिवर.श्रेद वर. पहुंच, वे वेक्टर. तर नुरेर तर वे उहुंच. वर मुं बेश वे व जा सूर्वास तर्गा रह. हैन वह ग यर वन्न हैन वर भेर वर खेर। वहेन वर कु वन है व वर सेन 리도·ME·서울리·리도·스텔로·호·영화·집·리조·월조·호[호·영조·역·미주화 다구 전] इमस कुर केर कर लेस न पर दे नकर मर हेर म दे रे मार्थ पर मु मदे हेर बस्य नु न य स्वास प्रमा मावर द्वा वे र ह केर प्रहेमा पर नदम केर उद प्रेर मी मा कर पर अर देर मेगा य नगर लेगा में प्रचेत म में द्री हैं। देरम्म उर् लह लेक मान्या मह नमान मह नमान मह नमान मह नमान

लिस मुन्द देना हनास त्य स्वास यह देन से हना य है द है व स्वेश के मुन्द कु मुकान म स्वर्षारत्। देरे अट मावर दर अट नावर अर न वेस न न कें दे लेना तुमान रे अन् यना कर मुक्त मर्दे में किंद्र भेर लेंद्र । दे दन में WE'र द के द की उम्म य कि र ता दे दन ने WE'र द के द हैं म य य निवर कि य दे " हरादालदायना वर ह्या महेशा में पर दुर्दे दे रे प्यट हुवा सार पर हमा हरे. यर दु देव भेद वा दे प्रशाद रे खिन हु या माहेश मा दे दना दु नावस्था या भेद केरा रेट्रे. र्बे. यं ग्रीश. रेस. पश्चमस. त. रट.। विस. व ज. रू. पट्टे. लय. लया वर मी. रवट. मुनायरे वर दुर्शा दर्स र्वे वनार क्ना नार केर य लेस नु व ता र्वे दरे हैं हर निन्दास स्पेर दस। वदे र हे हे माल्य सरा दहेगारा य दे दर्मा म'भैं द विभान विभा EE. ब्रिंग. ब्रुब. में प्रचेत हैं र. त्रेर क्या है स. त्रेर हें स. ते वर्ड हं स. त वर्ड हैं र. महेर् म प्रदेश लेख इ न के हिर् पर हो। अस के द्वार प्रते पर विस.च न वा ता सा होंसा च के अस हो र व्यक्त है के व्यक्त के वि मर्द्भन भेष वें। दें हैर ग्रे न पर पश है शिश ग्रे प्र हैर हैश न पर ने वे प्येन ५३ प्रसेय व न्य प्रमाय व ना मेरा लेश व व वी **भैर**'गु अर्र **२४.ह्र्म.त.तम्मभ.त.८८.वस्त्रम्भ.**त.त.ज.स्चीश.तस्य.पद्या.त.८८. वच्चीव.त.८व. मीस लेस मुनदे रेन रेन जिस्साय के नदे न न स्या विस्त विस्त मीर हिन हेस यदे य दृष्ट स्व पर पर्दे पर्दा के कि है है है सुम क्व परे हुन वहा स त्रमः मार्ने तर मीर केना के संस्था वर्षता दि स्वतं वर वर्षे पर्ता । अस मी विद्रापते विद्रापर में द्रषेषान द्राप वर्षेषाय वर्षेषा पासे द्राप प्रेत्य ।

स्ता, विद्यान द्वा विर्योग से अभव श्व श्वर्ट, व लेख वि वक्त श्वर हो। हुन. मार भेर रा परे के सर मेदे रहें या संग्रहा र् स्मार पद हुस है मौन स दर शु.मा. य स्वापाय नाहर है। देश वर्षेस्य मेर यह देश है। हैस है च व र्रोन्य च के क्रिक्र करे हो न या या वर्षेत्र च केर च र्रो हो च र्रे के मुल सूनाम.तर्.हो। रुप गुरे.तर इम.सं.वर्गर व.वर कु.म लुबे.ब्. खुम ग्रे. यते हुंब हुं। इंस.च.खेब.च व जा सूर्याया जानाम खेना छेर वार विरामर म्री. पत्रुज, च,र्ट प्रमुच,च,रम,म्रोश,सी.स. रे.चैट,च,रट,। प्रमुच,च,रेशक, श्रि.श्रुट्र.च.ब्रेश चे चर श्रुच रही। अभाश श्रे सूर चाविद्रादार हासे व बुचा हु था नर्सि स.भर.स. क्या.च.च.च स्वायाचा र्यूबारी वाट लेना चेर पर होते. नर मुक्त पर्वेत पर्ट वर्गे व न लेक मि व वर्गे य नि में हैर नहें र प यह हो। त्यकानित स्यान्ति म्यान्ति वात्राच्या वात्राच्या वात्राच्या वात्राच्या स्वामिन्ति स्वामिनति स्वामिन्ति स्वामिनिति स्वामिनिति स्वामिनिति स्वामिनिति स्वामिनिति स्वामिन व्रयेथायान्दरावर्षेकायार्वि महाय भेदायाने के। वर्षेकाया सेदायते हिनायहै विर्यः मुक्षायस्याय दिः वर्षेयाय उत्ता दे त्यायहूँ वारा से द्यार विष् व.चट.च्.टुरेच.मार्चकूर.त.रट.चवस व.रट.चट.ग्र.चेट व.चकूरा.व.छर.ट्... ब्रान ने वहाम पर देन के ने ने ने के वहाम देने के ने के वहाम में कर के लेख में न बु.चर.प्र.स्य.रे.चैर.व.रेट वर्चेव राष्ट्र में.ही के उरर एव बाद्र में लूरे.. क्षेत्र विश

उन्देशया ने विद्यान प्रमाय पर कु ने यस नावर के नार पर्देश या में म बु.सिम.दे-विट चर्टाच मुंदा म अवश शि.ह्यू र व.लूर, ट्रे. खु.डु.व्र र जूब स्पूर, ... मैं क्ये.रे. भाषनीर स. जुन वे वर रूप है। वसी व वुर वे च र रा ता वर्तेश वहा रद्रम्बुन मु मानु र द्वेषार स्रेन है। न्देश कु देवे हैं देश देवे या वाद्र देवे वे ब्रान्ति भीशास्त्र ने मिर्ट के ने दि क्रियों कर ने अधार शिक्षेत्र के के निर्देश हैं के से में मा बरु है दु प्येका परे हीरा । दे हे वर प्येका पा कर है दे दु कर पर महिना प्येक ही मञ्जयम् नियानाम्भियायायायम् वर्षे क्याद्यायायसं विवास न्येषास्य प्रेत कें विसाम म ने। ने के मर मेन म स्वाके प्रमान परियो ने के कर मेन मां स्वाके म भेदामा के दनाया न भेदा बेटा। इस विन मारी दे है नि मार्थ वर्षेस मारी द मर खुम नु मुद्द कर्मा वर्षीय व क्रम्म शु छी वर्षे से समस व व विरायक्षक के सम्बद्धि प्रकेश के वा सेर्पित होते परिता है अहे छेर्न होते ैं **धर्मीतराधेश काविदातर देविद श्रा**दी शर्म केट प्रेश रह स्राह्म वर्ष विदे । यम् द्राप्त मान क्षेत्र क्षेत्र संदेश य भेर वे लेख न व ने न क्षेत्र वर न म कि. स. म. कि. स. म. मिर के मार के मार कि मार कि मार के म कर्म भिर्मेय राष्ट्र श्री स्थ मिर वर्षे स्वास दस्या वर्षे वा वर्षे वा वर्षे वा वर्षे वा वर्षे वर सद्भु मुस य दर्द कन्य य स्थित यह सायह सार है वर के पर है में दर्द हों हैं रनास पर देश निय के मुस्य प्र पर्दे कित प्रेय हैं कि नार्दे देश हैं हैं प्रवेतः पर प्रमुद्द देश करें में अरे पर्वे प्रवेद कर्ष के के कि के कि नर जुन ता वर्जीन नर होर नर जेस रव के हिर नर ही। असी रा पर ही से

है.रर.तत्र ह्रेंदश.पवंद हूं।। चाट ची.ष्ट्र.श्रेश.च.ता.श्र्यंश्व.व.लूर.व.खेश.चे. याचा क्ष्र १ तु चे १ पा ले का चा वा के जुका या वा के ज्ञान पा के ति वा व दे दे एक ज्ञान वा के ति । मयामानात्र्यात्र्यात्रात्रात्तुकाचरायनुरार्के लेखात्राक्ष्य द्वानुदाद लेखानुपर्वे " ्र्र हों। अंश्रय केर के हेश ख़ यद पर्रेन्थ व पर्र प्रेंन्र पर्रेन्य वेद पर्वेद परवेद पर्वेद परवेद पर्वेद परवेद पर्वेद पर्वेद पर्वेद पर्वेद परवेद पर्वेद परवेद दे दना के भेद दरे व दर भेद भी भदे वर्षा वरे व दर हुन व हम व हम के सक मु ल्रा १८५.चस. प्रम.च. वर्. चर्चास. त जालूर.चर्.च.रट. रूचा चर्चा हो. खुसःनार्द्रसः च दे और से वरे व हो वर वश्चर स्था के दे वस द वरे व दि ह्ना वहाय ने क्षे दश दे दन क्षे वर दन्न रो। देना नुरे सुर वर देन वर डेर्'य वेंसरेग्'नुदे'इय यर'लेस'य व्याबेश नु च दे'म्टाक्रेरेग्'नुदे'सुर्'यर" बहेरियर नेर वर अषाके दसायर वे यावामार वा देय न वरे रेके ही। धेर मालुदस परे हो द भरे दिस मार ने स स्मेर मा हो द स स र हो द न स्मेर मालु स त्ये**, रट.**त्ये. चीवेट्स.तर.हेर.त. ७ ४.चे.च.चे.चें.चच्ये. त्ये.चें.चच्ये. ยูาสาลิาราทายูดิาเติง นะ.เพพ.ห์ไ ระยาภูเพพ.เติพ.นิ.เล.รู.เปอย มีเรา महेर लग्न हे रही सहरे त्री। है सर भेन सार्श्न सामान कर कर्न सामान मार्देर् या नेत्र प्रमा एक देवे इयायर मे काया यक स्वर्मिकाया द्रामार्वेद् " मर हेर्यर प्रमुद्द वेशन वर्षे रेव हो। देवे व्यय प्रायव प्रदेशिय मान्द मार्चे यर नुर्यं यह क्षानि वह ने वह ते वह साम वा पह ने निष्या मा वह ने निष्या मा वह ने निष्या मा वह ने निष्या मा याद्यान्य्रितारान्ते यादे स्मित्रार्थे। द्रायास हे त्रमुदारान्ये हे स साहेदाया वे से सम्बद्ध मह से मार वा नह गाम से र पते हिर स हे स मास में र वे ॥ दवन र्याध्याप्ति क्रायम न्यायते हे अध्येष्यम नहार है। प्रमार मिराफ्रिका

खुंस स ट्रेंद्र, क्या तर खेंस. पट्र में केट. टे. चडिट. ट्रा बट ट्रेंग मिट. तर जय हैंस. यत। । रामी देव द्वार संवार हुँ या वेश नु न दे हैंद हे देश गुर वेश मु व र्श्वेश है। हैव के द्वार व व व देश के कर मी देश मुक्ष महें । में अपन प्रमुद्द न लेश मुन्द के **भेद** त्वा र नदे कु हिर दु क विषय मार्भ र है। दना र लेगा में क्रें अकारा य स्वास या स्रिन का यह यह र व्या र य हेर यह सुर है। स्वा है नाहक माबर व्या में बे. हेर. रेट. मिंब. पुरा चे. च ते. खिल. टंबे. च र्या महूट. च.रेट. हु हूं ल. च. प्रश्न विश्व ने व हेवा हुं श च देटा। सिना अहू ए च प्रश विश वा रेश च वे रे श्चरः र्रो । दे नले वर्ष प्रत्रापर द्वा व्रं पर की तम ले स म प्रत्रापकर मर नेर रें ब्रें के देवे हेम खु में नेर पवे खेर रें हेम न के दिस खु रें दे रे प्रचीर प्रपृ. हिंश श्रे. मु. दे दे प्राचे हिंदा में रूप. मु. दे दूर है वर प्रे प्राच साथ है दूर लेश न नर हिर हो। हे सर हेश से नेर मान लेश लेख। देरे हैं हेश सर बुस.चे.च.ज.स्चेमात झूस.टे। ट्रामी प्रचीर च.ट. से चेर मीर त परेस. माता स्वाहा पर दे सक र केर उद नार प्येश पारी। हिसायर हिस सु पहना पा संभित्य देवे कुर। ब्रिंट के देवे हेब हा कुर हैं देव का का के के कि · ଜିଂ.ଞ୍..କ୍.୍ୟ ରି.୍ୟ ଜ ଓ୍ଟ ପି.ସ ଧୁ.ହ୍ୟ ହ ଅଧି ଥି.୯୯ ଅପ୍ର ଅପ୍ର ଅଧି । डिना ने दे ने मुंदे दे में दे मे दे में दे मे में दे मे में दे में में दे में में में दे में रेर. वर्षा वसायरे प्यट लेस चार के समावर्षा च पर पर लेसे चार के रेव हैं। निर्देश श्रे क्षेत्र हेन हेन होर परी पर्या न अर देश सर वहां से हेश ख नेर पर प्रमुर मा दे हैर दे रचेर द लेश न न म संग्राय हाँ स दाया

सिन में हम शे. पहेंचे च बुंब. चे.च. ही सिन में रेट्ब शे. रेचट. स् पु. चेंब संदे : इंद के गाउद मा अदाया र अदा द्वार में दे अदा प्रदे हैं शास द्वार में दे अदा प्रदे हैं शास द्वार में म प्रेन है। हे नाम य न है र है है स हु हो र प्रेन हैं र है। मा म हे दें विकेष्टरायेर्यायाद्राञ्चराचेना होदायदे । हितायरानामाध्येर्वेषा विका ल्चा.यश.पक्रट. ८४.८चीर. ऱ्री ८८.५ शि ३.२४. जुरे.राजु.ची ३८.भ.लूर रा. बै'वन्य न' भेब'या। देश बै'देने हेश हु भे बहुन वाया हिन च'दे हुन ब' दनाभावसान्वराय द्वेनसायाध्ये हो। द्रस्य सु स्द छेन हेदायदे क्वा क्षेत्र, दे देश में नपूर महीन तर में में नाम है भारा है भारा है भारा में मारा में विच सक्ष नुभेनक मध्ये हो। हे हेर्ना धन के देश धर होना च माने रेडे ्यर लेक पत्र कु के**र** रहा। हेते रहें अ शु झ र हेवा छेर पर के कु केर से वर्ष ्र विवास भी राष्ट्रा विवास के दे दे से के वर को दा के दा रेरे इंद हेन हुर परे केर हिर कर केर मारे हुर व हुन पर हुर पर नाम ना रेश्चयोत्र तत्। विश्व येष्ठ्यं मे क्रु शुश्रमात्र प्रत्य स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन . हो. चाड़ेर.जूच व.रट.चचैत्र.च.ज.स्चाश ह चारशः श्रेचशः के कूर्ता। चरेशः ्र मुझ'या में १'हे सु'व'वले १ दू सटें व यर यह स्याय रायर असुर रें लेश मु'व'स। में १ है हि च न वे ४ तु वे के स्वाद वेचा माद सर सर हो र द है के ४ ते। मांबर, म हूरे. न प सूची म. चर्री वर वेश च. भट्रे. चर चीशण च.रू. पर्यक्ष.ये.भी पर्र हुस.शे करीय.तर्र.कट्र.चर चोष म.चर्ण पर्वेष येथ च.ट्र. हुर जल बिश न व बु. हुस. व. म. स्रोम. चंद्रे रेम. वहुस. चूट रच दे. सर वहु चना. ळन्याणी निर्ने यर त्या लेखा उपरे दें के हैं। प्रेंब न्वे अहेंब यर न्यास्त्र वे साम स्वाकः **ोक्षा**रवाद्य धोदावाबुद शायाया स्वाकाया क्षेत्रावीया वाक्षेत्रायवे क्षित्रा क्षुर-र्रा लेखामुन्द दे। शुक्रान्द मुर्गे क्षान्द महिमाहित प्येद र का स्रा देते.रट.च**७४.हेर.ज.रे.प**ेंब.चेश.चर चैंद स हेर.क्रिश.चिव.त.ल्रेर.ज। पंट्रस दे भेदायादे द्वारा वाष्ट्र या हिताया से द्वीतसाय दें। विसाया से विमाया से विसाया से विसाया से विसाया से विसाया भाषीयातात्रात्रात्र न्नेरे. एका ये याजास्याक्ष या श्रीकाता जाहीयाया हेवा चि.च.दे.पिस.ग्रे.ल्य्.२४.८भ्रचास.त.इ.सक्.र.३८.ग्रेस.ग्री.त.३८.पस.स्। वाजा हे.लट.रेश्वेष्ट संस.पंचीर.यो 💎 ह्या.त.ज.स्चाश.तश ररेल वेश.व.वेर.तवे. क्रें दर सर्वे पर प्रथम दवे दुर्व व अर ही दर्भम्य है। माइका हिन्य महिन मा.ज.लट अंग.ज.वि. तर भेर.तर केर हो। वन भेर वह अंग व न के वन सेन्'यस हॅम'य'उद्देशी से मार्ट : च न्यान स'य'र्सन्य राच देन्य हा बुंश-वी-ताला भू निक्ट वर् निर्म रेट निल्म शरी निर्मा है । वहा दे नम द'नम र निवस दे जिस्स है । व्रिस सु प्रेस द अद पर पर वरे वरे वर पर मुन वह म र्बेन'म'न्म'र्नेर मम पर्नेर्'यासेन याने 'हमान सामेसामाक्रेन'नु'वनुमारी लेन। म्रराक् नादा सर्दिक प्रदार क्या साया होई। दुः स्वरा चार ते वित्र स्वरा प्रदेश प श्रामुब्रामा बुक्राच न मिर्नायर न्यायवसाय र मिर्म क्रिया से सर्वेद यह स्वीत्राया प्रह्मा या सेर र्शी माया ने नवट खुना थ स्रेंन य वयद साया है न प्रेंब यह खेरा र्श्वन क्रम्ब स्रेमस उर्नाविद मी वर्ति दा वर्ति व क्रिया के कर्मा व

मार्थाः भवशः वर्ते हैं रदः वर्षेष नीया वश्चा वा हेर प्रोवः धरे देर र्रा हे वर्षा व मान्द्र-क्रिय्यायदे के शे केंस्य अपने सम्मुव पर त्युर हो। विकेश द्रम्य परे माद्रसार्वेद्रसा सुरायेद्रायानाराष्ट्रद्राया दे दे रहे हिना त्युद्धा या दंस हे यह येद्राया हिन लेश्चायम्मायदे सुराद्दा। दर्मानायदे द्युदाय हे तु सुरा द्युदाया दशःमीर तरु अक्षेत्र हेर्डिश केर है अराहित तर रेर्ने रहा ही। हेरदर होर प्रेर पर र्देश र्च दशका के पर से प्रमुर र्देश विश हेंद पर प्रमुर र्देश माल्य के र्यट. मुझ.ग्रुट: रसर् : पर्य: मार्स ही : यर्जे : यः स्पेर : है। र्यट : सुना सः ह्ये सः यगाना : स्वायाक्ट व वहेशरु परावर्षी वास प्रेशरी वास्त्री दिना देवारु देवारु वर्षी त.लुरे.व हुस.सर.भटम.म.स्रे. चत्रु.चोर्यस.लूट्स.श्री जुरे.सर.श्रु विट.चयु.हीर. र्दी भग्दासुभाभावरामे वार्सिन्धावान्ने वरावनुरारी दे वसादार्या मी हे 'यर 'मेंब 'य' हूँब टु बॉट या ठ द ही हूँ वे देश यर 'दसद यदी 'यद र पे देश पे देश र ड्रेन्'य'ने द्वर दर्'देश यर प्रथ वस यो वा प्रथ हो। हस य हेंद् नु संद म उद् नमद मदे मादस मेद पायर मुद्द है में मी में में स प्रदस्स मदे सिंद पर कन्रसाया सेन् या साधीकाया ने द्वार का ही किंसा चारते सामुवाया हैन साधीकार्ते।। হলাৰ মন্ত্ৰৰ দহণ্ট দং ঐৰ্থান হলা শুৰা দণ্ট্ৰ 'দু' ক্ৰি' আম **বৈ**লা ব্ৰম টৰা দ<mark>ং</mark>

शर्द्य तर क्यांश त. व. धुंश में .च.ज. श्र्यांश चं जा शर्द्य तर क्यांश तर में केर. तुर तुर केर वर वर्गशा रेश हैंचा वहार वर वर हैं व अर्थ केर डन हैर ने खेन हैं लॉन पर हें महें नम क्षाय मार्य नहीं वर पर हिं हैर है भट्रे. तर. कवाश. त. भ लारे. ज्या में में में नर्जा म नरे. नपु. में पुरद निविश करे हैं १९ वे इना नह्य में नार्श य सुब है स र्यन पर हैं अब दें। लुब. ब्रु. खुक. चे च.बु. भटता. चे. चेबब. दे. केट. ब्र. चट. च. लुब. दे. खे. चेडू. ब्रेश. देश. यर.वहनात.क्षेत.ब्रा ट्रेड्स् कर.क्षेत.ब्र्.खेश.वे.च.क्षेत.ब्र्.ख्य.ग्रेश.ख्रें दे. मीं. वर हो। लट दे हेर वे हैं ने वहार रट वर व बुक मित प्र में मार्थिक हें। त्रिया मुक्षा त्रिय वर्ष वर्ष र वर्ष र वर्ष र वर्ष र स्था वर्ष या र स्था या र स्था वर स्था वर्ष या र स्था वर स्था या र स्था या र्<u>चेत्-पद्यः सक्ष्यः क्षेत्रः क्ष्यः क्ष्यः च</u>्चः चन्द्रः चन्दः चन्द्रः चन्द्रः चन्द्रः चन्द्रः चन्द्रः चन्द्रः चन्द र्वेन यते मार्च विषय है से द्या मार्थि । विषय से देश है वस हे साम है वस हे साम है न रेट.क्रेंब.वर्ष्टा.वर्ष्ट्र.वर्ड. क्रेंट.चर्ड. क्रेंट्रक चरवा.वे.क्रवंश च.लट.... **८षट्स.व.३८.११४.८। इ.४८.वर.१९४०.७.४८.**व.५४८.वर ब्रेर.५०। हुर् यर ने दे व के हुँ र पर ने दे भर है। सक्ष न्द म र मे व से दे व लिए के व कुट व क्ष. मु. प्रतित्त्र माला १. व् . व्याया वाश्वरमाय में हिर माला १ वि १ है. ज्वा पद हीं हैंस. तथ है. म. दूव. त. पहेंच त. हेंद. म लूब हो। य. प्रेटम. तर खुंश ये त व म प्रस्थ पर ही के के मंखर ने मांश मेर मांस न दे लुर द नात्र केनास ग्रे देव दे हिर स नावा म स मे दे लेस व त वे नाल्र द्वा मोस स सर्हेट लेस न द ने ने लिक मी टे यर क्या या स स्पेत के ॥ विवाद "

यशःस् ॥ देव वर्तेः वर्तः खेर वर्तः सशः द्वाः दशः वश्चरः वर्षः र्भ भूष्र्यत्या क्ष्या स्थान्यम् या प्याप्त विदान्ते हें हिशाना या ्रे ! श्रेमस.यू.म्वार.भर्ये राष्ट्र. दे. तर. जुर. त. ज. रची. जीस त. लुर रू. हिस ये. वत् क्रिंग मीस दूर वाहेस शुर्यमा धायन्तर के रहे।। हे तह दे तसे विद स्पेर प्रमुद्र द । । विश्व ग्राट दे द्राय द प्रमुद्र । । प्रमेष विद्र । भाहेशासुर्वनायरावत्रकेत्री। द्येराव्यामार्टाचे केरासुर्वे॥ ्लेखानु नार्के नार्के नार्के नार्के नार्के दे ने निर्देश के निर्म के निर्म के निर्देश के निर्म के निर्म के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्म के नस्तिनायाभीतायायदीत्यादे सेदायादे हिनावायर हेर् य से द्रीत्रायर य रे'नहिंद्र'र्नु'निव्दर्भन्य'प्याप्याः स्त्रूर'नर'तुर्देशः वर'तुर्देशः वर्षः वर्षः निव्दर्भनेत्राः स म्युय-हिट-विश्व-मु: नट-विनानिट-सश्च म्य-दिश्व-मु: स्थानित्र-स्थानित्य-स्थानित्य-स्थानित्य-स्यानित्य-स्थानित्य-स्यानित्य-स्यानित्य-स्यानित्य-स्य-स्य-स्थानित्य-स्य-स्य-स्य-स्य-स्य-स्य-स्य-श्रॅं न्या वत्रत्र वश्रान्य प्रत्ये पर्ते त्यानित्त्य व्यास्त्रे त्या अत्याना प्रत्य व द्रः ्**यः स्रेर** ध्ये प्रत्ना केर उद्युष्पेद दें 'लेख' मु प्रदे 'मा दे के प्रस्ता मार प्रदे या दे हैं स मुव व प्येत के दें। मैद व व के की भाषा व कर हैं दें व दें ने व के दें हैं हैं हैं। माट विनामाट नाम 'न दे मार्थ न विभाग न विभाग न स्मार्थ न स्मार्थ न स्मार्थ न स चर्षेय.त.लुब.ट्री जन्म.त.र्यट.य्या.त.स्याश.य.घ.रट. चर ज्ये तपु. क्षेर दें। शन्त यर मुन य दे ए अ अ शन्त या हर हेन दें।। शन्त चोट. बुचो. चोट. प्रश्न. क्षेत्र. त. १४ . मी ली म. व ८८. त. १४ . बुध मी चे. च. प्रा. ४ श. श्रास्त १ वे ... स्दायां कदार्थे। देवे ख्रिया के स्वतायां कदार्थे ख्रिया है। यह स्वताय कदा

म्नी सिमा व देवा स्था से मान होता है से साम होता है साम होता है से साम होता है साम होता है से साम होता है से साम होता है से साम होता है से साम है से साम होता है से साम है से साम होता है से साम है से साम होता है साम है साम है से साम है स 회 고립니다. न.लट.चस्चेचश.च.हेर.लर.स्। ७४.चे.च.च.च.च.च.च.र.च.७४. ्र मा**डमा भारत १९८१ प्राय** स्था खेर स्ट्री। हा स्ट्रास्ट्र स्ट्रास्ट्र संस्ट्र संस् न'वे हे ब्रूर' अव' अन् अन् के नहीं नस' अर्थेट 'च'दे 'ब्रूर' खुँ न्स' नहे न' में स' नहीं नस' श्चित्र गुर सर्वेद नर वितुर है। र्युन्य मार्वे ना नौर नहीं नस सु है न गुर **ब्रिंट.ग्री.मिंबेट.पुंश.लब.जचा.क्र्य.भ**.चश्चीयश.च.क्रेट.जुर.चूर.च्या लब.जचा. डन्'न्नाट'त्म'प्यन्'त्रहेन्'दात्रे'श्चतस'सर्वेट'च'दे'त्म'दे'क्ष्म'देश'दुर्वे। दे' **पश्चेत्राः त.वे.बे.म.चे.**प्य.प्रमा.पश्चेत्राः त.वेर्त्। लव.प्रचा.क्य.सम्ब. उन् मर्वेद न श्रेन प्र व लेश मु न त्या माय ने 'अन यमा वस्र श उन सर्वेद पर . . . · ব্লুম'ন'
দৃষ্ট ক্ল'ব্ৰাব'
ভ্ৰিনালীম'ক্ল'মবাব্ৰাব্ৰ'
ম্ব্ৰাম্বৰ্মান্ত্ৰ'
ম্বৰ্মান্তৰ্ম'ম্বৰ্মান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'ম্বৰ্মান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'ম্বৰ্মান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'ম্বৰ্মান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'ম্বৰ্মান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'ম্বৰ্মান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'ম্বৰ্মান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'ম্বৰ্মান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'ম্বৰ্মান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'ম্বৰ্মান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্তৰ্ম'মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্ত্ৰ'
মব্ৰামান্ত্ৰমান্তৰমান্ত্ৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তৰমান্তমান্তৰমান্ত व्याम्बर्टर पर भरामिश खेद पारी प्रशासी भराम विस्था सर् से सर्हर . **च.२५.८५.३८.५म.** सट. पर. वेर्गा टे.केर. १.स्रेचेश. पेट्रेचेश. प म.पिस.च.भक्ट.चर.वचीर.हा। चाल.टे.र्जा.चारेश.वेश.वेश.व.त.त श्चांश. ্ব'নাগ্রম'ন্-'ব্রি'্ন'ম'র্থনাধান্ত্র'র্দ্রনাধান্ত্রমান্ন'র্বাধান্তর্যা ছং र्वट.त्. जमान्यता जुर्दे विमानु पाने मान्य मान्या मान्या मान्या मान्या मान्या चल्व. विर. तर भेर चर हैर है। रवह च लश वर्ष वह नाक्ष भवश हिमा स हेर स प्येव पर हिं परम्य प्याप्त में मर्द्र में प्राप्त में स्थापत हैं सर्द्र में प्राप्त में स्थापत हैं

मान्द्रके मान्द्रा मान्द्रिश पायित देशि क्या स् स् मान्द्र से प्राप्त से प्रा र्षर देलास्य र पाणी र दायने राजे तारे हिर क्र्याश शा वेद गुदार स्था स्वर हेर राजे र ब्रुंबेश.वे.चर.बैर.र्रो। चारेथ.क्रुंबोश.रं.क्रेट.ग्रे क्रैर.रेचर.त्र्य.परंश.परंश. य हेर प्रेक्ती। में हैं गहा लेश न के मर्दे प्रेक्ती प्रेक्ट प्रेक्ती प्यात्र भ्रुमा मेश मुद्दा लेश मुद्दा या अर्मेश मुद्दा श्री सेश मेर स्ट्री हिंद ही कुर्-तरश्चर द्वारा मा सेर् या लेश नि. प. वे. र्ह्य मी वोष्य स्नेरस खे. वर्गीय . व. १ थे. प वेश.त.वु.र्घर.मु.टू. त्.लश.पक्.च.भुर.त.च८.ज.लूरं त.लुश.चे.उर.कूचे.क्श. यर हिर रा विकास दे हैं। संबंध से विकास दे में हैं से विकास दे से विकास चते.र्ब.र्गा रूप संस्वाब अर् हेवा मानेर क्षेत्र धरे हिर हर वुषा य सेर् त. झेब. कु च. चुेर. तर्. भुंर. रह. सर. त. जमाना सार्था अवस रे. वु. हेर च. भुं. व. चावर.. केर केर है। देस दे नाउन हैं नाय दूर में स नाय न पर हो। वुसाम है नान्ववराष्ट्रेराक्षेदाने विकानु नायदेश के से अपटाटी नुसास रवार्यट त्रात्रस्य प्रदेश ता बुंश वि.च. का स्वांश चंश ची वे के से ना वे के से मी च वर ... यद्भेष.र्रो। ह्रीय.तुरं,ब्रे.सहूट्,पट्,व्रयश.ज.यह्मैयस.योल्याश.यावर् क्रियंतर. नु नंबर्य हैर्द्री। व्याषाय है रूप ने खुया नु ना वह पह ने ने ना वह हैर यह ।। दे देर हेर य लेश य य व यश्चेयश य य स्वाश य हेर यह।। दे कर. ब. चार्यर. देर. देश. क्षेत्र में अ. स. रच. बेंध म. रेट.। रें स स र कें स व केंब. क्र्याय द्वेरार देवा हराय समय प्रत्यालय तया त्रामी इस उहेवा पर विष्ट त्रां नाम्न-द्रा-द्रियाकु त्राक्षांचाहा य अदः व्यन् उद्गान् हें मारा हेते य लट संस्थित है। देनाश से समुद्राय देसहा है हिंस या से हिंदा स्प्रिक सदि हैं र्राः । दिन्द्रिद्दे द्वायस रेन्स सेन्स समुद्र य लेस नु य व्यास सम्बद्ध सी। स्य. व्याप्तराचीराचा लेखा चित्रा व त्या व्याप्तरा व्याप्तरा वर्षे । हे कर द इर य क्षेत्र द अद वेश हात है हर नहें हर है अग्राद दुस य से द दा ने नमान क्षापर मेसायदे है हिन्दूर के नेदाय में और ले**स** न न धेर वा वै: अवास्त्रों। स्र प्रे. केंन्स य इस्र वै: कुं कें प्रेय पर प्रेय प्र यादे केदाया विवास वार्येकायादे क्षेत्र वा चेदाया विवास के विवास है। हु किंद, थे. हू, बाडिबोश्व, पा श्वीश, त. किंथ, त. बुश, ये. प. थे. प. धेव वा वैना वरुष व विमाय रिष् मांबियांश.चबट.स् रेट.ट्रे.खेश स्. ११ थे.खेश. च क्रु**र-त्रेर-य-मक्ष-व**र्द-वः र्द-वाह्यवाकाकाक्ष्यकाः याद्र-व्यक्षाया हे स्वाया त. सूर्यांश. तंतु. संबंदिः ज. शर्. १ वी. र श्रे में श्रे भी थे . भी थे . त. पट्टेश.त. प्रश्न. में . पर्व. प्रवी. पर्व. प्रवी दा व. प्रती व श्रू. प्रवी व देशहा... ब्रु'ल्रॅ,त्म, माल्रु, मी. व्रुं, गीर मुरे, र्ट. व रस का स्र्येश ना स्रेर्ता वर्द्र व स्पेद या स्व व र्ने निव्यक्ष ता स्त्रीस त द्वा ग्रदः हिं।। अर्व १४ दसस ता अर्व १५ सेन तर्तर्राता वर्टात्रे र्राप्ता वर्टात्रे र्राप्ता वर्षा मार्थे स्थाप लुक्, तर सु वचीर हो। वर्गेट व विच काला सूर्वाका पार्ट सु कि के व वर्षेक् दश.र.वु.चर्देट.च.ज.चिडिचेश.ज.स्चोस.च.रेश्रुचेश.च.रंश्रश.चेवरे.ची.चेविट.चीस. भु.पहूर्य.च.कुर.र.पर्वर.तजुरी रेज.संश्रमभ.मी.चीव्यस.ज.स्याम.त.

लेस.च.न. त.स्वास म झूंस.च.हो। दे.हेर.य. इ.हेन्याम्डमास.पारे दमानदूर न'दर'स्व पा ठव साधिव हो। व्यव हव दमसाय स्व १५ १ सेराय हेर ही ही राही। **નુ** '** સ્ત્ર'ભ' સંવાસ' ધ' 'દ્રવા' ની સ' ખદ' સ' ખેતુ: ને| रे.रच.ची.क्ष.च.चेचा.नस. रे.ज.र्मेथा.भू.भवेष.त.रेट.उर्ड्स.तट्रर्जेल.सं. **८**हेना थ छे ५ कु छ छ ५ दे । रवःचित्रन्थः संग्रायः स्र्रायः प्रदे यःचारः स्र्रायः दे द्वाः श्रुषः यरः विद्युरः हो। हुयः स्र-य.र.रे.रेच.चुर्य.पर्यंश.ये.श्रुषारा.लदाश.लुरा चाटाल.येर.चार्र्चश.राष्ट्र. दे : १९६१ दे : देवास : स्रो: तर्रा न स्रोत् : देवा स्रोति : स्रोत यर.पंचीर.र्गी पाउदामाध्याप्ते वालेका नुप्ता क्षेत्रा क्षा विष्या प्रतास्त्र विष्या स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप मिन्निम्स तः स्वास पद नार्य स्था स्थान स्थान हर पर भेर हे ले रा नन्ना केर गुर दिन में सम नन्य य भेर लेस मु य क्रेर है। ग्रे.क्रेर:र्श

क्र म म म में म में प्रमें म म म म म म म म म म म म म म म

त्य न्द्रिंश न्दर के वर वन्नाय प्रवे केंस नारे ना नार यस व्ये पारे वा ने वा ने न्द्रिंश न्दर के सर महमास में देवे केंस कर हों। वेस स मह त्य देश दर के मर महत यदे कु महब प्रदेश में दे दे दे कु महब कर हो। दे दे कु महब कर पर दे लुक् ला ने स.त. घेष्ट्रेट्याचालटालुक् क् . बुका क्रुचा क्रमाचर हीर हू। हेते. **लिय. बु. हे. रेचा. भ. भूब. बु.** खुंबा ची. चर. ह्याँ वेश. च. भक्ष. चार्य हिंदश. चर्य हे. ली मा. हे हे. वाद्र्यम्माभवादार्भः वरावद्वामायामाभवायाः देवे केंबा उदाधवाया केंद्राणुः मिन.त.लुरे.ज.टे.रंट.वंबेज.च.लंट.रंट्श.रंट.हे.चर.चंचेबंश.च.चंटुंड्.क्श.कर... भेरायादे स्राप्त वायर मेर्टी या वर्षा या वायर मेर्ग स्राप्त । दे वे वर्षा है र **ॲव :२व : क्रेन : धेव : दार : दार दो : मु**रक : न्दा : खार व : व : व : व : व : ने लेक् पर्वे द्वीर ही। यह स वर्त व दह स्वक र केर ही दहर व के मु है है स न्दर्यर मुर्राय दे दे द व हैन अद्धार मास की रही। यह नियान मारा <u> এর.च.४.चोटश.ण পূর্বাश स.चहूरे.तर.चुरे.तरु.झे.लश.श्र्रा</u> स.स्टे. त्र्रा मर्सेव.दर.वे.व.चेश्रस.त.ज.चर्ड्स.वेश.वे स्त्वेचम वे.वे.टंत.लेब.ब्रा वस्ति चरः च.व.रटः च्.ज.वर्ड्शवश्वे विवासः रे.क्रेर.क्रे.वर्वा.क्रेर.ल्रेर

े ब्रियाम्दर्भास्य स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स ् स्त्रायाः स्थितः तस है : सु वड़ाटाटा। सु वारा लेखा पु : व हे : दटा से है : हैंगा मारेशायर्गा र्द्ध स् स.र्र.ह्र स.स्.रचट-वट्ट.लेश.च.च.च.स.स.र् स.स. म्बर्स्य वर्षे प्रत्ये दर्भेत् गुरम्बर् यः द्रेत्य देश मुन सः स्वास्य सः थिव'हे! सूद य'वे'द्रेश यें'द्रेश यें मल्द्र'द्र' व्ये य'न्वे। दे'लस ह्मां पारी अप वर्षे या ने भारता भारता भारता है। इस मी लिय वर है। वेर प मिट्टेन'र्ले दुर्ग सर्'र्मा यर देश महे नर्ट्स में यस ख्रेन य कुर मे तहर यर विद्युद्ध यदी दिहें के या विदेश देश देश देश देश वर हैं न या की ही। यहेब र माल र र ना भार स्थार हर गर बुद्र'यशः स्र्रा ६ स्रर'गुर'रु हें ने रे दे ले भ' बु म दे व हेन' य स्नि ध ध म हेंने महर्ते। देव लेश नुःम हे माञ्चमारा अर्थमारा मार्थे। अर्थ ५४:५४: नु चन्द्र प लेख नु च के व्यव न र में भेट खब की र द हैन मुख के हर के विर.तर.वर्धाराह्येत माचीटक जासूबीसत्तावीट चीक विर.तर.रे.वेश क.रे.ह .. विर्चर क्षेत्र वें। नाय है चर्राचर विराधर कर्राय रे सारे सारे हिरा वर्गी हे है माट य इ दर पर केंब लेख हैं न य स्वीस प्र विकर पर हेद ही। मिं के हेरे दे हमा वसा वहना या विशायाना वा लेरे या है ता वर्षेश वा सेर यस त्रिष्यायाः वर्षे वेशि दे 'वर् 'वर् 'वर 'वर्षेष्ठ वर 'वर्षेष्ठ वे लेश' मुप्य के 'वर्षे प स्वासायर महिनाय मार प्रमान दे प्राच के वर वह महिन पर से हैं ... वश्चरःही लेश मु नवरे हें वही लंब कर क्र के अद के के प

निह्नात्मास्त्रं न्यान्त्रंस्य पासेन्यसायह्नायाः वतः वेन्यस्य पदे हिन्या । दे हेर्दे ना हुन्य नहिना रट लेश नु न या स् नाय या झूं स सी। स्मिश्नाना व रर् ना हो। व व व क्या ना के क्या रहा स्वर्गान रहे ता पूर्न प्रवास मीटश का.सूचीश.तषु.व. २८.तपु. ११ श.४८.केश.त. ११ मीट्री। MEN. मिस. तर्र. व. वेस व. ज. स्वीश व. च डेचेश. ज. स्वीश. तर्र. व रच. हेर. वर्र. लुर. स्वी र्दे नहेन ने अ ४ ६ र भेर ५ र म ले ४ न न र है न ४ न हेन म ब.स्ट नहुः मक्ष्य. १४ .दे में अप्तर्थ १४ .दे में अप्तर्थ में में भिन्न हैं रामी **ऀ ढ़ऀॱढ़**ॹॱॻॣ**॒ढ़ॺॱॵढ़ॱय़२फ़ॱढ़ॏ**ॹॱय़ॖॖॱय़ॱढ़ऀॱय़ॿॣॗय़ॱय़ॸॱय़ॖॱय़ॱ**ॻ**ढ़ॆॻॱॻऻ॔ ॔ **५५**ॱय**े**ॱखुअॱ७४ॱमःप्येदः ५े 'बे्बः नुःच दे 'माॐबः ५ २ ।। <u> a製む.おか.â.む.</u> र्दः या वर्षेश दश रदः वही । मी मा द कैंन थ प्या र से सस है। ्म्प्र**ाश्चाद्धाः इत्या**चरः म्ब्रुना चर्त्रे के रहेन महिमा यद्ये ध्युत्या हत्रः के राह्यः ध्युत्रा हत्रः । क्रेर.लुब.नर्.ह्रेर.स्रा वसीय.तर.वे.च.चक्रेश.व ल.चक्र्य.वश. विव.तर ह्रेर. यः **अ'र्अ**न् श्र-सः प्रेबः ब्रॅं लेश मु:वः बे र्वे श्र १८ र पर्यः प्रुवः उवर प्रुवः वर र १ वर्गः याय र्वे शर्द्रपदे मुं सर्व कर्मी वियाय स्वेदाया रे.पर्.ज.भूर.त. े दे दिर दे मिय वर निरावदे और में नासाय हिर वर्ष्य व हैर ने वहर व प्येत है। ्र न्वान् प्रते **क्वा** क्वा क्वा चारे खेर हो। ह्वा नहेना पर्वे खान कर क्षेत्र बेहा 3.43.894.44.92.4.5.8.844.48.48.48.5.0.E.54. Barax.34... या में द्रमेनाम य प्रेश्नी। वनायाय द्रमेनामाया प्रेश्नम देनामारी द्र् ୕୕୴ୢଌ୕**୴**୕୕ୣୣ୷୰୷ୠ୶ୣ**୵୵ୖୣ୵**୶ୣଌୄ୕୵ୣ୵୷ୡୄୖ୷୷୷ୠ୶ୣ୵୴୲ୡ୕୴୷୷୷୷୷ୢୖ୷ଽୖଽ୕୕ଢ଼ୢ୶୲

हे हिर होर पायले के न वहाक पर हैं र हिंक के र पाय मारी की। ಬಿಡು. ದ. ५८ मर्ज्जिन्यते समान लेखानु न हो। धुमानहेनाया हर हे**९ प**हेना स्वास्थ्य मारका च**ु च.ज.सूच्या.च**ु.सू.चू.स्य.चूटसा.म.जूर्य.कुर्.गी.कुर.धय.र.ज.स.ट्र.... यदै सं के सं के स्थानी हर् हेर ज़ुर सप होर। वर्जेच रप हामान जार हार हेर लेर हो। स <u> ५२.७४.वे.वरं.भट्.लुश्</u>री। વર્ડેલે.વન્ધર.વ.કુરે.સ.રેરે.નકુ જૈલા.**વર્ય**. हैर हेश न प्रेम ही। रे रे सहित महित महित महित महित हैं लेश न यरे र्रेन र्रो। नाद द्वारेन यह ना हैना नी का प्रायः ठक क्षेत्र सदस लेका सुः या वा শ্বাধারজাবাবপ্রবানারজাবার,জামানীবারাঞ্ধাসুধার 🗼 নাতুনালা र्सेन्स परे सु दस म ते दें नि नि नि परे खु न कर है द स मुन परे खुर हैं। दे বম'ৰ'ল্ল'রমহা'ৡব'ম'ঊহ' এই'ল্রীহ'ল্ল'হ'বন'র'হা'ব্র'ন্থ'ম'তর'৸৾র'ই'''' <u> लेश.च.च.च.च्या.तप्र धत्र च.चा. काश्वारा, चुनाच.च.च.चीच च.कुच च.कुच.ही</u> पते च दर प्राम्किनात्व स्नाम पते : मु द्रम्म द्रिक स्तर्प पते : सुकार के प्र म् देशहे ने विश्व पर चल्न पर चल्ला पर चला पर क्षय य.ज.स्वास य.३.चर दे ब्रेट्.तश.स्.। स.चीच.च.ज.स्वास.च.रट.एस. वि.च.ज.सून्।स.चटु.स्रेश बु.चीच.त.ज.स्रेचि.त.मिबेट ह्रा। भ.मीच.तर.लट. वयान हिन्दर न में नर ने नर प्रेश ग्रेट म.पींद. त फ. श्र्योश. तपु. चिंदि. पर्दे वोश र. लू रे. ७ थी वि. च. स्. ग. र. स.

्र्रायदे खेराबर्रायदे र्र्याक्रिं क्रिक्रिक्ष है। विश्व द्वार्थ स लेब चाया स्वास चर्रा सु स्वा चा व दद चरे खेर व दर चरी। देव कर लेब याने खेर नहिमाया स्मार यहे झा अदा धेर हैं। दे महेद नुष्ट सान्सासा लेक व.ज.ज्यांश्चांश.चंतु.सी.ट्रं.चेट्टचे.चंतु.लेज.वर.लोर.व.लंट.वंश चेट्रा.श रूपे. यर'बर्द्र'डेट्र' इस'म्ट्रिस'धिर'इ अट्रार्द्र'इन्द्र'यदे'ख्याउर'धेर'य दे: षुर क देश या केर गुर थी शक्त कर माल र इस यर मारे द यर हेर मःलुके क्र ब्रिम.चे च.चे क्र्या करे है जा क्या चर नावेश राष्ट्र क्र क्र क्र ही .चर चुेदायाध्येदार्दे लेबानु नते देवादी। देख्या वानुसाय हाराया लेबानु न पर्. केंग्रे. तपु श्रेम. वेश. व.ज. त्यं . यंप्रे. वंप्रे. व. हुर . ज. स् गरा . श्रेटश. ४ हर द्रश्रयर लेश-तुःच के दे मिंक के द्राप्त के दे । कि का वा मिक के ने दे के के के का वा मिक के के के के के के के मिर.तर.चलर.सूट.व.र.। श्र.सूट.व.रच.चुम श्र्रा से.उर्.पह्स. मान्ना हें सामु न है मुका वा वा स्वास चारी सुर्वे। दे है ना मुनास वा स्वास यद्र.कूर्यकाताक्ष्याकाता नहा तमा वेद्याता क्षेत्र हर लहा यर नु वदे सुर रु वहर नुषाय भेर सी। अर भना हर सी हा हर है स र्भ र है। दे बैं ह्र- विम्बान है। य हैं दे हों। को कें कें- देश य बैं देन असेना ने इस पर वेशन ने र नर वृश्न व भेर मा र ने दे हैं दे से पर वेश म ने र यर कुषाय भेव वी। दे विविद् नु विविद न्या नी सा अद र दानी देश यर के यात्मायक्ष्मायक् नरःर्गा दे.पंचेंशःभभेटशःगःखेशःयःतःश्चोंशःयःत्रो येथःनदः **२व्वेचस.कर्.**चाञ्चबास.ज. श्र्यां**स.ट्.रवा.च्ं.पचस.**वे. ऋष्ट्रस.च.चाद.जूर रेष्ट्राची.... भुष.त.हो रुंट.ज.सूर्यमा.वर्.रचेत्र.वर्रे.ची.व्यव्यक्ष.ज.सूर्यमा.ट.ट्र.क्रम. मार्डिर्यामादाधीर्यादेश्य प्रह्मायर प्रह्मायर प्रमुद्रार्था देहेर् देह्र न्'स'लेस'नु'न'म'र्स्नास'नस'नस्न नर्दे न्'द्रा हिन्द्रा हिस'नु'स'र्प्य न'प्पट' कुं चित्रवार रट. हैं .व. स्वार तर हस .ल्र .व. लट हो। वाय हे .वस दाय स्चित्रात्तर्भे क्ष्मित्राचानह्र्याचान्त्रेत्तात्रात्राचान्त्राच्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा लुब.तर्. ब्रैस. थूबा.चा दुवा.तर. थ्रा.पवीर. स्. खे.वी वाञ्च वाश्वास.प्र. श्रंच श्र रा. <u>बुंश,नै,न ज.शूर्यकारा श्रूंश है।</u> चिंड्यंश,ज.शूर्यकाराजु टर्या.हेर.सैज. रे.वैट.च हेरे लुब.चर् होता विवास.ज.स्वास चार्.पट च हेर छव मी.वेस. माध्यम् निष्य केर साधिशयारे हिम्मा हिं वें केर केर के प्रवेश म.क्बं.लुरं बुं. खेश वि.कुचे.ट्रॉर. चेश.चंट्र.श्रेस उच्य वे भूच ज. स्योकात्तव, में भातर पुषाता हैरे तर अभ्ये १३८ वर भी स् स्राह्य तर हिया तर हेरे. र्श्वेदः व नार त्येश्वर दे वहेंद्र चरे द्रार दुवा नार वा व्यर् च दे द्रवा के दे व श्वेद व वा वा इन हैना नुमायदे ज्ञान्ति मनुन यामेरायदे कुरारी रेनामा स्वामाया दिनामा नहेंद्र पर के कुर के नाम नहेंद्र पर के द पर के मार्थित के कि प्राप्त के कि प्राप्त कि पर चुद्दान्याया स्त्रीयायाय चुद्दासा स्वर्धायायाया चुद्दारा स्वर्धायायाया चुद्दा त.लुब.तुर क्रुंस.स्रा देत्र विदःवर भ्रःब्रेंट वत्र क्रेंब्र ब्रुंब क्रेंब्र वे क्रेंब्र वे क्रेंब्र वे क्रेंब्र

रु.पुट.मु.मु.र्रे.ल्ट्श.शे.म मिटश.त.चट लुय.त.ट्.ज मुट.च.चट मे ह्र.तर. नुन्याक्षेत्र यत्रे सुन्य मेटा म्यामेटा भेता त्रा ले यानु या ना ने यत्र राष्ट्र प्रमा नित्रम्ब दट र्क्ष्म्य या ह्रद् नेद रवदे लेख नु न या स्रेम्य पर या मु मु दे रद ने १६८ तर में मुंद पर भी के ला के निया पर में में हैं हैं र पार्य में। येशन्तर से.लट.येशन्तर विर.वर.ज. चर्स्य वंशर्चन ह्रं तर हेरे. वर हेरे. वर हेरे देवें सुर रेन्सा दर केंन्स व वहूर नुर वये लेस मु व य माड्यारा ता स्यूचीरा तपु . सूचीरा ता वर्ष ता नर्खेरा रहा । র্যবাধানা শ্রীমানী। भेदामी र्द्धेन्यायमे प्रदेशम् वर्षायस्य देशा भेदाद्वे लेखा मुख्य के हिंदी <u>दे.७ूर.मु.द्वैर.चा9वाश्व.ल.सूर्यश्व.तदु.</u>कूर्यश्व.तदु.सू.७ूर.टा.चावु.सर्वेर.त् यर रूर प्रत्र वेद के लेख पर्द पर्द स्र देख लेख नु व व सन्धा । क्षेत्र के लेख व रदःयात्मावक्षेत्रावस गुदःदेनामाहिद्यायाः वदेदःय हेदःद्रावदेदः दे लेवा वसा यदै-द्ध-वहूर्-व दे लट. दुश-वि.च. श्राम्य व रहीं स.चे। वार्य र. म. श्राम्य तपु.चोदस्.औतस्.२५.ची.चोडचोश्र.ज.स्.चं.स.त.चेथः चपु.दैधःतर.चोदशःचादुः हुचीका सप् विदेशसरा है जा चर्चे का बेका ये का महिरी ना लोबा है। ব্যথা এই. मानुमायामाओकापराइमायरायवदायाक्ष्रायरे कुरार्या दे क्षेत्रमायरे **बिर.तर.क्षक.भु.सूर.पक.**बुकाचि.च.च.हुचेका हूरे.चर.बुटे.चरु.वेकाचढु झै... देशक्रियाम् पर्दे मिन् पर क्षा के क्षेट्र प्रमा क्षेत्र का पर्दे मिन् पर होने पर चे**द्राय नासेर अस नुसाम अर्सेनास पर्दे दे द्रन** द्रा ह्रिक छैन नाहि सहक पर्हेद . कूर्यास.चर्र.सॅ.राधमश.वर.क्र्याश.वर्ष विर.तर ए.चर्ड्स.वस. รู คฐร รั้แ

रेनारा में ह्मर त्युर रसा वर्ष है साथे वर्ष के वर्ष वर्ष पर दे ह्म के दसाय मार्डेश.टे. ब्रेश.च.च.म. श्रुमा.च. श्रुमा.च. श्रुमा.च. १८.ची. क्रुमा.च. १४. व. च. च. स् **बेस'मु'न'कै'म्बिम्स'न्ट'र्टे'न्ट'र्स्'अ'र्स्मस'न'व्यक्संस्यार्स्स** না**ঙুবা.ব.জ.পেट.**না§ৰাপ্যজ.সূ.বাপ নতু.স্থ্য.ব ইবা.ব.সু.সূ.ব. কুবাপ্য.বতু ব**র্**বা केन'स'र्भेर'यरे हस्र'यात्वन्यां केन्द्रम्यायायार्थेन्याकेन्सा धेराही। वन्द खुना-मो-खुंस-चे.च-द्रे-चेश-च,ज.स्च्या स्वर्गा लिय-मी-विद.तर ज.चर्ड्स. **दशः देशः नुः नः देः रूटः** मीः र्क्षेण्यः नः उदः तः नर्द्ध्यः दशः र्क्षेण्यः सर्वः स्तु दे हरः ने देनेः কুনাধানতু, ম.বে. ল.বর্ষ থবা পুনাবতে, শ্লী, ২০. পুনাবত, ব. ২২.৮. র্ষ্ बरा रेनारा मुं भू रेनारा नहीं ना है दें के रेनारा नहीं नारा नहीं नारा बुर्-चर्-मूं दश्स्। चडिनाश.ज.श्चीश.व.र.र.रेन.मूं.श्र् श्र्राट्श.चर्. वैश. वर् . विर तर . वु. पर्यंश . वी श्रेमा. ची . वेश तर . पुंशा तर ही . वा श्र्माश त. दे. देना. য়ৣয়ৼ৻ঢ়য়৻য়ঢ়ৢ৻ঢ়ৣ৻য়ৣ৽ঀয়৻য়ঢ়ৢ৻য়ঀয়৻য়৻য়৾য়য়য়৸য়ৣ৽ঢ়৴৻য়৻ৼয়য়৻ঀ৾৻ড়৽ हु.शूर्.रे.चिडियो**स.ज.शू**र्यश्चर के ज.पहूर्य सर.वेश.चर.हे्य.च.टु. श्चेर-दु-तुम्भ-य-रे-माह्यमास-स-स्यास-य-लेस-वहर् र्। रे-१०-१-सम-यर-चि.चपु.बुर.स्री विभाताजासूचीमात बुमाचि.वाजाजासूच सात सूसारी चित्रा **त. श्र्मेश. पर्र. पर्**ची. केरे. चीट. ज. श्रमेश. ची. केश चर. पुंश च. ज श्रमेश. पर्य प्रचेश व्यव वु क् क्रिटेक प व्यून प दे क्षन है का वु क् है न महे पन्न हैन कर

में न्ना यस नहेना से द द प्रुट न यस नु सि द र स् यदे देव दे। प्यदायाकेट. भीका विवादा प्रवेदाया दे. देट. प्रचाया च. वे. स. प्रवेश प्रचेश चे. <u> ३५.लब.तर किश्रामुं त.लुब.त.ट्र.केर.वी</u> विव.तर.वुट.व.प्यापाव.ट्यूफ. मर्देश दे के सं प्ये र दे स्मार में द्वा मा प्यार विश्व मु मा से साम है स भैना ने स इस पर के साया था स्नि साया सेन पा सेन पा हैन न कर वे स परे हिर में। मस्य दे मुस्य मुख्य साम्प्रदे नम् दे दे स्वाप्त मान्य दे स्वाप्त मान्य स्वाप्त मान्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स न.है। ियवैट.व क्षशास.ब्रैश.रट.वर.वर.कर.लट.वे.चच.भुर.त.हेर.ग्री. क्षेरार्सा वशुरावा वे वर्त्रावावशुरावाष्ट्ररायरा सेरायरा उदाराना रेसा हेरा निवेद न्'विद्वार व रहती स्वद रहेना नेन्'या नावस साम नावर या नहें स दश रहे सा मी इस यर नेस य ने दें ले वा दे दे में र दे र में र म यले र दे व न व्यामी नार्यास्य माल्राप्ता गुद्द लेखा अः माल्राप्ता ध्री स्यामी संस्था धरा नर वेर्ताबुशायी.वर्ष्ट्रीयाही स्वर्धास्त्रवस्तात्वीयावर्षात्वयाची क्षेश्यते: क्षेत्रः द्याः विवासः विद्यायः द्यायः द्याः याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्य स्रमानु अदे नर्गा हेर कर भेराओं। का पहेर या या स्वासाय रे हुर में बेस चि.च.इ.चडिच.प.रट.जवैद.वर.इ.घल ग्रेशल् शासी चंद्र.पर्.स्रेर.चेद्रचाता. इ**यम.ग्रेश.र्ट्स.तर.इनाश.तभ.ल**्य.त्री. स्प्रम पर्र.स्थ.षु स्प्रम पहुनम पहुनमा माय स्वासामाना नाया हे हैं सम्बाह्म से वि ले से मार के वि स्वासामा तार्थभात्तरः चेश्वात्तः चोद्धनाता व्यवाता स्त्रेत्रः ता स्त्रेत् की खेश की वाता स्त्रेत्रः वा स्त्रेत्रः यदे लुक कर है महर वहर वहर कर हैं लुक निक के कि वर हैं। निक भ्रवशासु भद्र वित् वर मोर नु वर कुष वा सेर वा कर वार केर वा रे हैं के देर रवि केर र अर्द्व यर दर्द य भेव वा र म में र मुद्द य ता में र में का क्व मी मुं कुर मुक्त वियाय प्येत या दे द्रायम्य या अदा दे मा अता येते मुक्ति है र अता च.टे.केर.व.विय.तर.ट्रेट.च.रचाम.च.टभुचस.चर्। वैर.चर्र.चर्र. भनमण्णे मिर्त्यर र्टर्ज्यर मिर्म्यर प्रमायर मेश ताम स्रित्य लेश यात्र है स्थार है । श्र्वास.चर्.स्रीस.धु.भ्रचा.ज.म्बास.चर्.थ्याचर.चेस.च.चविट.ट्र.। ब्रेस.ब्रेट.चर.ब्रेट चर.बिट.चर.ब्रट.चर.ब्रंस.वे.च.३.ब्रेस.ब्रेट. वर.व्रेट.त्यू..... रदःचलेषादे त्यसः विदायरामेदायात्रवृदायये वद्या केदावेशानु वदा हुरासी । बर व विव वर देर व में रसे नाम वर्षे। हे बर नहिन ने मुं मर्द्व हैं लेब.च.खेब.चे.च.ब.कुं.चेट.च.कूंब.ब.चचेट-च.बब.चेट्च.ची.ची.ची.भञ्च कुं.चड्च.ची.ची. मु मक्त रें। है अर रें चतर पर में स्मिर लेक ने न है। बर.रंभ.तर.पुंबात.भट.त्बारपितैट.यष्ट.स्र्रि.मीबर.हे। रवेबास.पवैट.य. निहन केर कर देन के में रिन देर प्रमुद्द री। नाय है प्रमुद्द न मद भर क्रिया । मदः व क्रित् मु स्तर् क्रिया मा क्रिया में देश के द्वया मा व व या व द्या क्रिन्महिनात्म नव्दि च स्पर्यं च के मार्थि में मी स्पर्यो स्पर्यो में में महिन के महिन के महिन के महिन के महिन र्भेद र् दे दे मेर दे म लिना नी कें द्वनास प्रमुद्दान सद सं ही नर द्वन र हो। दे खुर र हेन र इस यर 'मेश'य'सद'र्ये 'भ्रतुद'यर'प्रसुर'य'हेर'प्येर'र्वे 'ले'ला हिन्ने 'सेर'रद'रेर'

मेन नरे नुस कन देट नेस न देश है। रामि रिन्स में निस मानिन मार्के रहारे मार्का से स्वर्ता महासार्थे दाय दे स्म दे स्मर् छेरा नुर्देश मादमी कें लेश मु न ता वा की ना प्रतास कर ने कि ने मार माह के ना कि ना ल्र.म.भ.लू ४.बुझ.चे.च.दु.चेर.चेठुच.ज.रच.जम.च रू.रचेचेश ४ वैर.च.रू.भ. - भॅर्न यामाध्येताहे। वहेनाहेतायार्ज्यामहास्थाने यदे हेरार्गा महारेता ब्रायदाय हैना हे वास्त्रा मुवाय भेवाय है ख्राव यह पासे दारी यास या रना पते रवनास प्रवृद्धान अदारे दे रे के पर मेन पते मुं स स्पेर है। मुर नावन mरमालमायादे कुरार्टा प्रमेलायहे हे पर लेदा हेर से उटा यहे हीरार्टी। **रे.के.स.लुश्च.च.रवे५** पर्वेट.व.रे.ब्र.रे.लश चिषयातातास प्राप्तास पार्च रवे५. त्रुट्यान:न्द्रत्त्र नदेखास्य मेर्नुन्यास्याः सक्तिनु व्युद्धिः हे। हे नरः नशाने विनामिलनाम् विनानम् विनानम् विनानम् विकारमः हुन भानाद्यता.ज.स.र.र.तायश.च.र.वीयास.परीं: त भक्ष्य सर.हेर.की.वार्यता. खुत्माच**रदायात्मान्याच** र्रम्यायायायायाय्येत्वी। दे न्यादाखुयाञ्च र्रेम्यायाः द्यं में द्विनास द्विदः च द्वा के सद देवा स नहिना स संद स्वा स स्वा हे लेसा हेर्नाश्चर र त्मुर र्रो। दे हे सुय मार्दर य लेखा छ य सेन्स य स्रेंस से।। महन् महन् कर्द के अदा क्षा पर वेश पर हो द्युर हो लेख मुन के नहन मे **ঐটি:গ্রীব বর্রদার** বরুল বার্মানন নিমানতী ক্রাজীর নার বিষ্ণার বর্ণ দ্রী 🚮 कें प्येत यादे खरादेश यादे या हिंद वदे प्येत यर वह यर मुर्वे। दरे र वा मिं व्याच्ह्रदाया हा नुव्र लेखानाय है असस सुर हिंदा यह यह यह कर दिया । सुवा

मु दमान कर हिराम स्वाहा पर विष्ठ पर पहुर पर हिर में हुर है। रहाने हुँर ल.लट. के. पर हींर. प. देशक चाटुची केर. स. लेक. वंसा वर चेका स. चीटुची. ผ**พ.ล.२८.ศ. भू८. १५.५.५.** १। व.२८.स.५.४.४भ.तर.पुरू.स.स.स.१८. १ नुसायरासीय नुरारी। देपसादाने करा हुँ राया देखा दर्गायरासी विश्वार हैं ले'व। नहेंद्र पान्द्रीत्माद्यसानु नासलानाद्दंसार्यरानुरायानाहेना सहेंद्रानु चैशार्यमा सर् ११ क्या पर अधि १६ म्या पर १ स्था मा छ । स्था पर मा स्था पर १ स्या पर १ स्था पर १ स्या पर १ स्था पर १ स स'प्येद'द्र| नार'मीश्र'द'श'द्रद'श'द्रद'श'द्र'शेद्र'यदे दुर्गेद'यदहुना'यर'द्रमुद्र। तें ब जीत के तम हैं से मार्थ से देश सम है देश मार्थ मार्थ से हैं। विश्व से वे कुं तु अ यस त्रुट पर मुर या के देश अस यह राय वित र दिसा पर मार्थ डरापुर रो। देख्र दान्य हे सेना दस यार ना अश्वर व देवे देवे दस पर चुंस.तर.चैर.चउभा विश्वचारा.व्रथ जरूचे.जश.च.ट्रंट्रे.श्रे हिंदर.भूचे. मी अर हैन स महिसाय से नार्ड स नीस है रर त्येत य उत्तर मा ৾*৽ৠ*৴৽৽ৢঀ৾৻য়৾৻৸ঀঀ৾৸য়৽৻ঽয়৾৻য়ৣ৾৽ৡ৾৻৸ৼ৾৻ড়৾৽য়ৼ৻ড়৾৽৻য়ৣ৽ঢ়ৢ৾ঀয়৻৸ড়৾৻৸ৼ৾য়৻ড়৾ৼ৻৸৽ माने विस्तर माना विश्वाय दे । अदा श्री राजी हे वीश तर है । विर्मा के दे वीश तर है । विस्तर के वि <u>त्रचुर र्रे । रे 'नम व पर्रेर भेर्</u>न (या हेर्न या भार हेर या भार हेर या भार हेर या भार हेर या भार व विसार्देन्सामर'वर्गा नामनी'कुर मेगाथस'देसाम रेखियाहर केनिप्रा लीतात्रक चीक्रतात्त्र देश त्र द्वा वर देविक र दे देश तर े**न्यायते प्येन् या होन्यार्य स**ायान ना याया या या **म ने** न्याया च या प्रमालित होना स्थार रत्यबेद्देद्दर्भ भ्रि.च.र्देद्र, स्त्रुर्भ क्षेत्र, रत्य बाह्य स्तर्भ भ्रेत्र, यस

ग्रद्भावश्चेत्रयाधिक्षात्रम् इत्राह्म सराम् व कि व दे हे द्राह्म दे वा व कि व दे हे द्राह्म दे वा व य'मार'भेर' स'तरे दिर'तरे केर के वर ब्रिंग्वर मिर पर भेर वे बेश मु न परे भेजा नायाने क्रिनाया देवका नर्देका या हेन क्रेन या क्षेत्र माये होन है हिए वा न स्कानु हुन लाय खे.वा र्स्ना सर क्षा पर ह्या पर हे बार हे का पर जेश पर प्राय हा ने विद्य स च थिद लेस सु लिना झु द्र गाद मु दु स यस से हो स दे द द द मु र यदे र द मी मर्जन केन कर की निर्देश यें नाट प्रेश व निर्देश में नाय है निर्देश की सामित कर के निर्देश की सामित कर की सामित श्चिमायायेत्र यादे स्मर दारे हिराव समा वाये में वहा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षेत्र वामर प्राप्त म्रें में र विना नवना में दिश्व हर में इस सर में शर्य हेरा है हैर से मेर य लेश'मु'राजे हेस'सु'मुद्दात दे'से'नासय'यर'द्रमुद रें। दे'सूर दक्सपर प्रेस त. शु. चोलक. चतु. के श. रंभ तर ने स. व. हूं र. दे. चोलक. च. हो। , रंश वर ने जुंस वर मार्थ बुसामी क्यानर क्यान रेट ह्या शिय शिय शेर प्राप्त है त्यं है . प्राप्त है . प्राप्त है . प्राप्त है . प्राप्त है श्वरःह्या स्वासद्धास्त्र स्वासत्त्र नामः द्वेषाने द्यापर विश्वर निहिस्स सत्त्र मर्जा देवे देवे कुर्द न्य व के दे ले य व व व माद ले न है स सु समु र त.रेट.। इशि भु.भरीय त.इस शि.पुर.त.रु.धु.मी.लूय का चोट.चुश इस.शि.रेश. मंद्राच्यावादाक्षुं वरामित्वीर हिर। मान्यावस ही वरावनाराव ह्या श्रात्रेशकार्स्याशासर्. संश्रायी क्षेत्रेश के वैद् एका ये. ना की विश्वायी संस्थित **पर नु व अ द**िंश **द**र कुं ता दे हें गुरु धर नु व व ते द वे प्येद है। श.जूब.पा.

नु प्यत्र पा भेर देश क्षेत्र पर के नेद या अपने पेर अद्या शास्त्र मा देश में बरा **ୢୖ**୰୕ଽ**୕୵୶**ଵୖୣ୶୴ଽୖ୴୶୕ଌ୕ୖୣଽ୴ଈୄୄୠୣଽ୕୵ଽୖ୶ୣଽ୰ଊ୶ୖୣ୶୕ୖୢ୶ଈୢୠ୕ଽ୴ଵୖ୕୷ୡୢୡ୶ यत श्रुद्र (४५ में) मि. यते, वस्तावर्ता वाम. हे. खेश है. संसंसंग्रे, खेश वे. व. स. र्सेन्थायस्य न्वत्र मु १ दर्दे देवे देन्य स्यान्य स्यान स्थान स्था र् । भरे प्रशाद द्वारा मार्के मा मा अदा द्वान्य प्राप्त द्वासाय र हु प्रशाद र हु पर से प्राप्त । देवे.लग्नम्ने विक्रित्रकेश मुन्न के ब्रुश्चरान्ते। दे हे न से से र शेमस নাধ্ধানত্ত্র, দী, লগ্ন পর্ত, মৌ, জাড়ার, বা, লাগ্র্য, নগ্ন, প্রস্কর, নগ্ন, দী, লগ্ন্য, केर कथा मुन्य है के र केर पदे मक्द केर हो। हे हर द रे है न पर्दे य दायाया व मेर दे लेख नु न दे म मेरे हा मार्व र मार्व र मेर् मार्व न मार्व र मुरा दर्भामा माने भी महर हिं मु त्यर हेन हर्र हेम हर्र हेम सामि त श्रुंबर्देख्या लेखान्य के प्रवाय न सेर् न पर्दे पर्दे प्रवाय लेगा यहा ही। रदः नविष्यं दर्भाराम्याम् विष्यं नुभव केनाम् केराये केराये हिराया म.रेट. दी.भर्ट. भी.भष्ट्रे. कि.मोष्ट्र बा क्रेट.ला रे.ज् श्रेश.रे. नश्रमश्र मंजूरि. क्षां इत्र स मुनाय प्रेन दें लेख नियन है। हैं सकेन स्निन के नाम हैं से वे दें वे के क्षा હ્યું.ત્યું હુંદ્ર, કું.જાજું કં.જાજું તાલા કું હું તાલા કું તે કું તાલા કો. કું તાલા કો. કે.જો. તાલા કો. જે. पते क्लिंब्स र्के भ उद्गम् १ वर्ष प्रमान भी में है। महिमा या स्मान प्रमान के निर्मा

स्रेर दें। वान्य नालन नु न्यूर यानन नाय गुर लेख नु न ने निर्मे केर गु केर दः वि दर्। द्वराम द्वम वर देश वर प्रेम वि वा मार्थिय वा मार्थ प्रति वा नि मार्थि। दे वास माल्य या वे द्वार यो वास अद् केन माम वे या या अर्व या अर्व या पत्रि पत्र रद्भ विद्यास्य मिल दाकेदाय मु नस्दर्भ में के सार्श्वेश स्त्रा। विस्रानु नाद मुर मुंबार वावर र रेवार पायर में वित्र ने वित्र हैर से सर् सर्र पर बु.पर्टर.पट्य क्षेत्र सम ना विषय कुर वर्ष्मियश.तर ये.व.जा पर्वीर.व.भर्त्र खुर. ७ स.चे.च.चे.चहेर त.रू.स.हींस.त.हो। टे.र्थ.७ च.चहेर.ची.चेश.चर.रू.स. ले दे लेश न नदे र्रे हो। मलक के हर लट मे उट हे लेस न नर इस चर यहर दश पर्टेर सर चेर हो पर मेह हैर रहा यह ग के स्थाप विकास हैर के स्थाप विकास हैर है। नम्बः चैदःपमः नत्रामः वना पदे हुदः मीसः देनम दे हरः अटः मे दि दे देशः नः यते देव हों। मानसः यार्चे वाचार्वा दान्य सेन यते हीर रूट विवेशनु सुराय की र बिरायक क्षेत्र सन्तर पर पर प्राचिर मुरायक अवश की हिरायर पर से वि मा मार्स्स्र मालेश मितर क्रिन हमा सर हिर हो। यात्र हे खरा सर हे हि व लेश में मान मार्श्वर वशार्व वर्ष्म्य वरायाय हूट वार्रेट राया शाया तर्राया करें 'র্ভিত্র'শ্বর'র বাহার মত্র'র ব্র'র মত্র' শ্রু'ম ক্রর্র'র শ্রহমধ্য শ্রুর্র ব ম ত্রার ন্রী । त्र्यादास्य केर तथा द्वार व समस प्रमुद्द व स्थेय व ले व दवर व समस व दर् ्रदर खेद से दे हैं से वा संगुधाया सामहिंगुसाय। मार्से ये दे खेश द्रवर ये दे ्यर्मा हैर उद हैर प्रमुर न हैर भेद पर हैर हैं। नाय हे है सम र है मालुद्र'यस'न्यदःयें यस'रेना मुदे 'यहना हैन 'ठह मुते 'श्रुधः नालह स्पेर् यास सेह

य:दे:दे:दे:दे:त्रापटः। वदे:भदःदे:देवटः व्याप्तवः वद्दाः सः वद्देशः नः अः १८ अरे भे ला स्वीधारा सिर्मा पते । समा स्वीधारा भी भी से सिर्मा पति । यर मुर्देश निमार विस्तर में मुर्देश में में मुर्देश में में मुर्देश में मुर्देश में मुर्देश में मुर्दे न्नर में न्ना दे अ प्येद दे विश्व नु न न्नर प्यश्च प्रेद ने नश्च देव गुर शेद में दे हैं म् ल श्र्वामान्त्र मक्षराक्षेट्रप्तरायं वर्षामान्त्रता मील्यरायराप्तीरामारायी इसायर हैंनायायरीयाष्ट्र सायहैकानुष्यायरायनुरालेसान याक सर्पिक वें। रेते हिस सुरत्यत्स वसायम्यायायायात्रत्री अत्र न्वतार्यात् साहिना उर वया বম বেলুম র্ম বি বম মী স্থান প্র মাবলীর বু লি মার ব দী লি স্থম স্থান रेमामेर्यायात्रवात्रमायरानेमायाक्षीत्र स्वत्रात्र विमाउरामायीत्रवृता यर प्रचीर बुंश हर यथेर य रहावर वर विशावशार्यहर में हैं। य के वे खत यर विद्युर हो। दे वस व हैना हर द्वार हो दु स विद्युर पर विद्युर हो बेस नु व दे ह्यानी, ट्रंब्रेज्युब्रेब्र्ड्यावयायर प्रचीर हू ब्रेश्राचित्वापचींत्रासायश विदायायहः.. मा**बुदायदेये मा**बुदामा इतायरा चायते देवे की विकार प्रसार के सामे दाय स्वीता स्वीता प्रसार के साम स्वीता स् स्थान्तर्रे, मर्त्र, प्रमाष्ट्रम पर मीर पर । ये पर प्रमाण स्वास ना स्वास ना म ्रवद व विषायर विचीर वह हीर हा साम हिंदा रे हिंदा रे विचीर हो। हे रेना स लब.जन.कब.मी इस.चकुन.कुन.लुब.क्या कु.र्जास.रन.क्य.चर.सु.न.जूर. म्मादान से लिना निहन है साधिन है है निमाना हैन सके खुर सी ु हु से हैं निस्साहै रे रे मु भेर नमा वर्त हे केंन्स य भेर मार ना केंन्स रह में प्रश्ति रवह में

ह्मद्र मेद याउदार् विकासमायम् विकास माना विक लट.१८.म.भ.१८.५.लट.५१८.स. श्रु.पर.भ्र.७मुर. विटा। के.पर.श्रुर. यपु.विर.वर.क्ट.वर्षेत्र.वर.वेष्ट्र. वृष्टाचि.व.ज.सूच्यावरु ध्रुष्ट्र.ह. हर लूर्.त. प्रवेर.ये.वहर्यम.वेर्ते अस.ग्री.पर्वेद.पर्य.वे.रेट.वम.वप्र हीम.वेस. चै.य.जा अस.ग्रै.चरचा.कुर. बय.ग्री.चवैट.च.चट.लुय.च.ट्र.कुर.म्री.लुय. या देन्द्राञ्च स्पर्धे र वेश चु न वे स्वा ने देव हो। ही ही ही ही नित्र नुत्र वर्ष्मा यर वर्षे निवर है या दा देश दा वा के वा विवर्ग वर्षे । वर्षे । वर्षे । वर्षे । वर्षे । वर्षे । मुर पासून नेर झन सर जैर पर लेख न न के रमद र्मा सामा मार है समा सर त्रेव लेख न न ता स्त्रेच साथ है । स्वा स्व प्राच स्व पाय स्व प्राच प्रव त लेवा है । सा अ द मु। दे:पश्चिमास्यम् मुरायाद्वीमास्य दिन्यस्य सामित्रं र्या हेद्रमाल्द्रपु अद्देश्यर पर्देर् यदे सुद्धा या माद्रका यहेता सुद्धा सुद् भ्रियर अस्त्र मान्य या क्य मीव्या स्रम् मान्य पा के भ्रम 'पर्नेदे सुकाता नावक पाउन मी सेक्य प्रदार ।। दे ख्रूर व स प्रदेश सदे क्षिया पर्देश दशकीय पर्देश पान्य पर्देश में के मान्य प्राप्त कर की से मान्य के प्राप्त कर मान्य है । मद्रे नर बर्टे नर्जितिश जानीरेश न क्रे. मी. श्रेष्ट है. म. प्ट्र म. न्ट्र म. न्ट्र म. अञ्चलमाल्य द्राक्षेत्रमञ्जूष्य ह्या द्राचा प्रदेश । क्षेत्रस्य नाल्य ह्या सम्बद्धा न्वतुन वृत्तिमान पर्वे। न्येर व वना पर्वे से समा पर्वे हें समस्या की हुर न्दां से स्था निष्मु के अपने प्रति । प . सुरे मी र्रेर में व देर ताल रची लका च केर में का लेव चका थी में व न्दःयत्रे स्वस्याम्बद्धस्य भारकः वे केदाक्षस्य हुर्दः यर विवार यास्य भी रहे ।

रेतर.थ.रच.राष्ट्र,जिनाज चोरम.त.२४ ने्स.ताप्ट्र.जिनाजाःचारम.त १४५ में सुसस. न्दा केट सर्वस्य क्षेट्र य से दाय हुन्यों पर्दे पर है प्रमुद्ध के क्षेत्र मोबर मी. शिकाला चोरका ता कर हिराची र हुचाका शि. पचीर हूर बि. थी हुई हिरा दें अट. स. मुच दा थो दा हें लिस हु : दा क्रिंस है। से अस्य उद ना हैना मी क्रे स्तर Bिट.तर लट केट विषय हेट मार्चीय तप ही होर हा। ड्रेस ही व विषय करें माने मु नु स या से पहुना प्रदे सुर हों। सुराया नात्र मान सामा प्राप्त सुरा लेखानु न वे त्युष यक्षा क्षेत्र या मात्रकाया माटा प्रवास है हिरा । खिसारा ८८.च पा चायसातपुरक्षेत्र खेस चि.चटु.चारय, क्रूनेश **८८:भ मी**य.च.क्रूने... ब्रु. बुरा चि. च. च. च्या च्या है पर है मेर प्रशास नाम्यान है राचणाना बार्विकाहे ब्रहाद्यदार्वि देश्वमायर विषायाद्यदार्वि भावहेव वश ही यह वहिंदी र्वट चे लक्ष वहेत् तका क्षेत्र ते सका वा वहेत्र तक क्षेत्र मका ब्रह्म वा हैराये है। असाने देवे वदना हेद उन भेन वरे छैर हो। दे इर न अस अस अस व.हेर क्षेत्र ब. ब.वा रच च्यू पु. क्षेत्र च चेश्व. व. च्यू श्र. व्याप. स्वाध. यार्झ्सान्। वावर वे.चनेराय हेर् ग्री क्रिंत्सा युसाम संसम वारस यहर् है। हे खे बर बीर पर नाम साया अदावना मारा एके में है। है से बहे के उस हैं। बादी मा भीता मा दे अन बर्किंग प्रांत मा भाग हो। हे अन महेता मा के गार की इटाले.च। तीजा.च.भु.चरमानाजु.होर.ट्. जुश चे.च श्रुंस.स्। ज्याप्टांच कु. **कर्देर**'न'नरेन'म हेर सें'न्यायुवाया केंद्रया नन्याया ने आफ्रेर हो। वेंन् गुड ्राया वहेन न्या हु । व हेरा थे र व्या हे । व्या मान्य के महामानु करा था थे र व्या

लेना देवे क्षेत्रदेश्वर के अर में अर ना अर ना के के के के के के के के हे. विश्व त्रश्च भीश्व त हेर ता. श्रेशश. की. वर्श वर तर्रेर ता. देवे. के। दे. सं. वर्रे इम्रायाक्ष्यम्भी मात्र्यायात्रे स्यास्य सार्वे मुक्तास्य मात्रायात्रायात्रे स्वा दे हे श्चित्र.वे.वेच्य.वे. लुस वे.च.च.स्र्य.च श्चित्र.वे। वे.चस.ये.स्व.वर्. तेस.लेज.वे... चैर.व.जम.वेयवर व.स्ययः श्रेय.व. ७ स ५च.वर्. जिय.ज.च. था.तर.पचीर .. बिदा दे.ज.चार्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्राचावराज्यात्रेटात्रम्थाः हिंदावर् हिंदावर् हिंदावर् मु.मैर.ज.वेट.भञ्चमश्रास्त्र्र.चढा.सेट.भ.ट्रश.चर.७मीट.र्.।। तीज.ज.प.व्र. नर्यान्यं मात्रान्ते त्यस्तित्यरः रे.चे.चर्रः हीरा नायः रे नवदः स्र्रः प्रमीदः च ब.बुबानी व.ज.श्र्याश.व.श्रिश्रा। ्र चेज.टे श्रिश जानवश्वाच.हेट वेणाचा.व. मुन वर हेर्य हर्मा प्रेर मार प्रेर माले वा मुन वर हेर वा प्राप्त लेखा हारा वा श्चिम् व र्श्वम् १ हेद रेपद य ता वाया य ता य स्वाया प्रमा लेख य व व न्द्रमार्च ते वह वह वह क्षेत्र प्रदेश पर दे हुर हे न किन प्रदेश प्रदेश प्रस बिश नं न महर् हे। द्रवह रमश हे हे व्यान विद् र विश न न विश से न से पश महेद नश्रा न न न ने ने ने ने निया महिदा श्रा की देश न ही न न ने न न ने न म्बार्थात्य विश्व तथ हुर्त्ता वर्त्र ने मीर तत्त्र हुर्। हुर् मार्टा हुर प्राप्ति ेग्री'ऑर् '5व' केर' गठव' केंग्रस' धेव' बेट' । ब्रिंट' व' मकेस' च' ता' व' नेंसस' व' व्यद्भावत्यम् उत्राद्भावत्यक्षात्राच्यात्रे द्राये ह्या विश्वात्य विश्वात्यम् द्रायम् द्रायम् त. बुंश. चे. चं चुंद. चेंचा श. जश वांचे १ टे. चेंट. चेंचाश. चांचेश टेट. चोशिष. ज. श्चांश. र्मर्रि।। दे: अद्'र्'न्निल्द्'र्'संनेद'ने। सामद संदर्भ नह रहेंद कर र् । अक्टूट्स दस दर्जे च देस ने जार । निय के प्यक्त च केर मिस द

लट. । विट.चेबंश.चवेर यु.सबूट मु.वेश ॥ खंश शिंश.त.लुव तू।। द्येर द दर्द क्र व्याय स्वाय स्वाय स्वाय दे त्वेय मुक्त के क्र से सबुद य हें दे खे मुश्रायहमायर भेरत्युर पर १ सुर्यो । हे भ्राप्त प्रत्ये सुर्य पुराय लेश चि.च.बु.भक्ट्र.च.पा.स्त्रीस चतु.भक्ष्र.कुर.कब.बु। नालव.रेना.चीश. मि.श.भ.मू च. कुट. तपु. लुट. चडु. च.कुट. बु.टचें ट. चंट्रां। हम. श्रु.कचेंश. त. इटामिट सिंग्नि कुते खुयाय वर्ष्यकाषा द्वारामिट सिंग्नि वाद्याय केरा की वाहारा र्टा रटेज.के.रेट यु.चेशर.श्र्याश.चर्डर हेश.चे च.धु.टेंचा.तर्ज्ञा। रेत्र. रट नी रट मेशाय हैना य दे वलेंब रे अंशस मी वह व य स्वांश य अट सेव रेंबे। द्टिक.क्रे. लट.श्रुर व.धु.रटिक.क्र.धु.उर्ह्र. वर.चे व ट्र.ज.श्री र.चेंबेश.च.चरे.त. मार केंद्र या दे हिंदर या लेखा न पर पहेंद्र हों। है वर दे पर पर पर रे पर रे प्राय นร์ ฐั เร้ารุกาศิพาศัมพานารุกายิพาผูามยู รายราวศิพาลาชีวานารุศา ธิพา चि.वर् . ह्रेरे हे ।। यज्ञान क्रेट्डा त.वर्रा जार वीश भष्टेत्थातर हर . मे. श च्रे.पहचान रट.चमान हेर ग्रेश.विच न.लीराल हे रट.प्नाल व.बे हेर मईटश. मद्रे कर मुः शार्व र पहना मार्डेर लेव पारे खेर वा व मुन पर्मे व सामारेश मा ल.चर्ड्स.वंस विव.तर.चेर.त.वंचल.च.रंभुचंस.त्र्रा। क्रिंस.चंबुंद.रे... न'न्द्रिस न्युंस दस त्कद्रप प्रेम व्या

मु र्लेड नुड नाल्ड प्यट लेख नु न दे द्वार कर्ट चर्ट इंग्रह मा स्वाह वर्षे । यहें प र्षः क्रम्स द्वाया ह्वा स्वास माल्य र्म मी उस र प्राप्त र दे य था द्राप्त्रभावाद्रा र्श्वाभावद्रान्म्भावद्रान्त्रभावद्रान्त्रकात्रा ले'वा प्रवर्त्रां सेस्था क्रिंग गुर्दे 'लेब न न ह्यूंब है। सेस्थ र में दर में था ५६न'च'लेश' न नदे 'दॅर्श रें।। प्येद'में ॐश'न'दे' हिर'पर 'दु'न'नदे 'हैर। न्मसायादे भेर के स्थान मार भेराया नियम दे दे र व हर दे हर व हर दे हैं भेदःगुः रूपं गुः हिदः यरः ग्रेंस्यायाः स् वुर्ते। लेया वुः य देव पर्वे पर्वे पर्वे वर्ते दर मू वास्त्रां वा नुका पर मिन पर लेका नु पर दे हैं। वरे पर दर ह्मना वर्ष्ट्रभारत्ना अर्थे वार्ष्टा। क्षेत्र वदे पाक क्रुं वादी क्रवायाचा सेद या है दा भी दालिया ले इंग्या क्रिं वा सेदाया वि सिर्ट सि व मेर् दा है। - हेतु र्ट ह व रव साम सहदस्य यर रहे मारा पहिन म्वित्यर महित्वस दिर श्रेस च प्येम्ब्री व वर्षी च त्या वर पर मले पार केर क्तर य.लुरे.ब्र्रा १८ १ म.पीर जमा पर्य त्या तपु .सेपीर क्रिया वर्ष .से मक्रायम् । वर्त्ताचात्रायम् यम् वर्त्तेन्यालेस्य प्रायक्तिनान्तान्यम् वर्षन् या वे हिसा सु द्वाना या प्रेरा या देश दस्य पर द्वाद पा वे देवाश पा प्रेर है। हिसा खु-दवना प्रसाद्युद्वद्वद्वद्वर्थकेत् कु खुरान्ति अटाद्युद्वर्थके अवसाम्

'स्पेन'ने 'न्युर्न' स' में 'नुस सुक्ष 'त्युद्र' न 'खन 'खेन ले 'वा रेते सुर 'रे 'लेन खद्र' स्ट.त्. हे.ज.रेश्च बंश.वंश.वंश.वंश.वंश.वं श्रुवंश.वं.जा ्यत्माल्मानु व देतुरामी व द्वतायते । श्वयमाल्मानु व । मिर्टाद्वर न्यूटा यद्माः । लेशनु नदे ह्य दे ह्यूर पदे देव प्येश हो स्वर नी नहर परे हर सार हि हा सार ्लशः चुः न दस्य पर दर्चेद् च कर मी लेश चुः वर देव हो। हे दे दमा प्रवद न्मामाध्येत ले ता ने देर न नग्न नामामाद्यान महिना सह मानि है र मेनामा मानित्र कुर मानित्र विवा मी के प्रह्मा पर प्रमुख र्यो। दे दर वर्ष के पर मित्र है मात्रे हैर से महिसाम उन पहेंदायायेन है। तमान लेंग हे सूर मांमकामा मलेब-र्-देश-म-र्म वनाय-लेन सम्मेहिश-स्य प्रमान हमा-म-र्भेड र्वे लेख. चर्च हो। तर्ने व. प्रचेश वे क्ष तर वे ब. मु लेख. च. च हु में चयु. सक्य. किन वन वेश ने प्रयान्य मुंद्रा लेख नु न वे मुंकिन ने प्रयान या निया मुंद्रा स्थित स्थि मर्चर हैर रट पर्वेया यहे कुं लेश य व के कुं पहेंचे मर्वर हैर रट । हिंग यह य प्रस्थापते मुप्र है से बहेर्गा महास मुर्देश प्रमाय स्पर्य हेश मुप्तर क्रिना इस पर ह्युर हो। कु में हना य लेख सु पर दे रहें। हना य हिर्णि ए यरेंदे कुर में त्युर रें लेस 3 पदे ख़ेंद पद दे पहेंद पर उद् लेस उ प दे। माटलेन'रेस'वनात'व'र्यक्त'य'रे के मुंदिन पर विसुर'व स'र्यक्ते हो। रयर ह . श्री.मी.ज.श्रूचोश.च.के.मेर्ता . खेश मे.च.ज.श्रूचोश नश विव.चर.मेर. ्याद्रश्रेन्थायते क्विंदायाचे देवायाचे विकास स्थापके देवा विकास के विकास के किया के किया के किया के किया के कि न.मोबंध.रेचा मोश.मोट.खंश.चे.च.च्रा क्रीचा चक्रिय प्रकार चार्च च हेर मे. इस्र या त्यस मालक या चन्ना सेन या त्या स्वीत यदे हमाय न्ना मीस गुट दें।। कु **ल्या विका मुक्ता के प्रमार्थे क्राम्या इते रहा महिन विका मान के मिन** यर र्रो। दे द्वर ब स्वा नहा नर्ना सेर य भेवा नर्ना सेर य नः लुक्तारे.लट.रट.मुक्तापहिचा.त.क्षे.का.मुक्तारारे.चका.व। पर्.वे.चैका.पचीर. वासायित्रा कुरोपा मार्गियाम् स्टान्यर बु.मै.हेर.लुब.त.भु २८.वरु.बुर.र.खुब.चे.च.ज.ध्ये ४ तश.लूटश.श चरेताच. सहरे.ह्या हे.हेर.हेंचा.चर्चा.ची.ची.चारश त.लुश.चे.च.ध्र.४हच.च.श.ख्र. तर्या रेश्वेचेश त.बु.लीज.लुब.ज.हुजू.उह्न.वर्जु.बेश.चं.लुब.ब्रा चरेचे. रद्दान्त्रमा मीराप्टूर्य मुखायके लिखा मु न्या कर्मिया सारी लिया हु न्यारे मु है। हैंग वर्ष त्रुर हु लून हैं रहा हुर व में किस है. वस.चन्द्र-चेद्र-संगुर-मुं क्षेर-र्शा क्याया मुं प्येत व् वेस-ग्र-र-ह्युर हो। ट्रे.लट.भट्र.लुब.ब्र्या कवास.त.बुस.चे.चढ्र.इस.चर.वच्चीम.च.र्र.सुट.च. ब्रेस.चे.च.लुब.ब्रा इंन्न्यम्यः दुःनुक.चर्यः वर्षः चेषःच वर्षः ३। इंग.पर्रतामी में पु.लेजायहे ३.१। यर्ग. १८ १.१८ १.१८ १.१८ १ **शन्द्रायामेद्रायामेद्रायदेग्रिक्षेरायद्गाद्दाय्यवाय्या।** यद्गामेद्रायाकेद्राया दे.रवट.री.वेश.तश.श्रमश.१४.मी.ट्.व्श.र्सट.व.३८.तीर.वर्याम्।रट.येल.च. पार्चाः इर वर्षेत् वर्षेत् क्षेत्र केर क्षेत्र केर वेश विषय दे प्राप्त वर्षेत्र हो । विषय 'লে : . ভুগ : বি. ব. দে. গুৰুষ : ব. ব. ব. ব. গুৰুষ : প্ৰত্য : প্ৰত্য : কৰা শাৰ্ম : প্ৰত্য : ব. ব. প্ৰত্য : ব. এ त्रेश.चेश.ग्रे.श्रेर्.लेज.वर् रे.चर्षेश.तथा हैच.चर्ज मी मी.धु.चरच.स्रेर. त. भर्त्र, व. पत्र. कुर. कु. जूना, ने. रश्चेन ग्र. व नु. इस. व ल र. वर्र हो ही नी. चर्चल.टे.चैं र.तर् ,**पर्वेश**.चेश.वर्चा.रेट.वर्चा.चु.रेट चल.च.ज.चर्चा.रट.वर्चा.

कि इस पर से देव पर विक प्रसाद हुना या विकाय हुन प्रदे शुक्र के मा करा असा र्घ विश्व नु न पर्देश हैं मुक्त भे दकर चर ने स्था च च स्था में ना से से दाय ॱ१**९**-१क्रीस'नसे 'ठ '९८' २५' १९ 'क्री 'स्क्री र 'र ८' अटस 'मुख' त्य 'वसे 'ठ 'बेस'न १९ हें ' क्स.तर.भ.त्रे.च.क्य.यु.चाट.चोर्स.भु.भवीय.त्रु.त्रेच्नास.सिट.चर.ची.चा.सी्य.टिटा मानेद:स् ते.स्वेंमंश्राताश्वामी,त्य्य रेव.मी.सिट.तर.हश्रातर.श्वाचविर ही कु.हुनाश. यर श्रुर हों। दे दना हेश मु न हैं शे अधुद पदे हों नशर् द ना हेद में दे हों निश रना.म् ।सिना.४ क्ष्म यद्र क्रूनाम.शं. चन्द्र. तर बुन च व व रूर.मीर.त.चट्र.मोचुचीया.भ्रेची विस्त्र.त.च चख्टे.त.सीच.एक्प.वस. अम.चे.वर.क्रेर.ड्रा वे.वर.चे.वर.चे.व.व.के.१.१.भ.ज्यातर. র্ষুর'বন'য়ৼব'বার্ষুর'বাঞ্চিব'অয়'বার'রবর'রবর'ন্মর'বায়'য়'য়'য়র য়'য়য়'য়য় भेता दम्भानु वे व्राप्त मह्दाय के दा भेदा है। भेरा माल र परे विवसायसानिदातर. २४.८ खेसानी अ.स.स. ५४ मा स्वापर हिदार है दार है व्यक्तात्र विराधर करेरे वर्षेर मा भूषे था। द यह तर चार्यमाश पर है र्षे मिश्रमार्च, ब.चास्त्र, प्रच. प्रच. प्रच. चीट चीश पर प्रच. प्रच. चीची प्रचा छेद. ल विद.तर.क्षा.त.चाश्रिष्ठ.चलेचो.त.क्षेत्र.खे.वो ट्राटश.व.शिष्ट.श्रेष्ट.खे पट्ट.खेश.चे. यः व र में व र पर्टर के र् व. चीवक चीक्षक होरे. त. लुब . व्. खेब . हुई . चर . पचिर . हूं। ही ची . चहिला. महेन सेन केर लेश न न ने जा मार्ट न कर पार ने दिसा वा आद से के न ने रे केर र्हा । दे.केर.व.केव.वर्षा.व.वर्षाश्चाश.त.श.लव.श्व। दे.लूटश.शे.सेटश.वस.

मालेमारायदे सुर वश्नाम पर मालेनाम प्रकृति का माय हे ने के देहे है सूर लेक लेका प्रहेन हेक अप लेका नु नाम संनाया मार्झियामा हि दे दे मु म लेखान पर्ने के समुद्रा पर्ना पर्ना मुं स्थान मा सिर्या पा उद् हे में स्था पर्ने पर्देरक्ष अर्दः व्याप्यद्या देशे पर्देर् चः हेरं ग्रीस देसः सः वे पर्वा हेर् भै'वर्देर्'य'केर गुरेश र्शे रे'स्र 'देस श'देंन' सदे'-पु'व'दर' वर्दे'दर हन हैं त्रार्श्यम् वारा के तर्दे निया हेन् के का हेन् निया सुद्धा का की की का तरायवैदायाकाश्चीशावद्राक्षेत्र तराल्ट्रश्चाशावद्यीशावद्यीशावद्याशावद्यीता हुचे, जेस.प्रे.भ लाप. हे. खेस.चे.च थु. चरेचां सुर.ता अहार.च. स्थाप. तर मीर. तमानुमान्येत् वर्षा प्रभावना प्रमानुमान्य हेशानु वर्षा के वर्षा के दार्थ के दास्त्रेत यदी महन केन की मार्था दे पहनाय न लेखा न व के क्षे मान महन मार्थ न हैं। हैं व.पहना.व.रट.३म.व.पहना.व.व प्राप्टर व.रटा। मू मू पु.हैं व. लट. वर्षेत्र वर वर्षेत्र ह्या हे वर्षेत्र वर्ष वर्ष वर्ष के या अर्बेट नव दे दे नव विदायन अव विशेष दे अवदे हा व वे वे व अविवास वित्राची वार्त्या वित्रामानु वार्त्या वार्त्या वित्रामानु वार्त्या वार्या वार्त्या वार्या वार्या वार्त्या वार्या व यन्नाकृत्रवे से सस्यान्दानी पदानी साम वहना याके द्राष्ट्री साम पदी सम्यान ब्रिट हो। क्रममिश्रम विमारिक विकार विकार कर पर कार्य के कि उसी है है है है वै.मर्ब.म.केर्.मीस.लेस.च.म ल.स्वांश संस.पंकरं तर हेर्ट्रा न न्यरेक् म. े है**र भे**त पते सेर त्वर हैं ये में हें माय में नेर पा क्ष मुख्य में पर मा मेर प हैर सर्वेद व अद्भार ने ने व किया वर नु वरे ने विका वर नु व

<u>ଛି 'ୱ୍ୟ' ଶ'ୟ ସମ୍ବ ଝିଁୟା ଝିଁୟା ପମ୍ବ ଶ୍ରିକ 'ମି' ଅଟ 'ଧ୍ୟ' ମ୍ୟକ୍ 'ବିଶ୍ୱ 'ମି' ଜିଲା ପ୍ର 'ସ ଶ୍ରିକ ଛି' ସ' ''</u> सेर-दर-अट्रनार्देश । रदःयविदः अवे क्षेत्र सेना मी । वहें द दर स्व अदः मार्वेद् सेद दे। वि वे दे खेंन्य देव खेर दें। विश्व मार्श्व स्थान से दें हो। विकासिया में के दे से दे पार्थ हिंद कर से दे पार्थ है। विकास सामित के दे पार्थ है। · धेर रे दे केर के मार्ट या होत या लेखा नु या प्रेस व त्रा व विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास न श्रुंश.स्। म्रीनास. चम. ज. पास मिर् भेर त लेश. प ने हो दे. दे. वर्षर्मामान्ये द्री। भक्ट्राबुदायम् नायास्त्रम्थायावेशानायायदे सूर श्चित्र मुर परे तर्दे अन्य दः मुलाम। शूर म्लास परे द्रार मीस पर्दे । श्रुंसम ता सूर्यश तर मैं यह रेस.थ.भश्रूर. बुट.ठमी य बेस.व व.थ बट.लर बे द्रमद्रशः रेवाश वर्हेर् यात्रः स्वा संविधातरे गुकारु हुँद् या हैश वा विश विवा देवेरा व त्यन्य भारत्नु वर्ष्यायाये के इ.ते. क्षेत्र महार्ये राम्य के स्क्षेत्र प्रते । हे ฐัง. ปุ่งพ. สนานา เปลา สมาย มหา เจา. เพ. รพ เพ รูป พ. พ. . ชูป . ชูป . รา. วั. บั. รับ. เพ. क्ष व्रेशा सन्दूर मध्य द्वा द्वा द्वा निवाद नि श्रमका मुद्रा । श्राचार्य हेराया स्वामा प्रवेश मुन्दर स्वामा प्रवेश सुका है लूर् चाकुरार्टा लेश चाकुर वास्त्रायाचडाटा । इ अर्डिकाटाभट्र तर् दासीय क्या ने विकासिया ने किया ने के राम हिंदा है र स्वरा सर्द्ध १ है द : उन्न विकास के स्वाप्त के स्व हुर्यास.तर.प्रचीर. बुर्स झप्रा विषये प्रचीर. बुराचे य.ते. लाट हीर. थु. ब्रिन् भाषा अंग्रियामार रिष्टा विक्रिक वर्षेयामा द्वाद मुनाया सेराय हे हैं।

वेर विन मुन्निक्स य विस सहर है। रेन्माय केर केर वेर विन विन मुन्निकाय केर म्मादमाय प्रेंद्र है। देश दमाद प्रमुद्द प्र के मार्थ प्र के मार्य के मार्थ प्र के हा। विद्वार्वे के पार्ट्य ने श्रद्धान कर की लेखा निकाल श्रम्था ना हैं। कं सेर्'य रट मेर्'प'र्टा सेर हा या सेवास परें।। वार्त्र केवास वाहेस याध्येव वे लेखा छ न वे नाट बद्दा पर प्रमाण प्रमाण व वे लेखा छ न ता मा र्थे हा यस.च वर मं चार लेव पर है। कु वनाय च लह है खेंद य रह च विव लह केंद्र य दे म्ब्रिश च दे ते केंद्र य लेश नु वर केंन् द्रम दर हुर रे ॥ द्रेर ब्रम्म में भार्येन्स विदे कु विन्यं नदे रेट विने र भेर न सु नि । रे से नर मिर नद्र भारते पर्दे क्षा देश श विश नि न ता स्वीस न व के हीर न न है सारते ।। मीरेब.कूर्यास.सं.स.स.मीव.त.स.लूब.प.बुश.चे.च.बु.ची.प्रांची.प्रांच रू. रूट. रखेरे..... म्राम्य मा द्वर नार प्रेन मारे दे लिया हारा मार्थ मार् बैदान हैंदियों है र लेंब हान दी विदे दें में दें प्रायदे हैंर। भरी व.स्.च मार के प्राप्त के प्राप्त के मार के प्राप्त महर्नित क्षेत्र क्री : रिकासट त्र प्राप्त देश व सट त्र्र लेश व स स्वास दश में त्यायायरे रदायदेव में संस्थाया स्तर्याय उद्यास्य यह वारा हेर स्वर हो। या ने महुते मुक्किन मा भर तुक पर्ने हैं रेर मानक पर्ने छैर हुँ र पर्नर में दें

सद मुद्दुस्यत्दे दे दे देखस मुन्दायार्थे न्यायार्श्वेश है। दे नु यार्थे र सर्वे मैंश वेंश तपु हू तु हु नविश अवश मैंश कर पत मैं र हैर पश्चीय तर ने य रदास्यामाकृत के हर्नामादे अदाखर् मासा के बाह्य लेश सुनामा वर्मु ता.श्रमाश्राता. ह. ह. में माश्राता माश्रम भेट के हे ने मीर मीर ता मार लोग ता हे ने हे मीर कर्माकृर्णे क्षेत्रमादालकामञ्जूनायरामु वार्दायम वाकृराक्षेत्रा नुर.रे.चैंब.कर.त.इ.रे.र.ट्रेचंबारा.लूब खे.वा चाट खुचा.वाट जा रंश्चेबारावडू. यविदारीम्बारायरीम्बद्धाः केर्प्यार्थेरायाविद्याः केना द्वारायराञ्चरार्थे। क्विरी महारायविदा रेपे अठन केर ही। रे जेस म रे केर क्षे यारे सरक्षुव यर वा वा व हो। तारे अर. कुरा विद्रा रहेर वे क्षेट ता स्वीया वे विद्रा वे सामा वे विद्रा वे सामा वे विद्रा वे सामा व र्श्रेनासामित्रे वर् निविध्येया निर्मे सिं वसारे दें निवेद में हैं निवासर ये स्वीधा च देशा ए यर पुरा स : भृ दुर्शी व प्रकृतिका वा शुका या अपा का बावा या और के विका मु ব'র। বাদ প্রবাদাদ ভব, বরু, গ্রবশ, দুবাশ, বাংশ প্রবাদা প্রবাদা প্রবাদা প্রবাদা यस नवर व न रे से पर्या रे हैर के लेख स म के गुक हुँ के र र र हर पर्यो हिस सुर्हेद पर्दे के विद्या विद्या नामस पर्दे हैं भी रहे लिय मान विद्या के देश य.चिश्वभः ही दे.ज.इ.उर्देश भट्रेश तर पुश्च तर हैं पर्देश मी. क्रू पर्देश मूं। मिलर मी. शंभभ भट्रे नर जेश त. थे. भीर हेरे नर कू पर में मार्थी अमे. य. मर नर्भाष्ट्र पर नेशामा दे हिशा शे हेर् पत्र के उर्वा रही हित प्रविश व हैर

लेबावरे सुरावर र बूबायामा जटारे अवाकेश करा है अर बावर हुरे न.ज.श्चित.त.बुंश.चहूर.कु.च। रेडू.हुर.चाट.चुंश.श्चंश वय.देशश.शुंच.तर. मह्रे.च. बुंश.चे.च ह्यूंश.श्र्रा। मैं.क श.क्.भश. बुंश.चे.च.व.व.च.पा. सर्गार. वलेर म हैर राष्ट्र केर म हैर में केर में वर म ने ने मार म हैर राष्ट्र म मोचेनश्राच हेर् गुम श्चें र पा हेर् वश्चे र पा भेर द्या माद मेश हेर ति पूँ प ल.तथ.तर.चर्षेर.त.रुंड, ब्रेंद्र.घवरा देशराजा थे.भट्य. हैंद्र.भहर्रा रे.वश. ब.हुंब.त.हुंटे.च्छेस.त.लुब.बुं। वयस.चुंभस.च.क्ब.वयस.पस वैट.व.चट्र. मर मिलेन्स स हिर महेश्य अव की कि विवस अस नुस्त पर दे दे के महिर **ผมาวาม**สาราสมาริเราเลิง อามาณ์จายราลังายรามสาเยลาเลิรา सकें स.त.लुर. स्। वहां वे.ही.म.ही.म.हे.म.र.तु. म.हे.वंश.तु. हीं वंश की ही. भारीय नालटा द्वायर हैंद पर लेश न पर दे दर्श न हैं सा ही सदे के दे के हैं। सा ही सा प्रेरित क्र.भ.क्.भ.ख्या वे.चर्.ट्या हे.चेंच.च.का.ट्य घर क्र्य. पथा ख्या वे.च य. क्रियास केर जिसास रे पर माने नास था केर पर माने नास अहर जिस र्षेत्रपाकृद्रिक्षानु नाता स्वाहाया सूत्राय राष्ट्रीत रहेता स्वाय प्रति हो स्वाहाय स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्व वि'न'के से निमान हेश से निमान कर में के निमान कर मारे है। दे अपन मुराम हैर भेर है। परे हैर हेरा नहर न के मार्भेद ब्रिलेश व वरे रेव हैं। अद्दर्भेश वरे रेव लाहे वर सम वर्ष करें में ज्यार श्र भित्राय भर्म हैर उम्मी कराम हैर नम्ब यह दे व उम भी मी मिन क्रनाश गु.मोटश ज. सूर्याश रा. लूटश शे. पुरा तर अर्थ के दे हेर कर हु सा लूब हो।

यदै सुद य व्या गुर व तुद में पदे व पार्वे न हैं र से व पद स दे न व दि । त्वर्मनायदे पदेव या वे ख्ना २ ख्या रया पु 'के पदें। या सामी 'यदें व या वे विवास दे र वयस पर्मा से दार हे दे सर्वेद पर्या। दे ता पर्ने के पर दे दे ता लेस ने पर र्स्रन्थःयात्रःक्षेत्राद्दःद्रहेनायाउद्गक्तिर्ग्तेष्ट्रीरास्राह्नायद्री। स्रीक्ष्युद्रायीर मुरायदे सुरासुना वस्यादि स्तादि स्ति यदि । इद्वाहिर रद्भारद वलेक द्रान्य वर्षे हीर वर्षा कोर्य वर्षे । वस्त के हेर् वर्षे हेर ग्रीबार में हैं हैं। मुंदी हैं ना हैर हो की सद्दे मुंदी में देश हैं। सप्तुत्र'पत्रे'त्रस्य तुः तुर्'पदे 'खेर 'में के केंग विदेश' पदे कें कि केंद्र केंद्र 'हेद'में 'खेर 'के प रे. भु नर्।। सेट. त् . बुचा तर . सेट प्राचा नर्।। ल्ट्र स् . स्टेन प्राचित्रस् स्ट. वि नदे क्षेत्र वि नदे ।। यक्ष म हेन् क्षेत्र क्षेत्र माने महेन माने महेन सुर-मु-र्वेम-पर्र ।। सुर-वमका उद द्दान्य प्रते सुर-देश वर विनुद्ध वर्र ॥ विप्र.च.पश दुश.चर.उचैद.चषु.घचश हुर.लुब.चर्ड.ब्रेंट पश.स् ।। इ.स.स. मान्द्रास्त्र प्रते सुरादेनासायर्।। आराद्यायर बावायरे देवे सुसाद ह्या मर्ने॥ वैशनुः अदः द्वायर वरः वरः वेदः यदे हैं रादेश वरः ववैशय हैदः र्दे । "धुना वस्त्रा न्दा गुर र नुदानी वर्ष यान्न के सुव यर नेन विकेट नि रच.रे.मी. त. १८ में अ एवं व दे। की ग. वक्त की है. १० ज्या हिरा हिरा न.पीय. यस त्रप्टट. चर्. मी वृश ये. च. प्र. श्र्याश. चर् ॥ ही य च घ म. टहीं र. **นะ.อ.น.อู่รฺวฺระา.วฺ.อลี**อะเล.พูน.ฮู่ไป ลือเละ.อิ๋ร.น.ชู.ธู.พร.วั. मन्दरम् गुरु द्वुद्यमी मदेर साद्या अव सादे स्वर द। रे बिय स्वा नरूल.भु. दशान.८८। गीय. वर्चेट.चु. दशान च्रा. हुशान धुरारी. रच से वशा

त.लुर.धे 🐃 अच.रा.रट.पक्स.रा.पर्यंश वि.चीर.रा.र्ह्मच. रार्ह्मल.रट.। 🖣र. म्बरायागुनादवृद्दामी लेश नाह्यद्दर्भाय दे दे दे सामान दे दे दे सामान है । . मुः ५८ू अः स् दः सिरं नदः ५८ः। अन्यः अः गौ १. ५ वृष्टः मो ४ अः यरः मौ वः यरः ५ मौ दः हो। लिस नु न के गुक व नु द हुर र ।। माद दे ते मु र के र व के लिस नु न के लिस नु न के लिस ने के लिस ने के लिस ने के ेर्दे मुं उद पट दे प्येद य दे दे मुं उद मी दर्श में हो हुन वह य मी वरेद मालेशनु:मन्ने:र्नेब:र्ने ।। देने:छिर:धर:वै:क्षे:र्ना:धर:वे:वेर्ट:धर:वा: वरना ्रश्चेर्-चत्रें देश तर् ।। डीमा अ.मीय.परीट.ची.वेश.त.वु.ची.टट.मीव.टट.रच. ्रु:भ्रेपि देशपार्थे देशे विकास के दिन के सुना वर्षे कार्या में प्रति हैं। मूर्यात प्रमूचातालूर त्रार्यारे वश्चीतश्रातश्राप्यांचाराषु रस्यायर पश्चितश्र म. भूष. थ्री। डे. हे. लूरे व. देश. ह. झे मे. श्र ही म. य श्र्वास य मार्च व. यर. प्रमुद्दश दे प्रवेद दे प्रमुख अदा मुद्द अदा मुद्द से वद है दे वद ना से द भक्र.व.धुंश.चे.च.ज.रा.श्चीम.तश.हीची.चर्जाल.४व.चे.धु.चट्र.वचम.चर्लर.व.लुर. र्ट्यु र्ट्रिन र्व रुष्ट वनसः नेस वु न वे न वे न वे ।

क्र-स इस दिने स नी प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति ।

ୟ⊂.ମ୍..क<mark>्रे.म</mark>≌ଏଖ.ખ.ଖ<u>ୂ</u>ຟא.ଘ ଔଷ.ସି.ସ.୪.ଐ-ଘ≌ଘାଶ.୯୯.। ଝୁ୍×.ସ.୯୯.। नर् नेश रहा। दर्भे देहार के समाचर केश माले माम देशी। हैंग, वर्ष म. म. मी व त. यू। हैंग, वर्ष म मु. हैं या वर्ष म. भूर रेटा। उर्वीर. यत्रै.र्ह्मा.यहात्र.केट.रटा। वर्टे.युट.ग्री.र्ह्म्या.यहात्र.केट.<u>र्</u>ट्छा ट्र.ज. ৼৄৼ.ব.য়৾৾**৶**.ঀয়৸.ৼৣ৻৴ঢ়ৄয়.য়৾৾য়৾ঀ৾৻ঀয়৸.ঀৣ৾৻য়৾ঀ৾৻ঀয়৸৻ৡ৾৴৻ঀৢয়৻য়৾৾ঀ৻ঀয়৸... र्षेत्रहो देवे कुरेके कुर के कुर परे क्षित्र र्षे रहें। र्रेंट परे न व. रह्म श. वर्चीर. नपु. र्सेच पर्ज म. केर. मी र्स्चा. पर्व प्रे । डेपु. मी. रेपु. कुर व में र न पर से वश लेव व ।। क्र म न पर न म म लेव र मा न स्था नः स्थापनः व नद्शासान् नुन्यो स्यापन्य । नेता मु दे मुन्नपते से दश भेर द्रा पत्रिया पर्यो याना पर्यो याना पर्या याना माना स्वा विकास सामित ग्रीट.लट.र्थम.रा.चीवेर म्री.स्.रंश.रं य.रे.वश्चें यश.रं प्रे.स्रीट.लट.यो म.ट्री श्रेमशं. নপু.ধুনাধ্য.ন.বধ্ব.ন.পুর্বু॥ ই.ল.২৮.ন্ এধ্য.ম.ম.খ.খুমধ্যেম মাইধ্য राप्तु. हेब. रट. हुश. राप्तु चिवश सेवश. व. लट. हु। चाट. ज. च्या शहार. व. शहार. मः ठदः वदेशः वे : न्यांससः मः मानुषा पः हेदः म् ह्यां मान्यां न रहतः हेदः प्रावतः हिदः प्रावतः हिदः प्रावतः । ब्र.चिव्यातामा स्थापान्यात्रा स्थापान्या स्थापान्यात्रा पते हिरानुनास में तहेना हेव हा सर में रखारा हिंद रु खेंद कर हेद छेद स्थेद रहर

त्युरायदेष्ट्रावः सुंभावाष्ट्रायायाय्येवः वी। देरदावरायदेयाः हैतः **য়য়৴ঀ৾য়য়**ঀয়৾য়ৢৢ৾য়ৢৢৢৢৢৢৢয়৾ঢ়৸ড়য়য়য়ঢ়ঢ়ঢ়ৣ৾য়য়ৢঢ়ড়য়য়ৢ৸য়৾য়ড়ঢ়ঢ় पर्'स्य स्टर है 'श्रर 'र्' प्रत्र पर पर पर पर पर पर के वि पहें न हैन स्मान मिन्न पार्सिन दुर्गित वास्तर सेन कर सेन कर से मिन्न पार है दे दे वर किया मिन्न स मार्थेक नु स्वर्ग न विकास मार्थिक कें। ने प्रवर्ष कें नु पर है न है के स्था सर मिस्स मार्खेद दे सूरान सामहर दे इदे मिटारा । रटारार पर्टर क्षांशा भारत स्मार **ज.चाराज.तर.पिश.ज्रे.**था व्रेश.तश.च्राश.तर.भ.चेश.तप्.चारश सैपश. ผิน โล เริง โล พราสัมมายาลีราราชัย เรา เอง เมรายราย ๆ สมมายา च्याम भीवानी नदः व्याचमारा चर्ना न्या नामाना नामाना निर्माण न न् म्बार्स्याया अवेदा प्रते व्यक्त नु स्ति पालक दे दिन प्रमाया परिकृते ने सामवेदा विश्वानु न हुं न हा में दर्र रहा नविश्वान राष्ट्र शानुस वा भीशन अहारी। दे नस สาสังษาพราศัพณามาอังการณ์การเหลา เหลา เมื่อ เกาะ เป้านาตาวา เปลี่องกา ロナ. 日. ロボ. 美て. ロ. 多と. 面におこが、 型が、 ロ、ロ まく、 ロエ、 日 えり、 ロ が コ、 とっ 」 とり、 ロ が コ、 に よっ こ と 。 नशःहूरः न.भःभुवःवस बुकान्यः व नवित्र रन्ना क्याः स्त्रा । व हमादेवासः सर न्मिसाय हिंदिन सर्व केर सम्बन्ध प्रति संस्थित स स्व है। इनास सेर या उदा केरे न सुन यर नु न केर प्येत यर हुर र लेख नु न पर के के के पर के म्राम्याम् वित्रु द्वारा वित्रु देशु वस्तु वर उप के देशे वस्त्र वर वित्र देशे वस्य अट व मुक्ट म केट म **५८ वंदे नश्यान निस्तान सर्वे**दान र्ह्य नुर्ह्य नारु १३८ सन्तर हिन्दे ही दे

इस्य विनाम मेर्प विश्व कर्ष कर मुन पान पर प्रमुक्त हैं। ୕ୡୖୣୖଽୖୖୖୡ୕ୖ୕୕୕ଢ଼୕୶ୠ୕୳୕ୠ୕୴ଢ଼୷୕୳୕ୣଌ୕ଽଢ଼୕ୡ୲ୄୠ୕୷୰ୡ୕ୖ୵ୡ୕୲୲୕୷ୖୣଽୡ୕ୢ୷୕ୢଌ୕ଽ୷ୄ୕ୠ୰ यर नुद्राय के दे त्या का विद्याय कर के दा प्रकार वा दे द्राय विद्याय विद्याय मानुन्योत्रायाने सुनान प्राप्ति या होता या या या या महिना सार्वे । देशे प्राप्त स् देश मदे अंद ५३ वा मदेव या भेद देश मु न दे वद गाद मु में महे दि प्र दे हैं । र्षेक् 'नुक्'म्नः'प्येक् सादे दे 'त्याचहेक च श्रेक लेखा नु 'चे हे दे हाँ। नेते लेख नु न ने अधिक नदे न्या निव ने ने ने कि सं मी मु कर हिर ये हिवासर हेराय दे के हे सहस्थाय प्रदेश हे से सहदश्याय से दार हेर धिरमारे दरादन्याय वे से सहराय हेर धिराय रे हर को विवाय र हिर न.पंचाजाय.रंभुवाबावाज्या वज्य यादेट.वज्य च चिवात.रंबा.घाट्या.चा.णुव. बू. (बुंबा में . म. हु. में . मर्थ्य हरा ता. १४ . (बुंबा नार . लेबा नार . हुंबा मर्थ्य हरा . मर्थ्य हरा . पर म बिस-व न'म'र्सेन्स'यरे'वय'न स देस'य'भेद'दे। महम्स'स संग्रेन्स मः **षष्ट्रायाक्रेरायान्त्रायायायाच्यास्त्राय उर**्हेरार्येर्पये खेरार्या वर्षा <u> हुन, चंदः भष्ट्रेदशः श्रुः चुन जि</u>दः हुन च च च श्रवाशः या चूना या सार्वे । चित्रम् ता स्त्रीया पात विद्यास दशानी विष्युद्धा दा प्रिंति गुप्ता सर्द्धा सा स्र प्रेतः । म रुमेन्स मरे सुरे रे) विवास संग्रास विवास मरे कु हैर फैर यर दर्दियामाणीदानम। दे है । इंस व वया यहर हिना या या ना हुना है। स्मान ्रश्चेंशःश्ची चामानु वमाना माना प्रमुद्दाना रमाना गुद्दा सुना सुना सुना से से होना से स मामार्ज्यां भट्ये त पश्च वैदायक मिंद्रक होर क्षेत्र मान महिन

मः स्वासः सद् विद्राय : विस् वोद्राय : धेर हो। वाय हे वया वाय विद्राय : याय พะ.ผู้น.หี.ผู้ไ.ช.ปริปพ.ต.ชุปพ.ตรู เชอ๊ะ.ฉรู นี้.จร.ไ.พซุะพ.พะ. भर्ष्ट्य.त.स्<u>र</u>्च.तर.पंचीर.त.टु.र्जर.थ। ट्रंड.प्र्.िपश.चेंटश.त.जश.३भश.तर. विचीर ह्या दु कर कुर प्रतिविद्य के खेश चि व ता श्र वीश राश ता श्र तरे वश सर छेर ह्या मामाने हे त्या लेश वि. व. दे रहा मी मीव. वार्ट भवत . वार्टी वहां शारा हु हु . ता सा तर्रेत्रयान्दरक्षे तर्रेद्रचानद्वा वर्ष्यमु । या द्वस्रका ग्रीका सार्त्रा भी देशे । वर्ष्यु वर्षा म्येय.पष्र,भवंप.जम्म.प्रम्थः व्यातालुक्षः ज। पर्वेटः च. व्या.पे.र्झे. चष्रः उर्वेटः च. य. **६५**'य'को द य'के द'द्वा'यक वा ह्वाय प्राया के नक वा शार र वा ही वर वर्षेद्र या देवे." · सम्रावेश मु न वे मु र प्रे मु र र र र र र र र र र र र र र विकास स्वार स्वार र विकास स्वार र विकास स्वार र र र रद्राची द्रा में हेर मुक्षा मुरायरे हिरायर प्येत व्र ले दा मु सक्त सेर यर लेख वु'न'व'र्स्रेन्स'न'र्स्नेस'र्स्। देस'न'से'रुद्द'नदे'सुर'ने गुर्द्र'व'र्स्स्राह्द' कार्योद्राह्म विश्वाची नद्रम् । यह माश्रामा अपार हे माश्रामा अपार हे लेशाची च. व हे. पचिंदा व देश त. के विंदा तर कार्य वा या या प्राप्त के हे. रचिंदा वा व दर वा. दे.रच.हेर.लक.चडचारा.ज.ख्चारा.चर्.हर.तर.ही.चर्.हेर.स्। ट्रेड्र है.वर्षेश.तदुःम्। ६३.३५.ल१.लट.७४.वे.च.च सूर्यश.त.व। नट.ज. केश चप्रे में भूर मा लेश कूर्य देश मार श्रिर मी क्रियं ने हे मीर मा नालव लूर ৽ কেলে ব্রিকার সের ক্রিকার বিষয়ের বি

พ์รุรฺพะะั | รฺ ๛ฺฆฺ ๛ฺฅฺ๑ҳฺ ฉฺฉฺ ๛ฺ฿ฺฆฺ ฉฺ ฉฺ ฐฺ ฉฺ ฐฺ ธฺ ธฺ ะฺ ฉฺรฺะ ๛ฺฺ **श्रॅनाश.तर्हो**। दे.पखेंग.दे.श्लॅंग.वोखय.टेचा.ज.लट.कु.प्रचीश.तर.वहूरे.वर. <u> वृत्रा</u> ह.कंर.क्षेश.वै.दुष्ठ.जुम.रव.भष्टिश.वठ.१८८.क्षेत्र.वर.२.४वीर.व. दे खर दे दे व्यवा मान्य हो। रह र विषे दे दे ने ची ची दु र दे वा ची दे वा चे वा ची दे वा ची दे वा ची दे वा चे वा क्य.मी.टे.ट.च.रटा। देज.ज स्वीश.तर्.प्र्स.मीट क्रु.सी.ट.भ सत्ट बेश. यक्षर्यान्यान्याः व्यवस्य वर विश्वरात्री हे स्ट्रां अपादिसानु वाया स्ट्रा मान्ने मुनामरे सह र ह्या निर्णे भेते। निष्ठा स्वना सह रहे भागी मान्ने भारे हे भागी मान्ने भारे हैं। मालर मी. प्रे. प्र. रे. दे. रे. दे. हे स. मी. च. वे. प्र. म. मी. मी. प्र. मी. च. च. प्र. मी. च. च. प्र नपु.मिंत्री टु.३ इ.इन.पुरास्यामास्यामान्यः मिंशाहिशानपु.वायशास्रवसा दे :लूर्थ शि.वीर त. ट्रें कर। हि. यपू. वी. रट दिल ही वी. लट लूर या लूब हु. **बेस** श्चराय भेर हो। व ५५ म बेस श्चर या भेर हो। व ५५५ म बेस मुन है। **พื่ะ.**พ.ร ร.พ.ช.2 ช. ผพช. ๑๔.พิ.พิ.ชิ.ชิ.ว.โะช.ซีะพ.สป. ซึ่ง.ร.แ นธ์พ. मत्रे द्वा व नावत सेर पत्रे क्वेर रें वेश वु व के सर्वेद व क्स मु मु सामार्वेर । तर.श्रेज.व.भ्रथेम.वषु.मैं.वर्ड्स.वर.वे.व.चिथे रिश भ धिरम्रतपु.सेर.स् । मान्त्र के नाम मानुवाय भेत वें लेश नुवाय है। वहेंद कमारा से नाम थ र्दे लेश.च.च.परेट.ज्रा वर्ष हे.स्व हिर.चर.ल्र्.व लट लेश. नि.चन्ने.चिबट.चर्षचाश.च.भूब.स्. बुश.च.च.बु.श्चिंब,ब्यबा.विट.चर लूट्.ब.लट. **छित्यर सेत्** छैर मुन हेत् सेद लेश मन्त्र याना सेदा याते व सूच या सेदा दें प्रा

हिंस नु विदे दें हैं। | विवेश के अकृम वं वा स्वीत्र वे वा है वा दे व क्रैंग्र के के विषय के **प्रसःना**लक् यदे लेखा नु व के नार्दे पर ने ने प्रदेश हिना हिन । व नि व व ने क्षाहिना पहुंचानार्ज्ञा दे. १ व.म. में कर १ हेन जा दे हुन जा दे हुन जा है है जा मार **ल्यं प्रमान्त्र मा केंद्र मा केंद्र** य.टे.केर.था विव.तर.वेट.त.पंचात्र.व.टंशुचाश.तप्। चाञ्चचार.ट्ट. मीय.य.पश्च मीय.य.थेर.लुब ब्.लुब.चे.य.बु.चाड्याब.र्टा प्.य.व.ब्य.ची. कंदासाधिदाया हेरावे पद्राक्ष सामा पद्रिया हेरा की सी मालदा पर्देर क्यास.ग्रे.मी हुर.रे.यहंद.ता.खंस चि.च.खं। विश्व १ स्थल.क.भवेश.त जास्यांश. त्रां। ह्रि.च.जम.चर्ड्स्च.च.उ.ट्र्ट्.क्येम.क्री.४८.चर्ड्य क्रेट्.जमान्यस व.र्ड्स. निनद्भः मिन्यायस महिना प्रमाय प्रम प्रमाय प् ग्रामी'यर्नाकर्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्रा यादे दि से ब्रम्य पर रहार विकार के दे मी विवास पर दे तहार वह में ना **८नायः नदे र्राः न्वेकः मेः** नाक्षः स्नेनसः प्रेकः राः देः स्वरः कः **प्र**वः यरः ने दः नः तनावः ... यन्त्रीनाश्चर्या दे 'यानाइशायते 'लेश मु म दे 'यह र कन्या मु रहा मलेद कनास-८८ ले इस्ट-नी नर् गार्-८८। अहिस-नर न्यानिक नाट-प्येत नाटे न्तुस य सस माहिस गा हे पर्टे किया स लि हार पहना माँ । दे परा द पर्टे र क्वांसामी रदावित हैंदायश ले इदाव वुदाव साधित दें क्षेत्र रें श्रेया री ।

मिकेश मात्रहमा यर हिमाय परि अदायक्षय या हे हा शाय धिक ही। हिस्र **७.४। प**हेचा.त.भक्ष्टम.तर.सज.पश.बुश.ये.च.श्रूम.ट्रे। शहिस.प.ट्र. मुद्रे केश या दरा वेश र या दर्ग देना या स्वासार वेश र वार स्वर यादे.देवां.योटा सर्वेटस तरावहेवा.या.वस्.रं.वजावरा वर्षी। वालाहे. हु.के**र.(बेश.पे.प.ण.श्**यो**श.तश.भ**ष्ट्रेटश.तर.७९०).तर.वज.पण्.लश.ही. र्स्योश. **खिया या श्रेम्स प्रश** र्ह्स दमाद खिया में हैं . दहिमा या दि हिंसी अहे . दे . दर . . . रदायबुर्व मुक्रमाख पर्वसाम पर्वासम्बद्धा समान विमायहमा सम्बद्धा समान पदे रदः पत्ने व स्मेव हो। वेस र प स स्मास य वसस उद् वे स सेव वें। दे वे माध्येत हे हे हो साम माध्य स्वाधान साम स्वाधान स्व क्रमाश विद्राह्मर तथा | रमा त र नश है . यह न प कर लेख व व है . हमाश्र मरीये.त.चोट,लपुर,त.टे.यु. रुचाश अरीये. त.हे.पडुचा.क्यूचाश.ज.हे वर्णा क्रमांशा की विराधार के हैं र वह र क्रमांशा मा स्मान वह न वह सार के वह । र्मा अं अर्थ रे व रह तम क्या में विर्तर हे अ में में में में में में में में रमाःससायसायहमायास्। हीयान्य सर्पन्यारास्तरहेस् देसापुर्वे। श्. श्रु दु, ही. तु दु, चोरक, क्षेत्रव र. ८ हूर क्योब ज. रूचा श्राच, चा, का, जा, जा, चा, जा, **লক্ষ.বর.ব**ইনার হঠ্টুর,পুর.ছা। নাচ্ডেরনাক,মর্ডেম,লক্ষ,ইচেডেও, **८स्थास.** पट्टी हुं में भर हुं रे भू स. तट्टी सुसस हुं प हु हे जा 92.854.A. नार भेर य दे हैं चना कनाश की हिन बर व्यारना व्यव य धेर है। पद्मग्रम् यते प्रमामी नुसाद के ब्रिट्स या उदानी प्रमान स्ते होता है। सारे

ह्नेना प्रदेश प्रदेश में प्रत्य के विश्व का सम्बद्ध के का सम्बद्ध के कि विश्व के कि मैंतु.विदे.तर. खुबाची.व.जा. श्र्यां श्रातशाच्यां क्यां श्रामिदे तर जा <u> দ্বালেষ ধ্ৰম দেইবা ন.ৡই.বর্ধ ট্রা</u> <u> হ.ই.ব</u>রা.খ.খ.ম.বং. প্রা.ব. ই.স্বাহা याम्बिश्निरम्बिश्विश्वानुः चः व्यास्तिषः याः व। देः द्वाः हेशानुः वसः देः वर्देदः क्रनासायाः स्त्रां सारा प्रा । इर हैंनासाया लेशा मु । वशा है । हेनासा मु । मु । पर प्रा। मालकुर्द्रमालकुर्लेखानु नात्मार्खेन्ह्य दासाले क्षेत्रम् केमा हा केर्ना सहस् हो। अहर **ह. क्र. ५.५र्ट्र. प्रचाम. ज. सूचाम च. व्हें**ट. ज. सूचाम. चट्टे. कून हेंटे. जूब उप्तूच चर. . ब.ववै: वपु क्र्स.केर.लु र त.लर.वज्जातर वजैर.खे र। हिर.ल.स्चारा मदे केषामा इसका है त्युदायदे रदाय विकास कर है न त्ये में स्टे सुरार्च विकास म र्श्वें अ'दे। पर्' स्ट्र अहिसाय है प्रवृद्य के हें र् से प्रदा पर मान है प्रवृद् ्च : हेर् चर्चे दुरे : रदः चलेर : पेर त्या हुदः दे : रदः मी : हु : हेर : णुरु : चलर : विवर वस्तान्त्र द्वर अर्गुर सेन्य लेखा यु वर दे। प्राह्मना सा स्त्राका या अर्ग पा वर **र्ष्यरमान्येदरी बार्यरायराय्येनासासुःसेदा**यदेग्युरायी। माल्हाप्यरासा · พิงฺ च พะ ม มิงฺ ริ मा हुन्या वा र्येन्य प्र प्र १८ १५ वर्ष के र ५ र १५ वर्षे । । र्सेन्स'पदम! े दर्दे कन्स'यासंन्धाय देव'भेव'वे। दे हर व प्रसः यर वेशमादे हमाद्वा हेश नुप्त है स्पेद गु हमादर देश यादवा है। सेद गुःर्झ कुरागुःरेदायम्या बेदाय कुरागुः खेराया। र्याय वे द्रारा यारा वेदाय

याम्माने व व के वारा व दे प्येव व । दिनदारी निकेना नी व नहार न के दान के ना মন্ র্ব্রুব স্ক্র্র্ন মন্ ব্রুব্র ক্রিল দ্রা বর্ম র্ব্র ক্রেম ক্রা নাইলা ক্রী বারমধাত্ত भ्रे.च.दटा चाङ्गात्रवींना राज्यसमाउदादवींना राजार्शन भाषायहटाटी। मिसान्नरसाद्रसाद्रम् वर्षे प्राप्त वर्षे प्राप्त हे दे द्वार विसानु वरामा स्वास पार्झ्स है। र्शे स्प्रेर पहिना च स प्रेर पश्च र श र र प र र पहिना च र में। ना र प्रेर त्युद्रायते हेर्रुंद्रिशायते प्रदायति रायते रायते विद्रायति वाह्या साया स्मिन्सायते वाहेर् प्रयम् हें अप्यति स्टाय देवे विष्या माया हे से खुर औ त्य देवे के दे द्वा मीया स्टा चलिब दिसाय सेन वा लेस मु न दिर हैन गुरिस न स्व पर मिन दिर न ने ब मदे दिर च्.सुर.तश.७ुंस.चे.च.लुंब.ब्र्या क्रींय.चेश.तंत्र.वांडवांश.१८.क्री.हंश.तप्र.सु.देह. तपु.सुर.रू बुश्न.पै.प.वै.प.वै.प.चैर.टेश.यश। वीडिवाश.ण श्वांश.त. मेथ्स.त.रेप्ट्र.सेर। चिव्यास.ज.स्यांश.त.केर.मीर.रीस.तप्र.मीवियास क्रांस.स् **७ स.च.च.**ई.के.वेट्र.कें र वेश तप्राचिवा स केंद्रकी हसारा भु दिहाहा। दे.पसा क्तियुद्दायात्वा अवीक्षा यदी हो कान्या यहे का यदी दि विद्रादेश यदी नदा यहे का यह . मझ पर मुर्ने। विश्व मु पर द्वीर स्वा दे त्य पर दे खुर हेवा द हे विश्व वित्व के अकार्या। पर्रेर क्योका या स्योधा धार्या प्रवृत्य वर्षा प्रवृत्य यस मुर्याय विषे दु देवादं वहें वाय दें प्रायं हें गर वाया लेख स्वी पर दें रहीं। महेब मदे दिवस्य अरा के प्यत्न के दार के में हेब में दाव के सान के ने स्वर के न केर संस्थेत पर पिस सेत परे हीर हों। सुस परेत परे हिंदि हैं सेत हैं से हैं हों। दे दवा

यावी मात्रमासाया यावे विकार विकार या मात्रमासाय यावे मात्रमाय यावे म हे लेखानु ना दे दे ने ना दिए में ने ना दिए। सिटा दुः सा नहार पदि से सहा मु ना दसर स्वास.त.रेता.बुद्रा इ.इं.४र्ट्.क्यास.ज.स्यास.त.मु.मु. यद्र.चारस.स्यस. शु.तिब.क्स.त.चालेश.टे.उची स्तर.च.र.ट्र.वा चाट.चास.व.उट्ट.कचास.ज. **श्र्माश्र.स.भु. चेथा स्थाय स्थ्रीय स्थाय स्थ्राय स्थ्रीय स्थ्राय स्याय स्थ्राय स्थ्राय स्थ्राय स्थ्राय स्थ्राय स्थ्राय स्थ्राय स्थ्य** यारे ता त्र तुराया त्या हे दा की रहा यह ते देश यह विवाध स्वय वर्षे हिंदा हों। ने दूर व क्रन् केना स हैन स प्येश्य हमश्यार त्यू र में लेख न विस्था श्री पहुंचाता अरे. थे. बुंबा चे. प्र हे. हे. बेंबा पर्ट्य क्या शास श्वास या सार्हेशाय रं... **रेश.य.लट..वर्चेट.व.रे**च.र्ज्ञ.ह्. च्.्रह्चे.त श्रे.त.रेपु.ह्। कर लट. **८र्द्र-क्रम्थायः श्रम्थः दोः श्लेशः चत्रः नुःशः वः** मः मः त्रद्र्द्राक्रम्थः यः **ॲन्स**प्रेन्द्रुटाचान्नाहे रहेन सप्येर समाध्यायके हिमानी है। है। इस पर्टे. क्योश जासूना सामा सामे सामा निवास न हेन.भ.लून.त.ट्रे.इर.भुकातद्र.वादस ध्रवसामालट.विर.वर.भूट.वर्ड. शूर..... हैं। १२६५ पर दे प्रमुश्ता दुश दसक उर दु शहर य से दे पर वर्द्द क्रम्बाय स्मान वहनाय हेन और वें लेंबा हेने हैं र दे खर भर म'र्भर' हे लेख मु न क्रिंस है। हिंद स्य यान गत लेग में के लेख या प्राप्त में है ्षमधाक्त वसमाक्त मी कें न माध्येत हों। हेत न्यावहेत या हेत है से से देश भारे अवार्त्र न केर्यार नाइका वहा हिनास केराया दे दिर दन्याय स्र

झ-५५-तर-विषक्ष-तःत्रुष-म-६-क्रिर-प-१-विच-तर-विच-तः त्वाय-प-१ मेनास-पर्ग । क्रिं मुरायायालेश नुपार के सुर्धि सर मुरायायो। देव दसायहै लेशन न वेश.च.लट.कट. बेश.चे चर्या रहूश.पहचा पर्चीर.ची. बेश.च.च.म.स्चेश.स. मान्द्राय दे तहेना पर त्नुर है। नित्र हैन या सामुन स धेव वे लेश न न वे मादःमाल र मी भूरा पदे वुरा पदे प्रान्दे प्रान्दे पा सूच पर नेत्र व कर मारसाय सामा য়ৣ৾য়৾য়৴ৢ৻৽৾য়৾য়য়ড়য়য়ৢয়য়য়য়য়য়য়য়য়৸য়৸ঀয়য়য়য়ড়ৢৼঢ়ৢৢ৾ঢ়ঢ়ৢৼৼৢ৾৻৻ मान्त क्रेंनाश्रास्मानायायर्द्रायाकृत स्मेत हे लेशान् यात्रीयस्त्र शास्त्र यदी इसा म पर्म मिः श्रिश्सप्रे बेश मान पर्मा में ग्रामर होना नहा नाम है नाम में न यर नाद्याय केर प्रेक् की विश्व वरे दें। ही कर सर्वद वरे ने নাধ্বানত্ত্র ন্র্যান প্রান্ত্রি বত্ত ব্রান্ত্র বত্ত প্রান্ত্র मान् ह्रेना स है : व: ५५ र न्यू हु व प भे । ब ले हा व दे हर ले स नु व स ह्यें नहा न भूष ह्या। चार. में के शुरूर यह रेब न व ररे न स चीन न रहे हू रेबरिस. मने हे र दर महे र मने दिर्देश में नव मानर नु म रे छि । अद्भ मुख्यम् मन्तरायदे नात्र केन स मुनाय हैन नु नहराय है हो । नार विगानार मिंद भेर म.रे.बे.बेश.वे.च.च.च.श्चीश म श्रुंश श्री। दैर च.व.रे.टे.च वर.टे.वंश.रंट. विश्वायान्यात्यायुत्र हुँ इस्रायर व्यद्धाया दे स्वर हेश नुष्टे। दे द्वासीश हुँ चीका तत्र हुँ र रहें। अस ८८ श्रमका ८च मी लेखा हु १० वर्षे का सका स्राया म्बर्यायम् स्वास्त्रं व्यायम् इत्यायम् मृत्यायम् भी इत्यायम् विद्यायम् ।

लट.रेची.चर.रूची.चर.वेरे.त.ब. श्रुशश. २४.वी. देश तपु.चो४श.श्रेचीर.त. द्वे प्रदानी के मा पार्ट । विभार के प्रदानी मुद्दाया सुखाद्दा के बाद के वाद के माल परे क्षेरं हेना हेर प्रेर हें ले दा इर हेना रसेना सामा प्राप्त लेखा मुक्त वा सामा मः भ्रांसारा व्या हिता प्राप्त विका नु प्राप्त मान्य मी सुक्षा स्था मान्य प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त ଂଶ୍ୟର'୩.ଓଡ଼ିଶ୍.ସି.ସ.ଝୁ.ଧାରୁ.ଅଣିବ.ସ.୯୮। 🕟 ୧୬୬୬୭.ସ.୮.ସି୧.ସ.୪.୬୬୩.ଅଟ୍ଟ. श्रेमसम्पद्धाः क्षेत्रमः लेसः मुःचरः सुरः र्साः अदः स्मःचः नाल्यः पुःवः लेखः मुःचः सैः **इंदर्य मान्द्र क्र हिंद्र खेर लेखानु यदी सदी दे इस** या मालकानु पकर यर होदा र्ने लेखानु नदे र्ने के प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त के प्राप्त चॅद्रमामिन मी.रवट.त्साम्। इमाचर.प्रेशास लट.चिवर.केर.केश वशाचावः ्मा**क्षेत्रकार्त्रेत्**कायाकारम्भागाय धेरातुः जेवागुरात्वरार्खात्वका धेराकेत्या दे.लुब.३८.३। देव.जू.च.च.च.च.च.ला के.च.च.च.च.च. **दे.स्पेर-इ.ल्.स.स...** क्रेट्र-बोहेचेश. म्बूट'मी' रेम'ने'सब में 'देवट'र्यश'महिट'य' ३'सुर्वे । माय'हे अर्थेट. र्या.सर.योडेट.वर चे.च.वे.चंयो a ज.श्र्योश. קאיםפבים בים יילבין ्यःह्रसःम्बेदेनःस्पेद्रःयः वर्देद्रःयःदेवे क्वें। जूदःयः वः दर्यः वः विकास्ति हृदः मरामु नाभारामा हैना है नाभी राधारी खुर रहा र्रो साहिसाया प्रीर के ले का ्याद्रार सेवा व द्वा वीस देश नु व व स्रवाधाय हुँ श है। अह व व व रहत हुँ । **इसः धरायाना** बेदाया १**रा**गु धेरार्सी माइदा क्रिसा हा साले सामु । यह है । यर सर्कें य भेद मुं में हेश य व ल दम य पर देश में प्रेर मुस म देश य म भेद हैं। माल्क भेद गु द्वर वें से दें दें या स भे क्षा दे वस के सस द्वर वेंस त्यार्खेन्द्राच्ये रहेन्द्रानुदार्द्या वात्राच्यात्र वात्राच्यात्र विकास्य विकास्य विकास्य विकास्य विकास विकास यते मान्द क्रिन्स सम्मूय य रे के दे ले हा माय ने अर दर ये तुन य के दर्द ब.लट, बुब.चे.च.ज. शूचांबात श्रुंबा श्रुं। डे.लट जुब च.श्रेंच तर चुंदे.त. व. **५५'**स'ठ४ हैर प्रेर'यरे मुंर लेख मु न के दवह ये ते हिंदी प्रेय परे हिंदी न होदाय हे वर सर्हें प्राये दें दुर्ग वहेंदाय भे र दें लेखा नु वरे दें हो। मर् श्चित्वर दे रे व दे भेषा नर श्चित्वर र दे राम हो। वाराम दे व रर मा ग्रीर मुर य हैर सेर चले सुर से मरा बहुद व हेर स के र वें ले न हेर्-दे-पड़-पर-पु-प-अप्पेर्-यरे-पुर-लब्ध पु च-ल-स्वाध-पार्ड्स्थ-स्र्री <u> हैर गुें अनियास हना बेर किस सं से सें रार्ट विंश नार सिंग लेश नुप्त से बुसा</u> द्वी वर्ता अम्यासरे नावेर हैं चर्ना हैर गुं सर्दे हुस थे र या हिंदा मर सम्बर्ध वर्गादर महरू में भेरती दे द्राज्य घर राजे बर्जी दे ल वहेर्यदे नहन् स्निस वहेर रे लेस च व हे रे त क जित कर वहेर नह वाडवास स् ग्राचलेर नेत्र वन्तर समारा इता में हेरा में हेरा में व व व वर्टर कर म स्र मायदान्य वार्ष्य या यदान्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य क्षेत्र वार्ष्य वार्षः व्याप्त वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः द्या तेश्वास्त्राचात्राद्या तेशाणी। १३ राजेश सेशानुरालेशानुराय देशा पर विश्वापते रूटा विश्वास्थेश वाक्ष्मा पर विश्वाचर के वर येव चरे कुष्मा """

दे द्वर व सु दूर वर की दर्श रा वसस उर हैर ष्येव'य'वेद'ग्रे' खेद'र्ने। व्यन्त्रायाः स्रेत्रायरा स्रमः यरा चल्ना या ते हे । यरा से द्राय व बै.ब.रर.च.रटा र्द्शार्च इस्रशामु हु। न ३ हे चर भेव पार्टा स्था कुषाः नुकायः कृतः यो इ हो। क्स प्रेंद्र मा स्रों इंदर मा त्रस मुद्र मा नि हु दर मी विरे.तर.रवेबाश.चवैदाव.जा.श्र्वास.तरु.स्यु. विरे.तर.चाट. लुव.त.रे.रवा.रे.... **यदनाश्चायः देः द**ना गुदः हैनाश्च स्रवुदः यदेः कुँदेः विदः यदः यः वः ॲरः यः हेदः स्पेदः वी। नामाने वसायावसया उदार्भेराय के प्रेक्षंत्रा वास्त्री नामसास्त्राक्षा कर विदेशो क्ष्राकेना मेर्ना मा वर्ते के निराये वा भी हार्वे लेखा मानवे मान्ते निराये मान्ते यात्रेमारायसायेतालेवा प्रेनाहेताह्मारा प्रायस्य स्ट्रायस्य यातात्रविकार्यात्रमळ्याक्री वर्तात्रमा हिताहेना बुद्रायते क्षायर द्वे यात्रे के वे साम्बद्ध कर् वार्य न्या मुराम्या मिकार्य मिकार्य । **६५. डेंब. १ अ. गुंर. य. र्ज. थ. जश. त्रे अ. ग्रे.** शूचा का श्रृंघ. तर्र. क्रूंघ. तर् ही. वर. उचीर... र्दे । भेरे त्या झुन हेना हो राम हे तम खेन या रना खार राम के राम है ते हो हो र **इस'यर'वेस'य'भँर'गै'इस**'यर'वेस'यदे'स्चे'व'हेस'सु'वेर'गै। माविनासः दना मो 'स्र 'प्रेदा स्त्रिना ने 'स्र ने ने सामा ने स्र हो ' नेर'णै। द्रमासामाद्री स् व्यमासी र्या मी या विषय मी मी हिसासी है राया भ.रंगुरी वीडियांश ग्री.सेंदे.कुयां भ.यांकेश.ता.लाट.चाडियांश ग्री.हैंग यदे हिंश ही. बुद्रायमायहनामी द्वामायदे द्वा व्या केता ने महामाय केता ने महाम विकास केता ने महामाय केता ने महामाय केता ने महामाय के किया ने महाम ने महामाय के किया ने महाम ने महामाय के किया ने महामाय के किया ने महामाय के किया ने महामाय ने महामाय के किया ने महामाय ने महाम ने महामाय ने महाम ने महामाय ने महाम माधीका दे द्वाराक्षाना के निर्मा कर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा

देना मु त्यः स्वांसायायव दुव झुक हेना छे ५ या क्षस्य गु मुक मी प्रांदर या बंदे नारा मुश्र-विश्वन्तः रूपे। मार में हें मुन्निव्य मुः स्थानः वेशन वर्ष वर्षः मुर म.पाश.मैंदे.चोवेद.पा.देश.तर.पुंश.त.भुँ.प.हो १ ४ ५ छु. खुंद.चींद.वावश्रदः पर्युत्रायर से प्रचीर। दे प्रबीर र अला स्वासाय र मा प्रका सीसायर मीर तप्रश्चित्रां स्त्र्र मुं मुं र मुं हे स स वहना यप्रमुं वहर वर हित्र । रे वर्श र रैनास सबुद य द्र देनास सबुद य सा अव य दे कुंद व द्र य र द्र स्य य य व व व म.बु.कु.चर.जुब.चश.चश.च.कुर.जुब ब्रा इ. इ. शर्वे १ च.कुर.जेट.इ.चश.भर्वे १ मानिन के से मानि के से मानिक के से तत्रस्रमा हेर् मार देवार मार्वे पत्र हे नर खेर पर से हेर पर देवार ही। द्धर त्युदायारे त्या केत्य त्रामा सेतायर वहनाय धेशनुः हेश मुद्र शन्तर वरे रेनास अनुक प्रति के पर भो देश पर प्रति । या भो के वी प्रति । के ना प्रति । वे की स्वार के ना की की की की की की मपु.टू. स्.स लुरे.तरु.के.यर.जुरे.त.तशा श्रमस परी चर्रत्यीर २.थ। प्रवृद्यम् मुक्ताप्र मुक्ताप्रयुद्धायाद्वराचमार्द्भावायदे स्टायले रामाध्ये राव " हैंद.रे पर्वीर रूपी वालटाची हैं। वाल ह्यां हा ताल हा वाल वाल वाल हा वाल प्रमुद्दान्य रे. भुर्म के. यर खेद प्रमुख्य मा अविदाय मा की. प्रमुख्या दे प्रमुख्य दें के म रस्रायर वहेंद्र या प्येष हों। दे स्थर व रे लिया है र वा या दया यो वा पर मी.क्चै.च.३.चर.जंरच.भ.जूर.मी त्र्र.मिट.इश.टटश.टह.चे.क्.यं.सं.सं. रमाध्येषायर वर्षेत्रक्षां मारकारक्षायात्वामार वास्यानो क्षेत्रवरे व्यक्षिका **ग्री यद**ना केदा करा व्यव १३ ना खर मी यदना केदा कर ग्री भारत मारी सार में

मात्रमास प्राप्त देवा च त्या स्मार्थिय स्थान स्य माने हिमान नेपाल सम्बद्धा माने ने हिमान है हैं मिले दिसानु मुं मान्त्रा गुराम है। ये किन् मुं मुं मान्य में स्मृत्र में स्मृत मते हे पर मेर पहेर भारत मुद्द पर मा भेरत हो। इया पर मेर पर सार् **ह्य न न्ना ल अट ही र्या मै न्द्र मून य सेन्य है न मैं है र इंस यर से स य है न ग त्रशः दशः तरः भेद्राः तः पुटः यः भेदः यः देः स्ट्रः** देः सः द्रेः रग्नुदः सः हेदः स्ट्रं द यामाध्येत्रवा । यान्दामदीत्त्रम योद्यान्वेत्र याष्ट्राक्षेत्रयामाध्येत्रहे। दे कुर रह पर तर दे दे कुर पड़े लायर वियान है है रासी के कि कर की दे हैं के कि द्भारा द्भार मालु द्भारा सम्बाधाय । द्रार स्था प्रमा प्रमा स्था । स्था । स्था । मुद्रायसानुदावरेददार्द्धमान्ने हास रे के वरामेका वातक मेन दे। द्येराकारा कर मी के वर्गा अदम मार्थ मार्थ हर्षे मार्थ महिन स्तर है के च व.बु.पर्यक.वे.इ चारेब क्ट्रनंब छा। चलब हे.चर.ज़र.चटु.चिं.हुर.दशका. न दर। के भूद तर हैं न नाना ता है न हैं न ता न हुं न ता न हुं न हैं हैं हैं हैं हैं क्षेत्रत्। देख्र अविषयायायाचे क्रिया च राउ ६ हिरामायेव के दिख्य ंद प्रचुटायादम्ब अदा छेना मालेदार् प्रसास्त्र वर्ष। प्रदेश है शक्ता स्वराया र्क्**य'न'नमें र्य'रे'र्म्य ग्र**म्प सुदाय हे पर स्थेष या है र स्थेष या नम्या या है र ग्री'

क्षेर नश्यान प्राची पर लेश नि पर है श नि पर है। इस पेश मुब्दान्द्रमा पुराक्रीमा के नमाने मुक्दाने महिमाने महि म् प्यदेश वावर में ना ना निका में निका का स्मार्थ का में निका के देश है देश देश वा उद लेब.तह होता देव.वंशस.यं.वंश्याकाला सूचीशायाचा हुना करा ही यह मुः पर्दर् प्रते द्वाक्ष प्राप्त सु प्राप्त कर्ता। माप्त्र क्व मुक्ष से द प्राक्षे प्राप्ते द तप्र, ख्रेर.रेट.। वशका करे.रे.इक.मीश.ईक.तर खेका स मीरात.रेशू चेका तरे. स्रेरा वसकावर जाईमातर जेल तर् वेलात विकास सर में है। पर केर मिटार्स कुरा सूर्याता में जा सूर्याता तर अंशा लंद म मिटारा स्त ता वर ... थेदानित्रामी दुसान दे स हिना में हे से भारति सामान लट.ल्र्.च.भ लुब.ब्र्रा अभ्यः भट्र.चर.चल्राच.भ.लुब.च.वर.ची.पचैंद. माद्रमधाता श्रूदा पत्रे पत्ना केत उर मी माद्रसा स्रवसा मी दि वे दे से सस माद सेत याने हैं ने प्रति पर प्रवेश के विश्व निष्य में हैं ने विश्व में के विश स्त्रा द्वार प्रदेश वर्षा हेर् रहत की व्यवस्था स्रवस मी र्रें व्यव्या स्वर्थ वर्षे व्यवस्था लेब दें लेब हुर री। शेमक र मैन्स परे हुन पर नेर पान में न ता रें मन्ने त्र मुक्त मु चल्रिन् सहर्षे पर सामाया न रामात्रामात्रा न सामा सेमसा न मेर वसका करा का द्वारा मेरी पर ति सुरा पर है हैं हैं। 💎 वस्त्र से हैं का याया नेताया मेन्या मेया मेया मेया मेया मेय मिल्यासर भे विद्रा मिल्यासर दे हे स्त्रे हे लेखा व व वे मिटा व के मि

चरे.चरे.ह. च् भ लेब च.क्ब.मी.बंश चे.च.बु.चरे.च.स.लुब. প্রবাধ নত্ন यते दिं वं उत् नी सून नम्म भेताने दे के परे पर प्रमुख या मार्थे के वि देश्रेरालेबाबालेबानावी व्यायरामहर्गयरावर्रायाम्याराची केरन्नुभार्य वर नास्त्रा त दर से सस हिर दर्शा नावर प्येर पस विस तु न दे से ना या स्रेर मामाद्धाः मद्भा विराधरायरी है र उदानाराधिदाले सामु वदे वदाय दाया है समुदा मास्यान् नुदानायायदेव वया लेखानायायाया । न्युक्रका विकासिका मारुषालेशानुभाषी यादायानुवाकर्यये हें इंसा प्रिंग्याने में में में में में स्वरायि हें स **र्भेर-मन्दर्श्वा** पर्रेर-कन्यायार्थेन्यायरे निरायर में प्रवेश वेश विश्वा म'है। नाट'ल'वर्द्र'कर'ल'स्वास'वदी'द्यस्य'नु'स्द्र'च'लेस मु'तर हैं गरस यर श्रुर री। दे खर दे प्रमुर सर्गे के श्रिय च स स्वित्र प्रमाल साल र में नममः पर्ने द्वामाया पश्चापर्ने क्रिक्ति वर्ने क्रिक्ता प्रतिमाया विवास विवास वर प्रमुद्द दे विश्व मु न दे के स भेव वी। वार में खेर र र्दर कनाय या र्या र **য়৾ঀ৾৾৾য়ৣ৾৾৾৽৻ৼ৾ঀয়৾৽৴৾৻ৼ৾৽ঀ৾ৢ৸৽৸য়ৼৼয়৸ৼৼয়য়ৼৼৼ৾**ৢ৾৾৾ৼয়ৼয়ৣ৽৽৽ पर्यो न'नर्न हैर'मर्डिमाना मार क्रिया दे की बराव हे हैं रहें। मार हे हेस व्यामा स्मान के देवे मान ना प्रकार के । वरना हेर पर लेखा ना न के हि देन्द्रिन् ग्रीष्ट्रिन्देन्द्रे म्बू सर्द्वन्याय द्वाया विकास विकास विकास विकास **८९ँ२.क्यास.ज स्यांश च.४.८च.**ची. मध्दारा व वाट.लु.र.च.४.जस.उचीट.च.७४. वि.सर्दर्भ हु। मैं.सर्दरस.तपु.चर्चा.क्रेर.तसा.वैट.च टु.इर.१ चर्चा.क्रेर. न्याने न्यर्ना केरा सर्वेटस या प्राम्य से में विकार **भ**ष्ट्रदश्च.त.जश्च.चैट.चर्ज्रा। न'र्दः स्र न'वेश नु'न' व र्स्नाकाय दे वका हैर व नु र ले हा व सर्ना हैर

भक्ष्टमायार्स् १ वेसामु व स्मिन्स व स्मिन्स सामि वर्षा केर मर्द्धिया व **१८**। केश.विश्वानाकृत्वाभारकेवाकर त्रवृत्वाक्सकाळ ॲरायाकेश ब्बी दे.ता.सर्वेटस.त जशावर्ट्र.क्येश.ज.श्र्येश.त.वक्र.तर.स. विवर. **बुटा।** कुश.चुन.पे.च.मश ब्रमश.बर.ने.उट्टे.क्यश.ण श्यामा.सक्देटस. मामाधीरार्वे लेखा देवे श्वीरामहिमायामहे मार्केर च मार्केर हे लेखा नुपन षाः श्रम् भाषाः चाञ्चेशः श्रा प्राप्तः भाष्ट्रभाष्य मत्रे मानुद नीस स्था। व्यक्त ५५ के मादस ७५ भारतिस निव निव में स्था। दे लार बेश नु व ता क्षेत्र या व दे लार बेश नु न के हैं न के दर्श हिर यर यदशः परे मान्द्र कें पा श लेश मानु पर है मार हिमा केंस्र रहत मुंहे, से मास स्था। पर् **२४.२४.** मु. द्रवाशाचाटाता. खे.च. व.३. विराधरा द्रुव हे। ट्रवाशाय हेश. मरके हर्स उदा है र मा भेदा १८१। हैं न है र हर्स उदा है र भेदा पर हैं है र सी। **दे'नस'द'स'देस'च'**हेद'स'प्पेद'र्बे। दे'स'प्पट'र्ट्रे'नदे'विद'नर देश नु'न'य' र्सिनासाम मा दे मार्चे च हैर दे न युदा चाले हासी प्रेस मार्चे में हो है हैर ष्ट्र्य.कथ.ल्ये स्रा ंपट्ट. कर ट्र.च.ट्र.ज म. पचिट.च पश.चीट. व. ही पचर. यदें माञ्जनस रहते से लेस पु न के ते न के त पर्यक्ष,ये.पंचर,यष्ट्र,चिडियोश.क्षे.क्षेत्र,तंचर,तंचर्चे। मै.सुरं ४.उयेक. मु से द 'यदे ' सु र 'द्रा 💮 हे 'यस' ६' दरर 'यदे 'या हुनास' रह या ए प्रेर या प्रेर 'स र्हें न ख़िन च श्री द या अपने हों। देवे ख़ैर विषय पर है कि अपने हैं ने ख़ुर पाय भ. हुश. तर प्रचीर। चाजा है . प्रवर व क्ष्य क्षय त्रिय स्तर में है। हे व डिवार

१८. मु. मे. मे. सर्. त्र. तर्. हर्य मु. चर्च. ३२. १४ १. १५ १. १५ १. १०. १०. व.रदाचिवास.पा. हुस.चे.च.पा. सूचासात. ह्यूस.स्ता हार्जर हि.चे.र. हेर. ही. प्यार ल्रेन्द्रक्षात्वनातुः मुरामुक्षाः मुरामुक्षायके हिंदाक्ष्रायक्षाया सामिताय न्गर व्याम स्मान है न यह हैं स स स्मान है। यह न यह न यह से महि स स से न सुस केंस स भेद लिए। देगार ये ता स्नीस पार्टा विरोध सार्वास प वै प'यद्द्र-प्राची मुं अ'भेव' वे लेख दस' यर प्रेचे 'च प्राची र वहा हुर वर " वित्। कुचाः त्राक्राक्राक्षाक्षात्वाकष्ठात्वाकष्रात्वाकष्ठात्वाकष्रात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्याकष्ठात्वाकष्याकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्याकष्रात्वाकष्याकष्याकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्याकष्रात्वाकष्रात्वाकष . थे. हापा तर विची । चारा हे. पी श्र श्रधा तार कुशा श्री विची र हिरा। रेगीर. म् त्रात्मा स्वाप्ता व्याप्ता व्याप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वाप मालदार्दाख्यामाद्रमादाध्येर्वदान्त्रम् चेत्यास्त्रव्याचार्द्रा । तर्द्राक्ष्यका हैंद फीब है। भे में दर के मुं अर लेख मु मरे दें दें। मालक के दे दे मन्दरा श्रमनावसम्यावा क्रिंसन्तम् य यास्यावस्य व दर्दः ट्राचःक्ष्यःक्षयःब्राप्तः वाड्यक्षायःब्राच्यःच्यःच्यःच्यःचारःव्यक्षायःचरः . बुजे. १३ बुर्रा ही ही होश. म. बु बिरे. तर देशश बु. विज. तर हुर हा हर.

पर्टर् कन्य ता स्मित्राय च न्दर् प्रधा व स्नु न प्रधा व स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स मात हैंने खेर लेश ग्राम नेरेश सुकार प्रमहार्मा व रूप य वर्षे वहार प्रमुख्या रही है रहें। क्षेत्रक्षाक तहना तर हैर लेश निय है। नारक से नहा नमक कर राज दर् कवारा भारत्वारा या सेन् यदे दीर स्ता वाया ने यर्ने कवारा या स्वासाय ये व्साम देना दुः स्प्रें प्यते धुर हिं। रहेना यहना पार्थे । इं ले वा वुसायरे हें वं ณ์ร.ช.พะ.ผิส.น.ม.ช.ส.ส.น.มีพ.ว่า ชะ.ช.ช.ช.ช.ช. र्डेना'नादसः यर देस'यदे सळ्द छेर्'ठर्मो घर्र पासेर व स्मेर व स्मेर वे लेस य नर् मार प्रवेश हे म्युव मर वस्व हो। वह दे वर में वसुर में वसुर में अब में वर मे **ৡ৴.৽৴**.ঀৣ৾৻৴ঀ৾৾ঽ৾৻ৢ৸৻য়৻য়য়য়য়৻য়য়য়ড়৽৴৻৸৻৴৴৴৽য়৲৸৻য়৻ঀ৾৸৻য়৻য়য়য়ৼ৾৻৻ हर मु हिना हर दुस पार्सर या दे नशाना वर्दर क्रमसाम संग्राय हिना हर हु वराष्ट्रभावाने मुनायात्म ह्यूवायाणे शर्ने लेखा व्यापाने रामने रामन लट पर्रे क्यास परे रट में हें वे पहना पाउर लेस मारा से गमाय हैं से है। बुखायाववृद्यायदै यद्वाकेराकुराकुराविकाणेकाकायदार् रदः नी दें दें। रद मन्द्रिनाश्रया पदे दिन्दा ह्वायदे महनाय नदः सार्थेद या देवी वर्देरक्रायास्त्राचरीयानी द्वार्यक्रादे स्त्राचसम् वर्ष द्यैर हो। नवर ल्रें चार ना तर लेर चार में नहा साम लेर हैं वेह दे हुर मण्याचे रायते क्षेरार्से पर्देर कराया स्यासाय वृद्धाया दया। मस्याय दे विर.तर.प्रश्च धरकारे.वचर.वका र.बु.वैश व.रट.चश्चर वर्ग्न विर.तर.हेर. भै'नवर्'र्'लेभ'नव्यायरे'सेर'र्गा पत्रुट'वर्र'रट'ववेत रु'हिर्'यर भेर त. भुरे थे. भट खुंबा चे. पार्टी पचेट च र मं मं ह है भेरे हुने। भारत हैं हैं

रदःवर्षेदःग्रे.घरःलर्दःयःसःलद्यः हेते.रदःवर्षेदःवेस्यःग्रःवःवर्षुदः न'इसस'ग्रे'रद'नविद्र'नु नद्दन हेद्र'म्डिस'य'दद'। वहा भ'नदे हिद्र'यः मैंडदःवदे केर है। महिना भारत है वार्य दें हैर संदेश से से है बनाया यद्रक्षेर.र॥ चायानु त्युट चत्रे रह्ण चत्र अयस्य दर्द क्षस्य सास्यासः क्र-रूर्-भूर्-स-मुच-य-रूर् र् ले रा मुर-यर-मिर यर वहना सेर् यस विसानु नाता स्वीसान स्वीसान स्वीसानी वार परि वितायर प्रह्मा सेर पार्डे सहर् रे. ब्रेस्थान प्रप्राची स्त्राची में रात्र मिरे. वर में के ग्राम मंथ्या . **७ अ.२.५॥** वैश्वाहासूर्याचारायात्रे विश्वसायास्य स्वाहासूरायुः देशस्य स्वाहास्य भष्ट्रा.त. हो रूपाम.पाष्ट्रचा म.पीर.तश.श्रीय च र.पी.च.टर्. क्या श्राम. **शॅर मंदे : ब्रॅं प्रसम ४५ : ३वा : ४**४ : ३वे : ३वे : यह ना : यर : भे : २वा र । पर्दर : य देवनुरःसर्गे, में वर्दर कमश्राक्षा संस्थान दे हिंदे रे वा अत्र हैना सारे ने रे सामा मलैकानु मुवाम दे पटा रहे या उस मी मुदा या व देन या प्रेका के लेखा देने ही दे . अर. कुन. भ. ५ रू. मीर. त लह. खेश. ये. य. श्रुच्य य. श्रुच्य हो सीर. तर मी. **अष्ट्रान**पुटायाद्याः छटा अन्यादाया हे ते हे हे हे स्वाया या या स्वाया या हे ते हे सेर्पारक केरिपु पकर्पर होर दें। विचान विकास केरिक केरिक केरिक मार्डुनान सुर्वास्त्रे होरापरा दे प्यार हना है तुरास हैरा से राम दे होरा माध्यस्य कर हेगा वर न्यू वर न्यू दार दे देश नु न दे न्यू स मदे दे दा पर हे ।

बेदेःयः बेदःयञ्जा ङ्रॅतः यः ञ्चेबः यसः दे**ः बेः श्रदः द्वाराम् यः अन्यायः महादः हैं।** दे नश्च ही नदे दुश्व विश्व व ने **दे हैं केंद्रश्च भं ही न**्य के नद्व की दि**र्श में** मर्देर.वर.ट्रेर.र्शा रम्.व.ज.स्वीश.वर जश.कु.वे.व.ज.लुर.बुर.। रुष्ट.वंवेश. त परे पर्ष स्वाप्य स्वाप के व्यवस्था स्वाप के का निष्य में के के माले दे सर हेर्'याम प्रेम या लेखा छ या है रो हैरा रु के स्रायम छा या मा प्रेम प्रेम सम् हुस.वे.चश.सू॥ ८५ स.तूर प्रीर.वर् हुस.घे.ड्रेर.त.१८ वट.लर व ट्.व.हुस. Ð'न'क'मुरे न्ट्रार्चर'विष्युर'नरे हेश हानुन परे टटा हंया ठरावटा वा व्यन्त <u> बिश्व मु: वर क्रिंग दक्ष पर श्रुर र्शे।</u> वाय हे रेना मु: पर्र द शेग ने द्रय पर कुबारा प्रविदायर प्रचीर है। भूगा मा क्षा तर कुबा तर किया पर स्था तर स्था ना है ना से मार्थ च दरास्य यदी र्ह्म या है रार्थित यह से रार्थी से मान समा समा तर. पुरायात विद्यातर श्रेमका या भीत हो। हे हा म भीता व प्याप्त महत १९८४ मी स्वापाया लेखा न ता की मा है का प्रवाप है न न स्वाप की सामा है सामा है सामा है सामा है सामा है सामा है स होद् यर हिंद या दे न स्दार के सकत हो दे वा न प्रेंद हो हों न न प्रेंद हो हो हो हो न न स्टार हो हो हो हो हो हो न मुर्य रे क्रिं प हैर भ मु माल र रु मु र य वे भे व व । रे हैर वे दे व दे व लेश नु न ता स्नास प्रशाहर ही। से दाय तर्दे पादी विदाय है। भु तरे निवस रहा विश्व प्राचाया स्वामायमा तकत् सर हेत् हो। भु वर्ष वाहमा परः असि पः व व प्राप्तः प्राप्तः गुरुष्यः अरि पर्ते। अस्य । व व वे से स्वास्त्र व मूँ गुरु खुर पर्ये। यरे नहे नहे कुरे कुरु खुरु खेर व हे चुर पदे नहास यहें।

यर्ग्नर्यर मार्थकीर क्रीर क्रीस लेखान वासी है है मार्थ मार्थ मार्थ कर्य केर कर मुःमसुम्रायाक्षराहै। वर्त्रोद्रायराचु पर्देश्या वर्षाया वर्षाया वेस मुःपदे र्द्रा इर र्ल्ट्र्य लेश नु: य दे अदय नु ज्व स र्ल्ट्स हा रे य त्यस हराने इं के रूटा में है वर ते का पार मा लाम पार है र में इंमा म मेर पार उर्केर नुम्बूवस प केर कु कुरा हिरा हर सर्दाय केर नुमूव प स्वर ही। दे ताबुश्राचित्रकृतिराके तर प्रमूर्तिया पर्रा ४ र मश्रम् हैना पर्वेत प्रमूर वागुनावर्षा श्रेनायने श्रेनायने श्रेनायने श्रेनायने स्था नुन्रां संभित्र के देशी निष्य में प्रति स्वाप्त के देशी स्वाप् क्रमभारी दे.रचा.रट. च वसास वे.चैंय के.किर.तर श्री.च.व.चेंयात देशातर पर्मा न स्पेत में अर्दा सार प्रत्य प्रसाद का स्पेत हो। पर्दे कन सामाहिसा मर्श्वेद्य पर स्वर प सेर पते सेर र्या हे थार्पार पत्र पर है र सेर मी रहे हैं ल.रेश्चेत्रां वधुः हुर्श्याचा ११ वी ११ विष्या विषया মই দুর্মে র অ দুর্মান্ম মই ক্রমের ক্রাম কর্মার জীব স্থা नाम नी खेर दे खेर ने खेल दे हैं ने कर्म नी देना र निर्मा कर्म करें मास्री यादेषे हो र दे से विर मीर र र सा शायुद्धानी,लाद,पद्दे,वरान्धेरे थूँ, कुर्याचर्त्रीतरांचिकरू। राह्मेराचन्नु, हैं है द्वरास वेंद्रसाम वेंद्रान केंद्र ना हैरा वा से दाले ना है दिरादे या सर्देश यर देवा र वेत्रात्त्र क्ष्या क्ष्य वे वा श्री मा हो। श्री वा प्राया श्रीता वा वा व्या श्री वा वा वा वा वा वा वा वा वा वा

उर अञ्चरभर सेर पर र्देश र माकेर प्रति **क्रां पा उराधि हैं । वेरा प्रति रेर** र्देश ८९५ भन्न भन्न अर्थ १५ दु निष्टे र न व व र दे दे र पद स्थित स्थित स्थित स्थान शेर मदे मिश्रस र्दे र् मोर्डेर म रे से से राय से राय रे मिश्र स्वाप्य यर वर्रिय है वहैना मदे होर मदीं। यरे मदे होर म वहना मदे कु मळेड चार लुब रा दे बु बुझ मिन हो। पहेंचा सप्टर में सक्य चार लुब साहे सहें सदे रमक्तान नरे नरे कुं हे**र.रे.**चिवट.य.लश.श्री ल.लर.पहेच.चर्.चरचा.रे. ক্ৰবাধানা টুব আকু তৌৰ দ্বী ৰৌষান্ত ব বী বেদী ৰাষ্ট্ৰ মান্তী ৰাষ্ট্ৰ ৰো ৰাষ্ট্ৰ ৰাষ্ট্ৰ বৰ্মী বৰ্মী ব कतंश रामिक्षेर त्रामपुतिर स्ट्रा **७४.३.४४.श्रीर** स्ट्रा स्टिम्सा तीराजा बेश में च क्रिंग स्था। वह ना र विवास समाम न विवास में विवास है । पहर्मास महिराके प्राचित करें में का महिना साम महिना साम सहसा साम सहसा साम सहसा साम सहसा साम सहसा साम साम साम स हु:स.मु²्ट्रा रेट्स.सम.चर्यै.तस.बुहाय.या चार.यु.कू.सस. श्रुंशश्र.तश्रम् श्र.तर मुक्तायर मुक्ताय । विद्याप मित्रायर भिष्ठायदे वरे व मानदेशका पर्ने क्यां स्ट्रें क्यां से प्रें के के के प्राची मार में हैं के सम तवार होता हु श.च. प. वे. जिश मी. वेश पट्टे हे. पर हीं र पट्टे विर पर ही। रे ब्र- व दे : व्याद्रवेत्वक्षाय : व व्रुट : य : व्यादे दे दे स्वाय : व्यादे दे दे दे दे दे क्या साय : व्यादे : य सर् प्रद्वांशायाध्येद हो। 🌉 नादा स्मारा खाता कुर्याया था स्प्रें वा वर्षेत्र द्यापर्ट्रक्षण्यातास्त्रम्यायास्त्रीत्रादेश्वाकाराद्ये मान्यास्त्रावसास्याव

बर्मी सर पर्नाक्ष पः है र प्रांत प्र प्रांत प्रांत प्रांत प्रांत प्रांत प्रांत प्रांत प्रांत प्रांत मिन्यामा संग्रमायामा लेखानु माने पर्दे दे कनासामा संनियामा दार देना ही प्रते की मुंदानुसायहनायाद्या नोनासानुदायाधारवायाच्यान्यानुदायाधारा हिन्द्रर देवाक सर्वे दार्दे हे तर क्षेत्र रा हे स्वर हे तर हिंद्र प दे ह्यूर पुरास स स्त्रे मदे मुंदे देश भर मुंदे न माना म स्त्रे में। दनाय न स्त्रे भर से स क्षेत्र स्वर स्वर हो। र्द्र क्ष्मार से द्रायर बेरा नु मा स्वास रस नावत मी ब्र्चिश.में भेर बर वर बेर हा। अदश.मेश तश पर्ट कचश भर पर सी. यामामार्चित्वर मुक्ता हु। या वहेरी वहेर् क्याया मु प्रवे वे लेखा नु न यन्तर् यदे देनास नाट व्यव पर वी। देनास दरे खर दर्र कनास गुं मुं हैर ं भैंड'चर वर्रें, वाब अंबाबी वर वर्षे, कनायाय सर्वेदानि ही र वर्षे काया मु मु भेद पर री देवस म वरे हैर मुंश नु न दी रुप महम र वहूट न उद्गे हैं ए प्रेर यदे हिर र्गे। कु मेर य उद्गे प्यास मेद है। द्वा नु पर्द प निम्मेर् यर व्यापद सेर मा व्यं न्द्रिं व व स्थापदे हरा ही व वे न **८५५ क्यां वा अवाक्ष प्रदे तिका ग्री का उत्तर में हैं** कि इस दे प्रदे प्रदेश में हैं " मन् ने के क्या मा मक्ष के के का मी मार्ट्स मार र्टः रट वर्षेत्र मु रेलेश व व व के के के के का व ता संबंध वर्ष र वर्षेत्र मुह्मा **अर.रे.न पर. तपु. मैंपु. रर. युष्य लुख.मे.म.** मुं सुर. तपु. सुर. त. हे मैंपु. रर. युष्य क्रि । सम्मुवासुर अदालेखानु नावान महिन हो । यद्वा म श्वांश्वायायावाता हेन के किर हें हेश स्वाया महाराष्ट्र है।

ैं हर् स क्षायमीय में प्रमें में मन्तर विषय में प्रमें में प्रमें में प्रमें में प्रमें में प्रमें में प्रमें

नाया है व्यक्ति वा पा त्वाव विवा हेस ना व वे वहना है वह । हर विवा हर वार्सेन्सायावायस्मसायाधीकायादेवी केंसाम्यायाधीकाने विषान याकी विर् क्याल स्याधाराका मि व्रत्वर हूला नेर हैं लेखा नाय है नेर हराया यहीर चेरे क्षेर**्रा मवारे अराव**र्गार्थेर वन्मायैकायारे स्वाक्षायर वेश्वायाकेरा वन्नान्दःवन्नान्नेरः क्रिविस्यास सस्य विस्यानरः हैसाय वा नेस या अया निर्माता चक्रा.च.चेर.चेरा.वर्षा.भक्ट.ट्र बुर्ग.नह्र्ट्री। देश.तर.चुरा.तपु.चैंट.टु हेट. णुःक्कॅर**्र्नश्रायायाम्बर्दरायदे खेरा** है इस यन्ना सेन रु केश ग्राम्स्या या ना **นสพ.ศ.๔ะ.นฺพฺพ.ศ.ต.**ฺฺฺฐปฺผ.สซฺ.รพ.ฏิฆ.ชฺฮฺ_ฺหฺฮิ.ฆฺ๘.สะ.ฆฺ ชฺฏิร.ฮ... दे.केर। दे.केर कु.स्य.पालयाचैट चप्र. खेयाचे.पाल सूचीयावया पकरे.पर मूर्नाय दे नार विवा नार या वेश नु न या स्वाधाय परेश पर्वा नु 35.51 क्रम्भायायहन्त्राच्ये कुर् भेरायरायश्राहे। मारामी दशायर ही वर्षेत्रा दे वाकन्याया है सर्दे पर कन्या पारे निराया पर पारे दे वारे বর্ষ্যা ह्में पर्वाश मधु क्यांश सम विश्व तह पहिंच यारे दिए हार श्रद्रा हेस निर् बाट. बुचा चाट. ज.क्यां स रा. नेट केंगे. ता हे. बु. हे. ज. महूरे सर क्यां श. 4211 मह्येतर क्ष्येश पार्यमात्रारम् जारमा केर् ग्रीस पहिनायरे हिराहर रहेर ही

मान्द्र हैं विष्यं प्रदेश देश विष्यं प्रदेश कि विष्यं प्रदेश विषयं प यदना-नुःवहिंदःयते वहिःया व्यद्गाया देश्वर हेशा नुवा। देशे देवर द देश्यार्वन्%द्राद्रेन्त्वासुदार्वे स्वामास्येद्राधि साद्रेन्यस्य द्रस्य विवासरा विश्वान्य स्था विश्वान्य स्था विश्वान्य विश्वा त.ज.रच.जम.तम.वहच.तर्.र्स.टेंस्.टेंस्. अर्द्धर मदे में १४४ दे मार्थ पर प्रधित य क्षेत्र थ। पर पर १४ में पर अर्थि व सर्द्र-व-सेन्-व-ने-कुर-व-कु-से-न्सेन्य-पर्वा ंन्ववन-त्य-वन-पर्वन्य पः हो असः ৾**ঽঌৢ৽য়৽ঌ৽ঀয়৽ঀ৾৾ঽ৾ঀৢৼ৾৽য়৽**ড়৾৾ৡ<mark>৽ঀৢ৽ঀৼ৽য়ৣৼ৽ঢ়৾৽য়</mark>৾৾ঢ়৾ৡ৽য়ৼ৽ঌঢ়৽ঀ৽য়ৣ৾৾৽য়৽ঢ়ঢ়৾৽৽ केर र्या के पर लेक पर दिर पे स्टर्स के पर ने ने र लेक ला रे केर खना पर्य ष्येब में मधुब या के र प्येब यदे के र र्शा वार तारे र में वास य प्रेर या दे ता दे अद्रेश प्रदेश दे में क्षेत्र कार्य कार्य के कि के प्रताम कार्य के कि कि लब है। दे नदमा मी नदे नदे दूर दु र व अद म लेद । क्रमा यस गुद्रास से दे ने विद्रा गुद्र विद्रा मिं देश से देश विद्रा पर नेदायामा भेदा हिटा हो साम दे दे दिस्ता सर मेदा साम भेदा होटा है। नाया दे लट.वर.भ.ट्र.मोनाय.नुर.त.१.क्षेत्र.भ.भूर.वर्ष.क. १४४ वर्षात.लूब.... नतु.हुर.ह्या मोनास.ट्रेर.तूर.वुस.त.व्व.मी.लश.गू.स.पदारस.ततु.शूर्य. र्भिन्द्र देन्साय पदि पदि मी देखा मार्थित देशायर प्रकार मार्था प्रयास यदी दुस देस य उद की श्रेंद यात वर मंदिर मो हे हे या सेंद या केंद्र म से देशों। म्राप्ताद्व याप्ता म्राप्ति देव लेखा अपने देव मालक केर सामेका से

नुनाया म स्वीत्राधिय वन्त्रात्रिक के कि कि नाया निर्मा निर्मा निर्मा के कि नाया निर्मा के कि निर्मा त्रा व्यामिद्धाः वास्त्राम्यास्त्राम्या विश्वेषात् । वर्षेत्रा हिंदि व्यन्ने भी सामाने द्रना पर्ना । वरे माथा स्वास वरे हिं वर वह देश वही स्रोधार कर दे अन्य क्षित्र प्रस्ति वाक क्षेत्र पश विवास में कार्य कार्य है दि अनास कला मुभमकर रे. के क क्षिरे अंट. पक्ष तार्थ के कि कि कि कि कि कि प्नाम न ने में ने प्राप्त के प्रा बाह्ने दे त्युक्ते देवस्यारी के दासिका सामा वर्षारी के वार्त्यारी शूर वार्ष्य में स् रेट मुक्ति त कुर्यातिमा विदाय कुर्यातिमा कुर्यातिमा मुस्य निर्मातिमा मुस्य निर्मातिमा मिस्य निर्मा मिस्य निर्मा मिस्य निर्मातिमा मिस्य निर्मातिमा मिस्य निर्मा मुक्केट हुन अध्यम् नेट क्षेत्र त. १. इ. देट त्या मार्ग १ र त्या वर्षेत्र स्त्र हुर हो। ्रहे देश.चा्चेश्वानी अभयःक्ष्ये.ज.रेश्वेशकातारेटा क्ष्मालःसंग्रेशका सर्था। देनानक केट इक्तामान नद्यां का नहिंदा है दे हैं है है से में में में में ं बाकानसून धार्षेत्र हो । वर्तेत्रक्रम् नदः स्वायान द्वा था वैद्येमस वर् या दस्ति। , यद्र श्रेट हिम्मश्र भू जिल्ला में खुर हो। वह हे श्रेट हे महिला हैश या अश पहें न वश मह्द्रिय भी कर्त्र के दे व्यवस्था महित्र के मानुष्य के मानुष्य मद्राश्चिदाहे के अध्यक्ष कर वा महे महिंदा है अद्भाव कर है दार या मुवाम है दार्थी । उ देखे श्रेमस. कर्ज व्यवस्थान पाकर में खेश ने त पास्त्रा न हूं य स्री ीर्वाट.ची.होर.वर्र्शकवाम.रह.चक्षे वः दशसःग्री क्र्स.ज.रश्चेवाश.राप्ते हीट. हिर नामक्ष्य न ज अध्यापिक हिना मानिक मानिक मानिक मिन न इसस नदना

१.के.च.क्र.रे.स्ट.च.कर.मे.केट.इंड.श्रमश्रटाक्रय त.हेट म.मीच.चर.केट.स्र . श्रेचा. वर्षा. पुष. त. बुष. चे. च. वे. श्रेचा. वर्षा. मी. चर्षा च. पुष. च. व्राच. चि. देवा. क्षेत्र हे हे ने के हमा भारत हुन न क्षा न रहा लेका हु न क्षेत्र है। नहे ने पर नद नहुन संभित्ते। कुमा नहाम ने मा पर्दान बुस्त. संदर्भ हो। बुर्स स्मास स्वरं ही बुरा ने न , , बुर्स र के पहें हो : हेर व नर्दि य प्रव पर दे प्रेंद पर हैर ले हिर हिर हा या उव प्रव है। व निवाय यः मेर् पत्रे लेस पहेर् पाये का वा माया है । यह स्वा पहें सार सार हरें क्रनामात्राम्यायायायायायायायायायायायायायायायायाया मानार केष माने के केर है निर्मा ही ले हार निरायमान केर केर के माने हिर है। ८5्र देना दश देश नु प ता दश ह्या श्रे द द हुना धर ह्या दिन हा सहस्या सर्वे खेर दें। हिं कुं बेश स्व न व बे हिंदा मी कुर्या। दे केर वे दरमा रहा **२.जी**र.स्रा टे.भूर.तर मि.चडु.मी.बु.र्हाट.भ.लुर.मी.बुका ट्व.मीट. **नर्**ना रु म्हे न हैं र पर्र के ले इंट व दुट हैं , लेख रु नते र के हैं । के है र के देश व.नर्न.र्ट दर्म.नु.रंभ.नंडु.खंश.ची.न.ह्यूंश.स्था ह डेर.व. खंस.ची.राज. स्निधासम्बन्धियाताता महीतातातास्त्रीय पार्टिमाम्पेरीय महिनास्तराहर र्। 'दे अर मिर दु क्या मर के बर है। मार प्राहेर कुश हर केर स्व हुस.च.न.वे.सिर.म् पु.श्रुव.भ्रेर.त.श्रुेर.त पा ४र्ट्र. द माश.रर. र ज.च.र. द्वाता सराकुःवृश्याम् इत्यास्त्रेद्रायास्त्रेशः इति देव हें। <u>द</u>यरा ब्रिन्डिन श्रेमसं नियं देससं ग्रे.के.वेर् हेस.वे.च.व्रे विटाइन श्रेमश रेटर.

क्सरा वे पास गु वृश्व यं बद्धार पार्व स प्रोत्ते । के वाह्य प्रस्त संदर से नावश यते'स'दर 'यस'दर्भ'यरे दर्शन हैं कर हैं मा भेर पर है दर्शी हैं समेर **ब्रु लेख नु मार्च श्रेमाया सेर्प मां ब्रु मां। श्रेसरा ब्रु मी म्रु अराया नुरायरा** निर्माय लेखा निर्मा निर्मा वर्षा निर्मा निर्मा में निर्मा से निर्म से निर्मा से निर्म से निर्मा से निर्म से निर्मा स मः मः भेर देश मु वं दे पार्टेश पर्दा 🔧 पार्य म दे ही महित पहिना म रहे स दिन हेस सु प्रतियान कर के के दाये प्रति प्रति स्विक स्वी मान्य के नाया स्वी . इ.८४.तम प्रेथात.पशःश्चेटा है.जूची.चम.विव.त.३८.वीटारी **४स.प्रिय.**तर.प्रेट.त.प्रयोज.य.के**ट.रश्चाश.तर्त्र** विश्ल्य.तर्र.जश.टट.श्र.श्र्रिय. त्रम, बु. त्रम, दे त् त् त् त् व क्षि. व क्षि. व क्षि. व क्षेत्र व क्षेत्र व क्षेत्र व क्षेत्र व क्षेत्र क्षेत्र क्ष मिन द्वार के विकास के विकास के कार के विकास के व नहार की नदेश वा मर्वेट व केर की सर्दे द्वा मीस पहेगे के वास शु भे व सिट स या भेदार्देश - [गुत्र नु:पद्गावायादे यम्द्र पट्टें का क्षेत्रकाया व क्षेत्र वाये क्षेत्र देश इर हिन हिस पार में में नाम मेर पर पर पर मा कर्म साम मेर पर **ৼ৾৾৾৻**ঀ৾ঀ৾৽ঀৢ৾ৼ৽য়ৣ৻য়৽য়৾৾৽য়৾৾৽ঀয়৽য়ৢ৽ঀঽ৾৽য়৾ঀ৾৽য়৽য়৾ঀ৽য়ৼ৾ঀঽ৾৽ঀয়৽য়য়৽য়য়৽ यदना दु कन्म यामस लेक या केद की हीर। 🏥 कुक दु जुनास या या हुक की न मुक्तायन में में का वा खें ने हे विंग विंदा पायन के लेका वहान विराध 모드레 े सुर-वाद-विवा-द-वे**स-सर्वेद-सेन-द-विस-ग्र-व-स**्थ्यवाश-द-श्रुर-स्र्रा **B** 24.

विक नाइन केनाम र्स लेका न ना ने प्यार केर यह केर मर्कम में हिराय ने नहना हु " क्यारा सदे त्र्रा व केर प्रेर परे खेर र्यो मार्ड केंगर रे माक्रेस है सम्मुक्य พล - दे : ले स : न : न दे दार्टर : न : अ : द : ले स : न : न : न : हा : द : त स : प्रमामा अदार प्राची के के लिया ना प्राची के स्वाचा के स्वाचा के कि लिया के कि कि ना प्राची के कि लिया के कि कि ने अन् प्रते कुर ने त्यावङ्ग क्षा वृत्तर पार्ट सार का प्रताय का प्रताय की त 'च'द्र'शर'च'३द'द्र'चर्नाथ'च'स'मुच'च अद हैं' लेख'नु'चर'द्र्नीट्स'स्।। व्यविष्युक्ष विकालक विकास विका E'३८'भेद'ले'दा देंद'णुट'म देन'य'र्भेद'द'लेस'ठु'व'भार्सेम्स'य'र्झ्स'र्से । र.रे. ७४.व. वर् .मे. १.४८ .वेर. १.४४ वर .वेश.व.र. १४४ व लूरे.ये.भुट रेट.चेंडिचेश बुश चे.च.ज.श्चाश च.जारे.यूं। चोट.चो.चरेच.ज रूरे. त. सुर. तर .लट. भ. रूबे. त. ज सूर्वाश. त. हू. य्. केर. ग्रेश मीं .रट. उचेश .वेर् .रहुंश सूर पुरानपु रूटा पुरेश पहिंचा तर प्रचीर जो े टे पहिंचा पार्थ शंकरा प्रमूर च. खुंबर ब क्षेर्-चर्चाम. खाँ। पचीन चट्ट. में १. के.च. जब चिट. मी. चक्रू न. नट्ट. से. वंशा स.इ.च.त.र्ज्ञ्च,त.द.भ.ज.च.त.बुस.घ.र्थे.र.टे.चेश.च.लुस.चे.बु.चुस.चे.चा वर्ष्यातपुर्वात्रा वर्ष्यात्राम् वर्ष्यात्राम् वर्षात्राम् वर्षात्राम् न.लूब.हो इ.रट.पंचाल.च.क्रेट.इ.र्झची.चर्छल.डी च.रट.चल.च.क्रेट.लब.च. ने अर के विवासर ने ने साद ना या ना ने में स सर्वे। विवास के सरे के के के के नष्ट्रया क्षे निर्मु निर्मा हिरा प्रेश मे रे खेर निहत के निकास मानु ना प्रेक के लि का

देवे खेर पर दे दे म नुवाय प्येद पर प्रस्य पर से मु हो। विश्व मु व ही राम् क्र निसंस् निरेनिदेशमान स्पेत्र निरे लेखान नाया सेना सामा हिना सारा ना **क्रे.क्ना.त.र्ना.रे.वर्ह्र.तर.ये.व.श.लुक्.त.क्रेर.क्रे.ब्रे**रा वहाल्याके देशाला निकेषान्द्रम्य पार्केद्राध्येद्राय पद्दिर्दित्ता देख्य वर्षा वर्षे द्रार्थ वर्षे स्रिन्य संस्थित है। दिस्य चि वै दस्य च माने नाम हिनाय हन ही हिना हो। दे **१९ देर मा सार्ट से हमा पार्म देलें साम पार्स मार्स मार्स साम है।** प्रवाहित मिटशास दे. तथ. व्ये सिटशासा हो हे हे हि सिवा न हो। हेश में केश सह र हे है. ह्मा यं न्दः में हमा यं नदः नमा व्यन् दे नमा व्यन् भन् हेश नुव्या दे वे न्द्रिश चॅंभेर्भः भंदे १९८ कें हैंदा इनाय श्रुद्धा देश है साहना यदी सह राष्ट्रेट देश सह ं य दर्भ में ह्ना य सुरस है हैना भर्दे सर्क है हैन न न करा व प्रेक के लेश न ं सं र्श्वेंश स्था वाट अना वार सेना स रावे रहें स र्ये क रहे न र व स या बार्डिमा दुस्य प्रतर वहन या न्या - व्याद्र साम् विद्या दिवसामालक् याद्नायत्रा की द्वापार्व्यस्य सु रहर याद्रा इस यर वर्ष्याम्द्राप्यक्रायादे सेत्रक्रिक्षेत्रवृद्यामा हैन्स्यक्षित्रयदे हिन्ना दे सिन् क्रिंच क् ्रिक्षेत्रम् य प्पट्स सु नवर् ये सेर् द से त्रुट य उर अव से मुस्य त. न्द्रं देश मरे मार्ड प्रामेद दासी के मुंदर मार्ड प्रीद दें देश महत्य मर मार्च र

रे'चर्याक्ष'क्'नायादे वादावन 'थादेना स**्वस्य सरायवद्र'क्'से'द्र**मा सायस्यायराम्स्वदः न'देदे ख्रैर'मे द्वाप १ १८ दु नहेंद्र पर पु न प्रेंग पर प्रमुद्ध है। **य'र्जिदस'सु'नार्डेद्'य'देते'र्क्के'अट'के'इन्'य'क्स'यंर्चे नरुद्'य'देते'**्रेर्च् य केर प्रेक्ष वर्ष व हेनाय हेर रु वहाँर यर च व मेर य केर रे व मुर री। रे यलेक बुर-देबाय-कुर-दे-पहूर-तर-वी-वालीश्तर-प्रवीर-र्गा। कु.ही.सा.चेनावा र्थेद्रशासु नहिंद् या भी शया दे हिन अदा हैना या देश या रायवदाया भेदाया दे हिन्दानी देश'यर'भे'द्रमाय'३५'र् पर्हेर्'यर'तु'य'भेद'य'३५'र् पत्तुर'र्सा हिर्माय ि हे लेखानाय देवे प्रवेश वास कर हैन महित प्रवेश नाय कर ही। कि के मेर य हिन भेर वे लेश न य है भन हैन या हैन या भेर या के देश न र न है से सह चल.च.केर.कीश.चर.न.केर.लेर.चर.चीर.ट्रा देव.क्र.स.चट्टस.स.च.क्.खंग्र.च. मार्चे तिकेट यासे दासासाय केटला यहीं नाम ५ देना या हेदाद यहेंदासमासी यामण्येत्रयते खुर। क्षेत्र मेर् र्वे ब बेश उपन वे नाम हेर् गाम हेर् गाम हेर् वना नहेंद्र यर नु न पेदायका मका ब्रह्म दशका अत्र हैना या हेदा नहेंद्र महा नु माणेश्वराङ्कावरावयुराव देवे कें भेराया हैरामा भीरायरावयुराहे। ्राः हिम्' हर 'र्देक्' होर्' धार्या यायाये हीर स्था । मारायी कें द्रमा धार्डेर् गुरु महेर् यर वु य स भी र य र रे रे हैं। हिं र रे स्पेर्य य स भे र वें व क क मुन द्रान्त्रीद्रम् तिस वादायार्स्म् सायायाद्रम् याद्रम् । सीत्रम् सद्रम् सेद्रम् सिद् - दर्चि दे केंद्रा नदावना नदाय विद्रापत केंद्र केंद्र निर्मा है न प्रापत केंद्र में देना । यर खट पहें थरे अर पर हैर नट वर्ष हैं र नट हैं। यर पहें र पर वे पर से से

सद्भानम् वर्षान्य केषाया देवार्ष्यस्य सुनुदायाम् देवा केषायाद्दा दे मिं द के दे में के द में के दे मे मिलेशन्तर दे दर्श री है वान वले कर्नान दिसाय दे के पारे पर ना हैन कर ले स म् नदे द्रात्रा व्दामाद्रायम् नदे द्रमाया दे हे दे के विवा मे दमायरे । **दिःदरःहेशःशुः**द्रवे**यःवःक्रे**ःवरःवश्चरःवःहे। क्रेश्चःवःचःप्येशःवःदेदे वद्नः हैद'ठद'र्'से द्युर'र्री। अस्मस'हे'वर'हेद'संदस'यर'वेद'यस'द'हे'वदे' १८४ में में प्राप्त के प्राप्त के मान्य कि मान्य के मान्य के प्राप्त के प् **ल.स्**चेश.चर.स्र्.चरेचेश.तश.पंटिंचे.तपु.चंचित.तपु.चेश.त.व स्र्.चे.चे.केंचे दे'द'क्द सदी'र्ज्ज्वास'स'प्येद य'केद'र्गी हिंदे र र्रो। दे'त्य'महिंद् य' · **लॅर्-१**-१ ते मानु न मानु निराय दे मानु निराय के स्वर्थ न न्त्न मेर्परे वका ग्रेस वस्त्र मार्भे द्वा विकान विकान विकास मनेर्भ महरू पारे हेरा व के पर्या मेर पारे ताम हेरे पर्या हैर ता महरू मन्त्रं रूप्यार् दे सूर्य गुरु खुना सार्य र माने १ मेर प्रेर पर से से से स्टर्स ं लेखानु माने प्रदेश में है हि सूर मान्याय वित्र पु तहन माना विनाय मिन मिन मने सम के से सम के के कार विकास के कि के कि का कि का कि के कि के के कि कि का मुर्मामा भीता है ता है वा की। इसाया निवाद है वा नःमःभदः वे लेखानु नदे देव है॥ वडेवानदे क्रिवः व मामदा व से न्याय व देश वर्गा पर अने लेश न पाल संवास प के देवे वाकेश वर्गा भर क्या प

नालद'रु'तहना'भदे'हेद'रु'गुर य'य। दे'यश'वर्ह्ह्नेन'भद्रम्' ৾৾^ৡঽ'৲ৢৢয়য়৾৾য়৾৾৽ৡ৾ঽ৾য়ৢ৾য়৾৻ঢ়ৢ৾য়ৼৼৠয়৸৸৾৾৾য়য়৾৾য়৾ৼৼঢ়৸ঀয়য়ঢ়৻ড়ৼ**৻ঀৼ**য়ড়ৼ <u> ने ने मिंद के ने अर्थेट या ने वे यदना के दार्थ अर्थ व्याप्येद या अर्थ दाय ने यथ दाया दाया द</u> क्रुचीश.भ.चीय.तर.पचीर.र् ७ थे। भ.चीय.त.भ.भ.१.५.७ थे म वे.च.त.श्चीश. म क्रिंब स्था देव दम पर इस पर ने स म दे देव पर दे दे पर दे दे पर लेश मुन्याया द्रिन्स सराइसाधरा मेहायाद्र वहिंदा हैदावे स भेदाही वाइदा मार भेर य देश तरे द्रार देर पर विदेश वहर पर है र देश वहर पर है र देश कर है र देश कर है । लेब.ब्रा द्वि.र्.ज. जमा लेब.वे.च वे.परं.च.मावब.रट.मावब.परंचेंट.च.ज.स्र्र. सरे प्रमित्रासर होर सप्ते देश सर्हा इमार्स्थ लेश नि न देश कर में नर्ना हैर वर्षेत्रे दे दे दे त्राची मी देश यर हे न यह न न कर लेख में मान प्राची है है ૹ઼ૢ૽ૼૺૼૼૹ૾૽૱ઌ<u>૽ૢૼૺ૱ૹૣૼ૱ૹ</u>ઌૢ૱ઌૢૼૡૢૹ૱૱૱૱ૢઌૢ૱ઌ૱ઌૡ૱૱ૡૢૹ૱૱ઌ૱ र्भेर्यामाओकारते क्राया वहेंकायते क्षेरारी हे केर वे दे हर के हे हर के ये.च.ज.धूर्यां व.सं.सं.॥ ४८८.तर बु.उचीर.स्ट्रिम ही.स्य.मी.र्थ्यमीयात. सेन् स्र्रा इसायर देशाय है राय दु मुयाय ध्येद द द्रिय व वस्र उदास मुन मालबार्गा देश नियाने केरे हिरामहर् हेरा नेयामालट हैरा हे र्या में द्रमा त.ज.रेभुवेश.तर्. ब्रुट. र. बुंश वि.वर श्रुंशही चाट. चुं कु क्षेश्व. तर खेश ता लिंग. नु नुरायाया ने स याना व र नु । खाया नु दे हैं दे । वा या महा नि नि स पर हैं द्याताक्षेत्रके स्वरालकाने नेराता क्षाता व्यवस्था वर्षा तर नेर्

न्यते रहामले व उव पुंचाय यर त्यार हो। हे १३५ वे दे खे य पह खेया उव सी न्द्रं त्र्वं त्रायर प्रविन पं केत् की नार्य स्मिन्य भेन्य प्रेत्र वे वेश न महिंदा है। ख्रिय न्दराख्यभारु र १९ दे ने सामदे ना रहा स्राम्य १ दे १ दर् । व विना प्ये र विहास वरे एवं स दरास्त्रिम.क्ष.में. रहेश.सं क्षा.सर. चलेबी.स पर.पा हे.क्सा.सर. वेका.सर्. क्रां ए यं तहें वा भेरत्या कर्ति हैं वा भरित वा निर्देश वा भरित वा निर्देश न्त्रभावसाय राजी देशमा गाने स्माया नहीं सा परिक्रिश की राजे विकादमा न्य विवास देवे के वेस पदे वेस पा भेर के प्यान विवास दे र परे रहा महीकानु त्रमुद्र न ने देश नादायका लेकाचा मुनाया धिकादे । अदा लेका मा - माल्य मुक्षा अस्य शुः झॅट न प्येय वे लेख मु न न ने नालु ट ने र हिंगा चर मुर्गा रह रेण मामाने हिंद पर भेरामा मामेर हो। देने पर पति है पर पर पे मा यसः वेसारा हेन ता ने त्या ने त ्यासाधीकाकालेकानु न विषया सराने प्राप्त स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान विषय स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान द्रमः भावत्र नुः त्यु र ना ठदावे र ना विदे दे तथा द्रमः या नावदानु र यु र या हर्रे म् निर्मा मिराम मिराम में राम रे रे में राम रे राम में र रतेर.व.व.त.तर.वहर.त.ख्रा.च.प.च.च्या.च.त.च। चार.ज.च्या.च.त.च. **∳ੈਰ.ਜੁੰਝ.ਰੇਅ.ਰ**ਝ.ਰਬਿੰਕ.ਜ਼ਤ੍ਹ.ਲੀਯ.ੜੈਂਕ.ਸੁ.ਖ਼ਖ਼.ਜਟ.હੇਰੀਅ.ਜਤ੍ਹ.ਵਟ.ਰહੁਏ.ਯ**ਆ**.. क्रामानावर : र तन्तर मार्थर यारे के वेश न यर केवार क्रायर हुन र्रा र्स्त्राचात्रात्रे लेश व व स्त्राप्त के मुक्त मारे हो। दे वे रहा प्रवेद स्थाय नालक रे.लचीर तपु. स्चा पतु.ची अव्ये वे.लुंश तायम वक्र सर नेरं स्। रहारहा ्रेन्**शःस्त्रु**द्रायते हे.स्राये द्रायते विस्तातान देन्नवि सञ्जदायते प्रह्ना पर्ते ।

नेषास समुद्र पत्रे कु वे विवास दे नेष पत्री विष्ठ प्रमुद्र पुस्र सेद प्रे र्वे लेख सामये प्रेक मुंदि स्थान के प्रेक्ट मार्थ मार्थ में मुक्त मुंदि स्थान या व र्सेन्स'य'क्के सेंद्'णे रे सें त्य नार्द् क्षेत्र'त त्विय व'द्रावद वर दे त्य दर वर्षः यर विशुर य मण्ये व व लिखा हेर्व हो। विव हु ही क दे क ने व ने व व होर वृक्षःसदेःश्चेदः य्रां ढवः ददः स्यानः कृदः ग्रीकः मिनः सः प्रेतः या देः ददः दन्यानः सः लार नार्बर् चा कर हिन कुरा नारी हिरा चा उत् किन किन नार हिन नार नेदायवे तन्त्र माना प्रमान प्रमान स्ति सुमाद्र हिमा सु द्वा माने के हैं के.च.चढ्रे.टे.हुस.च.च.ड्रा रत्र र व.चैंश्वे स्म.तर.पंचर.तपू.ेशवा इ.स. मान्मेन्यायाल्यान वदासर्वास्यानीयानु मान्नाया हेरारा। देते स्वयः क्रैशान्द्रना सेदाय हिदाद्यायर दिलायर हिदासी दे द्या वर्षे से यह रेस याध्येद्रायादेवे के सर्वि श्रुमा वे प्यद्या सेदाय केदा सर्वेद प्यते सर्वेद केदा से विकास मर्दिर्यं उद्यक्ति सक्दर हिर प्येद द्या । मार नी के तुब य हिर य स्वाय पदे <u> देवाश क्रिया पर्वा सेराय व्यास्त्री शायते हिनाश क्रिया पर्वा सेराय देस पर विला</u> वस्रा चस्रभ त रेट.चस्त्रभात जास्येगश.च.इभावधिश.स्.भाव.देद्र मूं। हुस.सी. **द**यन्य अद्मु सहंद हैन अद्भार्ती वन्य व देन है नहेन अद्याप दे हैं लेखानु न वे हे हेर वम न्यंबाधान केंब वाही न न । व वन्यान खेर वाहे ह हेसायदे मद्वामुदायमा ही मद्दा १८ वया वाये हाता . देवाया हे.सवायायर अव्यक्षायायी हेमा हे या है वर्ष हैर कर साम मा से करे. क्रालयान्स्यायालदाढेर् हेराडेयान्से पायाल्या वेशानश्याप्ता

स्न मर्वेद भेर वा वेस वा न ने नद्ना सेद वा वा वा दमेन साम दे वेस द्वा । प्यदः हें व्याप्यदः हे साया सर्वेदः यदे : क्षें द्रशः होदः यदः द्रश्वादः विशः तुः व वे वायः हे माद्र लेग वर्ते ग्रायर मुप्त दे होर हो। यदर हैं य नेर वर व गुर वर दे ग्रायर है सार सर्वेद वादे दे के वाद दिया है दाया की हो। हे साया दे दा खारा के दे दे दे ना दा विका तालुक वर्षा के सावाइसक के खेरा है । सेवा लेका वर्ष के न वै : वि दे : व ଂ**ଘଽ'୕୕ୣ୷ୢ୷୕୷ୖଽ**'ଢ଼୕୶୴୕୴୕୴୕ୢଽ୕ଽ୶ଽ୕ୣ୴ଽ୕ଽ୶ୖୢଌୄଽୄ୕ୢୄୠୖୄ୕ଢ଼୕ୣ୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୴ଊ୕ୣୢ୷ଽ୕୳ୖଽୄଢ଼୕ୢୠ୕ **लट.ल्यु.२४.२८, म्ब.न.३५.३.** ह्यू शतात्ताता ता.ल.४.३. ७.४। च ह्यू .८८.म.४. लट.बुझ.चे.च.झूझ.सू॥ क्षेत्र.झ.झ.स.रेट.चर्ट्या कूत्रश.स.चटर. **ॻॱय़ॸऀॱॸॖऀॸॱॵॖॱॻ**ॴॸॱय़ॱॿऀॱॾ॓ॱॿॖॸॱऒख़ॖॱॸॣॸॱॻ॔ॸॱॴ॒ॿॖढ़ॱॺॾ॔ॸॱय़ॱढ़ॺॱॻॸॱख़ॗ॓ॱॻॱॸ॓ॱॱॱ **द्वा रमाम 'म'र्भेद'नु : बेद'गुट 'बेद्य' मु'रा दे**वा के मार्ग मार्थ स्वार स्वेर पर् **ୢଌୖୣ୵୕୵୷୷୷୷ୖ୷**୶୕୷ଽ**ୖ୶୶**୶୕ଽୡୗ୕ୄ୲ ଶୄ୕ୢ୷୳ୢଌୖୣ୷ୄଌୖୣ୵୷ୡ୕୵୷ୡ୕୷ୠଽୢଌୣ୕୷ୡ୕୵ୄୢଌ୕୶ **१९५७ क्षा अ ५० ।** वि स्ट दे द न नी नी दि द द से है । वृद द द है न किं ना अ है । वृद द र द है न किं ना अ है । वृद द बेस-व: नदी-कु-द-व्यद्-ता दर्द्-क्रम्ब समाले स्टानिव प्रवृद्-वर रम्पूर मने दिरान में देश दे हीर यान निर्देश में मानर वना है नम त्युर या भेर वें। **दे.केर.व.त्यं.व.व.व.दं.क्षे यर.**पचीर.ड्रा डे.केर.चश.बुश.चे.च.चु. पह्नार्क्ष्यास्य स्था स्था त्वा त्वा प्रति । प न दे वर्दे क्या प्राप्त विष्ट्र प्राप्त विष्ट्र वर्षे वर्ष **ळनास-१८-७ : इर-१२**मा कु नारेना स उद है र प्येद द रेंदे ' श्रुर रहे ना उर र ८ हना

यर से विश्वर ले वा डिया उर से यहनाय भर लेश उर रासे गरा स संहं शही नुदामी विदायर महिमायर प्रवृदाय हरा ही से द्वार राज्य से विदेशिय ना से . नामनी कें खेरी क्षर हिना श्रास रदा रूस सक्रम रूप युदा वरे पीर नी क्षर हेना सः लब्दुंबाक्षे निर्मु प्रते क्षित्र के नाम त्युद्ध तर त्युद्ध या देवे के । दे द्वा के त्येद मी विर पर महिना सम दुर व उद्य केर प्रेय जी। महर्र पर दी व र पर महिर यर नुेर्यते र्द्श सं त्य कुं च रूर य केर कुं कि उस स्वराया रे र र द स्वाय य.लट.मी.बेट्बे.च.द्वे.केट.लुबे.त.ट्र.हेर.व वि ग.वर.पीट.व.चबात.च.रश्चेबात. यद्री वदना नुःद्वाच नदः वदना नुः कन्या च ढ्या वा वा व्यान् वित्रा विहेना कूर्याकात्माक्ष्यकातान्द्रा खुकासु वाहाखेयाचका ४ २६ गाया छे। 🔻 अन्यरः पहिना यालेखानु पति र्दे हें॥ र्हेन्य या वे के नर ये वारे खुर ये हि तर्या माही श्रेन्नामते दुराये सामा क्रम्मामा क्रि नु नदे देशी। विश्तु <u>म्राभक्षः सप्तुः रचटः मुक्षः स्वरः वृद्धः मार्युरः यः मुटः र्याः महः र्याः रः र्याः रक्षः मुर्गुरः ।</u> पर्यक्ष.वेपु.रेट्झ.च्.घ.लुश.तश.चिय.त.लुश.च। इ.८८ ४ अल.च.क. च्यै. **२८.वर्चश.वेतु.ट्**ट्श.च्.लूब.व.ट्र.डे.बे। ছ्र्यूर.व.चेश्रेश.व.लट.विव.वर. विदःयात्रवायाःवादम्यवासायाःकृदःध्येदार्गे। वससायाःद्वाःसायाः वर्षाः याने लेखान नाया से नार्य ना ने निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश चर-शिब,पनु, बेसात वर मु. जुंस,रच.चू। श्रुष्ट च.श्रुंश,पश.बु.रचेनश. ดอูกรูสาดรู้สายาณัสสายาน ฮูกากับ คัฐา**ท**ูกาลิ รู้สายามังมูสา पदी सेस्था म्यामका पा नोक्था परी लेख प्र पा के प्रमास पा वा स्वाधा सामा स्वाधा से सा सबुद पति सेमस दे द्वा केद दी। वद गाव कर की बद की के पद गाव परे दे

व्यन्ते त्यान वित्ता से दे त्या के से त्या वा व्या वित्ता तहेना हेंन्स शुन्ध न भर भेर न यान वेर् पर ने मु अर दे अद या म'स' प्रेक् कॅ ब्रेस मु पर केंग क्य पर सुर री। पर क्याप हे मुस्य प व्यःस्विक्षः च वर्ष्द्रं क्रवाक्षः व्यःस्विक्षः च देः नाक्षेत्रः च व्यः सः व्यवः वा व्यः विद्वः हेः सूरः **बर्** व्यस द्वो ह्वॅ : द्वा वर दे हु। हु। कु द नी है वा सर हूव के वा प्रेक या दे नविष्-नु-तर्न्-कन्यामु स्-नार्-द-न-न्द-हे-स्-मिस-न्दे-स-ह्यन्-केष-स्-ब्रु. बुंब.चिश्वटब.चे.वा देरु.क्वेर.चेंट.दट.भष्ट्रेश च.रट.बुंब.चे.च.ज.स्वीश. नःश्चिंबाने। क्रम.ज.रंभुचास.च.ज.स्योस.च.उ.चेशस.च.ज.स्योस.च.ज. न्निर्स दस न न्र न प्रेन से दे लिय न न र खुर री। रेनिस यदे खुरा दे रुमेन्यन्यामेर्पर्ये नुमस यात्रास्त्रीयायाय वहराही। दे रामा हे पर्या सेर् मन्द्रमाधर पहना य हेर भेर यदे हैं।। नहिना नु नहेर वे हें नह **भेक्षां देन्द्रेक्ट्रम्बर्क्र्यामायाम्यालेक्षान्यामार्थेक्ष्रा** वहर्षाया भेता विष्या प्रतानुकारे होरा नु वर्षाया भेरा यह हिंग का यह हिंदी लेश मु नते देव देश में नाम मन नदे दें वें लेश मु नदे हें नाम म मेर परे दें वें वें। रद्रमी झे.च.बे.वे.सना.रे.सि.च.ज.स्बंश.चल्। सेंब के.ल्यून.नर.हेर्नेश.चल्. भः १९७७ खेर स्था - दे नारे खना छेश मान नद ने से स्वा पद ने साम दे ने साम दे ने साम दे ने साम के साम के साम के स

क्रमा मह्ये ता प्रमास मान्ये ता त्री क्रमा मान्ये हो। विश्व हो। विश्व हो। मैं विवाद में वि यदै दि व के देना य के विकार ने प्रमुक्त यदै के स्मुवक प्रदेश व के विकार मानुनासामा संनासामा प्राप्त देन स्वाप्त होर र लेश पु न न न सामा अस **୕୶ଵଽୢ୶୵୷**ୡ୕୵୳ୡ୵ୡ୵୷ଽୖଽ୶୲୳ଽ୕ଽୡ୷୳ୡୖ୵ୢଌ୕ୡଽୖ୵୲୲ रह्रात् पु.सक्यः मह्यत्रेत्रिया। द्राष्ट्रराद्रमाथान्द्रालेसानु वात्रास्त्राया दर्भास्यः रेषा पदी नाकेक से दे खेंगास केर र् माया पर वर्षार से। रे 'हर के दर्गुर ं सर्-गी-विश्व-व-त्र-स्वाय-त्र-विवावश्यी प्येष-त्र प्राप्ति-र्वः सर्वेद-प्यः यासेदावार्डमाने द्वेदावासायी शर्देश विद्वारी मशासी। व्याणित हे वे हे मिं व के दासर्वत व लेश मिनवे वह संस्कृति व नाम पर पहेंद्र प प्रेवा रे प्रदास रे ने प्रदेश संस्कृत के प्रदेश प्रेव ने ने ने प्रदेश रेना यस महिट पर दु बदे हमाय के बद्धा के द द द श्रम याञ्चित्र र्रा पर्वातात्वात्वात्वा प्रत्या प्रत्या प्रत्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया विषया विषया

क्ष.धर.ब्रैर.र्॥ मार नीस र्नेनास थ प्राप्त त्राय विषय है नार प्र रेनास य वन्यान्त्री। न्यानेते रूटा वन्याने अपन्याने स्वरं स्वर चरे.चर्.दरे.जुंब.चे.च.ज.<u>स्</u>रू.च.ज.स्<u>र</u>्वेच.चर्चञ.मुं.दरे.जुंब.रट.दच्येत्र.च.हर. ट्ट. च्ट्र.लुब.च.के.वेट्रा हेब.रट.रेश्चनश.च.रट.रेश.रटा इश.सब्देटश.च. <u> นามสามชี่ยม.กร.ลีข.ปฐ. เดิม.อ.บ.ช.ชุด.พ.ฮุน.กพ.พุพส.</u>เทส. विदानम्बद्धरक्षायम् विदायाम् । यो दानम् विदार्गा दे त्यानाया दे सामेना विदाय मामेर्पते हें वे किर्पत्रे के किष्मायायार्ट क्यायर सर्वः साधर स्रोप्त की प्रमुद्रा र्भे १२ ता हेब पट प्रमेगरा यास ईट्स या वे से मा वा संग्राय परे क्स वर में अपार्ता है वर्र द्रियोश पास्त हिर्म प्री क्रिया . अर्थ्यस्य.प.प्रे.शुष्त्रस्य.पट.अर्थ्यस्य.प.कुट.क्रे.सुट.प्री. ર્**મ.અજ્⊂ત્ર.ત**.વુ. र्या. अर्थ: विवाद का कर के दि प्येत प्रति स्थित के प्रति **ૡ੶ਸ਼ਜ਼ਸ਼੶ਫ਼ੑਸ਼੶ਜ਼ੑਫ਼ੵਜ਼ੑ੶ਲ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੵਜ਼ੑ੶ਫ਼ੵਸ਼੶ਸ਼ਸ਼ਸ਼੶ਜ਼ਸ਼੶ਜ਼ੵਜ਼੶ਜ਼**੶ਸ਼ਜ਼੶ਫ਼ੑਸ਼੶ਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ੑਜ਼ੑਜ਼ केद.क्य.ल्य.त.ट्र.कंट.बंट्स.प्रवृत्य च.केट.ल्यु.ब्र्या ट्र.चश.व.श्रमस.लस. चुर-न-१९ प्येद-पदे-धुर। स-रेन-प-१-६न्स-प-मेद-पदे-ट् वॅ १९ म के हैं नाम प्राप्त हैं में प्रीक नु जे के गुप्त लेश नु च ता स्वाध प्राप्त स्वाध वर्ष हैं त.य.श्चेंर.वर्ष.रची.वर्ष.तस.य.वस्त्र.वस्त्रस.स्री वर्ज्चेच.वर्ष.वस्त्रस. म्राचित्राम् न्त्राम् न्त्राम्

नर्ते। तर् छेर दे रना नीश लेश छ न दे न सेर् क्रिश द्वार न नीश हो। प्रदेश शि. तम्नुस्य तप्, मुभय. मे. य. च्य. ज. देव. वस। जेम. तप्, वसा त. वेद. तप, होर. र्रो । भार्यक्रेने प्यतः वन्यान्य द्रान्यक्क्षः या प्येक्रेने दे त्या द्रश्चेनाका यदे ৡ৾ঀ<mark>৾৾ৠ৻য়৾৻য়য়য়৻৴ৼ৾ঀৣয়৻ঀৼ৻ঀঀ</mark>ৣৼ৻ঀৡ৾৻য়ৢ৾ৼ৽ৼৣ৾৻ য়ৢ৾ঀ৻য়৻৸৻ৠ৾ঀৢয়৻ यर्ते। दे अद्दे वर त्वाव है। दे वत्र व दे हे हे वर वेद वदे वह मायसानुदानाप्येताने दे त्यासानुदानाप्येतायरे क्षेत्राची। देराने न्यारे स् स्दायर्गा मुन्दायदेश है स्ट्राक्ष न्यान्य मान्त्र या साम्या या हेन स्थेव या न न भेर हैं न पर्रे हैं र म भारत म रेना नदे भारत है स न स संग्रे नमार्थः श्रिमानातात्रे हेरायालेश वि न दे म ह्या पर पर प्रमा द्रमायर पर विदे क्षेर-र्शा पर्रेर-लट लेख-वि-च-ल स्मार्थ पर्याम्बर मी र्मा शाम पर्यान 'बर्दर'अट्ट्री अन्तेनाचार्टा अर्ड्ड स सर ख्राया और वे लेखानु नाया। मार्मित रहाके वे सहस्याचा व्यवस्था कर संबद्ध स्थानर व्यवस्था है है रही। है रसा के.रट.ची.टू. च्.चनदे.च.श.लुब.ची.लूब.मिट्रेष्ट्र.सू.ब्रू.चे ्राम्बर्टा सर् सर सर मेर पर मेर मेर पर मेर मेर पर म

स नेना प प्रमुद्ध या प्रदेश दें लेश हेंना पर से पुर्देश नाय है । है ते । है र ले ना श.रची.पष्ट, द्राची.ट्र. यू.चर्ड्रतर.चे.च.खंश.चे.च.ष.श्र्चेश.श्र्री. दे⁻श्नद्द्रप्रचायाल्यान्यक्षात्राचाके स्थायदेश्चर्यक्षात्रद्द्रप्रचार्यम् त्हेनार्केन्शासु स व केद्रमा हेना यामा भेक के लेखा दे क्षा दे क्षा दे न वारिकाया क्षेत्राया सेत्राय है क्षेत्रा हे नेत्रवाया सेत्राय है नार्ते हैं ना मायाने प्रहेना र्हेना सं सु सु परे रटा यहित हैन वा दरेर स रेना या हैन पर्र राजा य भेदार्दे लेशानु मायदीय देशायदानुदाय के लेगा र्थेदा हे हा है भदादायन्द मंद्री द्रेन द्रेन्स या भटा लेस नु न वा स्निश या झूंस स्त्री दरी हा हे लेस नु न.ज.स्वेश.तश.इ.७वी.ठ व्येत.त.हेंर.तर.वेर.ट्री भश्रेटश.तर.कंश.तर. र्दे प्रदास संस्थित दें लेखानु न दे मालक प्राप्त मालक स्वर साधिक स्था दे **ॱ୴**८ॱড়ৢॱয়ॱ६८ॱয়ॱৼ৾ঀৢ৾৾৽য়৾ৢঀয়৾ঀ৾৽য়ঀয়৽য়৽য়৽য়য়য়৽ঢ়৽ঢ়৾৽ঢ়৾৽ नद्नाः केद्र-वद्ना-द्रदः लेख मु व त्या स्वाध य द्वेर्यः स्वा हिर वेद्रदः वदे सहस् १९-म.त्रुब.मी.खंब.चे.च.बु.मामस.चेट्च ता.मामस.तम.चैट.च.च.कुश.मर्थेटस.. यर स्दर्य वेश नुर्दे। स्वाक न्दर स्वाक कर मी न्दर्य में देश में देश में पर्नामार्खेन्यार्भेन प्रमान स्मिन्या कर दे रहेन्या मारा है। यह त्यान प्रमान स्मिन्य यदैन्द्रं में लेश मन्द्रे देव हो। दे दे ता श्वेर मिन यर पहना या देश हैर धेर परे मेर केर मेर अप पा मम्म कर की पर मा केर कर की मारे मा पा के केर तर्दर सुंगंस नेश्वन, वे.पहना कूनेश शि.के.च.ण स्मेश नप्रा ट्रंश क्रिना नी र्दे निहेना र्केनास शु झ म रिट मर्द्ध स्थ पर ख्र प्रिते म रेन् पर देना ... केंग्राह्म सुन्त लेश नाम सुनाम महिमा या है। सुनामहिमा या नाम प्राप्त स्मान प्राप्त मान

नःस्ति। यादी विवासाम्बिनाया उर्ग्नी साहैनाया देवे वहेना केंनाशा शुः में न दे सुंबास न हमा स लो ह वें लेस मु न दरे प्येद वा। न वि र त पट दे के.बैर.बौर.नपु.मंद्र्रम.तर.किंश.चहु.र्र्य.भह्र्र.ट्र. खेश.चहेंथ.तर्रे.हीरा रेतर. ब.त.च.च.ज.ज.ब्र्चेश.त.देट.केब.तज्ञ.येचाब.बुक.चे.च.झूंब.टुः व.ज.चे.ज. स्विमान्त्रे क्ष्मान्त्र विमान्त्र निमान्त्र मान्त्र म इक् स के स के के स्मार के के समा कि के सम्मार के सम लुब.ब्र. खु.बा रुंडु.कुंड.रं.जा.पंडूंड क्रं.चा.हेर.जा.मक्ट्रांचर क्रं.चा.खुंडा च भेरते। वर्षे ग्राट हे पर हुन च रेन महामानर हे र पर भेर वर्षे ने स यर.रेजूट्श श्रा : स्त्रेचांश्वाद्यां तपु ट्र. त्. खेश.ये.य.ये.श. द्वा.यव स्त्रेचांश. मारुपान्यते रूट महिन हो निर्मा मात्र हे स रेमा मार्ट स्व पर् मद्भाकित्र के देश के दे · क्रॅंब्र धर चुे न के बा देवे : चुे र ने : खुर चहु ब धरे : बे क खु : च : क्रंब्र धरे : बे क खु : च : क्रंब्र धरे : च श्चरार्गा रामकेवावादा वर्षे केरान्याकुरकेवावा रे हेराके खेरानरनातुः के.वधु.रदावहुरामु.मिर.तर.वश्रदा.हुस.मि.च.मा.श्रूस.ता.मा चरचा.दे. ंश्वःचत्रे रदः बलेश है। हिर् यर छन्। के श्वः वार्ये रदा व वार्ये रदा वरना १९८५ । स क्रवांशामा स्त्र्यंशामा है है स्रहा चुटाय द्वा प्ये हैं। प्रदार देश छ ना स्त्रा स्त्रा छ ना स स.धु.र्स. वामाकेश.च.लुब.प्रे। इ.स.ज.ध.चर्चा.कर.च भग्र. च केर. च केर. च

इर.लर्.ज.प.ट्र.बर.क्र.जर्दर.क्षत्रश्चात्र.ज.स्.च.ट्रे.प्र.च.च.व्रेश.ल.क्र.च्र. व्रेश.चे.च. बे.विर.तर.लुब.स्। हर.ययर.तर्.सेर.तषु.रर.त**्रे**ब.सु.कुर.कुर. च.च.धु.च.ध्र.ज.स्योग.वपु.र्वा.चरु.घिर.वर.स्री.स्ट्र.खंग.चे**र**.व.ज.ध्योम.वः.. **बहेना क्रेंन्स ह्यान्य न्यान्य राज्य न्यान्य मान्य म** म.लट.भ.लुब.ट्रे.बुंश.चे.च.ज.स्चेश.च.য়ूंश.स्र्। चोश्श.अवश.ट्रेट्र.बट.च. क्रमामा भेदामा है दा गुमा हिवा ना भेदा था दे दिए दा ना माना भारत देवे क्रिंश स्पेषं वादे बेर वे विवासर मेरे तार वीया व रश्चे नेश वर्षे क्रिन परि परि यादे के क्रिन परि परि । देवे निर्देश या के क्रिन परि या देव के क्रिन **दे.रह्स.स् ५.मे**ब.मी.सबस.मी.रट.वंस.येप्र.वंज्ञ.त.म.मह्र.त.लब.टी डे. स्यामान्द्राच्यामान्द्रा वर्ष्याचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्र मत्रे खेर र्स्या कुर्दा र व्यवस्य विदे दूर्य य द स ले स व र व दे र दे र दे र स नमः व में व मा कटा नदे छिर लेस छ न व है न दमा से द प है द सर्वेद व में मस पस न्त्नानु द्राय सर्व र हित्य सर्व र हित्र र्वा दे त्यार न सर्थ र ही. **શું.વ.લુંજ્ઞ.વ.વું.દું.ઋંટ**.વે.વત્તે.તતું.ખુંવ.ખ.રના.ખજ્ઞ.ત.વર.ખું.શું.વર્સા કટે. **न.लट. बुझ.चे.च. ज. सू**चीश.च.ठर्ट्. क्येश.ज. सूचीश.च. बु. सूचीश.कु. क्स. र्षे द दे ले स मु न पदी। रह न व दे द द न है स न ह न ह न न है न ह ने हें के स गुःश्चार्यायवेशनुग्वहें पाद्या देशसमुद्रायायावेशनुग्वहें क्रम.मी.मै.पर्वम.वे.पहूरे.च.४र्जा ४८.वर्धुर.मी.पूरं.चमना.च.३रे.मीम.खेम. यः वः वे अर्था क्ष्मका के प्रदान विव कर दे दे अप वर्षे दे क्षमका विवास यते.श्रं श्रश्र.क्री.पट पर्धर.हेर.रे.लट.विश.यट.चर.व.प.थ्री अश.रेट.रेवट.

ฉัานาพัสผาผลิ ระกาลดิสามาพิสาดินามิมมาที่ระกาลดิสาวุรัร ธามา र्स्तास यामा भेताते। रदायले वा ने दिन मास्याय कुन नुप्यस्य के विता रदःवित्रकृत्यारेश्चादवादाद्वदःवासाधिकायाकृत्यीशामुवायाधिकावादे द्वाः प्यायायायायारेशायवादात्रुद्धायाक्याकृतायादे स्ट्राया विवाधरा वेदा **त्रार्भेद्रायादे के हिसायर सर्ह्दार् मुरायहे हैंसाउदार्वा** सर्ह्दार त्या राय मेर्या देश न्या देश में विष्ण हैं या हैर गुरे के देश नु विष् नु विष्ठ हैं। देश मेर विष् **लहालेश.चे.च.वे.भ्रे.भ्रे.भ्रे.न्य.के.लहाहा।** चहालेचाचहाची स्टाचलेवालेवा मालेस'मु'न'यां संनास'यरे क्वेंर'म'या माट लेग'मार में रह प्रेके छेर छेर **देवै:द्वे:श्वेश:प्रवाप: व्य:दे रट:**क्षेत्र: हेना प्रवाय: वर्म्य रहे : हेश:य: व: श्रः हेना स पश्चामदाष्ट्र- चन्त्र-पात्यामुचायर खूँदायर चुँदार्गा वर्द्र क्वारा अर्थेनाहा र्रे विकास प्रसामसामेर पाया र नी सुन मी हैं। सर्वेद न हिंदी र हिंदी हैं नदी खुर्द मुह्म प्राप्त कर्षा है दिहै स होन् य दे बुर्द के हियायर हैन यासी दस्या हित पर स्थान हित मुक्त सर्वेदा में खुका देर कनारा मसाचेर्यसादारेम २र्देर् कर्सार्से। ८५ ग हेर् से २२५ पते धुर देस मु न दें न द्वा के दाय हे दा कार्य र या दे र कर्ष र हु का हे दा है ये पर दें दार ते हिर हैं। दे सेदासर अदावद्वापु कवासायदे खुवाबा हुँद सर्वेदाया हेदारी हुरारी। शुर्द्रमश्रार्भद्राचालेशानुन्द्राते निक्तान्ता वाक्रावाला यत्। व्यवन्तरहेद्रायम् नेदानेकान्य क्षेत्रप्त में विकास में दे र्ल्यास्त्र मुद्द यादे स्ट्रिया स्तित्व समस्य सेवायम चेदायम वर्षीयाय मः ध्येषु विश्वा यद्वा वी श्चिष्ठ के वर महिंदा वा त्या वद्वा वी वदे वा त्या मिंदि सा शु ह्येर च र्ट ह्य द से र च स विच च र भेद स्या है र द द व माय च र पट च द माय है नदे न ता व्याप्टिका ह्या हो दा र हो दा वा निया सर हो दा स्वाप निया सर हो दा सार निया स च.रेञ्चनात्र.पर्ता শ্লীবল.तर.चे.च.च.केश.च.ज.च.ई.ल.देश। मी निन्न के निका प्रेन वे ले का नुष्य है। प्रेन प्रमु न वे प्रम्म मी परे का प्रेर्ट्य शुं शेर्पान्दाक्त्राय केरार्थ भारताहें सांसु प्रते वा पर्या है सामा है सामा नु अर्घेद नस ने नद्ना नु कन्स या या स्नास न दे खेद पस लेश नु न दे नद्ना नु क्रमास्यत्रे.रेवट.मांस.वर्मा.केर.ज.चर्मा.मार.वीस.त.रं.केर.चर्मा.रे.क्यास.त. **त.श्र्मेश्र.तश्र.वटु.चर्टु.क्.ट्र.त.टु.**ज.होट्.च.डु.चरचा.टे.क्.चश्र.त.त श्र्मेश.तप्र. न्त्रा'नु'क्रम्बास्यसंक्षेत्र'य्ये लेख नु न्ये देशहा। दे क्षर ब्रेर्'यःहै। ने क. चयु. कूर्यात. शि. च वर्ट. त जाता. योट. कवी श. च वर्ट. ता. शेंट. प्रची र खेटा। होट. मश्रक्तिक्षमः स्रेमानर मेन् हेसामन नाम क्षेत्र हा। इतारे हेर मेसाम ने है महन् श्रू सं प्येद दें। नालक दन वे चर्ना दे कन्य सं साम र्क्न साम दन साम होन्या**लेखान्**कर्यराष्ट्रेन्त्री। स्विधायदे ह्यूसावे परे परे के स्वाया म'नाहर है।। यदमानीर प्यूरक ही पहुँच न क सून स स स्थाप स्थाप मदे महर केर केर केर मिर मिर में देश मान वा ना केर में महर नदे होर पदे स्रिक्श हुन् के सक्षेत्र के दान कर्ता ही दिस्ता स्रिक्श स्रिक्ष स्रिक्ष स्रिक्ष स्रिक्ष स्रिक्ष स्रिक्ष स्रिक्ष **७व.मी.८हूर्य.प.र्य.ल्ट्रा.श.८हूर्य.त**र्या । र हूस्य.प.र्ययाच्यायरायश्चेताराया । श्चिशःचदेःस्रुसःदेःसद्दंःसरःस्युवःसःवाद्याःसःवेद्यःग्वःवःदेःदेःवःश्चित्रःयः

म्बद्धार्द्धा देख्राके दहेंद्रायाम्हर्णेद्रायाद्या यद्या हेश देख्रा से **८हर् पर्या ८८ द्यादल के लेख मुग्य ऑटक शुः १ हर् मादल का नामा** विसामान्यायन्त्रायते क्रियासामा हेसायत्। दे हिन्दे तर्दे त्यासान्य वे हारान्या १९८१की क्षेत्राचे प्रमाधमस्याद्याः स्पर्यायाः स्थापनि सामित्राची स्थापनि स्था **बेर्'म'र्दा मर्रे'म'र्दाश्चर्मार्दा। प्रवा**त्रान्यास्त्रीत्राचार्देनसः **श्वापु प्रमाम प्रम प्रमाम प्रम प्रमाम प्रम प्रमाम प्रमाम प्रमाम प्रमाम प्रमाम प्रमाम प्रमाम प्रमाम प्रमाम** क्रम्सः सः नृष्टः स्वतः या यन् मा नृष्टः त्र हो सः या सः सः ही सः युक्षः यत्रे ः स्वाराः संदिः सः लुर.बु. खुर.वे.च.चु.चन्ना.ची.कवार्याताचाट.लुर.च हे.चरचा.चे.कवार्याताचाटाला म्बर्सिटा प्रमुक्त न रह अ मि जिसामा क्रिका मी हिना न या न हे श्रामा के स भेदार्दे।। दश्चेमान दे भटानुकाशमका उदाष्ट्रियामा सेदाया भेदार्वे देश मु नर निर्मेद स स्था। दे के द के द के द निर्मेद स निर्मे कर निर्मेश कर निर्मे क्ष्यंश्राद्राञ्चयाय वे मुवाणु र्स्युवाश्रायदे स्त्रां वहा रहा। विवास सेदास वे यन क्रिंस अ' में क्र प्येर ने। पर माहेश में मिर पर के रे प्येर के मिर केर. म स्वासान पर्ट्राय द्राया दा केर ग्रीस हिनाय केरिया है देश स्वास त्मायायान्त्रीम् वर्षे ।। देःस्प्नायास्यान् । १ वर्षे प्रायस्य स्वानुः ३ वर्षे प्रायस्य स्वान्ति । · **ऄऀ**ॸॱ**ॸॕॱऄॺॱॶॱॻॱऄऀॱॻॸऻ**ॻॱॸॗॱढ़ॴक़ॱय़ॱऄॱॻॸऺॻॱऒ॔ॸॱॻॱऄॖड़ॱॸॗॱय़ॱॹ॔य़ॱॻख़ॱॱॱॱ उद्गानक्षद्वारा ध्येदाने प्राप्त 'नदान 'सुदा सी क्षाप्त नीय ध्येदान वानिया । वर्दर्भारायाः स्वास्थायां वारायाः दे प्रताहेसासु विदेशा हरा यन्तर्यायम्ब ଵୖୄୣ୴୷୷୷୷୷*୷୕*ଽ୵ଽ୵୶ୡ୕ଽ୵୰ୢଌ୶ୢୡ୲୰ୠ୷୰୷୷ୄୖୠ୷୷୷୷ୡୄ୷୷୷୷୷୷୷୷ वसः तकर् वर नेर हो। वर्ग हैर हे से व वर्ष रे मुं सकर सर्वेट वस ख्ना द्वात्यःश्वासायःविशानुःवात्यःदर्शयाःस्रीतद्द्यायः। स्वात्यः स्वतं वात्रः स्वा र्नामा । गान नमा कनाया परे हेन मी निर्मा में हैंन या ने सेर के प्रेर निर्मा वि न'वा खेन्या पा पहेंद्र पर विदेश केंद्र पते विषय के विदेश हिंद न कर्ष मर पर्देर य हिर फ्रेंग वर लेश मु पर वे मु या प्रम् या हु ने र मर महन्य पर है है र र्दे भित्रकारे प्यतमार प्यकले का पर का ही हैं के पर लेखे हैं वा वा का निका या क्किंबायात्वा दे द्वा हे सामु १ व दे मुंदाद्वा में १ व सर्वेद वार्य स बै.बनस.प्रमुद्र-व.स.च्येर हे। सद.व.वे.मे.स.त्रं व.च.दे.से.र.हे.र.ही द्रं ग्रह **लॅर्न न्द्रमामर्शेट वा नटा मुर्दे मामर्शेट वहा वर्दिन क्र महार है। महार मिन्ने क्र मिन्ने क्र मिन्ने क्र महार मिन्ने क्र मिन्न त.च्. इम.चढुर.च.ल्.१३.स**च्.च.च.भ.लुर.च.रं.। श्रुर.भह्ट.च.भ.लुर. याकेरामा भेर पर र्माना पर्मा सर्वेदाय मेर पर हिसा प्रमुख पर पर मेर वाकालदाल्यं निवास हिंदा वासे ने वासा हिंसा वाता से दाने हिंदा सारे वासा व हिंदा य'सर्वेद'म'र्केद'र्फेक् पर पर पर पर निर्देश दिया है 'वा लेस निय के में दे रेंबा है रेंबा है रेंबा है रेंबा है दे मर्वेद या भेद या भादे मर्वेद या माहे सामित लेब यादे खुराबा विवायर वेदाय वनायाव दसनाय यहाँ। वर्षा वर्षा न

क्रमारा ता र्ल्य निव है । ते प्राप्त निव निव में क्रमारा निव निव में क्रमारा निव में क्रमार निव में क्रमारा निव में क्रमार निव में मी कें यन्ना नु कमा आया व्यव प्रवाहन नु क्षा या विंती या देती कें विंता या प्रवाहन कें नसान्नानुःकन्साराता व्यदान्तानुः स्वारान्तानुः कन्साराक्षेताने । यात्मार्खेद्र १५९५ व्हारा त्यस लेस मु राया स्वीकार या ह्वीं सार हिंग राया है वा स्वीता विवास विवास विवास विवास मी मु उद्गारी कर देश में निमाना मार्थे वहायाया रहें हैं से महि लेगा नह मी मु उद भेद य दे दे मु उद भेद य हिस मु न दे दर्श मु हित हैंद य भेद हें। ब्राम्बर्धानु सेन्यायाने देने मुं उद सायेदाया हैन गुर्सा वियाया येदाया र्टात्मायायावादेते कुण्यत्याया यादे स्ट्राह्मर वात्राह्मर वात्राह्मर वात्राह्मर वात्राह्मर वात्राह्मर वात्राह्म तर् । नाट तथा शंभ ह केर ज़ेश री राजा सभ मी से ह हरेर **ঀঽ'বঽ৾'ঀ৾৽ঀ৾ৢ।** नार'য়য়'ঀয়'ঀৢ৾৾ঀ'ঀ৾ঀ৾য়'য়৾৽ঀয়৽য়'য়ঢ়৾ঀৼ৾৾৽ঢ়৾৻! हैं दिर ख़िस मिर के रेये पर हैं नर हिर पर्दे । रहें हैं सर्वेट खेर खेर हैं याने मान्य के मान्य वहूर्य प्रवेत त्या प्रवेत या प्रवेत विष्य विषय विषय विषय मह्र्नियः भेक्ष्वा वर्षेत्र कनाक्षः न्दर्य व्यापः वर्षः वर्षः वर्षः विवर याः भेषः मा दे दि दि नियाना अदा लेखा र्योद शासु द्या सामित से पारे हिन ब्राचियःसरःचिर्यःसंबन्धाःसर्वेष्यःसर्वे ।। रे.क्षरःब्रेख्नुरःक्षरःग्रीःक्षः मिनायास्त्रीसामायायदे स्ट्राचन्त्रानु क्रम्सायायास्त्रीस य द्राख्यायायाद्रे र्स्स-दरः ह्रस्य संस्थेद या ह्रस्य विदा। दे दस्य ह्री या यस है दे स्पर्य सामिद ॅब्रॅ **१६ पर ५ भर नर नर के सूना नरूम मैं** कुर स प्रेश के रे हेर कनास

ग.ज. श्र्वाश.न.लर.चेर.च.र्हेच.चह्नज.ची.ची भ.लुर.बू. खेश.कूच लूटश.श्री.... नश्चर वश्च श्चर पर मुर्दे।। नावव वे तर्ग मेर् पर कर या स्रीत या स्व भट्रे.तर.परे.वेरे.त.र्हेरे.रे.स्ट.व.वरे.वे.से.व.स्वेबस्तर रेबरवर्षका से मंर वुषायामा भेवायर परेंद्रिं। वुषाय विदायका विदाय विदाय यर्देव सेन्य प्रेव के । नित्र के बार स देश द स्व के लेख द के दे पर्वार्टि क्रियाप्ते स्ट्रीय क्रिया ता र्श्वित प्राप्त का के प्राप्त के के प्राप्त के के प्राप्त के के कि कि के यते मान्त केंप्र रूट केंद्र माटेक रा प्ये के हैं। दे हैं र मिक्र महिद्देश हमान्यसम्बद्धारम् हिन्तुसार्स्य। ्रिने वे सेन्यने विकास विकास विकास मार मीम भें न'मर्द्धारम्'यारे व्यामेर यदि दर्द विया कर हैं। । दे वस मी मुक्सिक उन लिमानु पा के माहि मा ता सिंदा मार्केट्स पा दे उस मि मु महन पदे दे हमार दूर व्यापानादायार्थेर्पारे यारे यारे अर् हें सामुर्गे। दे सोर् पारे पारे पार हें या हे साम **५५ूर.१५८**.यज्ञाचाचाद्रुचाची सीमारी चिराचार जा केशास शक्षित्या या के**र**ामका विवाय स्त्रेन मा दे दिर प्रयाम न स्तर हे साथ महित्य या हे न स्त्रेन से स विव.तर.वुर.त प्रवात.वर्धे . तर् ।। ईवा वर्ष क्षात.र विक.वर्थ हुन. तर. मेर्र.त. खेश. मे. प. के. श्रील. मेडिट. च रू. लाक्ष्यां हे. का है या वहां का कर्या त.रेट.किंब.तश्राम् चारेब.कुर्.श्राचीच.त.कुब.बु.खु.बु.बु.बु.बु.बु.खु.बु.बु.खु.खु. स्वाम.राष्ट्र. लट.यर्वा.रट.श्रुव.भश्रेटश.रा.लुब.ब्रू. (ब्रेक.वे.क् कुर्ट्य क्वाकाज. श्चास पर्यापर नर्मा रदा महत्या पा के वि विकान मन्त्र हैं ने सार दे स

म्यापाय क्षेत्रहे। पर्मास्य पर्मात्र वर्षा क्षेत्र वर्षा स्थापाय स्थाप यन्ता भ ते संभित् यते : श्रीर र ी व्यटम . ସଞ୍ଜିର ଅନ୍ୟ ନିଥା श्चिर्परि हैन के त्र लिया ने विद्या श्चिर्य में श्चिर्पर ने नया न मिर्टय श्चिर्पर नरे नर् ।। देन देन देन ने ने ने कु के दे दे ने ने ने ने दे के हैं। किर्ने स्थेत हैं लिस मान व निम्मित लिनानित या ख्नी न हिया है से पान दिन हैं देशक्षिय द्रायान संभिद्र हे लेस नु न दि । नद्रमानी में ऑस्स सुर्देश्व मेर् पर स्वा वस्य क्षेत्र पार्य द पर दे र व मेर पर है र र ॥ न्वर में ता र्यम्भ विद्या सुन परी। १६४ १९ नु वे पहर न वा १८८ हैर है वे मार नेश पहुँचा । दे त्य कवाश स्था र नार त्यश । विश्व वर्ष केन्र स् चठर यदे स्था र्वट र्य मा र्श्वर पदी हिन हैर दे व वह न ला मिर तम प्रेम हिन मुन्यायी किनादे इसायर प्रमेण नायी होती स्वाम के क्षेत्रिया मध्य परिक्षे प्राप्त प्र प्राप्त प्राप च म पर्देने वेंद्र हीं परे हेर सूर्य पर हेर पर्देन हैं ने अर्देश हैं या अर्देश श्चेर पर देन हैर हैर हैर है से विश्व वहर न भेर हैं। हेर के दे रे के क्या विश्व में यदे य श्रिक यदे खेर र्या। विद्या श्रित श्रुव यर हित यक रवंट य रवंट य र्षेत्रहो देन अस्ति वर्षे क्षेत्रवर्षे क्षेत्रवर्षेत्रवर्षेत्रवर् सिरंगी पार असे में दे दे विश्व से वर वर्ग वर्ग के से भी हैं वर है ने दे विश्व विभवी। वर्त्र क्रम्भान्द व्याप वर्तिक व्याप्त वर्ति वर मिट यस वर्दे केन्स न्द न्याम मार्थेक विस न नम देव हैं। देव न विस न य. १. प्रस. प्रस. में . प्रस्ता स. त्र . प्रमा म. स्त्र . पर . है। दे. रे. ये. देर स. व मायालेशानु नवे देन हो। दे हेन ग्री द्वार लेगाय लेशानु नाया सम्बाधाः मु स मु स नवर न भेर हो। नर्ना मे हेर रु गुरवश नहर न भर्र के नि.च.ब्र.चरना मीर निषा त लूर वर्गा। चरना मी.मी.क्रिंग तर मी. जूर शार्मिर ข้าริสาติราราสาคสะาคาราระาวจากาลาดักตัดสาลาสิราข้าริสาติราราสสราสาริ हर्ष्यं मु त्वायान द्रमाम नवी। दे यस नाव्या मिंदी से से से हो है है वनुरावासाम्बेदायालेसानु वादे नाटाम्ब्राद्वादानु नाद्वादानु केरासामा लेश दें लेश न दे नर ने हों। नर्ना यानी स्थान है लेश ने न है सिया था मानसः पत्रे त्री। दे प्र्राप्ते सुराष्ट्र पर सेर् पाय प्राप्त हे शास्त्र त्री स वान्त्रम् प्रते स्थात्म स्वतं रत्ते रता प्रति । **र्वा.ज.लट. लेश.चे.चंड, ट्रंड**र्ग श.चंड, ज. स्व्याश.च. एश. श्रु.मी. श्रुश.च.चाट. वाले क्युं मा वर्षे विश्व वर्षे वर्ष **बर.गु.चंबाच.डे.वेज्ञा** डंबाच.च.इंबाड़ा बार्च्य दंत प्रचंबाच.श्.च.श्. मिलिट.हू.। श्र्मकानाश्चरानश्चरानश्चरान्त्रवे लुकानी न कुराना स्टास् वर्षे र वर्षे न वर्षे न वर्षे वर्षे वर्षे में वर्षे के वर्षे न वर्षे के वर्षे वरते वर्षे व **ଽୖୄ୴ଽ୕୶୵ଽ୳ଵୗ୶୳**ଽୄୄୖୠ୕୶ୠ୕୳ୠ୴୷୷୷ୡ୕୷ୢୄ୕୳ୖ୶ଽୄ୕ୢ୵ଢ଼୕୶୴ୖ୵ୢୢ୕୷୕ୢଌ୵୴୕୵୶ୄ୲ मुक्ष'गुट'र्मोल'यदे नादश'श्रवश'द अट'तिर्'यर' खेर्'परे 'सेर्'

क्र-स-इस-वर्ग्नेय-मुन्नेय-वर्ग नस-स नहिन्द ह नर्ग्न-पा

मी हिन्दु मात्र पर दे ते काम च दर व्यक्त में में भी के हैं लिस है ये के देना में म मिंदर प्रवास पर मान्य हैं दे से मानुव पर पेत की रह मी हैं त्य से वहरे वत्रे क्रूर वर्र कु केर क्षेत्र वस हिन य क्षेत्र वा दे दर विवास क्षेत्र के **८६्र.ब**षु.क्र्र्याचषु.क्र्र्याल्ये क्रियात्.कंर.व.विच चर.वुर.त.च्यायाच.रश्चेतास. माठ्या.रे.रे.रे.रे.सेया.यक्त.सुव.बुल.ये.च.पा.स्यांश.य.व्.मीय.तप्. मध्यः श्चा पर्दे । दे : अतः नु : प्रवास मध्यः । विकास । विकास मध्यः । विकास **५२५ म**दे र्द्धर मदे मुं केर प्रवास पर नाय हे से तर्दर य र्द्धर मदे मुं प्रवास **बेसप्टेस**'यर'न्न्डर'न'पर्देर'य'रेपे'ळें'ना५४'ळें'र'म'नुवाय'भेकरें' बेसप्यस्क मर प्रमुर हाँ। हे हे प्राप्त की मानी हें से पर्दे पर है है र पर मु ब्रेंश-वु:व-देवे:क्रें। मःदेश-व-अव-दे-वन्-वेन-ने-क्रेंके-वर्देद्-ववे:क्रेंद्र-र् । भेरे हिन के नार करना नु कन्मा या यह मध्य लेखा सामा या यह स्था सि ट्रे.हेंच.चर्चल.मु.मैं.३८.लुश.चर.चुश.च.लट.बुश चे.च. नशःनध्यः है। । बु.नट्रे.चर्.मु.र्थ.चीटस.ग्रेश.र्बेच.चक्रज.मु.मैं.ट्रे.हेट.ल्ब.नर.चेश.रेश.लट... हा। वर्षेत्रके वर नेरावर हा क्षेत्र ने विश्व हा वर्षे वरे वा ही यते क्वां कर प्रति । दे स्थार भारते । स्थार माल्य परि होंना सामाई र

महस्रामा मा भेदा पर्वे । देवे हिर सुना ता सेन्सा मा नदा परे वरे विद्या ह्येर. चुर. रे. विर. चर. १६४ . च च. च. स्व्यंश्वा स्वयंश विर. वर . १६४ . चे. चरे. क्रवास.जमा में.रुंद्र, ख्रेर. खें स.च. च.च. प्य च. पर प्र वी र.च. रेट. वी र.च. रेट. वी र.च. **ज.सूर्यम.राप्र.सैंश.र्.ह्रेवश.र्टा.वि.ट्र्य.ज.स्यम.य.ववटाट्रा** र्स्येग.ज. स्निम धार्दा वरे वरे वर्ष स्र मुर् निक पुन पर उक् के ब्रिस पुने वर्षे। **७४.मु.मर्.म् व.मर.मुर.म.म.म्**याया रे.पश.म् ७४.मप्.मर्.म् नामर. - वेद्रायात्र वुदावदे ददा द्वाया द्वाया द्वाया विदाया विदाया विदाय विदाय कुर.र्बेचा यक्त.स्येंच चर.सेट.च टे.जश 'चेब.टे.चावेब.चडु.टे.खे.वेर.सीट.ता.ता. दे भेदाना वदे व सुव धर ने दा भर हो पा भर हे भेदा सार दे तर ना निव पर दे पर ् **नःश्चुनःमरः नुदामर्दे।** देः स**राय**नुदानदेः द्वाः नुदासः व्यद्भाग्नदासः व्यद्भाग्नदासः व्यद्भाग्नदासः व्यद्भाग श्चेर्यान्सार्सा रेप्यसान्वर्यये पर्दे या हेर्यसे प्यते खेर वेस अपने नुमान्द्रः वरुषा पदे : ब्रथः वर्षः पदे चि : मु : मु न्यदे : से दे हे र र हे ब्रथः न र ने : र्देश हो। कि. चर्मा मार्च त्र विषय मार्च मार्च विषय मार्च मार्य न्ता मुक्तान्त्र सुना प्रमुख लेख सु व के नि न के नि न १ अस्य शुः श्रीतायदे हेत्र मी दि व दिन्दा स्थान १ १ दिन स्थान दे । स्थानदे स्थान स् नते श्रेन्य पर्नि या साधिक की दे हैं दिर र्दे के नुकर नदे छे न दे विश्व पर्दे यह दे वे

बेर्'यर नेर्'यर बेर्'यदे श्वेर ल्या नु'य के 'यर् स्र माय है। यर् य प्राप्त য়ुना नक्ष्यायास्त्रीसाना न्ना मी स्त्रा १५ मी हेन न्ना नी रहा नी ही विदे प्रसा १ अस्य स दे प्रस द द व से द पर है द द प्रमा है। र द में द द मिस से हे दे मत्रे क्षेर दर। हर् व वावर क्षेर मेर पत्र क्षेर ही। हर् व वावर क्षेर है न्यत्वाकृद् से द्वाप केंद्र दु त्यूर र वेस न पर द्वीर स सी कवास य थेशके हे हे हे प्रति का साम हो दे पार्टी के दे प्रति हो से कि प्रति है के प्रति हो से सिंह के प्रति हो से सिंह के प्रति है के प्रति है के प्रति हो सिंह के प्रति है के प्रति वाद्राः श्रुद्राद्राः। व्यव ५५ द्राप्ता तेषा चुः वाके हा स्वर्णा क्रिका गुर वाक्ष्मका खुः खुटः च द्राः । वाक्षद दरः खुवः नवः कु हुनः कुनः क्विं ना खुरः वा लेख वी नर क्रिना दस नर श्वर हो। 🐉 रे हेर है , हे असस खु खेंद न वश्य कर है । है ने हिन द्रराद्राविके सेन्यायसाने दे विदानी कुषा स्वासायसा लेखा नु वदे दिन हैं। रदःविते भी नाइन केंद्र लेखान न ने नद्या मेद य हैन ने हम भारत हैं हिंदा मां शास्त्र द **८८.लूब.२४.३४.३४.३८.कू.व. त.३५.कु.प्रे.५५.५५.३४.२८.हूस.से.**४५५ याचनकृत्यिनयते सुरार्त्ता ्रिक्रान द्वेत् सुराय तुर्वा सर्वे सर्व कृतः चरावै प्पर पा हिरापित है। दे लिया पर दे हो अससा सु हिराय हिरायर हिरा यते द्वामी न प्राप्त के श्राम प्राप्त की ने प्राप्त की ने प्राप्त के मिला प्रा रदायिक्र सेर्पर से प्रमुर किरा १ १ अस्य शुः श्रंद य द्रा श्रंद द्रा स्रा श्रंद प्रमा

न्तरवस्तरं उद् की हेन स्मिन या उन पु निर्देश या समस्र उद सेद यह प्रदेश यह विवासक्तिन्ते देः लटा स्रेटास दे ख्रियास हे दे सास निवास मिर् ब्राट.**बुंबा.बाट.लूर्.४.लाट.भु.५चीर.व**.७४१.चे.च.ज.शूर.चषु.बुंट्र.च.ज.बाट.लूर्.. ୕୶**ୖଈଂ୳**ୄୣ୷ୢ<mark>ୄ୶ଽ୕୷ୖଵୄଈୖ୳ୠ୳୰୵ୖୣ୵୕୷ୖ୶୲୶୲ୠୗୣ୵୕୳ଽ</mark>ୄ୶ୢ୕ୣୣୣୡ୶ଽ୳ୖୢଌ୵୕ୡ୕ୡ୳ୠ୕୳୷ୖ୵ୄୠ୕ୣ୵୕୳ଽ मझ नर नुर्देश दे दुः स भी दे व हर व नव का मदे का मदि स मह न व नु नु नि नि न नमामिक्ति। देख्र क्रेदेवे मुंग्रह्म उद्युष्टिका व्यावीय प्राप्त **लट.य.विस्तरार् विश्वायात्रार्य्यकायाः व्याप्तरायः विद्यायाः विद्यायः विद्यायाः विद्याय 'इर'हर'द'म्बरस'यरे'रा'नेद'मु मु**म्मक्द'रद्दे नु'स'न् मार्मुर'न हेर'प्रेद'हे। दे**.इ.सर**.इचा.भ.चंबर.ज.रचा.जस.न३.झे.च.दर.३८.जूर.जूर.चये.कुर.ऱ्.। कुरे. **चै.**३८.लुर.चर.कु.चर.चरचश्च.वश्च.द.ज.चेंर.व.केंट.टे.वेश.च.लुर.त.टु. द्धराक्षञ्चिक् व्यद्भायायाया विक्री दिने क्षु सक्ति हु सार्वे । व्यद्भाव स्वर् विवासाम्बेरामार्ने निरायनामा सरामेर्ने भेरामेरामार्ने हरादाविवासर हेर् यादमात्रायान् केनास पर्दे ॥ दे अदार्स्ने वासेना केना से व **लेखा** छ म'र्ने'न्न्न'र्नु'क्न्स'पर्ने ॥ र'लस'झ्ना'मर्ने'व्यस'तुर्ने मुद्रायर'त्त्रुयः मासेरामाकेराणी हीरार्च के साज माने मानामा सामा माने सामानी पृष्टिची.च.८.जश्र.क्षेची.चठ.जयंश.ये ३.वि२.चर.यीव.च.श्रुर.चठु.क्षेट.स्री सर्वि शुम्रानी तहना याकेन वर्झेमस यायार्श्वमायदे त्यसानु प्येव 🗐 विसा चित्रहेर्न्नि । रेप्पर्नम्पटलिय विराधार्मियायायार्थ रहे ही वेर . चेब्**स.धे**चक्र.बेब्रा र्हेच.चर्हज.भट्दे.शेश.टे.चेश च.ल्ट्.ब.लट.४ट्टे.क्ट. ्रदात्रयानः से त्रवृद्धान में त्री। देश्यर प्या में लेश मुन में पर्दे कन्यर दात्रया च.भ.लुर.तपु.चेर्स.सेवस.रेत्।। इ.ज.तर्ट्.क्येश.रेट.चेज.च.ह्य.लपु. मी. इ.इ.ज.क्षेत्राचाकुर. त.हेर. लाइ.जा इ.रेट प्यांताचाकुक्ष्याचारहः क्षय त. त्रुव. त्रा इ.क्र. व.क्. प्रचात्र. च. रश्चा श. वर्षा चार्यः क्रून श. म देश यत्म लेख नु न ते पर्व पु कर पर्द श्वर प म प्रेर प पर मुर्द महिंद नर् खुमाना नर्द् कामान्द्र न्याया नर्दे से द्रा के के से सार्द्र स यद्र.श्चर् नश्रवा वर वि.यद्र.श्चर.श्चर.श.श्चर.त.लूर.य.यर्चा.रे.क्ष.व.रटांक्रयः मते विराम् नाम् रामराप्रायक्षायते नार्त्रक्र विराम महेताया भी रामरे वार् र म मुन य हिर भेर दे लेस हूस है। वर यह नार्य नार्य भन्य र दर चर है **नरे.र्ट्स.त्.प.**स्स्रें.टे.स.सह्-.न.केरं.स.चीव.तप.स्रें.र.र्.। तीज.चालय.ज. पर्वेद.च.वर.म्री.पर्ट्रे.क्यास.म्री.क्षेत्रा.भ.व.बुरा.च च.बु.चेर.भूर.चोटाजा.पर्ट्रे.क्रेरे. **र्ट.भ.र्र**काच र्राजाय व्हराचाडरामी क्रा विराम्रेराने का सरावेश रि.म.हे. नाद्याः समान्याः विना नी वर्षेत्रः कन्यान्यः समान्ये॥ दे हिर्दे दे कराय होता वर्षा वर वर्षा स्मिश्नामा विद्यात्तरे द्रारा द्वारा करा दे रे में किंता स्मिर्मा के सामा प्राप्त करा मार्ग करा मार्ग करा मार्ग त्य: र्राम्य प्याया प्रमुद्दा सदे 'ददा रहे या ठवानी 'र्से दे प्रमुद्दा अद अदे प्रमुद्दा है के दे है है रहे " र्मन्यत्रम्यान्त्रम् क्रिन्त्रम् वर्षा क्रम्यायान्ते वर्षाया वर्षाया वर्षा मद्रना ने क्रम्स सद्र कु मद्रन ने क्रिं स लेख मु न के मिले स हुद सदे हुना सद्र । दे.चस.४.३.तर.७.च.त.प.दे हे.मैं.ल.चेर्ट्र. र.४.१८.सम.विव. च स्प्रेश्ला दे पदे ता से दे पर दे हिर व हिरायर हे दे या से दसे नहा पर्या य स्मद्र देन्। संस्थित क्रिं। खेश.च.च.चे.चर्चा. मेर **क्या**श.च दे मु

৺ব°5ৰ'**বৢ**'ৠ৾৽৽৾৾৻৽ঢ়ৡ৾৻য়ৡড়ৢ৾ঀৢ৽য়ৼৄঀ৽য়ৄয়৽য়ড়ৢয়৽য়৽৸য়৽য়৽ঢ়৽য়য়৽য়৽য়৽য়৽য় मीराङ्गासाम्भी ुद्धानार्देन्**यरान्चेन्यान्डेन्**राङ्गेन्सम्बदायाध्येन्याने स्वरान्। यन्ना य नद्राक्ष वन् वन्त्र नाहतः क्रेंनास सम्मूय पर द्रान्य वन वन स्थि द्राय दे देनास या माध्येव विवास प्रति विवास प्रति विवास प्रति विवास प्रति विवास विवा वे बेबानुःवादेशम्दानो कें **धूरायन्त्रा**मो १५ व्यद्गादाः यदकायाः याक्षावादाः त्नुराते। ते सम्बद्धाः स्त्रान्य के तात्वा कुरा के स्तर् नियमे देव हैं। देव नियम में के यन नामे दे अदा लेख नियम संस्था प्रश्ना तकर्थर वेर्रो। रे.प.ल्ब्रन्तर अर्थेट वर्षा वर्षा या हेर् पार्श्वर पार् नु:बेद'गुद:क्विंद'सेद'पर'सर्वेद'त्रश विच'य'लेद'य'दे'द्दादवायाच'लट क्विंद'..... मर्वेदायाकृत् भेव यादे स्वरावा कर्त्राचा कर्त्राचा अवस्था अवस्था स्वराचितायर वीवा न'नुसेन्स'न'भी दे ने 'स्र है 'द्यूर से र गु 'चर्चा मीर कन्स चे देस' मु'न'स'र्सेन्स'न्स'न्त्र'ति वसम'न रेन्स्स'न'न्सु न'ओर्स्स्। नात्र करः **मानुवादा**र्भेद बॅलिक् विवादा व वे द्वादा सार्थे व्याप्त या साम्यादा है । मद्नामो ह्याँ याष्ट्र याष्ट्र या ह्या मार्ते र सर हो द मार्थे । या रे व्हर वा स्तर ळॅन्साक्षाय १९१८ रे सामुरायाधी रहे। इस गावस्थाय से साथ १५०१ मी से **त्रान**्ति स्वर १ र स्वेश्वर्षे**ष्ट्रेश मन्त्रामन्त्राचन्द्रा स्वराम्या** मन्द्राह्मा स्वराह्मा माराहराक्षेत्र व अपुप्ताते वैशास्त्र वशासामार्थ्य विराद्या 🥞 राष्ट्र सः ब्रैं क्ये अ ल्येये तारे हीर विषाय ताये चे नाट माल्ये र र में महेंदा नदे के ल्ये वा वे या वि.च.वु.चवि.श्रट.स्.चर्र्। बट.बुबा.चा.चाट.चा कि.ज.चार्र्य.तर.विर.त.श.लुब. यन्ते के दे त्यक्ष दे हैं तर ले तर स त्ये के हो। द्ये र क तर मह मी कि तर मी नि मार्रेट्. व. चुट्र. च. भ. ले. र. च. भटर . बुट्र. च श्रुप. च. कुं भ च. च. श्रुपंश. च. चट्र. यो दे ची.... बर्-रच-नुः ले-य-स-सेब-य-स्वादिता ध्वाप्यस्य प्रस्ता स्वाद्या स्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या श्चिश्रायदे खुयायक वाह्य यदे कुं वद्वामी ह्याया वहूदा या ने हुं ता सामित हें लिखा सम्बुवायाधारमध्येव दे लेश नु न वे वरे खर नर्मा में क्रें छंत्र हत 5311 **भ**र्ते: नदे क्वां हर सा क्षेत्र की हर्ने किट नदेन र के स्था सह क्वां हर सा हे सा ह्ना नह्य हैं सपान्दर्य व देर्पाय साथेदाय दे हाद सम्मुवाय अदास भेदा है। अक्रूच, मिट. टु. भूथ. ज. चिव्य. लट. लुश. च. वुश. चे. च. वु विट. चर. की. चर्से चर विट... यर प्रत्यम्स यदे द्वैर भेर यरे द्वैर अर्डन एके स्वा केना विश हेर केर यदे द्येर'म्बर'प्रेकरे। हेन'र्ज्ञ हिर'यर'र्नु'द्यन्य य'र्ज्'र्नु'न्हेर'यदे कुर लेख मु न न दे हो। दे हिर दे नार में हिर लेख मु न स से नाय प्रस प्रकर मान्त्र प्टामान्त्र लेखानु मान्त्र हो प्याप्त मान्त्र हो। यर वेर र्रा। मा भर भेर व भेर व विष्या मार ने के अर पर दे निर्मा पर ने सु हुना हुश नि.न.ज. सूर्याश संस्था रहार व हिश नुव है और ने व वर रहार **इश.त.७ंश.चे.प.४.तर्वा.तश.च.लट.ता.श्र्याकातात्व रे.र.तपु.चें पु.मेंश्र्यः** हेस शु दर्ने व व हर हो। अद य रह स केर हे लेस ह व रहे हना दु हना ৽ কিন্তু কিন্ত

इटा<u>च्रभावते स्थित से प्रता</u> वर्ष के रायदे खेरा हो। यह से स्वरे वर मानि खुया या क्षे.चर.पचीर.च.४.ल्.स.स.ट्र.च.प.चर्स्स.४४.से.चर.पचीर खुटा। ल्ट्स.सी. र्श्वेद यते द्वारा उद अद ले इद जिद वा अद या अद द्वार दे अव्द दे लेश **नम्द्राप**रे क्षेत्र। द्ये**र द्यं प्रश्य ग्राम या नाइम यह इ**रप दे खेळा नु स्वास क्षेत्र स नःश्चिंभः ने दे के दे की खेरा वि स्थान के स्था के स्थान क **क्षे** 'वर्देर 'दें। दे'न्ना मे खुद मे खुद पर मार वा अद द्वा पर के वा दा द्वा कुद के रद्याने विद्यापर्दे पारे त्या प्राप्ता प्राप्ता त्या वित्या प्राप्ता विद्या त्या प्राप्ता विद्या प्राप्ता विद्य **रोमस'ग्रे पहुन्'य'**प्पेन्द्र'य'म्ब्रिं प्येत् ग्रे। प्रेन् में यदे यामा प्रेन **बेस.इ.रच.मुश्र.मश्र.चरश.च.त्र.च्या** श्चे.च.रटा श्च.च.श्चर.चत्र. मक्ष केर कर कर कर प्रेर प्रेर प्रेर में लेख वु व वे तर्दि क ग्र दर व्या व य ले ... **इट.रट.हुंग.श.क्याम.त.म्रंर.तपुं रट.यपुं र.क्ये.रेट.कूर तपुं खेर.रायुंग.ये.** पते दें दें। नाम हे ते व दे नका व वि श्रम दाक सम स्व र भेर म्मेन्द्रियान्त्रित्यान् स्त्रित्यान् स्त्रित्यान्त्राच्याः Ð'न'१९'नं नक्षे नर मुख्य अप्याप्ति वहूम स्वाप्ति प्राणुक लुक हो हो दि न्ना भेर वुदायते वुराविका वु याका र्का का या वस्त्राया रे के ब्राम विवर भेता है है। वर्ष्ट्रमास्त्र पर्याणीयायी से वरे वरे वरे वरे वर्षा **र्ने न**्ने क्र हीर पर नेर पर केर कर पर खेर लेश न नहीं दे सहा कर द्भारतमारेश पर देवे पाने देत पर्देशका की देने पर क्षा प्रमेश पर हीर है। मोट.ची.क्.लट.टे.पहेची.तप्रे.ची.चट.पेचील.चप्र.मीप्र.खेश.च.च.च.क्.ब्रांचाया

. इ. गाम प्रमान्ते पहना प्रते कु नाट प्रमास दे दिट द्वाया मानदे वर्षे कु है है जिसा लेश व वरे दें हो। द वरना ने दूर्य वे लेश व करे वर्ग में बढ़ हर हैं है क्ष्यां होर त प्रकालेका मु न के नाले अधुक पर के निर्देश कर निर्वेश कर निर्देश कर निर्देश कर निर्देश कर निर्देश कर निर्देश **्र**प्तत्र चर लेश मु च त्यापर चर्ते स्व के सर्द्धरश महे क्स मु द्रश्य के के के हैं है है है है क्षे भेर देश दशहर भे ३ र ना दर यह व लेख मु व र्स्स स् । हे हि द दे रे ल.भैंश.चे.चोडुवे.शुमश.रर.त.६४.मी.७ंश.चे.च.ल.श्रूर.तम.चर्षण.वर.चेर.र्रा। ने नवेशन् उत्तर्भातः हेतु नवा वा प्रेत्ने विश्व न ने वे वे हार मान्य सर्व पर क्रवासायासायार्थे स्त्राची स्त्राची हे. क्रम् भीताचा नेरास स्त्राहरा **श्वाळवश्वानान्**राव्यां नासेनायाने खुरावनाना केतु होता स्माना वासा MC. ट्र. बुंब. चे. पकु. ट्रंब. २॥ . चाम. हे. क्रेंचा प्रक्रिम. पक्ष. बुंब. चे. पक्ष. स्मिश्रामा परे हरामालुदायरेश हैं प्रेर सर्वेदाय स्थायहना पर पर्टे. कुट. लट. लूब २४. भ. भक्ट. चश. हिंद. च. चहुरे. चश. व म्ट. हेर हिंचा. वर्षाः स्थान्यात्र द्रायाः स्ट्राय देववर्षा वर्षा वर्ष तर विष्युत्र हो सम्बद्ध से सम्बद्ध स्था है । है दिया रहे साम सम बु.र्बे.ब.चर्ना.बु.३मश.शे.शूट.चरु.उचीर.चर्नु.ले.म.जू। ह्या.चर.ए.वीर.स्. बिश्राम् महिन् श्रुमानु ने प्रदेश हो। दरे विश्राम न के पर्ना भारत था है। परना न्द्रां सेद्रायर हें नायवें। व्दे ते न्द्रना में ल्**स ना व ना दे ना द**्रायर कृत क्षेत्र स्त्र की। त्र कृत हिं त्रदार या में स्वाय पा इसय की हे व नु स्वार त.लेब्रेब्र्रा

र्रालेशन्त्राचायायम् स्वराहराज्यायम् अर्थेन् स्वराह्यायम् स्वराह्यायम् स्वराह्यायम् र्द्ध सम्बद्ध स्वरं तु । यदि सुर क्रिया माल्य सम्बद्ध स्वरं प्राप्त के ले वि हे स्वरं के दिशु र सिंह कि. चर्चे भ्रम् च. केर् अर्थेर च रेट चर चर भे रेचे च ता ता स्वारा ता लिए हेर् माध्येव द्या वितर त्यरमा ह्येर नर्या में महव हैर छव ही वे खेश वित वे वित 55'लिटस'र्श्वेर'णे हेब'ध्येब'चस'रे नु'च'र्ना सेंटस'र्श्वेर'र्छे हो रना'मेश वयर री। **ᢖ**ॱनॱ६८ व्यट्स र्श्वेर क्षे नदन केर कर क्षे नदन में रहा के रहे के हैं रहा दे न ME.चै.च.रट.ज्र्ट्स.श्चेर्. रट.चेल.च.३हेर. लुब.च.ट्र.डेर.ब. स.चडुब.पचाता.च. रेश्वम्बःगर्य।। लट.ब.बेश.चे.प दु.श्वर.च.मकेश.च.हो ८८८.ए.स. विश्वास्त्र त्रव्या सु स्ति से हिंद् भाष्ट्र से हिंद् भाष्ट्र हिंद् हैं। र मीश स्वर्भ से हिंद् भाष्ट्र हैं से च.च.स.कुथ.त.टु.केर.व.विट.तर.वु.टु.लूट ट्रा टु.लट.चेश.तर.चकेर.चुब. ल्य मी. ख्रा.च.च.च.च. ख्रा.च. क्रि.च.च. क्रि.च.च. क्रि.च.च. म्बन्यायायायायाया हो वा है वा हो वा हो वा वा वा हो होना या है। वर्षः सर्व १७८ स्त्रेत्र यारे वे रेते । से र्या मी से याया यहार मूर्या मा षेक्षी देखेरवेखं यस्मिष्य दी वर्ष हैर राविष्य हैर वेखेर वि.च.ज.सूच्यात.श्रुंश.सूरी भूच.ज. सूच्या व.जि.चट.लूट.वु. झे.मकुट्टे. वृत्तान्त्र । त्रवृत्त्रात्रवृत् व अस नुर २ १ र र से स अस वृत्र व र न न ने के है देवास दे दर हो व रहे वा त वुर वर्षे । विवास के सादर है स्वर वुर व वै कूर्य. पुरान हे. पास विष्ता । अहेन निष्टा हे निष्ट महिष्य राम.

इन्दर्भम्य निर्मा निर्म मंत्रे. मृंदर लेखा मुनाया संन्यायया तक रायर मुंदर है। दे । अदाय हु राये व - इ. बुश.च.च.च.च. इंचा चर्म महामास्त्र १ हे. स्वा स्त्र १ हे. स्त्र १ हे. स्वा स्त्र १ हे. स्त ८ कृट. चर्र. मी विट्या ही. च. लेश. चे.च ल. श्वीश. चश्र. श्री देवे हीर. दे.चड्द.भ्रे.भ्र.च्यूरा विह्र्र.चर.भ्रे चर.भ्र.च्यूर.र्रा विव्हरमः वना पते से सक्ष दे न हुर् तक वा इ. यहरे तप क्रम सप् सक्ष के हैर है व มู.พฆ.ลี.ฆ.ลี.ฆ.ฆะุช. กะ.ชไฆ.วิฆ.ก.พฆะผู่พ.วิ.บ.ชู.ผิป.กะ.ฉุป.ภู... ्रुस मन्द्र स्व स्व अद् अद् रेना स से स से स से व स से व स ते व स ते दे दे हैं।। ेरे हेर है है अ लेश मु नश नकर पर मेर हैर हैं।। व सदे लेश मु न है समस . **७५ ग्रे.से.** श्रे च.ब्र.मे म्या हो ५ च. घ. ५ च. ७४ हो। नार ५ स वना नुः क्षेत्रायदे ॥ वित्रम्यायम् हेन प्येत् नुः लेखा मुना वी मुनायाने लेब व्या हेर्नाश्च मान्दर सहवे सर पर्ने धरी नवस्य शु ही व व ह्या रार ही र न **ଵୖ୶ୖୠ୵ୠୖୖଽ୕୕୳୶୕୵୕୵୕୶**ଢ଼୕ୡ୕୳ଽ୕୵ୠୖ୕୵୕୰ୖୣ୵୕୷ୡ୕ୡୄ୕ଌୢୖୡ୕୰୰୕୵ୠ୕୷ୡୄୣଈୣ୷ के दमो माद्र के दमो माद्र के दे में स्वास के स्वास के के दे माद्र के से के माद्र के से के माद्र के से के माद्र क्रमाश सम्मुदाया फेदावें "लेखानु"न दे हुसानु द्वादादा दा **स्माम अस्से** नदे हु कदानार्भेन्दानाभेन्द्रिकानुनायदि व्या नाद्रावस्य नुन्दानुन्द्रिक्षास्य द्रा इत्यान रुद लेख न न दे नार वा वहका न न हेर पर है दिन्य वा न महिला कर कि

त.बुश.कूचेश.ईश.तर हैर.रू॥ शुक्ष.वे.र्घर.सेर.च.त्रेश.चे.प.वु.थेंश. च देवर.वश्चर.व.कुश.चे.वर्॥ तील बेधरे.जश.भट्ट्रावर.वर्ट्रावर.खेश. वु न व स्रेम् न स व देवस पर वेद दे ।। वदना नी प्रेन ५५ व स्म वदे विद यर'भ'लेश'मु'न'के'न्न्ना'नी'र्भेद'5र्राभ अर्वेद्र'न्देन्त्री। श्रृंत्र'यरे भ्रुं'दे त्र्यस'मु' रट नेर पर केंग्र पर रद पर्वेर मार भेर पर 18 र पर वि रवद वसुर मीस लट. मुटे. त. मुटे. तथा त. मा. पहुंस त. दे. ता. च हुंस त हा हे स. चे स. हे स. चे स. हे स. चे स. हे स. चे स. हे स. है स. हे स. है स. माटेसाचार्भेदार्दे लेखादालेखानु वादी स्थेमशायानी हैसाद्वा सह स्थेदासहै । **ह्या स्प्रेन्य स्टाइम्बर्नु न्या प्रीक्ष्य हिना नेर्न्य राज्य स्थाय स्था स्थाय स्याय स्थाय स्य बेदःयदे:सुरः लेखः तुःचः वाशः र्वाधःयः वाशः निशः हेः रहः य लेकः यः वार्वेदःयः बेन्'य'३न्'**ब'यर्बे्ब'व्य'र्ब्स'र्बेन्'यथ र्वेन्'य'य र्वेन्'य'र्वेन्'यर'र्वेन्'यर'र्वेन्'के " द्वद वश्चर वरे हॉ न्वद प्येश पारे हिर की नाबुद नेश वेर या इस व के रूट विश त्यान्वर्देन्यामेन्यते हिराह्या ने त्यस श्रेमस है। द्वार नीस हिन्य वास्त्रास याः ष्ठर्भर रदाहे द्वर पहनाय वहेग र हेर परे कु र परे क लेखा छ व हो ते ष्ठर सर वर्षेत्र संदर्भ स दरा है । है । इस वहना स वले १ नु छेत् सरी कुन स्पर् यालेशानुपाने हिंशान्ने प्रति। हिंगापाने वेशाने हिंसाने हिंसाने के साम हिंसाने हैं साम हिंसान है साम हिंसान है साम हिंसान है साम हिंसाने हैं साम हिंसान है साम हिंसान हिं नात्मेद ना अटादे 'रे दे शार्में अटा के हें लेश नु ना दे हिरानर नु रहा नदें। स्रु-पाकेमार्ट्सायदे स्रुपायका नेनायका नेनायका स्रुपायका मान ટું.શ.જેશલા.મુંશ છેં.જાજ્યલા.શુંર.નર વેટે. કુદ.વધુટ.તર.વેટે. કુલ.વે તર.કૈંદ.સી

र्वटावश्चर व देश इस्त्राय लेख नु व या र्श्वास य वे माल र में व्यव निवास मन्दरमात्नात विवानो के वेश नुष्याय स्वाधाय है नुष्य प्रदेश से विकास मिन्द्र । माने व द ते सुन्याय त्येया व त्येया व त्येया व दि या व व या व मुद्दाना मानेदार्च वे स्वाध पदमासेदाया **छै मेरे छर यर लेश छ न ने यह प्रेट स्ट्रिंग हुँ स्ट्रिंग व उस से मेरे हैं हिर यर दिख्या** ने केन अक मार्स अर अर विश्वान के विन वर की विश्वान की **र्म्सि: छेर: नुस: र्**म: र्म: १ । वर्म: केर: र्म हैं (बर: व: र्म: लेख: व: प्रें हैं किरों क्षेत्रला वर्षमा वर्षेत्रचेत्रचेत्रच क्षेत्रच के हेद्रचेत्र दुस द्वा **नु मन्न केन महित्साय फेन में लिक्ष मु मन्दि में मिल में केन में महिता में मिल में मि** मह्य. तर्रे. क.रेट हिंस. व. च. स. स्था स. म. हैं स. है। सहर पर पर्टर. म'द्रामद्र्वापर वर्द्द्रायाम प्रेकाया के मीं देसका यहेका दु प्रदूषा मु हिराधाद्रा वर्**र यव र्व भेरा**वन्य न नेराय है राय नेराय के से सेराय ने स्वार्थ के से सेराय ने से सेराय ने से सेराय ने सेराय के स

लेक.च.च.च.च.च.व.व.च.इ.सी.म.च.चरट.श्रुमश.श.चर.च ८ट्ट.ह्या सीम. चेर् तर्र् या केर त्यस विस न या दे हिस निर्देश हो र प्यस हो। म्द्राधेदायादे त्याना द्राहेम्था मानुवाय द्राह्म त्याया सूचाया सामित्र दे। लीया. लूट्स, झूँ र.त. थु. शुभ्रम. त. १९४१ मा २८. च लु १. ४ च मा न. द. १ मा मा न. १ **ব্যান্ত্রাব্রান্তরারার্যানরার্ব্যান্ত্রাশ্রাহমার্শান্তর এই ম**র্ক্রান্ত্রালয় বাই মর্ক্রান্ত্রালয় বাই স্থান र्हें भुदेश्याधीयवाकुर्दावस्य सुर्वे द्रार्थराये से तिसुराही मालय यद्वासीप्तर्द्र्रप्तसादे व्यापाया वादा दे प्राप्त वादा सामित क्षेर दें। रेश तमार पर दें र पं से द से र दें विश्व से व वे दें र से र र · न्यः क्रम् मुं प्रवास व क्रम् भे प्रदे प्रदे लेश मु न न ने प्रवास स्थान स्य अभवासी श्रुट्-पाया श्र्वांशा प्रशादे प्रकर्ता प्रशास होता होता भागा अभवासी श्रुट्राया <u> २४.च.</u>पर्विम.वे.च.पर्वश्व.के.केर.कुत.क्र.क्र.क्र.क्र.क्र.क्र.क्र.क्र.चेर.चक्रचा. क.क्र... त्युर मु मूर्य वर्ष भारते स भीत कें। विद्यानस्तर भारत कें। नाय हे हो राया में मा र्वे क्रिक् प्रेक्ष व्यद्भाव के निष्ठ क पर्देर द्रांस सं दे में के प्राप्त के प्राप्त हो से स्था च.चन्यं अंध्याच मुंचरेयोश्चा वंश्वाची च.वु.चं रेथे ता भेश्वा शे. श्रेट् वर्ष रेट्स..... म् ८ देशानर हिर तस्ति नात्रात्वर पत्र प्रेस वातावहेद दस हिर्व व र हैन

नु में निर्वासामान्द्राख्या हे निसामाने हार वर् हेराओ मदे से में निमासामा हेर ष्येद पादे नमाद दिसाय दे मुद्राधिक दे लिया न पदि देव देश मुद्राहिया था लिया **बेस चे.च.बु.सू.चर्चा य.चर.चेर.नदु.सूस्य.स्य.नर**.चाब्या.च.बु.कु.च्या**स .त**र... मर्द्रिश द्वा हेश शुर्पाय वाद्याप्याय दे हुर ही। दे हर द्रा य नहेन् त्य भर हे सूर नह्र हे सूर नहिन्द्र न नहिन्द्र विकार क्रुत् सर्वेद न क्षेत्र व्या देवे द्वद में क्षेत्र व्या न हेन स क्षेत्र हे यदना सेदाय १९८५ वर्ष यदे सुरार्थे। दे अहा नाल्य दना पुरायत्र है बादा १९८८ में १८८५ में हिंदा के प्रति संस्थित के प्रति से स्थाप के प्रति से स्थाप के प्रति से स्थाप के प्रति से स्थाप नु'न दे'न्न ना मेर्'य केर् मु त्यम ना केद ये दे खें नहा केर विद पर रे सर दे सूना नष्ट्रया में मुद्दे नाहेद घँ दे खेँनास हिर प्रेंद प्रेंद विस मान मान **बेद् प्रदे त्यम केद्र द्री।** दे प्यट स देवा य वस दुर व दश तर् विरंतर क्षेत्रं सेट के अ वि व के सिट ने के पहिन के से महास के कि स **७९ : प्रेंब य देवे : क्रें स** देवा या अस युदा दर्शी वादा वी : क्रें व्यवा यदे : वे**स** या हमा भेद:प:देदे: के स:देन'परे: हिर:यर: प्येद की क्स प:माहे:मा:हर: पट वर्ना: मेर्या हैर मर्बेर वादे होर्या राय माया प्रश्ति लेखा मुप्तर हुर हो। यर्या मे द'य हैद'मर्घट य है प्रदाय है ना स रेपाय दि त्र मे य मे दे है स मानुदासर्वेदावाद्यात्राच्या द्रियां स्थाना हुवा है। स्या सदी स्थान धेद दें लेख नु म दे स मेन मदि दसे नह म मदे दस ये दि दे पदे दस मिन हैं

त्रसः द्वेदः हे : त्रेवाः पत्रे : क्वां वर्षः त्रेदः त्रेवा स्वां वर्षः त्रेदः स्वेदः पत्रे : द्रेये नशः मते द्रमाना हो १ के लिया या के दाय हु दाय र छ । यह दे हो या र हे विया सारे या या कृद<u>्रणे क्रमः स</u>्वे**न्सः रेन** य**्देशः ग्र**म् (वेशः नुः स्वः स्वाधः सः व्यवः स्वाधः सः विदः स्वा हीं वी.चर्निता.ता. बुंदा दी. च. दू. हीं वी.चर्निता की.चट्रे देश ता.ता. देवी. वा. बुंदा दी. चट्टे देश मर तहेंद्र सर होद सत्। प्रें के के के के के ना मा अहा लिया सर ही प्रमास द्रा यंवर याधिक के विषानु याके माना के के हमाया करा महिना या केरा भेरा यह हीर र्ह्स भूमे हुना या सम्य वर्ज्जिया सम्बन्धा वार्ज्जिया के दाला सम्बन्धा वर्ज्जिया समामित्र सम्बन्धा वर्ज्जिया समामित्र यस हमा स लेस नहें र सर नु न ता र र ने र ने र हैं र पर ने र रे **घर ह्या पु मा** इस प्राप्त के प्राप्त प्राप्त के प्रा त.ज.श्र्चाश्व.तर.चारश्व.तपं.टट.प्रेंज वर्.टेश.चांबर.टे.चा वश्व.त वरं.चाट.लूच... न ने वस्त्र उद्देश प्रदेश ह्या पर पर्दे र पा प्रेय हो। इर हिन पु न्य प केन्द्रे सं ध्येत के लेश ने प्रमुद्र पर प्रमुद्र के ।। सर् सर् सहन प्रमान परि ह्ये.ज.चर्ये.च.झॅश्च.चश्चरवे.व.लुवे.ब्री डे.केंट.वे.डुं.केंट.वेंश.च.चेंडुंश्च.वे. माध्यदानहन् चालेखानह्दायादे ह्नायामाध्यदाधेन वि ॥ दे नश्चन अत्रहेना स्रामाध्येष् पराङ्क्षायानाराध्येष् यारे त्वाणुटाह्यायराङ्क्षे वर्षेत्रव्यव्यवहन या कुर अब ब्रा ः रे रदा लेख मुन्य के मा या दर प्रवस्था सामा प्राप्त मालेखा चि.च.ज. सूर्यास, च.ज.र्सेचे वर्षेज.ची.१ स.च.जश कि १. व.जूचे चस. चट्रे वपु. १ स... न्त्।। , भ्रमान्यत्वक्रात्रभ्रेट्भीःर्रम्भावक्षमाल्यस्। भ्रेन्याप्रक्रान्त्र

୧୯୮.ସକ୍ଷୟ.ହ୧.ହିଁຟ.ପର୍ଜ୍ୟ.କୃହ୍ୟୁ ଓଡ଼ା.ଇହିଂହା.ସ.ଗ..ଜୁହ.ପଞ୍ଜୁ ॥ ममान्द्रे प्रमाद्रे पर्धिया प्रमात्र माना प्रमाय माना प्रमाय प्रमाय माना प्रमाय प्रम प्रमाय प मु.रवः जम होरे १ ज्या त. व. व. इ. व. इ. व. जर ब्रू ।। ज्यामा संस्था विश्वास्त्राम् । दे नवित्र द्वामा मान्यामा महेन म.लुबे.च रेट.। ची.बुक्.च.च.लुबे.च.रेट.। टुक्.चर.पचैंट.च.म.लुबे. यदे देशः तर ह्ये (पर्माय पर्मा) विश्व का मानी विश्व का मानी के किया है। **यामाणेदायाद्रा ज्ञू**यायामाणेदायाद्रा हेमायमाद्रीद यामाणेदः मत्रीक्षायर क्षित्र द्वाकायत्।। दे अका बुदावादि देवे रदाविकाकर क्षे देश मु न दे हो। वाया पर पर वह दे हर हिंश मु न दे हें दे हैं। दश दे लिट श श हो र हेश हु न र र केवा नी श र्यना चर हों न देन श च हों र न हरें र र य:वर-मु.शुर.त.कुर.तका म.चर. च हो १.व.ला १.व् ॥ ह्यू चरेनाश चर्जाली म. **या प्रह्मा प्रदेश होत् या दे । या मा अर्था प्रदेश या देश या ने द** त्रते देश त.करे. मु. तीला.करे. मी. हेरे. मूट्या त.रेट. हे. यपु. हेरे. मूट्या तार्थस स. कर. कृदः सन्तेन 'या कृदः प्रेन यादे खुनः वादे दे नियान पात्र विवास मानि विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास प्टा सम्प्रास्थास्य स्थापित स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स् मन्दरायर द्वाप्तर द्वाया वर वस्तर दे देश स्व द्वार् द्वार् । स्वा नहाता मु मुद्रे रदा नहीत सम सुद्र है । सेना न रहे दार मुर है । है साम महीता न रहे ।

यान्द्रा होत् या हे सूना प्रध्या में कु हित व्यव हे खेड है सेना सदे रदा प्रवेद स्व म्बर्पा दे हे हर दूर हो। वर्षे हर यहना सेदाय हैर मी वस में स श्रुट्श.च.झंटश.चटु.झॅ.वश कार्ष्यमाध्युक्तम.र्ट.जिश.चरे.वर्.चेरे.चटु. क्युं कर् सम्म न्यु र पर हेर प्येर वे किया र दे दे हुर दे हे दे क वा माहेत पर दे त्र्वास वे अद से दे दे दे दे ते ते से स्वास से देश में के से में के देश में के देश में के देश में के देश में म लेशनुवं मिंद प्रशादनुष्ट्यम नुवन्य प्रशाद । लेशनुव क्रेंशं स् भर-र-वश्व पर वश्वराही वाहेश में हैं हिंग्स के मेर ही र रें लेश हानके सर्ने **१९२४:** हॅह पर से जुस य हैन के खेर हैं वेस सुक्ष राम कि कर नुरूप पर देश र दना में दें र है नदमा दु स् नदे ले द न महे र हें हैं हैं हैं हैं चरं.चर्,खरश्च.चूर पेश ापश्चरेट.जिश.चरं.च.वश्च,चूरा.चरा.श्चित्वश. मानेदास दे स्वित्र देना सार्मित स्वीत स्वी बेसानु या बरे प्येत हो। हे वसान हें या हैर सेर सर वन्तर या फेर मी महेन च दे ख्रिस् दे स भेद दे। नि देन हैंना या हूद रे महेंद र कर भेद अह है दे रट. पर्वर भु. तुंश ता वर लार या है कु लुश चिर्दा लार में सिश कु आ तिशास की है. मा अदः न १ व दे १ दे न दे १ है। मार्थ हे हैं मार्च हैं हैं है नहें दे हैं । ्षेट देते रह प्रवेश में भेश राउद दु भट प्रकुर न भीतं की पह प्रवेश खूर न्यर मु नदे रद निवेत में भेरा सह केरे दे रहान के के केर में केर के कि दे द्रम्य म् व्यापा साध्ये दे विश्व द्वापा विषय स्थान स्थान स्थान स्थित बर्द्रअन्ताता वे क्षेत्र अपक्षित्व क्षेत्र मान्य प्रमान्य क्षा निक्र मान्य

'हुर्-मी दीर नेवा मक्तर पहिन् नामावर्वामा वर वेश च वर्ने इंडर मीर महत्र न्ये केन प्रमृत पा जिन लें। ने हिन ने मान पार्मि केन प्रमृत प्रमृ **डिट दॅर्का वे केंक्स जाया ऑर्य यादे त्या हैं गाया दर्मा या मृह्य या मृह्य यह व्याप्त वा विकास** क्षित्रहे। देख्युक्तमुद्रायायात्व्वायमाहेदायावे हेनायाद्रायावायायाया ं यासाप्येक के लेखान वर् भिरात्री के इंगरी या र्वेक दे से टान कर के है अद ५'प्यदायदे'ख्यायायह्यायादेवे संदायले रावेशाय-७ राकेदाग्रीशाष्ट्रवाया े**दे** 'द्राद्र व्याप से प्यादे देवी प्राप्त विकास के अपने 'ठक स्थीक सादे 'ह्या के हिन स्वरासिक से ्रम्र विना गुट वे थ व व वे व म मिरे वें भ उर र ये य वेद थ से नाम मिरे। ्रथमः विकासः देरकासः स्वारास्य के अद्भारता । व्यवसः स्व क्रार्क्षण्या सर्वेदः स्वतः । व्यवसः स्व क्रार्क्षण्या विर विश्व व त त श्वा श च देवे इस चर व में व च देवे सह र देवे व स्था पर हो । व स्थ े विनामी दश्रास्ति में शंचर यायर वयर वामार कराय है है वह वर्गिय क्स'रे'विमात्मे भाषाचे दाया निष्णे के हा ग्रीका हि सा वदीर अस हिमा ने महिदाया हुस्तातालाबुशाचित्तालासूच्यातालाह्यूश्च हे चिट्टाचाहुसाचालयाहे दिसाचिट्टा ं न म म र्स न्य पत् सक्र के प्रकार के महा के पर्टे पा क्रम्या शु र में पा पर के दिन पर ह्र्ये विद्यात्तर त्या ग्री त्यं वात्रा वात्रा त्ये तात्रा वात्रा ् लूट्स.श्रुट्र.त.७स.चे.च.च्येट्ट.चक.चश्चेट्र.त मृ.चट्र्र.त.३सश.श्र.श्रूर.चयु.सक्य. ्रें हेर्डिन्डिन् मुक्त सार्वे मिर्देश हुँ र् बं मश संमा ्रिक्केश.मदीक्रियानस्य क्रिंग्की.तथाक्रीक्षानिश.म.भूग.यू. खे.यो - पर्ट्र पर्ट्र पर्ट्र पर्ट्र

मीस'यहनाम भेदायरे क्षेत्रस्ट लेस ग्राया ह्यास है। 📑 वर्दर यहे द्वर वीस वहना मानाराधिकायादे वे त्यहरू की दस्रायरा ह्यीका सामाराधिका हो। नियह व दसे राज्य नियहरू पश्चामु नुर्देश के दे दूर दादे दूर दे दि दे दारा भी दार्श है शानु न व स्वाहर मात्रम्यानायर होदाह्य। हिसाया होदाया होता वर्षे सामाया लेब लेब नु न के झे द नम न ल लेंग्र पदि नु द या म न हें ब पदी। सकेन खर् में के खर मी लेश में न के महिम्स या स्वास मा खरे न में नास मा उठ हैं। दे प्रसाद मान्द कें नास पर से सारेस पार्येद कें विकास व दे पर्दे पर दे द्वार मी ... तहनायाध्येत्रायते क्षेत्रार्यः वृष्यानु नित्राक्षेत्राया क्षेत्रा वेषा वास्त्रात्रा विष्याः ् चु:पदे:र्वर्हाः दे:बे:पदाश:चु:ब्रं:क्ष्याम:मह्द:पदे:खेर:खेश:च:प:स्वाध: मन् द्वारास पर्टत प्रत्यासूर् हेर हेर प्रति दि लेश मु न मा स्नाय पर पर हर । । धर नेद च व व्यव्या होंद के व व केद दर मद सेद च दर। प्रमुखन दर हिटालमा अर्खन्य पार्वट याहै असार्मीय महिगामी व्यसाय हूँ कैंग्या पर्दे॥ द्वो च नाडेवा मो अट हा र्ह्मवार चरे तर्स नु अर्द कें। गुर दस हेर संस्थ मत्रीत्रम् तास्त्राह्मे ह्राम् । वास्त्रामी लेखानु न हे ब्राप्त स्वापायते सह (१९८ ग्रार वस देव स्प्रांच चतु नचसाच है। भूनास चाना लाल्ने चाने सारे सारे सारे सार दशायार्श्वन्यायदेश्यार्वद्राष्ट्रेराद्ये हेराप्येदार्थे। प्रत्यात्त्वेदार्ट्वान्येनाप्रदेश मर विश्वायातात्रविश्वास श्रास्त्रीमा पान्त्र के देशाओवायशानियामा लेव वा हे दि **दन्यायायायायाया** द्वारा वुरङ्गा केंद्राया कदा केंद्राया करा केंद्राया करा किया वार्य हित दा दिव्याया वार्य करा तर्रे। त्यंश्वराद्रात्र्याच्याप्रेया परारेश्वराधाः वेशाता वर्ताता वर्षाता वर्षाता वर्षाता वर्षाता वर्षाता वर्षाता

च माहेगा रचेरा यह तेरा यह हेर के किया ना कर ला हे र त्या या साम दिस्ता वा अहा स्वास का र्श. क्षेत्र. ता. पट्टेर. तर र वेश ता. केरे. त्रुर. ता. रे. केर. था ्रश्चेर. ता. पहेश. ता. लाहा वि तर पुर प्रत्यक्षाय प्रभाव के प्रत्ये के प्रत्यक्षाय के क्षेत्र प्रत्ये के व्याप्त के किया प्रत्ये के विषय के व · अमस शुःर्ह्यर यामा देवे यव्याव उत्रात्ते प्रात्ते का मार्थ के स्वर्ते वा चराया है। म्मो य दर्दे य र दास्य मु उद मार प्ये र य र अद हे हर प्ये र हे। दहे य दे - शे. ४र्ट्र. तपु. पर्यंत्र. ये. १८ ११ क्षा भे. १५ में पर्यं में स्थान त.लूबे.बे.ट्रे.ज.झे.उर्चल.च.ल.श्चाश.तज्र श्रेचा.चर्कल हुट तथ.श्रंचा वर्क माञ्ची..... मार्द्र-वामा प्रमान स्थाप वामान स्थाप मार्द्र-वामा स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य पत्रभावः नात्रभृत्योस प्रयाप स्याप भारते साध्यक्षा : दे हेर प्रस्ति सर ं मु नदे सुर न्या हे सुर हैना मे राम्य रे मिन्य ना स्त्रीत तान हो से रामा निकास किया चित्रात्मार्थित्र वार्ध्विस्य ॥ हे क्षेत्र हे बाचु तात्मार्थेन बादी हे इंडेना हिन त मिश्रानर होर नश होर नर्। मि रट नामक क्विहाक कर लेख छ न े **दे.३.चर.प्रदेशतर.**चीर.च.इस.शे.भधेर.चर्.पस.तस.चैं:.च.कर.ब्री की.स. दे हेर **गुंध न बु**द न द न्या था प्येत्र दे लेख न न हे गुत द क हें ते से द स मारे ही सी ं महिना भक्ष भक्ष क्रम बद पास भेर वें बेस नु न दे हैं द गुँदें। हि हे से द बेस वि.च.ज.स्चेबल.चस.चसम.च.दम च.चाकेस.स.ट्रेच चर.वेद.चर्चा 💛 वेंस्त.च. ः प्रदे**स.च.६४.३८.४.५४.४३.५७४.५४.५** प्राचर,प्रश्रामीट,प्रयश्यी,ची७४,८८.५४. ः च हेर ग्रेस स् ॥ अस ग्रे दुस स इ र्ह्मास प रे हेर देश सक्कि देश सर हॅन य नहेश सर्वे। न्या हेर्या र घुन ठ३ मु लेश मु न य स्वास सक्र हे लेग े वैंशान, बट, तंत्रे, सुर्याश, हुंब, नान्त्रुव, स्र्रा। हैंचा नार्जिंग, केंटा नायाहाया स्र्रे साट्र

पार्ने सिर.कुरा विद्या हिंचा प्रक्रिंग स्टर्ग पर दे प्रवेश सिरा प्रका मिरिट. म् केमस सी. शुट, च. क्या लट. लुब. मध. य. जुब. च. च. च. प्राप्त प्राप्त । । दे व्यक्त मु नक्षय हेट दर्ननर मु नर कुक्त य न्यार य पर दे य रे य रे अर मी रगर द्वरा नाल र के र पर्दे र पर प्रचुर र लेखा उर ये रेदे हैं। रगर द्वर ने समा वर्षा व प्योर लेखा व व के गुर वस हैं व संदेश व समा गुर वहा व है ने हु **৭**বৃহ্নির্মান্ত্রী করে বর্ত্তী ক্রান্তর প্রায় ক্রান্তর ক্ 'ले<mark>बुर'र्स्| दे'बश</mark>कुष या**२**डेश'या२च'बर'या२स'कीर'हे'बेश'यु'यर'धुर'र्स् **ॱन्वेर न्यात्रार मो स्वर ग्रे प्रवास तु स् तु र लिस तु य है । र वे स्वर्गा** वसःग्रे त्रवस्तु न्त्रवस्त न्त्रवस्त न्त्रवस्त स्वरं । ने वस्तर्मित ने विष् त्रेश यात्रमः त्राच्यात्र प्रश्नु र प्रश्नु व वरामु व न्या विकास ब्राच्याना त्या के त्राच्या स्ट्रा विद्या समायर रहे । या विद्या विद्या विद्या न्गरमुन हेन न्दानु स्याप देश यान्दा अर मु हेन त्या वर्ष मु ति द्वर्ष मु स ल्युं च हेर् के सिव वाल्युं या रेप्ट र या या या से प्रति र वाले प्रवास निक्र **लेक्स्य दे** इंद के विकास र वेद सादनायाया दसेना साम्यो। ग्री'प्रवस्त व वे अदा दू साम ह र मा भी व दे सद द ने म द द में पदन व न्दर व न्याय प्रमेश के हैं 'हेर 'न्याय हुव' भेक सर 'दे चुरा कि न्याय है है ने ' माबर्भर विर्मिर व्यानिस्तित्र हैर्डि विर्मित्र विर्मेश्वर विष् व्यापर ही र पातु स पाय देश य ते मुर प्रमुद्दा र ने प्रमान स्वाप य य वे कैंस अप साम हो पर पर्देश पर मुह मुन मुन पर्देश

मानुसायर प्रचुर मुँ लेस मु पाने हें ही पान्य परे हें मही राम है गूँ ही राम है र्घर विश्वादार्यात्म वे.श.लूब ब्रू. खेश वि.च वे.चे देवा जश्र भेरे न जश्र कर विश्वा माकुर्गु खुर्र्स्। सम्बन्ध पर प्रदेशमा लेखन विद्यान देशम पर प्रदेश ग्री मु खेर्याया या या या या विद्राया अव वि लेखा नु मदी मा न विवास पर देती। **त्रम्यात्र्यः वर्षः कुः होन् यानाराध्येशयाने त्रायस्य न् वर्षः यर कुन्यस्य ध्येकः हो।** दे ही नरे रुषा कर मेर परि हीर री। पर्टम स्वाप्तर मा हेर र है है है न ब्राम्य तम् न विकास वि यश द. खें भ. च. च. भ. भूचा था तथा हुँ र पर र चें द र हो। हार पर र च. च. च. च. पर र दें र र नर वि.चं. १ वि.चं. १८ वि.चं. १८ विष्यः ते विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः यत्रे मदेशमाणुक प्रमुद्द द्दायमा द्वार विकास सामि विकास वर मुर पर स्थित तम लेखा छ । य के पर र वर वि हे । य दे । य से से से से से सिंदा पर हैं । कुर्यक्रियार्दा अ.अस.विय सराभिक्षिय स्थित श्रीय श्रीय कुरा वृह्य हैं। **१८। वर्षः मः १८। मः असः यदे र्ज्यः १४: २**: २न मश्चिमः मुक्षः सिरः यरः **7.3ेर.नश.बिर.नर.भ**ष्टिशन के.रे च्रि.क.के.र्रट.नरशन राज्यासका सङ्ग्राहिर.... पर सिन्दे पदे पदे पर निवेश मा केन के सिन्दे पर मिन्दे पर दे मिंद के दे दिया वर्ष या दिया माले स्थाप के मिदायर मिदाय श्चैत.तष्.श्चेष्.ह..च्.श्चैत.तर.वेर.त.भूष.वष्ट.खेर.स्। ट्र.क्रेर.क्रे.खे.द.भीत. त.सैंच.त.लूब.ब्. (बुश.चे.च.सूंश.श्रा कर बु.खेश.च.च.लंबाश.जशं.चर्डें ग. शु.क्र.त.रेट.क्रं.त.बुश.च.न्र.ट.टे.वर्झ.च.ह्र्य.ट्रा ट्रे.च्र्झ्य.तस.

के वर्षा मार्थ स्त्र हैं। यह र वर्ष के मार्थ स्त्र होने से सेर पर । ম'শুম'ধবি ব্ৰ'ৰ্'হ্ন'নী স্ত্ৰ'ষ্ট্ৰ'নী স্ত্ৰন'নম'ন ছব বি। म.ल. श्र्योश्व.तश्च.वश्च्यं क्रि. पर्या त्राचर क्रि. के. क्रि. इ. प्राचर वि. खे. थे. बै.क्.र.भश.भु.चर्षे.च.लस.इस.से.रचना.न.लाई.ब्र्.७स.५क्र.तर पर्चीर.च.रेट. हिरास्ति चीरानु हुरावर्ष्मा स्वरायन्त्र ग्रीपाया रहना सामा वहारा रहना प इंदे श्रुर देवे अष्टित यास्त्रेत हैं अ लिनायर है शाक्ष र वर्गाया प्रेत हैं। दिश्व-च-दश्व-देश-च-द-दश्य च-हो चे-क्रुंश-से-द-- ह्यूं-च-वश्व-चर्-भष्टिंब.त. हंश शि. टेत्यी. त. क्रुब. है। वेश चि. चीट. फ. चरब. तप्र. केश ता. लूर. यास क्षेत्राचाना क्षेत्र य दे ते दस्यायानास्याय दे ही तस ह्रव यर तुसाय को रहिता न्याप्रकृत्युः दम्यानासे दाया लेखानु न्या इमायर न्यादाय है मिहेंदाय से दायस **ब्रिस:**नु:च:क्रेद्र-हों। इस:च:र्स:वन्तुर:च:सेर् ध:वस:पर्द्र-ध:मध्राः पर्व पर्व सिवि प्राहेश हार्या प्राप्त के विशान प्रति स्था सिव की विशान हे तना या या खेर पा प्यार है व्यूर प्येत्र (के बा क्रिंग पारे प्रस्तु प्याप्त प्यान रन्। ५८:लेश-वि-ताञ्चिंशाने।
व्रिन्यित्रे प्रवेशनावि विकास के निर्माति के सर् दे हे दूर। तुरस गुस नहार पदे हे दूर। सा नहार पदे हे दूर। জুনাধাপ্তানেতব, নালাপুনাধান্ত ভিব, নানাপ্তীপ, সৰাজনা বনী, সুধাপুনা म.लट.चट.लुब्र.चट.मु.झ.चुंब्र.च.झटब्र.चराश.घ.जिब्र.च.भुब्र.च.भुव्र.खे.वा ं खिसाय देविदेदालेमानु नाय स्वासाय क्षेत्र है। वह मास्तर प्रदेश मारे सदरावा माध्येष है। वनमाञ्चार्केनमानसानदेवानानवे मुंद्रायर महीरायी हीरायी।

देवे कुर मालु सामामित्र याहे साहु प्राप्त विवास प्राप्त विवास मालु प्राप्त है वे हिसासु र्खेन पाप्पेक के लिसानु न के नहें महाक प्रमास के हिसासु र्खेन स्ते हैं र री। झुन हेना झुन पते तहेना र्केंट सु स व लेखा नु न के महिन पर पद्मा मा मुन को । न्स। न ने ने पर न ने तरा त व भ व र ने र न है र की भी में म स पर सकत महिर क्रिये.न.ट्रे. क्रेर बेश.चे.न.ज श्रुर.न हैं श्रा मैं यू नवश श्रेतक शे. स्वक नयू. ्यमग्नार प्रेड प्र दे प्राव्ह मी र्दे प्रेड मी र्दे मा प्रेड के किया है हिस क्रिक स्टेड हैं से प्रेड के स्टेड हैं के स्टेड हैं से प्रेड के स्टेड हैं स्टेड हैं के स्टेड हैं से स्टेड हैं के स्टेड हैं से स्टेड हैं से स्टेड हैं से स्टेड हैं से स्टेड हैं स ্বস্প্রসূত্র বা ইউ স্ত্রীমানামানামান্ত স্থান গ্রান্তর বা আই প্রমান্ত্র বা স্থান স্থা र्श्वराया दे ता सहय न ता की र र लेश ब न र र र र ही। हे त्या हैं वर या मूर्य र्द्र 'बेस' व व देन्यु व 'छेर क नस प्रयासित छेर र्द्र 'बे घ व व वर्ष 'दे स व न प्रयासित हैं व वर त्युर व हिर भेर वदे छैर र्सा मार दे वर्ट हुँ मध हा व नुमार पर ्रेंद्र,ता.म.श्रुच्था.वर्षु भीचेर.पा.खेश.ये.प.व. प.व्या.चव-परश.श्रुच्यायायाः **सदमः मुखः मदे: दे: अ: व ग: ५: वुना ४: देश: वव: यदे: खें ४: के का पदे: देन ४: या नाल ३: २न'नीय'८२' हे**न्**यर्ग्यर'द्व'यर स्थ**'बुब'यस'व'मिं से 'रट'से ह्यु'यस'य र ह्यूंसस' श्चानवुन्यानायान्येन्यायानात्वीरार्यः वेशानुःचायार्थन्यायरे र्द्वावसूर्याः ब्रेन्ट्रा अंशवाक्व लूट्बा शिक्षान न होता पर होता पर है हैं लिया है प है वयायर हुँ त्यर सहर यह । अहे तर पर पर्हे या हे से बा हु है से प र्श्चे वस स्रोधमा उद दममा प्रदेश शुक्री वर महिर् यदे खेर हो। हे है दे दे दे

बर्चस व ने व म व ने ने प्र म प्रमें ने हिस के पर के म के हैं पर है जिस के हिस के हैं नवेर नर त्युर न संभित्र के विश्व वर्त हैं व है। त्येश वर्त के से वर्त के तर्तर य हैंदे य दे हे नश्च य प्यर के हैंदे य हैंनेश य क्ये ही स विकास प्रकेश । र्द त्नाय न अद्युत्र न हेर्नास न उन्स भिन्म हेर् भेन न रे हेर हिन यर त्र के के त्र हे निर्माण ने सामके साथ के त्र के त् त् . दे. लट. मी. इम. चब्रें १ दे में च.ज. त्र वे. तर. चब्रें १ त. हेर् १ तर में वे नम. นาที่ราชา ธิสารสา สิมาสศร สาพิสารี[] ผมาศัมมาสลาสลาหลารา 84 B. 84 4.37 AL MA. 4. 3. 82 N. 32. 2 3. 42 8 2. 4. M. 4. 4. 3. 36 क्रीर द्वीय श प्र पर में अपने ना देते हैं र में स मारे लह ही प्र पर ଜ୍ୟ ପ୍ର'ପ'ନ' ଖୁଲା ନ' ଅଞ୍ଚିୟ ନ୍ତ୍ରା ଲୁଖ ନଥି । ଲୁଖ ଅଞ୍ଚିୟ ଅଞ୍ निर्वेश्वसः पर्दे क्रूना में सः नहेश सः त्रेश सः । व्रितः परः व्रेटः सः दरः प्रवशः सः वै त्यम म्माम या ह्यु न पर होर य हैर प्रकृत प्रकृत हुर है। माय है व्य के हिंद दाकृदामु क्रिया हे सुर क्रिया महास्या व र्षित् ले ते दि प्रार्थित स्थाप के लेख व.च.ज.ध्येश.त.श्रॅश.श्र्रा भट्येतर-श्रेंट्र.यह श्रूच्येशट त. त्र्रेट्र. वेट्र.यट त्रज्ञांच का सब सर सहरे त हेर रेट चरे रूर मोजेशक सहरे क्रूच रेच मीक सिंच य लुन, खुन्न, पन्ने बुन्। वीयाने, पन्ने, पन्ने, पानेट, खुन्नाने, पन्ने पन्ने त.श्रुम.श्रा म'द्रायदेव''यत् इद्'य'द्रादे देवास'य'द्रादेश सु यह वि यदे । केंद्राय दे

🐐 देश.मूंल ७.वर्.मै.अष्ट्र.स्.चड्रब.२। निर्ध्तावर अधर लक्ष कूर्य.द्वा.रचात्र प्रदेश प्रीट। । शूची चा.चाच्च वा**श्व भ.५४.ग्रेट.र्वे.चोशे**श.ची॥ इ.भ.त्र्रदश पविर.जनश.चन्तर.वर्रेट.इ.चरी ारतर.रे.चर्चेब.तपु.रंश.रंगर. स्रुटार्स् दे मधुर्या । यदः द्वाः क्रिं गुः क्षे क्षेट्रस्व पः वर्ताः । वाद्रदशः हेः कुर खरे वर्षे ताम खराया | दियायेग्रस क्रि. वर्षे ताम हरें र्वेच विश्वान तर्ने अटारेट नुशा भेरासून गुशा मुर्ग वक्ष स्थापि ग्रा में दे ह्रीयाः ह्रीत् से पत्र परमान्याः हिंदसाः ऋषा स्व निः हित नु मुनः पद्भाप देवः र्च के हेदार्स दे हूटाया सूर प्रयम् याने है औटा मी स्निमा सार्वसानु हमसा हेसा यर नुष्रा छॅर दर छॅर वर्नु य स्व मु माईवर क स्वास मारुना स्वर ने ८ कें ज जुरे हुँर न के हिर ने न कर न कर मा की मान की जुर रहा है ने नि क्रिंगुरु अर्द्धे 'सुर 'वहॅ या वा वहे 'दिना' झेना से दे 'हिन के 'ते हैं । वि वहें गुरु वह दे । वि व রং বু বছর বর ম হামুহ সংশ্রেহ বর্রি **বার্**ষ দ্বী বাহ ব্যবাধা বর প্রিম ८८५ .लट.बेंच.च८.६७८ टेजूट्ब.इ.स श्रुट.च ८४.वेंब.धी.४सुज.च ८८.। पह्म म्रीट क्रटश नदु, हिर्ष यात हु, भर बु, यह, जम, हर्ष । क्रा पट्टेब, पैंगे. श्रुष्टेते. द्राट अनाश स् ग्रेय वहा मिहार क्रिय स त्राय प्राय के स्वाय है महार है नहीं स केर रु रुमेनास वर वस्त मुव सम्ब रेस रेस हेर गु मार्डर रव रेना रवर रु वसुर र्टाच श्रुर विचुर निट व्यव र श्रुर केंबा पर दिनो वर्षे वे श्रुर केंबा पुर प्राची कि ह्यूट्र क्रूब्र झुन्द्र दन्त्र न्वा द्वा व वटा वर्ष्ट्र द्वा स्टूब्र सुन्द्र वर्षे ।